

3

1

ठाकुर द्वारा

असे म

मितीनादिलालीदेवसालसम्बत १८३८ अरुणमंथनार्थेति
 तैमद्यवरतकामवत्पुत्रप्राप्तात्तत्कालेनैवमेव
 तैतीर्थीप्रेषणायरतीमायदेवाकोकामददित्वाएव
 रमितीवैमायसुदिहसालसम्बत १८३९ कोकपुत्रीसोम
 ज्यैष्ठिकश्रावणेआमलाकेयरतीगंगामनकरकीडेपेज
 दुपलाइहकीवीवाइहमपीतीकोहासिलसम्बत
 ताइमापुअवश्वतदाससम्बत १८४० अश्विनसप्तमी
 कोचाहैसोहकमहुतासालीताइपुलाइहकाडेपेज
 मैयरतीवीवाइहमपीतीकोश्रावणेसबतीलिधोमु
 करायरतीडेपेगासालीताइपुलाइहकीवीवाइह
 हीस

(३४)

प्रललासवतीकरारमितीअसोअसुदिहसम्बत
 १८४० मुक्तमवसवा

अधुराअमरविहारीगीबोरहने
 मंदिरकसवास्त्राईमैसुरमेंववास
 संकररामगुजरकीहनेलीकवा

गिरीश्वरीजी मंगलपत्रापुराणोद्भवगणेश्वरीजी
 गीर्वाणेश्वरीजी सखाईजी सुरभीजी सखीजी
 शिवजी के सुत सल्लुजी बालाजी श्रीमती प्राज्ञा
 स्वतन्त्र रत्नजी विराजमान लकी प्राप्ता के शास्त्री
 कलादिदास निमेष मयत दीवाना मुन्नाकरार
 गंगानन्द दिदुस मन्वत १८८५ अर सप्त हो चौथी
 मेरी मीसाव सलीनुपपाती सुतीया साली दाव
 सुपपाती ३२८ मेरी मन्वत को बालिका ली
 प्रगता सखाईजी सुरभीजी इवत दास साव डन्नाल
 सखीजी कर देवा को हुकम हुबो सो दत्त मयत
 बाहे सीद सयत दास हुकम हुबो मुपाकि कलि
 शिव प्रवाको सखीजी लियो सुकररा गंगानन्द
 लीवा डन्नालीनुपपाती बसे स्वाश्रयदा एवमे

३२८

रत्नीन्द्र मर बिरुरीजी श्रीमहादेवजी कामंदिर
 गंगाजी बालाजी सा कारे लीवा आना गुक
 लानुपपाती साली दाव

३२८

३२८

मुक्तारगंगाप्रमजकूरसंगिरदतनलसालीनुपमा

(५००)

गावजामगेलीतयाबोहजग गावजामगेलीतयाबोहजग
नासनाईजेपुरलननोमिपू मतननोमिपूगैरहमुवा
रहमुवावसलीनुपमा॥००॥ वसलीनुपमा॥००॥ म्येनु
म्येनिसनासाछागोकारुपमा पमासोलासैपचीस

(५०१)

(५०२)

प्रधानोसबतीकरारमितीचैतसुदिदुसालसम्बत
॥००॥ मुक्तारगंगाप्रमजकूरसंगिरदतनलसालीनुपमा

वतनोगगावजामगेलीतयाबोहजग गावजामगेलीतयाबोहजग
नासनाईजेपुरलननोमिपू मतननोमिपूगैरहमुवा
रहमुवावसलीनुपमा॥००॥ वसलीनुपमा॥००॥ म्येनु
म्येनिसनासाछागोकारुपमा पमासोलासैपचीस
प्रधानोसबतीकरारमितीचैतसुदिदुसालसम्बत
॥००॥ मुक्तारगंगाप्रमजकूरसंगिरदतनलसालीनुपमा
वतनोगगावजामगेलीतयाबोहजग गावजामगेलीतयाबोहजग
नासनाईजेपुरलननोमिपू मतननोमिपूगैरहमुवा
रहमुवावसलीनुपमा॥००॥ वसलीनुपमा॥००॥ म्येनु
म्येनिसनासाछागोकारुपमा पमासोलासैपचीस

मंदिरस्नानीसीतारामाचारीजनेहृतगलताकाके
 नेहकीप्रोसोहुकमहुप्रोप्रवावाभेप्रकोलापुलिधे
 इबतदाप्रसायइहलसम्बत१८८८थेसीगीचोगकेप्र
 ज्ञानोकरदोसोदसखतकरामोचाहैसोदसखत
 दासहुकमहुप्रामुखाफिकलियेप्रज्ञानोसचतीलि
 धोमुकररागांवमजकूरबगैरहृतकनसल्लीहुपप्रा

(६०५)

गंगमजकूरतननोमिन्न गंगबदोदोप्रगनाच
 गैरहसुयाप्रसल्ली१८८८ दसलननोमिन्नगैरहस
 म्येविसवाहंगकाहुपप्रा धानुपप्रा१८८८ म्ये

२३७५)

१९२५)

प्रज्ञानोसचतीकरारमितीअसाछसुदिसपसा
 सम्बत१८८८मुकामसवाईजोपुर

महादेवजीश्रीआनंदेश्वरजीविराज
 मानकसवासवाईजोपुरसागावे
 एकीचोपामैमंदिर

वाइआनंदकचरजीनेदीनीदाणीजीकीठाकुरजी

अन्तद्विहारी नीकोब एगो तीकै प्रछा डी नमस्कात
 त्पारोब एग्ये बिराज मानकी सात्पाकै वस्ते मुखाफि
 कलादिदासति मै दसयत दी ब्राज प्राप्त करार मिति
 असाछनु दिज साल सम्बत १८७७ अरु अण्डो बीजे
 नोग मै दकु र^{नी} के नख गा प जाम डेली तया दोह
 प्रगला सत्राई डी लुरव गै रह का मुखाफि कत्रवा के
 सबती के हुवा त्पामै स नोग बाई जी फरदी पोरोजी

आटोसेर ३१११ को	दाल पात ३१११ को आटोसेर
११	११

41

4

51

विरतायावहाकोआलोपैतरकारीवगैरहकुजपा
क दोकोआलोअथ

वरोच्चायपत्न्यं युजारीनें आनासाजती

2

17

211

25

2

5

पर एगिनर इकोग्रानोपाध

निष्कामिनामपुनर्मृगिणमुच्यते

लोकां मुकररारिणीनां लुप्तसौ पुञ्जरीं जगद्गरीं नो ग
 कागंगप्रगलताकास्ते तगालिका सो दिव्यीती करे नो
 मेक सरपट्टे सो ज्वलतुक्तमदुष्टो मंदिरके वीचे हाटता छे
 त्याको नाजे मंदिरतागलिका छे त्यामै सद्गुमा हनुपसा
 की हाटताका नो गमै न्गारी करदतो सो ज्वलतवा प्रमितो
 जेदसुरि रत्नमाला सुम्नता रत्न उषधे वसवत करवो चाहे
 सो ए सवतथा सद्गुक्तमदुष्टा मुञ्जरी कल्लिमे सी गै नो ग
 के प्रचानो सवती लियो मुकरर हाटताका नाज मेदुमा
 हनुपसा सो ला

११)

हाटदुष्ट हाटता नाजका हाटदुष्ट माहनुपसा
 पुञ्जरी मुकरर पुञ्जरी

१२)

१३)

हाटदुष्ट माहनुपसा

१४)

प्रचानो सवती करार मिती आसो ज बुद्धि दु सवत
 रत्न उषध मुक्तमसवती जेपुर

मुक्तमसवती जेपुर
 निम्नमिना गुह्यी मुक्ति

गोसायका दुपड़ा सुजा गीर हलवा लगे २५
२५१) सामी ३१५१

१०२५)

मुबाररासली लालसली दुपड़ा ३३३३ लीमै गोव्याल
दाचगैर ह प्रगता मा वटाका इतत दा प्र सन्वत १०२५
मानाकादसमताकरा लोचकै सोद सन्वत पास हुकम
हुवा मुलाफिक्तानिये सीगै नोगनेदोती को प्रलादी
सबती लियो मुबाररा गोव्याल दाचगैर ह प्रगता पाव
टाकात ल नो मि व गैर ह सुयात्र सली दुपड़ा ६६ ईसे स
ता नोती स

२५३५)

गोव्याल कुरत वन सली गोव्याल मुरत वन नो मि व गैर
नो मि व गैर ह सुयात्र सली ३३३३

२५५५)

म्ये दुपड़ा

३३५)

प्रदानो सबती वगार मिला माग श्रुति १३ सन्वत
१०२५ मुकाम सली ई जी सुर

गकुर श्री अटल विहारी जी विराजना
शोक सत्ता सप्राई जेपुर में दे दे हरे सीताराम

दुवा दिना निपादि हेतु
निम्न निपादि निपादि

सिद्धांत

गङ्गाधरजी अतल्लिहारी जी विराजमान कसबा सवाई में
 रमिंदार सीताराम ब्राह्मण गोडके तथा रुक्मिणी नोग के प्राप्ते
 माग फल विदवा धर कर्मिनी धर सो जमुदि सन्वत १८७३
 अरु जप हो श्री दुकम हुवा इम तग मिती नाद प्राप्ति
 सन्वत १८७३ धे दुमा हे बकली दुपमा च बाबत नोग
 क करद हो ती की तल धर कसबा सवाई में पुर कच सु
 न्ना धरि करी अरु तलो सवती करं मुकर रा दुमा हो वस
 ती दुपमा धर

अज्ञानोन्मत्तकीक सरमितीमागधनुदिहिसम्बत १९८५
मन्वजमसुवाकैजीपुर

ऐव भतलावरह गाव गोकलचंदपुराता जे लका कसबा
सवई जे पुरका मे इचता दरमसाय स्थालु सम्वत १९३३
चे पाइ साली लानु पसराह चिठी करार मिती पोसस
दि १३ सम्वत १९३३

सुखचिन्ताविमोक्षोऽयं
विमोक्षोऽयं सुखोऽयं

ठाकुरश्री अलख बिहारी जी बिराजमादा कसबा
वासवा ई जैपुर में देहरा सातारा मन्त्रालय
मोहकैत्यादा का नोमने बन्धु का कसबा
सवा ई जैपुर का ये मुवाकिक का प्रबन्धने से
वती म्हा राजा श्री सना ई ईस्वर सिंघने
करार मितेती माग अन्तु दि ई सम्बत १८८३
का ये प्रमाद है बसली दुषमा न्यार

७

प्रजातो सबती हाल करार मितेती दोस
बुदि ई सम्बत १८८३ सा विषयस्तु बहल

ठाकुरश्री अलख बिहारी जी बिराजमादा
कसबा सवा ई जैपुर में देहरा सातारा
छम्पदास के

ठाकुरश्री अलख बिहारी जी बिराजमादा कसबा सवा
ई जैपुर में देहरा सातारा छम्पदास के का नोमने
वास्ते मारका बिहारी जी मितेती दोस बुदि ई सम्बत
१८८३ अखण्ड हो ची दुषमा दुषा इवता दा प्रमितेती माग अ

कसबा सवा ई जैपुर में देहरा सातारा
छम्पदास के

सुदिनसम्बत १८७३ वैशाख १० शुक्ल ३) करदनीती
कीतनामा रुकसवासवाईजैपुरकाचोप्रावरणप्रवालोस
वतीकरदनीमुकरराइमाहोनसलीदुपलातीन

३)

प्रजनोसवतीकरारमितीपोसबुदि ११ सम्बत १८७३ मु
कामसवाईजैपुर

ऐवजतलभाहगावप्रसरामपुरातावरणकाकसवास
वाईजैपुरकामेइवतदामसाभम्पालसम्बत १८७३ वै
सलीनावसलीदुपला ३५) कीप्राइ

बिहीकरारमितीकातीसुदि ११ सम्बत १८७३

गकुरश्रीअण्णविहारीजीविराजसो
नकसवासवाईजैपुरकामेत्याकाने।
गनेचबुजाकसवासवाईजैपुरका
सोसुजाफिकप्रवासेसवतीम्हाराउ
वइकुंरबासीजीश्रीसवाईइस्तरसिं
इजीइवतदामगिलीपोसबुदि ११

मन्त्रलपुत्रकायेदुमाहेवसूलीरुपमा

३

देवरास्यार्मास्तिशुभरापासके

प्रचलनोसबतीकरारमितीमाहसुदिदुस

मन्त्रलपुत्रसाधिकदस्तरव्यटाले

लकुश्रीश्रृष्टलचिहारीनीविराजमावकत
वासपाईजेपुरमेंमंदिरविजेरामब्राह्मण
के

लकुश्रीश्रृष्टलचिहारीनीविराजमावकतसचासपाईजे
पुरमेंमंदिरविजेरामब्राह्मण केत्पाकानोगकलास्तेमान
तअलखसिंयकीमितीअसोजसुदिदुसम्बत१८८७
रैपहोबीहुकमहुवाइमाहोवसूलीरुपमाइसीगैनी
गकेइसतगमितीभाएलासुदिदुसम्बत१८८७येदोती
कोप्रचलनोसबतीसिधोमुकरराचनुत्राकसबासवा
ईजेपुरकायेदुमाहेवसूलीरुपमातीत

३

प्रचलनोसबतीकरारमितीअसोजसुदिदुसम्बत

लकुश्रीश्रृष्टलचिहारीनीविराजमावकत
वासपाईजेपुरमेंमंदिरविजेरामब्राह्मण

रक्षकमुक्तामसुवर्णैर्जैपुर

रक्षकमुक्तामसुवर्णैर्जैपुर
रक्षकमुक्तामसुवर्णैर्जैपुर
रक्षकमुक्तामसुवर्णैर्जैपुर
रक्षकमुक्तामसुवर्णैर्जैपुर
रक्षकमुक्तामसुवर्णैर्जैपुर

३१)
विद्योत्तरमितीयोससुदिनसम्बत १८३३

गङ्गाधरप्रदलबिहारीजीकोमदि
रक्षकमुक्तामसुवर्णैर्जैपुर
तीकटलाकेस्वामीप्रवैरामदास
एगोतीदेविराजमानकीला

वावतनोगंगाधरप्रदलबिहारीजीके
स्तेमुक्तामसुवर्णैर्जैपुर
विद्योत्तरमितीयोससुदिनसम्बत १८३३
होर्वाजोगंगाधरप्रदलबिहारीजीके
कङ्गाधरप्रदलबिहारीजीके
कीकटलाकेस्वामीप्रवैरामदास

गङ्गाधरप्रदलबिहारीजीके
रक्षकमुक्तामसुवर्णैर्जैपुर

६४७) तीमिसम्बत १६०३ अंगवराधारीकसतपुग
 वाससिरसीतपामनपूरकामें बस्योतीतीचमने
 व्यागीबीया ४४००) वार्काबीया १६२०) तीकीती
 ममुत्राफिकाफरदहकीकतिकेसम्बत १६२०) ती
 मजगैरसुयाकरारछमाहारुपपा १२००) तीकावसु
 लीरुपपा ६००) कोइवतादाससम्बत १६२०) तीका
 देवाकोहुकमहुचोसोदसवतकरासोचरहंसोद
 सवतयासहुकमहुचामुत्राफिकलियेदोतीकी
 प्रजानोसवतीलियेमुकररागांवमजकूरता
 मोमिचगैरसुयाकरारछमाहारुपपा १२००) तीका
 वसुली ६००) कोरेक

प्रज्ञानोसवलीकरारमितीचैतसुदिच्छसालस
भवतच्छरमुकामस्यप्राईमैपुर

दाबुनश्रीअष्टलविहारीजीमंदिर
राष्ट्रभरतरामके

दुर्गादेवताविषयक श्लोक
विष्णुजीवप्रपुनरीतिमोक्ष

खानलनागगोत्राकुरन्त्री अरुलविदरिजीविग
जमानकसखासखाईनेपुरमेंमंदरराइमरतारा
महबेलीकेमुलसलनखोबगमेमिलीमाहसुदि
उसम्बत१६६६लेकीपात्पाकेबास्तेमुलाफिकसु
दिदासतिमेंदसखतादीजावाभावाकरारमितीफा
गगवुदि१सम्बत१६६६अरुजायहोचीउपानेग
होगोत्रस्योहारमेबासवीरमकातागलबगैरहा
पाहबेलीमगलासखाईनेपुरतलसोमिलुगैरहसुधादुपमा
जर्देचतीकावसली२६६६)काइबतदाससाखउलाल
सम्बत१६६६लेकरदेवाकीहुकमहुप्रोसेदसखतकराप्रो
चाहिसोएसमलबासहुकमहुजामुजाफिकलियेसीगिने
गकेवतोतीकोमजगकोमजतीलियेमुकररागोवस्योहार
मेबासवीरमकातागलबगैरहापाहबेलीमगलासखा
ईनेपुरतलसोमिलुगैरहसुधादुपमाजर्देचतीकावसली

२६६६)

गंगामजकुरतलजर्देचती गंगस्योलालपुरावासस्यो
कावसली) हारतल१००)तीकावसली

२५६६)

२६०)

प्रधानाश्रमचलीकरारमिलीकागणबुद्धिसाम्बतसुद्ध
मुक्तामसत्राईजैपुर

दसमताज्जन्मलालनाकलला
दीसका

[illegible]

विषयप्रदानमुष्मन्तीति नामुक्तं रागगुणमजकृतं तन्मोनि वृत्तं
रहस्यप्रदायकं नीदुपपादयन् कोटिक

५

पञ्चमोऽस्य नीकहरमिनीमोगुणपुष्टिदुष्कृतवत् ५ गुणका
मस्यार्द्रजिह्व

दशमस्तुतिस्तुतिस्तुति

कस्तुरीसुख

५

मुक्तविनाशितारिद्रिह्व
नेदुष्कृतवत् नीकहरमिनी

वस्तुधर्तरीद्रिह्व नीकहरमिनी
मुक्तविनाशितारिद्रिह्व
नेदुष्कृतवत् नीकहरमिनी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पुनर्निर्देशन न ककुम्हार नृव्यवहणञ्चकै

[illegible]

5

जब जित्त चपनी करारमिनी पोस बुद्धि करन्यत ॥ १ ॥ मुकाम सखाइ होय

एषः सत्यं वाहनामसु स्यातादिकैः कस्य वा स्यादिति मुक्तकौ द्रव्यतत्त्वप्र
सङ्गनामसु स्यात् ३३ विधाऽसिद्धाः ३४ ॥ सिद्धिः ॥ एतन्निमित्तसु निमित्त

मुद्राचिह्नानि प्राक् कोटिद्वयम्
ते आलक्षणम् आसि मुद्राचिह्नम्

Page 2093

संस्कृतश्रीकेशोत्तमजीविराजयोगवत्सलचारसत्वादिभिर्पुर
मैमंदिस्तनोहितामविराट्पणमोदकामैर कवै

[illegible]

23

मन्वन्ती सप्तर्षिः कश्चिन्मिनीं प्रहस्युदितं स गच्छतः सप्तर्षिः सप्तर्षिः सप्तर्षिः

[illegible]

मुकामिनाकेतादीकहेदेक
महाराजादेदेहिसुखादी

[illegible]

एकद्वारद्वीपु मौरापनोविमलसमानकसन्ध्यामलाईनेपुमैमंदिरपेक्षु
 जसलीमिपतिन्यतुका नोगकैज्जालीमारकनपवसरद भिमकीमिती
 पोससुदिउटसम्बल ॥ उत्तरनयोहर्लीमुनसमुलारमदिनसुनीदृष्ट
 पारकोरसतगमिनीनारवसुदिदुसम्बल ॥ लपेदौतीकोधनले
 सवनीनिमिमुनारभनुजाकसन्ध्यासन्ध्याईनेपुरकासोहरमाहोवसुर्त
 एषमाज्जार

5

प्रमाणोभयतीकहरमिलोमावमुदिकरन्वत्तएत्तमुकामावाइने
ए

एवमनन्तरं यदा गायत्रीं पठन्ति तदा ननु उक्तमर्थं किं स्यात् तदा नैव पुरातनं
इत्यत आह यथा यथा तदा ननु उक्तमर्थं किं स्यात् तदा नैव पुरातनं
सिद्धं एवमिति चेन्न तदा ननु उक्तमर्थं किं स्यात् तदा नैव पुरातनं

सुभाषीभाषिजयतिद्विद्व
नेहालालम्भारिभुषण

श्रीहोत्री श्रीगङ्गाकालीजीस्मिराजनामलिहोस्वीयं

छरकार सौदागणकी पालिका बुझायेन

इति श्रीश्रीसहस्रनामो जीविताजगन्नेत्र ऐरावतं जम्भकाराष्टकम् ॥

संस्कृत-भाषा-परीक्षा के नतीजों पर आचार्य महाराज का प्रतिक्रिया

सन् १९७९ मध्ये मंगळी नदीमाथे हुकमढीसो दशखत काराकोचर

सिद्धकमलवादागहोदयपात्र॥३॥ इत्येतन्नाममितीनादनाद्वर्षिप्रमाण

सम्बन्धार्थीगोत्रोक्तं पञ्चमार्थिकं कस्यस्यार्थीगोत्रोक्तं

मैत्रेयार्जुनयोः पञ्चदशोऽस्य जीविनोऽस्तु कस्तुमस्तु तस्मादोऽप्यपामाननीयकम्पन

34

पञ्चानाम्महोत्सवपरिणीतमङ्गलीचुनेरुद्वयसम्पन्नसुखसुखान्तमङ्गली

एवमनन्तरं गान्धर्वस्य पुत्रस्य नाम्नादिभिर्गुणैः

~~सहाय्यता प्राप्त झालेला असून २०१९ मी साली निवृत्त झाला~~

कहा गिरती कासी नुदिरु साम्भदा

आभारार्थी विद्यापतिजी विद्याभक्तिकृत वास्तव्य भवन

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मैदेहो न्नादसिधुपया एतत्तत्तैत्थाका सीमन्तैवासे
 मुग्धादिक्कपयाने ममती माराणां कुलं नसी जीअसिवा
 ईदं अरिं सिंघा जीअर मित्ती मारु रादि ल स म्भत्त २७३
 का सो मा र्ग म्भत्त पुत्रा कस मा म्भत्त जे पुत्ता म्भत्त २७४
 मादे न म्भत्त जी पु म्भत्त जी पु म्भत्त जी पु म्भत्त जी पु म्भत्त

३

प्राप्ता सीमन्तैवासे मित्ती माराणां कुलं नसी जीअसिवा

एव न न न म्भत्त माराणां कुलं नसी जीअसिवा मित्ती माराणां कुलं नसी जीअसिवा
 माराणां कुलं नसी जीअसिवा मित्ती माराणां कुलं नसी जीअसिवा
 मित्ती माराणां कुलं नसी जीअसिवा माराणां कुलं नसी जीअसिवा

मामुत्त सीमन्तैवासे मित्ती माराणां कुलं नसी जीअसिवा
 मैदेहो न्नादसिधुपया एतत्तत्तैत्थाका सीमन्तैवासे
 मुग्धादिक्कपयाने ममती माराणां कुलं नसी जीअसिवा
 ईदं अरिं सिंघा जीअर मित्ती मारु रादि ल स म्भत्त २७३
 का सो मा र्ग म्भत्त पुत्रा कस मा म्भत्त जे पुत्ता म्भत्त २७४
 मादे न म्भत्त जी पु म्भत्त जी पु म्भत्त जी पु म्भत्त जी पु म्भत्त

मुग्धादिक्कपयाने ममती माराणां कुलं नसी जीअसिवा
 ईदं अरिं सिंघा जीअर मित्ती मारु रादि ल स म्भत्त २७३

ह्यनुत्तरीकलयाण्यराधयिष्यमाणान्कसन्नासवादिने
 पुनरेहैरप्यनकुमारं चान्यथाकावेत्याह येनेम
 नीन्वुना कान्तवायवादिभिरुक्तसोमुक्तमिन्द्रजनेस
 वीमहायजाधीसन्वादिद्वितीयं विंशती करमितीव्या
 नुदितसम्बन्धः ॥ १७ ॥ कावेर्याहैयसूनीपुनः

८

ह्यनुत्तरीकलयाण्यराधयिष्यमाणान्कसन्नासवादिने
 पुनरेहैरप्यनकुमारं चान्यथाकावेत्याह येनेम
 नीन्वुना कान्तवायवादिभिरुक्तसोमुक्तमिन्द्रजनेस
 वीमहायजाधीसन्वादिद्वितीयं विंशती करमितीव्या
 नुदितसम्बन्धः ॥ १७ ॥ कावेर्याहैयसूनीपुनः

ह्यनुत्तरीकलयाण्यराधयिष्यमाणान्कसन्नासवादिने
 पुनरेहैरप्यनकुमारं चान्यथाकावेत्याह येनेम
 नीन्वुना कान्तवायवादिभिरुक्तसोमुक्तमिन्द्रजनेस
 वीमहायजाधीसन्वादिद्वितीयं विंशती करमितीव्या
 नुदितसम्बन्धः ॥ १७ ॥ कावेर्याहैयसूनीपुनः

९

ह्यनुत्तरीकलयाण्यराधयिष्यमाणान्कसन्नासवादिने
 पुनरेहैरप्यनकुमारं चान्यथाकावेत्याह येनेम
 नीन्वुना कान्तवायवादिभिरुक्तसोमुक्तमिन्द्रजनेस
 वीमहायजाधीसन्वादिद्वितीयं विंशती करमितीव्या
 नुदितसम्बन्धः ॥ १७ ॥ कावेर्याहैयसूनीपुनः

मुद्रादिभिरपि
 ह्यनुत्तरीकलयाण्यराधयिष्यमाणान्कसन्नासवादिने
 पुनरेहैरप्यनकुमारं चान्यथाकावेत्याह येनेम
 नीन्वुना कान्तवायवादिभिरुक्तसोमुक्तमिन्द्रजनेस
 वीमहायजाधीसन्वादिद्वितीयं विंशती करमितीव्या
 नुदितसम्बन्धः ॥ १७ ॥ कावेर्याहैयसूनीपुनः

बानुर श्री किल्लमण रामजी

नाम लखवली बानुर श्री किल्लमण बानुर श्री किल्लमण रामजी बिरा
जी बिराजि जय भक्ति जय सुख भक्ति जय नमान गज दे रत्ना बाल गज की
हस्त गिर सखत रो नान मान बिरा प्रगता सखति ने पुरका मे व्याहक
मिली राग सार मुद्रि सम्बल ॥ १ ॥ नौ गज मोग मोग गोरु के बाल
जकी ह बी बानुर श्री गीतान दे न्या यी री नाला ह बी बिरा प्रगता सखति
समे बिराज अलो रो जलना बिरा ह दो री मुद्रि सम्बल ॥ २ ॥ नौ गज मोग मोग गोरु के बाल
रुगे रत्न जय गली सखति बिरा प्रगता सखति नौ गज मोग मोग गोरु के बाल
नौ गज मोग मोग गोरु के बाल सखति बिरा प्रगता सखति नौ गज मोग मोग गोरु के बाल
जीका पथ के संतान गिरि ली ह की ह

३

मेली सखति मे माल सखति मे माल गजानो बामती कर राम की माल
बानुर श्री किल्लमण बिरा ह बी बिरा प्रगता सखति नौ गज मोग मोग गोरु के बाल
नौ गज मोग मोग गोरु के बाल सखति बिरा प्रगता सखति नौ गज मोग मोग गोरु के बाल

यमे दस माल माल नून माल माल माल माल

बानुर श्री किल्लमण बिरा ह बी बिरा प्रगता सखति नौ गज मोग मोग गोरु के बाल
मली को मो मुद्रि सम्बल ॥ ३ ॥ नौ गज मोग मोग गोरु के बाल

॥ ३ ॥ नौ गज मोग मोग गोरु के बाल

मुद्रि सम्बल ॥ ३ ॥ नौ गज मोग मोग गोरु के बाल

विषयः ज्ञानमिति विज्ञानस्य रसः

वृत्तिरिति

मानसि नो गताः सन्ति पुरः प्रजाः

मनसि नो गताः सन्ति पुरः प्रजाः

मनसि नो गताः सन्ति पुरः प्रजाः

मनसि नो गताः सन्ति पुरः प्रजाः

मनसि नो गताः सन्ति पुरः प्रजाः

मनसि नो गताः सन्ति पुरः प्रजाः

मनसि नो गताः सन्ति पुरः प्रजाः

मनसि नो गताः सन्ति पुरः प्रजाः

मनसि नो गताः सन्ति पुरः प्रजाः

मनसि नो गताः सन्ति पुरः प्रजाः

मनसि नो गताः सन्ति पुरः प्रजाः

मनसि नो गताः सन्ति पुरः प्रजाः

मनसि नो गताः सन्ति पुरः प्रजाः

मुद्राः लेखनीयम् इति
वैशालः तस्य प्रसिद्धः

सिद्धि धोनिती करनी जानही सोछा
 दमज करनेन नुपे जाहुप प्रा. १०
 की नुपे जाहुप प्रा. १० छे मे जो
 गमेई बतहा प्रमखत १० छे मे जो
 यस्त जगदधारी नो मक मे रह
 सुभा कर प्रा. बाहू तीर को न
 नो नो सपती हो प्रसीद सयन
 धासहु कं महु नाना नो सप
 ती करो गच्छहरो मस्त हुप प्रा. १०
 मेई बतहा प्रमखत १० छे मे जो
 नो मक मे रह नो मुकरा गा. १०
 ज कर जगदधारी नो मक मे
 रह सुभा नं नुपे जाहुप प्रा. १०
 १० छे मे जो रोयस्त एक

मुझ वरिष्ठ सगरे मुझा वरिष्ठ सनेद
 (के रोमी जाहुप प्रा. १०) रोमी बतहा प्रम
 मुकरा ग. १० छे मे जो रोमी बतहा प्रम
 १० छे मे जो रोमी बतहा प्रम
 कमुप प्रा. १० छे मे जो रोमी बतहा प्रम

हस्तकृष्णनाभः शिरसि त्रिनेत्रः

कान्तपद्मचन्द्रमण्डितः शिरसि

हस्तकृष्णनाभः शिरसि त्रिनेत्रः

कान्तपद्मचन्द्रमण्डितः शिरसि

हस्तकृष्णनाभः शिरसि त्रिनेत्रः

कान्तपद्मचन्द्रमण्डितः शिरसि

हस्तकृष्णनाभः शिरसि त्रिनेत्रः

कान्तपद्मचन्द्रमण्डितः शिरसि

हस्तकृष्णनाभः शिरसि त्रिनेत्रः

कान्तपद्मचन्द्रमण्डितः शिरसि

हस्तकृष्णनाभः शिरसि त्रिनेत्रः

कान्तपद्मचन्द्रमण्डितः शिरसि

हस्तकृष्णनाभः शिरसि त्रिनेत्रः

कान्तपद्मचन्द्रमण्डितः शिरसि

हस्तकृष्णनाभः शिरसि त्रिनेत्रः

कान्तपद्मचन्द्रमण्डितः शिरसि

हस्तकृष्णनाभः शिरसि त्रिनेत्रः

कान्तपद्मचन्द्रमण्डितः शिरसि

हस्तकृष्णनाभः शिरसि त्रिनेत्रः

कान्तपद्मचन्द्रमण्डितः शिरसि

हस्तकृष्णनाभः शिरसि त्रिनेत्रः

कान्तपद्मचन्द्रमण्डितः शिरसि

हस्तकृष्णनाभः शिरसि त्रिनेत्रः

पञ्चमयेत्येवमिति । अथिन्द्रादयः ।

आण्डालनशामनका शास्त्रं

महर्षिभ्यो नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

पिप्लोप्लेयमर्गोदहृद्भुयान्मन्त्रमेनदु

अथाऽपि नो वदन्ति

नमो भगवते वासुदेवाय

सन्तुष्टीकृत्यवात्पराधर्माद्विराजामात्रजायतेत्युक्तं वाच्यम्

निष्कपरात्तामन्वार्द्धिपुण्ड्रकामैश्वर्यता नोत्तमोत्तमवर्गैः

हयै न्यायिनि अविशुभमानी नै नलिख पोष्य मत्तम मत्तम मत्तम

[illegible]

विष्णुसहस्रनाम - १००० - १००० - १०००

[illegible]

नवद्वार

मन्त्रिभारगमिति नृप नीचद्विभनम्बतु मेवो नृपदेवस्य साहस्य

समाप्त

सुभाषचन्द्रबोस विद्यापीठ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मुकुटारो नविकाशोको सुन्दरसुखानिबोधरागाव्यहराम

चिह्निकररविनी फलपत्रा सुदिदुसम्बत १७३३

चिह्निकररविनी फलपत्रा सुदिदुसम्बत १७३३
 शूरको निम्ना शालाफ्रिफ सने दही नाराणि के मराम द के सम्बत
 ताई फलपत्रा प्रतीक सनी ही उभो प्रजा न गि सुलाय न्य रना प्रय
 दरो गज न गी उभो ही का

१
 हाकुरजीवी कि सोरज जी मुरली मधो रवी निरख मान
 जो सिध पुर मोहीत फलपत्रा सुदिदुसम्बत १७३३
 त्याक प्रयोग ने रोकी नाहि नी स्व पोत दार मगना सुदिदुसम्बत
 रक गुरु सुभाषि फलपत्रा निसपनी महराणा के सुत्पाती
 नी श्री सुभाषि फलपत्रा निसपनी महराणा के सुत्पाती
 काथे पावे छापर से ला श्री राम के नी करे छो सोका
 लव सहु जो प्रमसे ना गुना मयने सालीगर मयने
 लीरम का फलपत्रा सुदिदुसम्बत १७३३
 पावे मुकुटारो नविकाशोको सुदिदुसम्बत १७३३

३
 हाकुरजीवी कि सोरज जी मुरली मधो रवी निरख मान
 जो सिध पुर मोहीत फलपत्रा सुदिदुसम्बत १७३३
 त्याक प्रयोग ने रोकी नाहि नी स्व पोत दार मगना सुदिदुसम्बत
 रक गुरु सुभाषि फलपत्रा निसपनी महराणा के सुत्पाती
 नी श्री सुभाषि फलपत्रा निसपनी महराणा के सुत्पाती
 काथे पावे छापर से ला श्री राम के नी करे छो सोका
 लव सहु जो प्रमसे ना गुना मयने सालीगर मयने
 लीरम का फलपत्रा सुदिदुसम्बत १७३३
 पावे मुकुटारो नविकाशोको सुदिदुसम्बत १७३३

धनुरकीचक्रपाण्डपतीनिराजमानकस्त्रालास
 सोढमैन्माका नोवाकैनालेनुष्ठा फिकपादरास्त्रै
 हसपसदीभ्यतमासकरमितीसम एमुदिहसम्
 मल्लज्जवरजमेह नीज्जेनवाधनुरलीङ्गीकुसलो
 नीसम्भामोदसदमदसो करै छेसोनीचमेहसति
 धिरहम्भज्जमोपामैन्मासुस्त्राकोचनारोदसही
 नीधारासुभनकरयेडिगिज्जकोएककोज्जमो
 करानीसोड सोअल्लु कुसलोधिरहम्भज्जमो
 नामसेवाजोगकेप्रधानोकरनाकेमुनेरना
 छेसोदसम्भतमासकुसुमुनाधरतीखज्जकोएक
 तोमोमुनकरै धरसोगनैधरतीखिधा ह्मगं
 लाडपुरप्रमानालसोड नीधरतीमयेधरदा
 सम्भतल्लुपमैदोतीकी प्रभानोसपलीवारेमुह
 धाधरतीखिधा

३५३

प्रभानोसपतीकरमितीजादनासुदिहसम्भतदुडमुनी
 स्त्रैजेनुरज्जामुकरशततवाहयतीप्रान्तलउपुरप्रमानाल
 मुखापिजातिप्रतिहम्भ
 नैप्रालालामोरेहम्भ

मोटकीवरीलसिद्धिप्रमाणानुसारद्वयतदाणमन्त्रात०३५संसाधितह्याले

भारत-रक्षा-संस्थान

53

हानुवन्नीकलयात्परमजीविनसंयमावका
स्वागतपद्मैलीप्रमाणवत्तत्र नृपेन्द्रात्मना
न भ्रूतौगावमूर्ध्वगैरह्यनिमुखाजिम्बाप्रदा
नेत्यतीकलामितीकहीमुख्यप्रणम्यत्वत्तुष्ट्या
येनोष्ठा

4545

गान्धर्वोऽप्यस्यैवैकीर्णविष्णुः सत्यविसमपुत्रपाह्नुर्देवैर्दीर्घाया

545

५३५५५

हस्तमन्त्रोपाध्यायः कृतः श्रीमन्महादेवस्य सन्वत् १८८८ शुक्लपक्षे
ज्येष्ठ

अनुसूचीकेसो रचनाकिएलामात्रमात्रगुणव्यापक
 पक्षेकीप्रमाणमात्र नकामैनाममोयमैनामैनाम
 पिछाप्रचलैरामतीकरणीकीकातीकुदिउसम्मातु
 कामेपरतीगोत्रयेईतपुत्रामात्रवैलीप्रमाणमात्र
 कियनैअप्रतोखण्डपूनीकुकोहरनीसतकोयेने
 मिराहणकोसोहयतिवमन्वत कलउतईमकेकुहा

54

45

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

राज्यधामनाम श्रीतीक्ष्णशक्तिविकारीसुदि० सन्वत् २०७२ चैत्र शुक्ल सप्तमि

राज्यधामनाम श्रीतीक्ष्णशक्तिविकारीसुदि० सन्वत् २०७२ चैत्र शुक्ल सप्तमि
 लभात्मानां सुखात्मानां नाशान् लभात्मानां सुखात्मानां नाशान्
 जेपुत्तमिन्नाहतासोमन्तेष्वर्सेभ्योत्तमिन्नाहतासोमन्तेष्वर्सेभ्योत्तमिन्नाहतासोमन्तेष्वर्सेभ्यो
 सुनामिन्नाहतासोमन्तेष्वर्सेभ्योत्तमिन्नाहतासोमन्तेष्वर्सेभ्योत्तमिन्नाहतासोमन्तेष्वर्सेभ्यो
 ईश्वरे मिन्नाहतासोमन्तेष्वर्सेभ्योत्तमिन्नाहतासोमन्तेष्वर्सेभ्योत्तमिन्नाहतासोमन्तेष्वर्सेभ्यो
 व २०७२ चैत्र शुक्ल सप्तमि लभात्मानां सुखात्मानां नाशान् लभात्मानां सुखात्मानां नाशान्
 लभात्मानां सुखात्मानां नाशान् लभात्मानां सुखात्मानां नाशान् लभात्मानां सुखात्मानां नाशान्
 लभात्मानां सुखात्मानां नाशान् लभात्मानां सुखात्मानां नाशान् लभात्मानां सुखात्मानां नाशान्

२१

राज्यधामनाम श्रीतीक्ष्णशक्तिविकारीसुदि० सन्वत् २०७२ चैत्र शुक्ल सप्तमि

राज्य

राज्यधामनाम श्रीतीक्ष्णशक्तिविकारीसुदि० सन्वत् २०७२ चैत्र शुक्ल सप्तमि
 लभात्मानां सुखात्मानां नाशान् लभात्मानां सुखात्मानां नाशान् लभात्मानां सुखात्मानां नाशान्

मुद्रादीनां विनाशोऽस्तु
 सर्वे जीवन्मुक्त्युद्दिष्टास्तु

भूतकीमुनाधिकभवनैसम्पत्तीव्यारप्रारोपक जलानरति

ममभजनसम ^{५१२} नराधरणीवीजा

५१३

प्रारभतामेवमनीकलरमिनीवैराद्यनुदिपुत्रजान ^{५१३} मल्लभाम्भन ^{५१३}

राजुरलीकिसोरामनीविराजमराताननवजाराप्रमदाभा

कथापराजोवाकीसेवाजीवराजरागुणाविराहमणवरेन

वोधनेकुनामिन्संनदहीनानधनोधिद्विकरारनारीसु

मरेन सन ^{५१४} रैन्समिनामनहीनान करारमितीम

मुदिपुत्रमन्त्र ^{५१४} कीतामराधमुकरावीधावुत्तीकी

माप्यमेलनरीवीधावोस्वीसवासनर

५१५

विदीकराधीनीमहमुदिदसम्भन ^{५१५}

निधीनजामिनीमरातामुदिदसम्भन ^{५१५} वसुधैवकुसारंगवन्केपूना

जामेनीवोवाहमकरावोलेवी ^{५१५} कालकीदुनोमजरकावलीवीमुन

मुकावेलाहमकीमरेन

महामल्लभमहामुकावेला

सारा वस्तु फलने लगे गेह मिले ह। सुख निराहम एहि
 प्रगोड में सोयी सत्त्वत ॥ १३ ॥ कामलतुं सो पुजा वर दे जरे
 गके बाले परली मुखा ॥ १४ ॥ मनद साकरी मलू बीभा मुनी के
 माया हुई बोले ॥ १५ ॥ २ पावे छे सो नृपती को हसिल स
 त वर नाई पाये जे पुजारी भन कुर माह की पाली की स
 नद नृपाना वकी जाहलन की के बाले मे चल जे पाली प
 ने लिपि ॥ १६ ॥ अकली को लिख छे अकली न भू भो ॥ की जाली
 पाली भाले छे वस सत्त्वत कर ताई हसिल नो गके पा ॥ १७ ॥
 पाछे ते मुद्रा फिक सदमंद के पाली को हसिल अबनी
 ले बारी ज्यो अल पुजारी के कवी सन हो नो पुजारी
 फल कर के को ले प्रकाली दी वाह राय की स

विधि कर मिली चेत मुद्रित साल सत्त्वत कर छे मुद्रा श्री विधि
 रिमिल हसु व द्रा एगो ड जाह की नो मली बीभा मुनी के
 मया छे दुई बीभा ॥ १८ ॥ २ मुद्रा फिक सनद स नो गके पाली
 नम जकूर की सदा सन सं पा जा छे अ सनद कर पु जे पा
 धी कर मिली मा ॥ १९ ॥ मुद्रित सत्त्वत कर की मुद्रा का का
 फोज कले ह में सनद सारी छे र्ग अ हसिल पाली को
 मुद्रा वल फल सत्त्वत
 हो जाला लहरी मुद्रा

हानताई पांचां को छकुली के नौगलाओं के अबलगी हार
 सनदवार छिड़ुनी धोने लिखां छानो सेवानों के अघाती
 नोछाभिल नौगल के वंशें सद्मद मूह हानताई पांचे छंती मुन
 कि कलेवाली ज्योत्र रमल नोई छती को कंदल अपो नही अ
 नपटे लहुतिन नोछे तो नमई ताकी दकर ज्यो नया मि रघौ
 रयाग बी हो नार नो मति ये घाली को दसिल सदन रमुली
 पिकले छकुली के नौगला पञ्चमी को पुन्य नया बो को ल
 मुकरा घाली बी घाली सती की मया ये दुर्नी वा नारी सनि
 स्वास्तरा हासिल पाली को बोपरी का नो ए पटे रन पट्टा रं
 मंत की ककालेवाली ज्यो नालु बे बे पारि स क रं ज्यो मति
 बी घा कुंजुती की मया पि नुता बी धा

२२५५२

छकुली निल की नी

गान न घाली बी घाली कुंजुबा वत नमस्त गो वी वसरी जल
 रंजी श्री निल की नी कुंजुबा नी श्री पुला सनद र स्पेध पु ले मा का
 से सी लकी में गो लु नू हा वा सजा सि नाल न पा धो ह म न मा स
 के व स बा स नारि जे पुर की मुन कुंजुबा पुला लो र ह म कर श्री
 पिक म नाने सपती करार किल की नी नारी नी श्री मूरी
 मिती म्हा लु दि ह स न व न कुंजुला नी में मुन कि क म नाने स
 नी करार

पुला लो र ह म कर श्री
 नमस्त गो वी वसरी जल

राम केरी विरह भाग्य करे छि जकर जो गनि भरती
 भीमा छु गान मज नरु की मुक्ति करि सनंदी भाली
 कर एमि ती दुर्ग कनेट मरुदि रुद सम्मत रुद्र उरु
 जम्भने दही नालि कर रमि ती माग अमरुदि रुद सम्मत
 त रुद्र नालि दही नालि कर रमि ती माग अमरुदि रुद
 सम्मत रुद्र नालि दही नालि कर रमि ती माग अमरुदि रुद
 गमिलाद रही सो बापु मा पुनरुदि अत्रो सो दान्त ता
 ई नरु छु अर सन रता हा भरा भु छु अर रुद सन
 भरती को सम्मत रुद्र रुद्र नाई पा पा जाम्भु छु अत्रो
 जाम्भिल दाल की सने दन्तरा नालि नाद छि
 ई जम्भे भू भेलि का जग गंगा राम पे नालि जाला द
 नदी प्रजर से बागे गण को हो ही गी श्री चंद जम्भो
 कर मको बंदी हल ताई कर तो हो प्रजर रुद सन
 भरती को सम्मत रुद्र रुद्र नाई पा पा जाम्भु छु अत्रो
 जाम्भिल दाल की सने दन्तरा नालि नाद छि
 भरती को लम्बा ही जाम्भो से बागु सार मज्ज रुद ही
 नाग मगर मना कने कर रमि ती माग अमरुदि रुद
 भारी सक ही ने दे जो मत मरुद रुद्र अमरुती बीमा

२१

मुकायि जाई ताई को हो
 के माली लम्बा मरुद रुद्र

राजकुमारजी आकाशवाणिश्यामपूर

5

अथ द्वाविंशोऽध्यायः ॥ २२ ॥

कर्मयोगविधिः कुर्यात्तदा गन्तव्यं भवेति चेन्न त्वत्कर्मणां भवितुं शक्यं

[illegible]

माहस्येयानुशीलानमसायार्थितपुरवप्रसूयार्थेनवदसाहोदुनाये

[illegible]

यसोमज्जागोमिपत्ताकएनोचरुमोहुकमहुवाइजाकोदरमाहुनप

5

अमान्यसम्पत्तिकारिणी जाहनासुदि २२/१२/२०१७ मुकाबला ५२३

~~रमणकृतः श्रीमद्भगवद्गीतायाः भाष्यम्~~

۵

मानवजीवोद्धारपादमण्डलाकुरन्नीकालीभरदन्नीविग्रहान्
मुक्तात्यलम्भपादमण्डल

नृपाचार्यभूषणमुनिः

राभुद्रीविजयोराधनीर्त्तितामाशान्नयवासासवाईनेपुर
 संमिश्ररुद्रोद्विगमविरहसुगोदकेत्याका नोमनेके
 आर्यनज्जनहृत्सिद्धकीमितीकालीमुद्रिहिसम्भवतु
 फलकीकुम्भकुम्भारमाहकुम्भोदुम्भनदीपकेपञ्चदश
 विनीमाहसासुप्रेस्मन्वतुम्भदोलीकोमलातुम्भ
 तीर्त्तियोगुम्भारहो जगन्मया सवाईजीपुलकापेदम
 वसुन्तीपुन्यदाप

३)

प्रवालीराधनीकएरमिनीमहामुद्रिहिसम्भवतुम्भुकासासवाईपु

एन्वावाकहमावदेहरेत्यामिकेवपसा सवाईनेपुरकापेदमदाप

साधुम्भानुस्मन्वतुम्भदोलीमादुम्भानुकीसाई

मितीकासासवाईनेकागीमुद्रिहिसम्भवतुम्भुकासासवाईपु

अथ यत्किञ्चिन्मया कृतं तत्तन्मया कृतं तत्तन्मया कृतं
 तत्तन्मया कृतं तत्तन्मया कृतं तत्तन्मया कृतं
 तत्तन्मया कृतं तत्तन्मया कृतं तत्तन्मया कृतं
 तत्तन्मया कृतं तत्तन्मया कृतं तत्तन्मया कृतं
 तत्तन्मया कृतं तत्तन्मया कृतं तत्तन्मया कृतं

गणपति

गणपति

गणपति गणपति गणपति गणपति

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

गणपति

गणपति

गणपति

गणपति

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

१००

गणपति

गणपति

गणपति

गणपति

गणपति

गणपति

गणपति

नदोन्मिलीकरपांआहेशोभुनमनुसुखसम्बत
मैंसीरोमोगकेसंगदालेपेकुकरजोगद्विष्टकेसु

१

निदीकरारमितीनातीपुनिलसम्बत॥२॥गेमीनादलोएकना
जाएदारीकरखजातराप्रगणमजानूरकोसुगुलादिककल
वामिनाकेपावेसोसम्बत॥३॥मैंसीरोमोगकेसीबाबेकीजो

गुरुद्वी।किल्याएपजीविरजगद्वरग

वसुध

जागीरजोगसंगपीपल्लवबाईजोगसातीताठकुरनीद्विष्ट
कातपामोदभगलाब्बाईजेंपुरएपजीविरजगद्वरग
तन॥४॥मैंसाखीनबमैंजपोजोगमैंजागीरहिस्सा
ली॥५॥तीकाकरजगद्वरगवपीपल्लवबाईकातपामोह
वसुध॥६॥पुपमा

अगलास्वार्दिजेंपुरतन

१२३

२५७८

मैंकएरजगद्वरगसाखी

चिह्नकारमितीजोहनुदिहसम
समस्त

नतसुदुरेकाभेरावेसंसासिन

पुनःसोपेद्वनप्रभुपुरदुर्गासु गोवन्कोसुदुरेकाभेरावेसंसासिन

दिहसमस्तसुदुरेकाभेरावेसंसासिन

प्रधानासुदुरेकाभेरावेसंसासिन

समस्तसुदुरेकाभेरावेसंसासिन

वाणमुदिहसालसमस्त

समस्तसुदुरेकाभेरावेसंसासिन

अथानजत्तेविह्नोतदारसमस्त

स्वादिहपुरकासुदुरेकाभेरावेसंसासिन

गणमुदिहसमस्तसुदुरेकाभेरावेसंसासिन

नौमैकजाणद्विह्नोतदारसमस्त

नतसुदुरेकाभेरावेसंसासिन

नीधनानीतापुनःसुदुरेकाभेरावेसंसासिन

गणवन्नीपीरेजमासुदुरेकाभेरावेसंसासिन

समस्तसुदुरेकाभेरावेसंसासिन

चिह्नकारमितीजोहनुदिहसमस्त

सुभासितासुदुरेकाभेरावेसंसासिन

संझा	बिराम गोर	१६५	दाईका
जा	उ— उ	वापना सेलकी को	दुपड़ा
नेमने	पानावा बुरा	मिप्रेमदू बरस रस	१६६
इम	उ— उ	सैरीबनं बोरलम मां	
उ	रेल —	बरागीं ऐंलीकां	पु
	उ—	का —	दुपड़ा दुमड़ा
बसनाखोरहमुनाकिंकनक		१६७	१६८
लीपल जेल			मधुरे
			वीरवदु
			पाना
			उ
बसनाखोरहमुनाकिंकनक			बगीचा बादरी
सिद्धकादुपना			दामपद यमया
१६९	नवानदी		दमरका नाकेवा
बसनाखोरहमुनाकिंकनक	सनेका		रुसो सावरस
१७०	नाना		दुमड़ा बोरलम
	उ		बोरलम बोरलम
	जिना		दुपड़ा दुपड़ा
का र	रामा		१७१
क ली	निय		विद्यामलकीं बोरलम
र ला	उम		लीपल जेल नवानदी दुपड़ा
जी जी	रामा बा		१७२
के के	उ— उ		बोलीम बाहम जीना
ह्य पु	बीरत मधुर		सुबुदा सुकी लमका दुपड़ा
			दरकी २ दुपड़ा ३७

५५७७)

जलजानिगेष्टह सुजायवस
न्यामिपाणीनरै वारिमैक
अप्रमीष्टरमेष्ट कानरसदीनमे
पाणुमुक्तारप्रजा नारदरमेष्ट
स्वमीष्टकमुपवा कुनमागुष्टक

५५७७)

५५७७)

मीष्टकमुपवा मीष्टकमुपवा
मीष्टकमुपवा मीष्टकमुपवा
मीष्टकमुपवा मीष्टकमुपवा
मीष्टकमुपवा मीष्टकमुपवा

५५७७)

५५७७)

जलजानिगेष्टह सुजायवस
न्यामिपाणीनरै वारिमैक
अप्रमीष्टरमेष्ट कानरसदीनमे
पाणुमुक्तारप्रजा नारदरमेष्ट
स्वमीष्टकमुपवा कुनमागुष्टक
मीष्टकमुपवा मीष्टकमुपवा
मीष्टकमुपवा मीष्टकमुपवा
मीष्टकमुपवा मीष्टकमुपवा

राहुनकी नीमनी जितान्ना गाना निमनपुरादेवा
 मा फाज्जाम नमनपौर पगनायदाई नंहुननीपाके सेवा
 स्थयीकिए चवननामा गुरुपण करे सो नैग नैग हराव
 गजकूरले वसतुवा कि जज्जमनी सपनी मरागता विदुत
 चानिनी ज्ञानी चलाई ईश्वरी सिंघु मीर नाथ मिनी सादना
 सुदीरु सखन नू दुकाये गाव नरे वस

२

अबाना मोलियो उषी जामे रंक रोजी सा मुकुरा दुपमा दुदु मुनापि
 नमनपौर सगनी मरागता नाई जी सिंघु नी काया विज मो विर करी
 गाने गाव मे पुरासी ही जार धनी कछरी नाही उषी रानी गीर मेक
 री री मो दुपमा दुपमा किल दुपमा दुपे री मो मुना विर जामे सपनी
 स्थयी किए चवननामा गुरुपण करे सो नैग नैग हराव
 गजकूरले वसतुवा कि जज्जमनी सपनी मरागता विदुत
 चानिनी ज्ञानी चलाई ईश्वरी सिंघु मीर नाथ मिनी सादना
 सुदीरु सखन नू दुकाये गाव नरे वस

मुना विर जामे सपनी

सुदीरु सखन नू दुकाये गाव नरे वस

2

[illegible]

I

[illegible]

1

निर्दिष्ट करमितीद्वारेक गोरगुर्दिरुपस्थित जमीनमालकीसो
हातपाडीपायनमालीसोपणेकनवीदीखलेकी जमीनपावडप्रमाणदि
हुरमितीसोदुपसोरख.

2

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पूरन्यासिक जाग साखळी देवापुरासमि

1

[illegible]

सुखायित्तमसिद्धिर्दुःख
महेतवनालनहोदिमुखात्।

सन्नाहृतेषु पृथगागैरप्यपि विवाहकाराधिपदम् चरिषि सोऽथासौ भित्तु बोद्ध
 मिदं पत्नी बलवति महीरुतं दुःखमादुषो देवाण्यमलपात्रमनकावित्तवागवि
 शम्भो मिदं रक्तो जगत्का पश्य नीकौ हुतौ तत्कामिनी नो गता राव्ये
 नीकद्वयस्य नमोऽर्पितं देवाय नृकम् दुःखानुतापिना नीके दयितुं दानमितीये
 सत्यमूर्ध्नि दुःखमसम्भन्तु ^{१२३४} धीमता नृपनीर्णवा मुक्ता ॥ मिदं पत्नी
 जलपुष्पेऽहं नृपनीर्णवा नृपनीर्णवा

अथानो मत्तलीकर रमितो असाक मुदिर मन्त्रा ^{१२३५} जगत्सन्ध्या ^{१२३६}
 मुक्तामल सार्द्धं मुक्ता

अनुपदीर्घः श्लोचपति विरजमान कलशाम्भारि मुक्ता
 जगत्सन्ध्या ^{१२३७} जगत्सन्ध्या ^{१२३८} जगत्सन्ध्या ^{१२३९}
 मुक्तामल सार्द्धं मुक्ता ^{१२४०} मुक्तामल सार्द्धं मुक्ता ^{१२४१}
 जगत्सन्ध्या ^{१२४२} जगत्सन्ध्या ^{१२४३} जगत्सन्ध्या ^{१२४४}
 पतिनी नादना मुदिर मुक्ता ^{१२४५} धीमता नृपनीर्णवा ^{१२४६}
 जगत्सन्ध्या ^{१२४७} जगत्सन्ध्या ^{१२४८} जगत्सन्ध्या ^{१२४९}
 कायं द्रव्यं ह्येव नृपनीर्णवा ^{१२५०}

मुक्तामल सार्द्धं मुक्ता
 नृपनीर्णवा

5

अवधनीकमपरिकरपरिणीतमहामुनिः ॥ १ ॥ सन्वत् १९९९ शुक्रात्मनः

जिम्मा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

समस्त प्रसन्नानां प्रसादात् पुनरुत्थानं भविष्यति ।

समाप्त

योगहर्षोत्तमसिद्धिर्जगन्नाथस्यैव साक्षात्प्राप्तमिदं कृतम्

प्राग्यज्ञायाः कर्मसु कर्मणि श्रीमद्भगवत्पूज्यपाद कल्याणचरणोपासने

ममभ्युपेक्षितायास्तदाप्यनन्तापामितीति साहचर्यतः

मन्त्रः श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

~~_____~~

—

अथानुशासनाधिकारः। अथानुशासनाधिकारः। अथानुशासनाधिकारः।

ज्याङ्गिपुर

सुन्दरानन्दस्य हस्तलिखितस्य पाणिनीयस्य सूत्रसंख्यस्य संक्षेपस्य

मुलाविषयान्नेसहस्रसंख्येयं
नेम्यकालसहस्रसंख्येयं

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

मकुटद्वीके शिरपडीको नदी सीधे लवण खनो दोले
 लवणगाढे री कामे रखायी जाले रस कुटुर खण पोन्ना
 का भोत गये, नहसे मख पाले रस हारु सपुच्छि गिली उमसा
 ठरु रीरु सम्बल ^{२२५} नमर उपोरु श्री गण मरा नूर
 का एगामे कोडी वणई सो कोटी नमता मिन नो शरी
 सीले शोग के चारु सौ नुचम दुबा धाली बांधा ^{२२६} बैर
 कोमिकामुल विल की सीमे शोग के दबल रापु सम्बल
^{२२७} मे नोली को प्रबा सो मपली विषा मुकर राग
 री गण मरा नूर की वीरु नोमि कानुन सिल की वी
 धा चारु

१७

प्रन जो सपली का एगिनी काली टरु रीरु सम्बल ^{२२८} नुचाम
 सारु दिनी पु

मकुटद्वीके सो रीरु खण जी वीरु चन नीरु
 सारु दिनी पु वराणा

मुद्रा पत्रिका प्रकाशित
 नई प्रकाश मुद्रा प्रकाश

सर्वज्ञा शिवतराव नन्दनामुरिदुसम्भ

नन्दनामुरिदुसम्भ

(४५५)

राजतन्त्रावधमनीषेसायमुदितुमानसम्भन नन्दनामुरिदुसम्भ

कुरन्ती जीवितरजमनीषुसम्भन नन्दनामुरिदुसम्भ

नन्दनामुरिदुसम्भ नन्दनामुरिदुसम्भ

नन्दनामुरिदुसम्भ नन्दनामुरिदुसम्भ

नन्दनामुरिदुसम्भ नन्दनामुरिदुसम्भ

नन्दनामुरिदुसम्भ नन्दनामुरिदुसम्भ

नन्दनामुरिदुसम्भ नन्दनामुरिदुसम्भ

नन्दनामुरिदुसम्भ नन्दनामुरिदुसम्भ

(४५६)

मुखादिपदपादरास्तवत्वेकमरमिनीषेसायमुदितुमानसम्भ

नन्दनामुरिदुसम्भ नन्दनामुरिदुसम्भ

नन्दनामुरिदुसम्भ

(४५७)

नन्दनामुरिदुसम्भ नन्दनामुरिदुसम्भ

मुखादिपदपादरास्तवत्वेकमरमिनीषेसायमुदितुमानसम्भ

नन्दनामुरिदुसम्भ नन्दनामुरिदुसम्भ

युक्तात्मनोऽप्युत्तम

दशमोऽध्यायः

यान्ति चैव च यत्

॥ ७॥

यत्तमसिद्धिर्लभः

॥ ८॥

यत्तमसिद्धिर्लभः

गन्तव्यं यत्तमसिद्धिर्लभः

सम्पन्नोऽप्युत्तम

॥ ९॥

यत्तमसिद्धिर्लभः

यत्तमसिद्धिर्लभः

यत्तमसिद्धिर्लभः

यत्तमसिद्धिर्लभः

यत्तमसिद्धिर्लभः

यत्तमसिद्धिर्लभः

यत्तमसिद्धिर्लभः

यत्तमसिद्धिर्लभः

यत्तमसिद्धिर्लभः

यत्तमसिद्धिर्लभः

यत्तमसिद्धिर्लभः

यत्तमसिद्धिर्लभः

मधुकलसै

अनुत्तिकासै

सुनी

रु

बिडीकरसमितीमाय

सरसुदित्यन्तम्

१०२३

१

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

नमोऽस्तुते

मन्त्रसंगो नको दग्ग्या लोह जगना स्वाई जै पुर का ज्ये मन्त्र ज्ञान
 नसि प्रपु रज्जु दूरा तगना द तो सा ना मे द वल दा त मा ज्ञान प्रपु स
 रवत ॥ २२ ॥ यार्ही ली सु दू वल दा त मा म उ त र सु म्भ न्य स ॥ २३ ॥ यार्ही
 मे को ज्ञाना करे सो नी ज्ये मु क ए त न म अं व द्द ही मा ली न तु पु न्या वि
 द्द क र ए मि ती स्वा न ए बु दि त्त व ल स म्भ न ॥ २४ ॥

388

ज्ञानी रक्षाकर जोमगाव जे सिंघपुर उजळूदा प्रगनादनासपव
 पहाय उगहायू सव्यत ॥ २२ ॥ येन रीते सोशकतवापनापमजवू रं
 हासित विजरी उजो मुकरा गोत्र मजकू लनासव्यत ॥ २३ ॥ येन
 मजेन वीर्यपंगेर सुधा उड्डाचारत पफी कउपेयली मीमा
 सव्यत ॥ २४ ॥ उदये उदिके गेहुई तीवीक मीकरि दुन पद ॥ २५ ॥ नावी
 लन दुपप ॥ २६ ॥ तीवीक लहाये मुनामि कतप सीत गेनुपप

॥५॥

सावित्री जगदीश्वर जोग यावसोतन (१८४८) तीक्ष्णतद्वा
 (१८५५) येमुकादिन्नुकस्तुकीकर्तुर्द्वि

422

मद्येज्जगतिरुपपत्तिमात्रशून्यी

पुस्तकालय संख्या: १२३४५६७८९०

सर्वे वास्तव्यमस्तु

ठाकुरजीजी कल्याणराजनीकादहुराकस्वा
स्वादीमाभो मुसीरजाहरसहाप्रकाभाजारसै
मिन्धननानीरामवरागभो

नाथसजीवपणीमुसारद्वारयेहीभादकादो प्रभोगनेजी
लहेनेनासैगारफलरागाह् दाराहदारीकसनास्वर्द्धमा
सदाप्रकीर्तिनीकनीस्वर्द्धिद्व धोपुरकास्वर्द्धिनीकप्रनी
सम्बतवृद्धराजपहानी जेजामिलाकभेमाबैकेक
जीगनेधरनीवीपापुनैजड एताजेजानादो

गमवृद्धराजगभाधदलान्व २१
जगनास्वर्द्धिमाधो मुसीरमुसा बिहीकरारमितीपोसमुर्द्धि
किंकपटेशेण्णुस्वालीराम सम्बतवृद्धसमुपाफिकहुने
जामनानीरामकरारमितीजेठ मन्त्रीएवरेकेलिफादो
स्वर्द्धिसम्बतवृद्धमुकाभेनी जीनोछाकुरनीकाभोगनी
जेसोसनेदडीभालीकरापीवा सम्बतवृद्धनाईपापोधि
हसोहुकंमहुनाजादजावहुर्द्धि तोअबनीदीबामोकीज्ये
सम्बतवृद्धमेसनेदलीयो मकनपिदीनामराहचुंहु
मुकदानीजिसारो २१

मुपापिलानेनामिहोद्व
वैभालाअहोधिमुकापिनि

नीचा पुनः की मूर्ति रश्मि रश्मि
भीष्मा पन्था मने उरः

५७

बिहीन कर रश्मि नीचा रश्मि रश्मि
सम्भार रश्मि रश्मि नीचा पन्था
मने उरः मने उरः मने उरः
रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि
रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि
रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि

बिहीन कर रश्मि नीचा रश्मि रश्मि
सम्भार रश्मि रश्मि नीचा पन्था
मने उरः मने उरः मने उरः
रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि
रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि
रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि
रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि
रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि
रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि
रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि

सुखमय ललाटे शिखरे रश्मि
रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि रश्मि

हृदयस्थो लीरामकाजबानीराम
 करारमिती जेठसुदिन सम्बत
 वरुणरासने दहीराणीकरी
 रमिती भागसरसुदिन सम्बत
 तद्वरुणिकाधे मन्त्रिनीपुत्रा
 रिजाहदुनरीसनं दहीराई
 गहरासीलपतीको सम्बत
 वरुणराई पात्रो कम्बज्या
 मिलमने दन्वार छेई रास्ने
 विद्याछहगसिलापरीशो
 सम्बत वरुणराई पात्रो
 पाहोप्रतो गन्धर्वासीगे भोग
 केनहालजाणि हासीलले
 वारीज्योमुनराप्रतीनेन
 नीघापवास

३५

राराग गान्धर्वकृतम् राराग गान्धर्वकृतम्

मुद्राविलसितामितीनेन
 वरुणरासने दहीराणीकरी

गङ्गातीसपतीकरारमितीकृती धैर्यवतकरात्रा नालसोह
मुदिउसम्भतवदरुमुकामस सपनवासकृन्ममुतामुतादि
गङ्गाजपुर

कलियेसीगेवैटकेरनीतीये
मङ्गावेसपतीलिफेमुकरण
गङ्गाजपुरेभजगन्कङ्गुवी धरतीभेवागन्कङ्गुमु
हरीपुरावसकृन्तपायोहम नीधाम्गदाराविसकासील
गङ्गास्वार्जपुरकामिहिसागम

१८५६
कङ्कवेपापोनीसर्विगत गङ्गातीसपतीकरारमिती
सप्तम्भतवदरुमुकामसकरो गङ्गासुदिनसम्भत
निधीकरारमितीगङ्गाजपुर मुकामस्वार्जपुर
उसम्भतवदरु दरुगुपेपुपु

१९
कङ्कवेपापोनीसर्विगत गङ्गातीसपतीकरारमिती
सप्तम्भतवदरु मुकामस्वार्जपुर

गङ्गाजपुरीश्रीगोकुलनाथनीबो गङ्गाजुरीश्रीकल्याणराज जीनि
गङ्गाजुरीश्रीगोकुलनाथनीबो गङ्गाजुरीश्रीकल्याणराज जीनि
गङ्गाजुरीश्रीगोकुलनाथनीबो गङ्गाजुरीश्रीकल्याणराज जीनि
गङ्गाजुरीश्रीगोकुलनाथनीबो गङ्गाजुरीश्रीकल्याणराज जीनि
गङ्गाजुरीश्रीगोकुलनाथनीबो गङ्गाजुरीश्रीकल्याणराज जीनि

मुकामस्वार्जपुर
गङ्गाजुरीश्रीगोकुलनाथनीबो गङ्गाजुरीश्रीकल्याणराज जीनि

नावेनकुवा विदीकएरमिनीकालीपुरि
 रीमीनीअसवा रीसम्बतपूरु
 ईमायोस्वयं कलसाएरुमगावरना
 जीकरमिनी रमपुरावासमोरदुतु
 कालीपुरि दु लीलीप्रगमास्वाइजपुरा
 सम्बतपूरु मेवापोतीसुईक-१८/५न
 कायेपाविर दवास्वुरिउसम्बतपूरु
 म्हापुरा म्हालसोईनोविदीक
 रमिनीमागसरुदिसम्बत

सीमाकीएरुजम्बतमिदसु १८/५दरुम्लपुरा

भनपुरवासवाकीतपाह
 निलीप्रगमास्वाइजपुरा
 मिनीरहसुपा दरीबसईकुत
 दमसाकम्पारुसम्बतपूरु
 येदेवाकोदुमंतुतोसोदसु
 मकरपोचोसोदसधनकस
 हुनेमहुनागुआमिकनिमये
 वजमोनाहोमुपाकुगवे

मुपाहोनाहोमिदिहो
 नैपालासमोदिसुपा

सोनीककरी मुन्क उग मावुम
जकर मोमिज गेरद सुभादरो
बेलाह मभे दान्कुर जीगीनकल्प
एएए पुनीका जीगीमैह मरुपे
पुषपाए मुनीका सालीना दुप
या

(१८०)

बिडीकर एमितीका तीनुदिर
सम्मत १८२६

बालसावित्री रेवडनही नीलमो
हीकोदवार रसोईरे लका सुभा
गेनी सुखाल से सम्मत १८२६
धियाल सेक रोहि सावलीन दु
या

(१८१)

बिडीकर एमिती सदुर

नीमाहि बाला सुदकुरणी जी
मुकादिल (कितादाके दे-
पेडु, राए मर्हा (मुकादिल)

१

कल्याणराष्ट्रप्रसीधिराजमान
 पागनगराष्ट्रमिराष्ट्रमिद
 एतन्नामकजगत्प्राग्वर्तमान
 भूतसिद्धजगत्प्राग्वर्तमान
 सोत्पन्नितान्मोक्षप्रदप्रद
 हृत्पद्मेभ्योदयप्रदप्रददीप्त
 ज्ञानकरप्रदप्रदप्रदप्रद
 इत्यमृतप्रदप्रदप्रदप्रद
 जीवनेदप्रदप्रदप्रदप्रद
 तद्देवकीप्रदीप्तप्रदप्रद
 ईदप्रदप्रदप्रदप्रदप्रद
 हीनप्रदप्रदप्रदप्रदप्रद
 दिव्यप्रदप्रदप्रदप्रदप्रद
 मावैसोदप्रदप्रदप्रदप्रद
 प्रदप्रदप्रदप्रदप्रदप्रद
 वतदाप्रदप्रदप्रदप्रद
 प्रदप्रदप्रदप्रदप्रदप्रद
 पुराव्यसमोदप्रदप्रदप्रद

मुक्ताप्रदप्रदप्रदप्रद
 नैमिषप्रदप्रदप्रदप्रद

हन्तली प्रगनास्वादिनिवृत्त
 लेनकरारश्मिन् नोभव मे
 खड्गनाडुपुपा १३५०) नीका
 नस्वलीडुपुपा १५५०) मभिसा
 स्तलिङ्गस्वलीडुपुपा १५५०)
 पञ्चाकाटसमनकरापीवाहे
 सोदसयनकास्वलीडुपुपा
 म्बुल्लिङ्गस्वलीडुपुपा १५५०)
 प्रज्ञानोत्पत्तिस्वलीडुपुपा
 गानमज्जक लेनकरारश्मि
 हा नोभव गैरस्वलीडुपुपा
 १३५०) नीकानस्वलीडुपुपा
 १५५०) मभिसालीनान्स्वलीडुपुपा
 प्राएकसोअसी

१५५०)

प्रज्ञानोत्पत्तिस्वलीडुपुपा
 म्बुल्लिङ्गस्वलीडुपुपा १५५०)

मुक्तास्वलीडुपुपा १५५०)
 नोभव गैरस्वलीडुपुपा १५५०)

संस्कृत विभाग, मुंबई

संस्कृत विभाग, मुंबई

संस्कृत विभाग, मुंबई

संस्कृत विभाग, मुंबई

३३)

संस्कृत विभाग, मुंबई

संस्कृत विभाग, मुंबई

३४)

३५)

संस्कृत विभाग, मुंबई

संस्कृत विभाग, मुंबई

३६)

संस्कृत विभाग, मुंबई

संस्कृत विभाग, मुंबई

संस्कृत विभाग, मुंबई

संस्कृत विभाग, मुंबई

संस्कृत विभाग, मुंबई

संस्कृत विभाग, मुंबई

संस्कृत विभाग, मुंबई

आवति नो गरी नीनामदुरादिके सोरमजी पिय गमना न कस्तान्ना नो
 मेमिद्वयमदुर्गति हतकीन्यस्ते वसने मुखामिका भावनास्तमेरस
 लक्ष्मीनानागतकय रमिती अहानुदिक समस्त ॥ २२ ॥ अमर मजो ह न्यी नो
 गरी रंजीनाटक ॥ २३ ॥ जो आनाथाक सनराग गनू र कस्तान्ना नो
 मचर्दमे मुखामुखनदापामिनी भासो न मुदि रसकवत ॥ २४ ॥ मेमो
 रं नको मुकमदुर्गति सोरमसपत्न्ययो नहि सोरमसपत्न्यमासकुन न
 दुखामुचार्त्त का लिये मजो मोर के नरे न्यो अमर सपत्नी लिये
 मुकमदुर्गति नानाकादो म

२५

अमर सपत्नी नानाकादो मजो मुदि रसकवत ॥ २६ ॥ मुकामस
 कर्दमे मुख

अमर सपत्नी नानाकादो मजो मुदि रसकवत
 मचर्दमे मुखामुखनदापामिनी भासो न मुदि रसकवत

मुकामस कर्दमे मुख
 मजो मुदि रसकवत

अपनतनो गमाजो नामे धरती का करनी काल विहारी जो साहि
 नो मि दरक हवा स्नाई जे पुर का मेर की बाजार वा तथा कायता मे
 कही समधि रहल सो बंधु मिनी सा सुदि संमनत १५७३ को मि
 एजमान की सात्थ के सास्ती मुताफिक प्राददसन में दस फादी जाल
 दान कर ए मिनी साग हा सुदि संमनत १५७३ को अर जपो हवी नी
 मनी दरमाले बंधु नी दुपता १५७३ का सा जे नदुपता १५७३ के रदेवा
 को हुकम हु सो न पसील जौन

ठाकर नी का ज विहारी जे दरमहि नी का दोश्रु गो दरमा दुपता १५७३
 दुपता १५७३ का सा जे नदुपता १५७३ का सा जे नदुपता १५७३

१५७३

१५७३

मे धरती गमा जाला गरी वास्तन पाहू नी प्रगता स्नाई जे पुर की ईना
 मनाल कि सा मना द के रसा की बाल सी हुई नी घा १५७३ नी मने
 नी घा १५७३ ई बल दा तसा मत नहा लू संमनत १५७३ के सो दस फादी
 ए प्रो चा है सी दस बंत वस हुकम हुता मुताफिक लिखे सी नी नी का दोश्रु
 को प्रकानो ब पाली लिखो मुकर ज सा जे नदुपता १५७३ मे धरती नी घा

१५७३

काला की नी घा १५७३ का सा जे नदुपता १५७३ का सा जे नदुपता १५७३

१५७३

१५७३

मनालो स नी काल मि नी घा १५७३ का सा जे नदुपता १५७३ का सा जे नदुपता १५७३

मुकाबिले का र मे हुं

मे पाला ल मू रारि मुकाबिले

महीनमूरनी दुपभा २५५ कासालीना दुपभा २५५ मै धरली गणक प्रती
 तगक नगसाई पुरा मगना सवाई मै पुरा र्क दचक म सापडक मूर
 सम्भवत् २५५ मै कसारि चोडा २५५ कौरे मको कक मडु बो मोर सई
 सकार पा चारो सोद सभल पाल दुक मडु वा मुना दिकालि मै री मोर
 केट नोली मरे प्रबानो मणली तिनो मुक र हा सालीना दुपभा २५५ मै
 धरली गणक वा नी री धा

२५

मगना मोर सवनी कसारि मै ती व्रम क नु र्दिर सव स मक २५५ मुक
 मगना र्क मै पुर

पाकुर श्री र्क मगना र्क र्क मै ती व्रम क नु र्दिर सव स मक २५५ मुक
 सव सव मगना र्क मै ती व्रम क नु र्दिर सव स मक २५५ मुक
 मगना र्क मै ती व्रम क नु र्दिर सव स मक २५५ मुक

मगना र्क मै ती व्रम क नु र्दिर सव स मक २५५ मुक
 मगना र्क मै ती व्रम क नु र्दिर सव स मक २५५ मुक
 मगना र्क मै ती व्रम क नु र्दिर सव स मक २५५ मुक
 मगना र्क मै ती व्रम क नु र्दिर सव स मक २५५ मुक
 मगना र्क मै ती व्रम क नु र्दिर सव स मक २५५ मुक

गनें चर्गा नाना सुन्दरी दुप में सुन्दरी सा सीमा दुप में सुन्दरी सा सीमा
 हर संजीवना हस्ते दाया दया सदाई जे पुरनी इनाद पसा म सुन्दरी सा
 माल सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा
 नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा
 नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा
 नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा

५१५४

नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा
 नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा

५१५५

नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा
 नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा

५१५६

नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा
 नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा नाना सुन्दरी सा सीमा

मन्त्रावागानरसे मिंदरजीसीजमभरनेदलजावाणी

माननमोगहितागावडाकपुरजी श्रीकसननेदरजी भिराजमान
 नसावासागानरसे मिंदरजीसीजमभरनेदलजावाणी
 मनेमुर्दाफकपादहलसेदलमनलौकाप्रामकरमितीकागा
 सुदिदसम्भतदरदरजमफोनीभोगनेदरस्तपिदुपप्रावपु
 ललीद्वितहममितीकागासुदिदसम्भतदरदरमेतीमेगा
 मितारासपुरानामसजिनातपाहमेतीभगनास्वारिजपुरत
 नलोमगरीरुसुधाचक्रुनीकावसुलीदुपप्रावस्तुमभेहिमे
 सालीनासुलीदुपप्रावचक्रुमेदलभतनएजिचिसेसोदस
 तयासहनेमहुवापुजाफिकलिसेसीमेभोगनेदलोतीको
 जानीसपतीलिसेमुकरजागलमजकरतेनलोमभुमेरह
 साचक्रुनीकावसुलीदरस्तुमभेहिसेसालिन्यनसुलीदुपप्रा
 पिकसोअसी

१८५

मन्त्रावागानरसे मिंदरजीसीजमभरनेदलजावाणी
 मन्त्रावागानरसे मिंदरजीसीजमभरनेदलजावाणी

दरकुरजी श्रीकसननेदरजी भिराजमान
 विहराननलीगेमेदिदरजी श्रीदुसहलदवाणीजीनेनर्मा
 मुकाविदगहितागावडाकपुरजी श्रीकसननेदरजी भिराजमान
 नसावासागानरसे मिंदरजीसीजमभरनेदलजावाणी

समाधिपुत्रव्यानीर्नाडीसदाऽन्तर्लोकिकानिवासा

एक

सत्यतिमोऽयमवस्थापुनश्चिह्नं सत्यमेवराख्येदुरीणमनमानवि

इत्येवमपि नान्यथा विचार्य तदा ह्यसौ शब्दोऽस्माकं प्रयुक्तः

महर्षिजी की आज्ञा के अनुसार मैंने कागजों पर लिखकर देवायें भेजीं।

1. *Chrysomelidae* (Coleoptera)

१. १९९३-९४

यस्य मन्त्रः श्रीगणेशाय नमः

[illegible]

पञ्चमसीकान्तमसोमयोगहस्तुद्वाक्येष्टादुपमा ५१७ मेकयत्तपसम्य

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

विद्येसर्विन्मोगज्जनायकः विजयसिंहसमन्ताधिकारी

रत्नानामयोरहं स्मृताऽप्येजादुष्यता ॥ १५ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

Year	Percentage of Population Aged 65 and Over
1950	7%
1960	8%
1970	9%
1980	10%
1990	11%
2000	12%
2010	13%
2020	14%
2030	15%
2040	16%
2050	16%

8. 11. 3. 2.

सुकारिणाः किंवा किंहीतुं नव्याः सत्ताः किंवा किंहीतुं नव्याः सत्ताः

नेपालालयमुकादिस

श्री विठ्ठलजी हांदुकेविराजमानकसवाश्री
 चरमें पाकीसवालीमाडीके नुलनगरहादकी
 करनीकवासेनेमुवाफिकप्राप्तमनमेंरसख
 सदिवाककरारमोदीमासेजस्तुदरसन्नापद
 अरजपहुनीजीअगिकारवालापुणेंसकथेनु
 वाफिकप्रमाणेंसपनीमाहाजावेकंदवासीजी
 श्रीमवांजेमिथजीकरारजारीपरवीदिलसले
 मन्पस्सकायेरोजीकदपावेछाबुतापनमुवा
 फिकानकसीलजैन

लकईसे

शिवसतोलरुकेसररोपे

१२१

४२

गादोरोजीवा राजरोजता

२५१

४१

थाठ- शीरत

४८

४२

नेल

५

सोसाम्बगदर्जनादेपमोअवपातोसम्बगहालद्रोसाम्बगहाल
 येप्रमोवाहसोसम्बगहालहुकमहुवासाविकप्रवातोसप्रीव
 रिज्जगहालवगोदमपसीलजैन

मुकानिलाकवादीलिरुज

रहीपाळाळमेहोरिमुज

मिथ

महाराष्ट्र शासन
दस्तावेज

मुद्रांकित
महाराष्ट्र शासन

महाराष्ट्र शासन
दस्तावेज

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

9

वर्षान्तोसत्रोक्तानि तेषां मन्त्रिद्वयसंभृत ८२७७ गुरुपात्रा
दिनपूर

मुलजिनिनादिभारिभिल्लो
नसुवात्तल्लोपिसुमुवादिभिल्लो

पान्थयन्निमस्वनीयशशिनीयनवृद्धिपुम्बुनन्तमूलकम्
मन्वन्तिनम्

येन जलनमृतामालवनाकमुगनापिकाकमनामृताहनेमृताहने
 जलनमृतामालवनाकमुगनापिकाकमनामृताहनेमृताहने
 जलनमृतामालवनाकमुगनापिकाकमनामृताहनेमृताहने

सर्वज्ञः सर्वशक्तिः सर्वव्यापी सर्वभूषणः सर्वलोकपालः सर्वद्वन्द्वविनाशकः सर्वदुःखहर्त्रा सर्वसुखदायकः सर्वसन्तोषकः सर्वसन्तुष्टिदायकः सर्वसन्तुष्टिदायकः सर्वसन्तुष्टिदायकः

[illegible]

20

पुस्तकालय संख्या: १०८५ दिनांक: २००७ मुद्रांक: १०८५

नैयूर

मुद्राधिकारविज्ञानिके
नेहरून्यायसिद्धांति

३

परलाभोमाननीकनारपीनीबेसावबुद्धिमानसम्बन्धनकृतमृषासम
 मरुमैयूर

विजयनमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व
 मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व
 मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व

मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व
 मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व

मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व
 मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व
 मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व
 मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व
 मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व
 मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व
 मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व
 मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व

३

मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व
 मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व

मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व
 मरुमस्तुहानासुयजाकरुतानिजाकमवासवादेतपुनर्जनेद्व

पिब तततसहस्रगोत्रमरुतमसुतामिकावमवासावद्वैतमृत्कर्मि
 वनदासमप्यमालयसम्पत् २२५७ धर्ममार्गीनारुमया २२५ कीयार्तमृत्
 कृत्वाग्निनावर्तनीवृदिहसम्पत् २२५७

पत्तुर्वागीरयनवाधतीनिग तमामकमवा
 वाटनसुमंमिदरुत्वावसारम्पत्कमनमवम
 वाटनसुमंमिदरुत्वावसारम्पत्कमनमवम

पत्तुर्वागीरयनवाधतीनिग तमामकमवा
 वाटनसुमंमिदरुत्वावसारम्पत्कमनमवम
 वाटनसुमंमिदरुत्वावसारम्पत्कमनमवम
 वाटनसुमंमिदरुत्वावसारम्पत्कमनमवम
 वाटनसुमंमिदरुत्वावसारम्पत्कमनमवम
 वाटनसुमंमिदरुत्वावसारम्पत्कमनमवम
 वाटनसुमंमिदरुत्वावसारम्पत्कमनमवम
 वाटनसुमंमिदरुत्वावसारम्पत्कमनमवम

२५

पिब तततसहस्रगोत्रमरुतमसुतामिकावमवासावद्वैतमृत्कर्मि
 वनदासमप्यमालयसम्पत् २२५७ धर्ममार्गीनारुमया २२५ कीयार्तमृत्

पिब तततसहस्रगोत्रमरुतमसुतामिकावमवासावद्वैतमृत्कर्मि
 वनदासमप्यमालयसम्पत् २२५७ धर्ममार्गीनारुमया २२५ कीयार्तमृत्
 कृत्वाग्निनावर्तनीवृदिहसम्पत् २२५७
 मृत्कर्मिनावर्तनीवृदिहसम्पत् २२५७
 मृत्कर्मिनावर्तनीवृदिहसम्पत् २२५७

[illegible]

24

परमेश्वरजीस्यदीनकरणीर्माणादभिमर्शे १३ सन्वत् १८८० केमदुमे ह्वाते
केवलमसंभविष्यति

[illegible]

പിൻപുറം

आचार्यनाथानन्दभट्टाचार्यः— विवेकचन्द्रोदयसिन्धुः

मुद्राविप्लवाप्रसूतांशुमे
ल्लेदुल्लालाशोयिस्मृति

१२५ सैरायकरावकायम	१२६ सैरायकरावकायम
१२५	१२६
१२५	१२६
१२५	१२६
१२५	१२६
१२५	१२६
१२५	१२६
१२५	१२६
१२५	१२६
१२५	१२६
१२५	१२६
१२५	१२६
१२५	१२६
१२५	१२६

मुद्राविन्यासप्रामाण्ये
संस्थापकसंस्थाने

गोपनीयम्

७

सर्पदन्तवृक्षस्योभित्तरेण गोलादु
 बल्लरी गोकुलस्योभित्तरेण गोलादु
 श्रीगोकुलस्योभित्तरेण गोलादु
 गोकुलस्योभित्तरेण गोलादु
 गोकुलस्योभित्तरेण गोलादु
 गोकुलस्योभित्तरेण गोलादु

७

गोकुलस्योभित्तरेण गोलादु

७

७

गोकुलस्योभित्तरेण गोलादु
 गोकुलस्योभित्तरेण गोलादु

७

गोकुलस्योभित्तरेण गोलादु
 गोकुलस्योभित्तरेण गोलादु
 गोकुलस्योभित्तरेण गोलादु

७

गोकुलस्योभित्तरेण गोलादु
 गोकुलस्योभित्तरेण गोलादु

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

५४५

५४५

नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

५४६

५४६

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

५४७

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

५४८

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय
नमः शिवाय नमः शिवाय

जयशंकरजी की नृपती जीने का व्यवहार करी शोहरत की जीजाजी
 बिंदुधर लाल दास को दनादि के कसबा सभा में मुरखों बाबुल सुन्य
 छत्र जीजा की ललकृता में खाता सुखी जमानिन्न सामस्याय्य सम्य
 नल्ले की दासिन्न को दे जमलकी पौ सो दे शरीर बा सौ धनो निवा
 सावर को दृष्टि मरुत बा सो दे जमल सो लखवान मार छनी द की चर
 रुप धारि साय दे जमल बाग्ने सु बाकि क पर ली सवती के जमल न
 जमो नल्ले वरे जमल गिरी सदन

जैह नमारा सुभाषे कहार छर रुप में
 सना लु धा कर की नी लामु साईर मस
 ए जमो सिर का से मान वासा पर रवा
 रिये कस बाग्ने सा बाग्ने की रार रार
 रली बाग्ने रार रार रार रार रार रार
 जमो रार रार रार रार रार रार रार
 कस बाग्ने रुप में मै कस बाग्ने की
 नल्ले बाग्ने रार रार रार रार रार
 जमो रार रार रार रार रार रार रार
 रार रार रार रार रार रार रार रार
 रार रार रार रार रार रार रार रार

महामौसवतीकरपमिनीहन्दिनसम्ब

मरुतु

महामौसवतीहानकरपमिनीकालीसु

दिन सम्बत १७७७

महामौसवतीकरपमिनीवसराहसुदि

सप्तमि सम्बत १७७७

मौसवतीबीया १७७७ बागवाटी

मिचलीबीरहकीयानासवादेनेपुर

कीमुवाफिकमरुतुमिनीमहाराज

मौसवतीदुस्तीसिखीलराना

जासुदिनसावसम्बत १७७७ कासु

मरुतुमिनीबीया

१७७७

मौसवतीबीया १७७७ बागमिराणासवतीकसम्बत

मौसवतीबीया

१७७७

१७७७

मौसवतीबीया कसवतीबीया

बीया

१७७७

१७७७

मुवामिनाहिसाहिसा

महामौसवतीदिसम्बत

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय

२०५०

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

नमः शिवाय नमः शिवाय

[illegible]

Wiley

इत्यथर्कान्नान्नप्राप्तौ च तत्रागमौ
 नान्नान्नप्राप्तौ च तत्रागमौ
 नान्नान्नप्राप्तौ च तत्रागमौ
 नान्नान्नप्राप्तौ च तत्रागमौ

[illegible]

मुक्ताजिन्नादिमहाटीकाद्वये
सदुपमाणास्तद्विमुक्ताजिन्ने

張

1995

संज्ञासूत्रादौ नान्यथा सिद्धं वाच्यं नान्यथा सिद्धं

नमोऽस्तुते नमोऽस्तुते नमोऽस्तुते नमोऽस्तुते नमोऽस्तुते

सुखदुःखसंज्ञायाः पर्यायवृत्त्यर्थे

49

— अमर्यादप्राज्ञादिति ।

एतैर्वा न्यायस्य

50

मोक्षमार्गदर्शकग्रन्थस्यार्थोद्घाटनस्यै

THE JOURNAL

2000

भारत के योगाद्वारा स्वास्थ्य का दुरुस्ती करने का प्रयत्न करने के लिए

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

405

गणेशाय नमः

सबसंख्यसूत्रम्

अनन्तर १९५० ई. में

Wagdy

2002

— सावित्रीसुमुनि

मूलर विद्याविभूषा ठाण्डे

10. 11. 2019

सांगेति विद्वान्मयो मुनिर्गुणवत्तमः

कैसे पढ़ें गणितानु कैसे सीखें म

सुनहरी कानूनन नगरपालिका

संसाधन कलाना

महाराष्ट्र राज्य

सं. मा. ग. सं. द. १०५

सुनारदाय (अर्चना)

५७१

५

11

सुखो गेहपति गेहो गेहो

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मास, च. प. ग.

[illegible]

सुखदुःखसंश्लेषः

पञ्चाननसुहृदा

साम्मानाख्या

राष्ट्रवादी आन्दोलन

विंशतिशतकसंस्कृतसाहित्यसंश्लेषः

स्यत् १५८८ दृष्टेति मम प्रियं त्वत्कामं स्वीकृत्य

समर्थन प्राप्त है।

[illegible][illegible]

संख्या १५३२ दिनांक २०-१२-४७

[illegible]

महाराष्ट्र शासन, न्याय विभाग, मुंबई

1992-1993

महाराष्ट्र राज्य सरकार, मुंबई

तुलसीदासजीनासागर, स्वर्णपुर, मुबारकपुर, बनारस, उन्नाव, दिल्ली

प्रान्तेन्यन्तान् यन्त्रिणीनिर्वाणिकमुना

[illegible]

संवि. मासिक १००० रु. में सवि. १००० रु. में

ब्रह्माष्टकम्

ध्वंशराजोऽयं यत्किञ्चनया चार्द्धेऽसुखेः । तद्विद्वान्महामुनिः शङ्कितः ।

मन्त्रापरस्परानुबन्धोऽपि नानुबन्धः नमोऽयं यथापि दृष्टं भवति तदपि

समर्थनात्मकता वैयक्तिकता

50

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मुद्राविषय विभागीय

नेटवर्क एप्लिकेशन डेवेलपिंग

परिभाषासंज्ञा कर्मिणः कर्मिणो
 भाष्येष्टं हास्येष्टं वदन्तः प्रत्यक्षे
 नोक्तं वाक्यमिदं ननु वाक्यसंज्ञा
 सा तत्रैव कार्यता नोक्त्यासीति चेत् तत्र
 वैचक्षण्यं ननु वाक्यसंज्ञा किं ननु
 वाक्यसंज्ञा किं ननु वाक्यसंज्ञा
 तर्था तर्था तर्था तर्था
 किं ननु वाक्यसंज्ञा किं ननु
 संज्ञासंज्ञा संज्ञासंज्ञा संज्ञासंज्ञा
 एव ननु वाक्यसंज्ञा किं ननु
 इति वाक्यसंज्ञा किं ननु
 वाक्यसंज्ञा किं ननु वाक्यसंज्ञा

वाक्यसंज्ञासंज्ञा किं ननु वाक्यसंज्ञा
 किं ननु वाक्यसंज्ञा किं ननु
 संज्ञासंज्ञा संज्ञासंज्ञा संज्ञासंज्ञा
 किं ननु वाक्यसंज्ञा किं ननु
 वाक्यसंज्ञा किं ननु वाक्यसंज्ञा
 वाक्यसंज्ञा किं ननु वाक्यसंज्ञा
 वाक्यसंज्ञा किं ननु वाक्यसंज्ञा
 वाक्यसंज्ञा किं ननु वाक्यसंज्ञा

मुद्रा लिखिता मित्रादिमुद्रा

नोद्वान्वाक्यसंज्ञासंज्ञा

सप्तमः अध्यायः

१४५

३२९३

सप्तमः अध्यायः

सप्तमः अध्यायः

सप्तमः अध्यायः

सप्तमः अध्यायः

३२९३

सप्तमः अध्यायः

३२९३

सप्तमः अध्यायः

सप्तमः अध्यायः

सप्तमः अध्यायः

सप्तमः अध्यायः

सप्तमः अध्यायः

सप्तमः अध्यायः

सप्तमः अध्यायः

सप्तमः अध्यायः

सप्तमः अध्यायः

सप्तमः अध्यायः

सप्तमः अध्यायः

सप्तमः अध्यायः

परमात्मनोऽस्तीत्युक्तं तस्मिन्निष्ठायां लब्धुं विदुः सा मुक्ता गमयार्होऽपि पुर

शकुरवीर्यमाननी विरगमाणां प्रसादयोगी
पराभा विरगता हृदयताम्रुके परमभासो जायते

शकुरवीर्यमाननी कोदे हरी गण प्रसादुपि पराभा विरगता हाल
मानुके परमात्मा भीजा काद कामे सा हर सिंधु भविष्यतीत्युक्तं सोमो
महर्षिभ्युमान्मभयार्हो नो गृहा के जागीर मे गां प्रमत्त कर जेती वीर्य
लोभी धारण दुनी गमै रक्षे पद रूत फली त्वर्ज

मगध की भीमा

वेरा की बजारी वीर्य

१३३

१३४

नीलेश्वरी वरारमिनी वेंसाय मुदिन सम्बन्धन रुद्र की वर दिसो
राजदरबार की शानद करणो भार्हे ईषा सो मुदा कि फलुक्त मन्वीर
अर की मानो बिद्याछा मुदा पिता मरई जागीरदार ना हर सिंधु बाग
कुमको धरती को हा सिन्धु त्वे साही ह्यो मुबाररा घरती वीर्य से फली
मनरा

१३५

बिरीकदारमिनी अरसाद बुदि वेंसाय सम्बन्धन रुद्र की वर दिसो
गीरीदारा मन्वीर

मुद्राक्षेपावैजायिनी
वेरनामोर्गी लुकिनि

मयूरजीवीवीवाचनीविराजितकोमा

प्रीतिवीडानैरोमीतावमूर्लीरुपकांश

दुतहमीलभोनदारपरमानसदा

ईश्वरकाधर्ममुखाकिंकपरमाने

सखनीकरारमिनीवैराजमूर्ति

स्वयम्भगद्वन्द्वजगमेरोमीता

मूर्लीरुपमोपेक

हृदयपरमानोसखनीकरारमि

तीमकाकरारमिनीवैराजमूर्ति

साधिकाद्वन्द्वजगमेरोमीता

रमिनीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

मौक्तिकीविराजितकोमा

होय यहु सल्लसुर मरणा को तरौ का	परवासे निवनी मर्यादहि
पर डवत हा पमगव म्मल्ल	तीर्थें तहू दि १८० मर्याद
मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद	मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद
साय मर्याद मर्याद मर्याद	काधे गो मर्याद मर्याद
मोह मर्याद मर्याद मर्याद	उमे जा रूपा मर्याद
की मर्याद मर्याद मर्याद	
मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद	हाम मर्याद मर्याद मर्याद
मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद	मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद
मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद	मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद

(५५५)

१३५५

हाम मर्याद मर्याद मर्याद
मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद
मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद
मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद
मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद
मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद
मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद
मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद

(५५५)

मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद
मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद

१३५५

मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद
मर्याद मर्याद मर्याद मर्याद

सुखमय भवनसदृशं लोकोत्तमं यत्प्रमाणं
 देवदेवैर्गुणैश्च श्रेष्ठं यत्प्रमाणं ॥ १६ ॥
 सावित्री देवदेवैर्गुणैश्च श्रेष्ठं यत्प्रमाणं
 देवदेवैर्गुणैश्च श्रेष्ठं यत्प्रमाणं

सुखमय भवनसदृशं लोकोत्तमं यत्प्रमाणं
 देवदेवैर्गुणैश्च श्रेष्ठं यत्प्रमाणं
 सावित्री देवदेवैर्गुणैश्च श्रेष्ठं यत्प्रमाणं

सुखमय भवनसदृशं लोकोत्तमं यत्प्रमाणं
 देवदेवैर्गुणैश्च श्रेष्ठं यत्प्रमाणं
 सावित्री देवदेवैर्गुणैश्च श्रेष्ठं यत्प्रमाणं
 देवदेवैर्गुणैश्च श्रेष्ठं यत्प्रमाणं

सुखमय भवनसदृशं लोकोत्तमं यत्प्रमाणं
 देवदेवैर्गुणैश्च श्रेष्ठं यत्प्रमाणं
 सावित्री देवदेवैर्गुणैश्च श्रेष्ठं यत्प्रमाणं
 देवदेवैर्गुणैश्च श्रेष्ठं यत्प्रमाणं

सुखमय भवनसदृशं लोकोत्तमं यत्प्रमाणं
 देवदेवैर्गुणैश्च श्रेष्ठं यत्प्रमाणं

स्वर्गलोकात् परमेश्वरानन्दोदयानन्दोदये

मन्त्रोदये

पुनश्च परमेश्वरानन्दोदयानन्दोदये

मन्त्रोदये

पुनश्च परमेश्वरानन्दोदयानन्दोदये

मन्त्रोदये

मन्त्रोदये

मन्त्रोदये

पुनश्च परमेश्वरानन्दोदयानन्दोदये

मन्त्रोदये

मन्त्रोदये

पुनश्च परमेश्वरानन्दोदयानन्दोदये

मन्त्रोदये

पुनश्च परमेश्वरानन्दोदयानन्दोदये

मन्त्रोदये

मन्त्रोदये

पुनश्च परमेश्वरानन्दोदयानन्दोदये

विष्णुमयानिमेषकपद्मं नमस्कृत्य दामोदरं
 ब्रह्मदेवदत्तं संवत्सरं नमस्कृत्य नमस्कृत्य
 मन्त्रं नमस्कृत्य नमस्कृत्य नमस्कृत्य नमस्कृत्य
 नमस्कृत्य नमस्कृत्य नमस्कृत्य नमस्कृत्य
 नमस्कृत्य नमस्कृत्य नमस्कृत्य नमस्कृत्य
 नमस्कृत्य नमस्कृत्य नमस्कृत्य नमस्कृत्य
 नमस्कृत्य नमस्कृत्य नमस्कृत्य नमस्कृत्य
 नमस्कृत्य नमस्कृत्य नमस्कृत्य नमस्कृत्य

— १० —

विष्णुमयानिमेषकपद्मं नमस्कृत्य
 ब्रह्मदेवदत्तं संवत्सरं नमस्कृत्य
 मन्त्रं नमस्कृत्य

— ११ —

विष्णुमयानिमेषकपद्मं नमस्कृत्य ब्रह्मदेवदत्तं संवत्सरं नमस्कृत्य मन्त्रं नमस्कृत्य

— १२ —

— १३ —

विष्णुमयानिमेषकपद्मं नमस्कृत्य ब्रह्मदेवदत्तं संवत्सरं नमस्कृत्य मन्त्रं नमस्कृत्य

— १४ —

— १५ —

विष्णुमयानिमेषकपद्मं नमस्कृत्य ब्रह्मदेवदत्तं संवत्सरं नमस्कृत्य मन्त्रं नमस्कृत्य

— १६ —

— १७ —

मुद्रां नमस्कृत्य
 नमस्कृत्य नमस्कृत्य

वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला	वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला
२५	३
वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला	
वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला	
३	
वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला	
२५३	
वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला	वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला
वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला	वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला
४	५
वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला	
२५३	
वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला	वसन्तपत्राणां चन्द्रमाला
५	६

अथैतच्छ्रुत्वा मुनिः प्रहसन्निवाक्यमाह मुनिः

ॐ

महामुनिः सर्वलोकांश्चरन्महाविद्वान्महामूर्खः ॥ १ ॥
मुनिश्चैव मुनिर्वाचः ॥

॥

मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव ॥ २ ॥
मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव ॥ ३ ॥
मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव ॥ ४ ॥

अथैतच्छ्रुत्वा मुनिः प्रहसन्निवाक्यमाह मुनिः

मुनिः

॥

अथैतच्छ्रुत्वा मुनिः प्रहसन्निवाक्यमाह मुनिः ॥ ५ ॥
अथैतच्छ्रुत्वा मुनिः प्रहसन्निवाक्यमाह मुनिः ॥ ६ ॥
अथैतच्छ्रुत्वा मुनिः प्रहसन्निवाक्यमाह मुनिः ॥ ७ ॥
अथैतच्छ्रुत्वा मुनिः प्रहसन्निवाक्यमाह मुनिः ॥ ८ ॥
अथैतच्छ्रुत्वा मुनिः प्रहसन्निवाक्यमाह मुनिः ॥ ९ ॥

अथैतच्छ्रुत्वा मुनिः

अथैतच्छ्रुत्वा मुनिः

ॐ

ॐ

अथैतच्छ्रुत्वा मुनिः प्रहसन्निवाक्यमाह मुनिः ॥ १० ॥
अथैतच्छ्रुत्वा मुनिः प्रहसन्निवाक्यमाह मुनिः ॥ ११ ॥

मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव
मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव मुनिश्चैव

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

2

सरस्वती राज्यनी कमरफिनी काजागर्हि, माझ्या २२२ नोब्लोद्वारे
देखूनराज

सत्त्वस्वर्गोष्णलनीर्धिवानमामन्मनासत्तुष्टे
 सुयमेवेहोमनासत्तुष्टेवत्तुष्टेवत्तुष्टेवत्तुष्टे
 वत्तुष्टेवत्तुष्टेवत्तुष्टेवत्तुष्टेवत्तुष्टेवत्तुष्टे
 मेसमनीकमर्गस्वर्गोष्णलनीर्धिवानमामन्मनासत्तुष्टे
 काश्चिद्भाति तस्मिन् रूपम्

आत्ममात्राज्ञासमनानुसारेण विज्ञातव्यं सर्वं सत् सर्वं सत् सर्वं सत्
सर्वं सत् सर्वं सत् सर्वं सत् सर्वं सत् सर्वं सत् सर्वं सत् सर्वं सत्

यत्तु श्रीगौडकर्मोद्योगं नमस्तस्मै नमस्तस्मै
 इति श्रीगौडकर्मोद्योगं नमस्तस्मै नमस्तस्मै
 नमस्तस्मै नमस्तस्मै नमस्तस्मै नमस्तस्मै
 नमस्तस्मै नमस्तस्मै नमस्तस्मै नमस्तस्मै

जालिन्ध्रादिलीमुहुरी
नौवजालमलिरिसुहादी

निसर्गनीलास्य तावदीति तादृशं नृणां मेयं तादृशं
 तिलास्यतामुदिदं सम्बन्धं नृणां नृणां नृणां
 मेयं नृणां नृणां नृणां नृणां नृणां नृणां

३

निसर्गनीलास्य तावदीति तादृशं नृणां मेयं तादृशं
 तिलास्यतामुदिदं सम्बन्धं नृणां नृणां नृणां

निसर्गनीलास्य तावदीति तादृशं नृणां मेयं तादृशं
 तिलास्यतामुदिदं सम्बन्धं नृणां नृणां नृणां
 नृणां नृणां नृणां नृणां नृणां नृणां
 नृणां नृणां नृणां नृणां नृणां नृणां
 नृणां नृणां नृणां नृणां नृणां नृणां

३

निसर्गनीलास्य तावदीति तादृशं नृणां मेयं तादृशं
 तिलास्यतामुदिदं सम्बन्धं नृणां नृणां नृणां

निसर्गनीलास्य तावदीति तादृशं नृणां मेयं तादृशं
 तिलास्यतामुदिदं सम्बन्धं नृणां नृणां नृणां
 नृणां नृणां नृणां नृणां नृणां नृणां

निसर्गनीलास्य तावदीति तादृशं नृणां मेयं तादृशं

तिलास्यतामुदिदं सम्बन्धं नृणां नृणां नृणां

अथ जगत्पिनीमेषादृष्टेः सान्धनस्य लक्ष्यम्
अथ जगत्पिनीमेषादृष्टेः सान्धनस्य लक्ष्यम्
हर्षोदयस्य पञ्च

७

प्राज्ञानोन्मत्तनाह्वयकृत्पिनीमेः सान्धनस्य लक्ष्यम्
प्राज्ञानोन्मत्तनाह्वयकृत्पिनीमेः सान्धनस्य लक्ष्यम्

सिद्धतामस्य जगत्पिनीमेषादृष्टेः सान्धनस्य लक्ष्यम्
सिद्धतामस्य जगत्पिनीमेषादृष्टेः सान्धनस्य लक्ष्यम्

सम्बन्धः ५५७

प्राज्ञानोन्मत्तनाह्वयकृत्पिनीमेः सान्धनस्य लक्ष्यम्
प्राज्ञानोन्मत्तनाह्वयकृत्पिनीमेः सान्धनस्य लक्ष्यम्
सिद्धतामस्य जगत्पिनीमेषादृष्टेः सान्धनस्य लक्ष्यम्
सिद्धतामस्य जगत्पिनीमेषादृष्टेः सान्धनस्य लक्ष्यम्
हर्षोदयस्य पञ्च

७

प्राज्ञानोन्मत्तनाह्वयकृत्पिनीमेः सान्धनस्य लक्ष्यम्
प्राज्ञानोन्मत्तनाह्वयकृत्पिनीमेः सान्धनस्य लक्ष्यम्

सिद्धतामस्य जगत्पिनीमेषादृष्टेः सान्धनस्य लक्ष्यम्
सिद्धतामस्य जगत्पिनीमेषादृष्टेः सान्धनस्य लक्ष्यम्

सुनारगठपरिष्कारमेवासा

1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 2680, 26

हस्तार्थविषयवर्गमिवात्रैवमात्रवर्गद्वयमात्र

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

सत्यमेव जयते

विज्ञानमूर्तत्वं दृश्यते।

100

2

100

5. **संसाधन**

23

5

मुद्राखिलासिपरासिपरा
केदुल्लालसिपरासिपरा

महाराज

मन्त्रः सदा तस्य हृदि मन्त्रोऽयं नृणां प्रथमः । विष्णोर्नामोऽयं धर्मोऽयं नृणां प्रथमः ।
नमोऽयं नृणां प्रथमः । नमोऽयं नृणां प्रथमः । नमोऽयं नृणां प्रथमः । नमोऽयं नृणां प्रथमः ।

[illegible]

॥ अथ श्रीमद्भगवत्पञ्चविंशोऽध्यायः ॥

मन्त्रैः सौम्यान्वितैः शिवस्य चन्द्रविग्रहं चानुजाम्
 मेदिनीं च नक्षत्राणां च नमो ब्रह्मणे च नमो ब्रह्मणे च नमो ब्रह्मणे च
 नमो ब्रह्मणे च नमो ब्रह्मणे च नमो ब्रह्मणे च नमो ब्रह्मणे च
 नमो ब्रह्मणे च नमो ब्रह्मणे च नमो ब्रह्मणे च नमो ब्रह्मणे च
 नमो ब्रह्मणे च नमो ब्रह्मणे च नमो ब्रह्मणे च नमो ब्रह्मणे च
 नमो ब्रह्मणे च नमो ब्रह्मणे च नमो ब्रह्मणे च नमो ब्रह्मणे च

सुप्रसिद्धादिपद्योः
मेरुनामहोदिरमुदीपिनः

७

हृदयभक्त्या विमलमनसा नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं
नमः

सर्वत्र श्रीगणेशाय नमः सर्वत्र श्रीगणेशाय नमः
इति मन्त्रं नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य
भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य
भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य
भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य
भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य

८

पादौ नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य

सर्वत्र श्रीगणेशाय नमः सर्वत्र श्रीगणेशाय नमः
इति मन्त्रं नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य
भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य
भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य
भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य
भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य

९

भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य

मुद्राविनाशिका विहिता
नमस्कृत्य भगवन्मूर्तिं नमस्कृत्य

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

५०३

५

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

५

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

मानवसंज्ञा

मिर्जातुलुस परदा नो मस्तुला तु नो

एवम् नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला
नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला
नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला
नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला
नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला

यस्ते मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला

नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला

नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला

नो मस्तुला

नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला

नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला

नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला

नो मस्तुला

नो मस्तुला

नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला

नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला

नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला

नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला नो मस्तुला

कस्तुरीसोमनिर्गन्धस्यैव त्वेवास्मिन्मन्त्रे
 द्वादशमन्त्राणां ध्यानेन विष्णुसंज्ञायाः प्रसादो
 द्योतयत्यस्यैव मन्त्रः

ॐ

सप्तमः अध्यायः — वैष्णवः मन्त्रः ३३ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

ॐ

विष्णुसंज्ञायाः ध्यानेन विष्णुसंज्ञायाः प्रसादो द्योतयत्यस्यैव मन्त्रः

कस्तुरीसोमनिर्गन्धस्यैव त्वेवास्मिन्मन्त्रे
 द्वादशमन्त्राणां ध्यानेन विष्णुसंज्ञायाः प्रसादो
 द्योतयत्यस्यैव मन्त्रः

कस्तुरीसोमनिर्गन्धस्यैव त्वेवास्मिन्मन्त्रे
 द्वादशमन्त्राणां ध्यानेन विष्णुसंज्ञायाः प्रसादो
 द्योतयत्यस्यैव मन्त्रः

कस्तुरीसोमनिर्गन्धस्यैव त्वेवास्मिन्मन्त्रे
 द्वादशमन्त्राणां ध्यानेन विष्णुसंज्ञायाः प्रसादो
 द्योतयत्यस्यैव मन्त्रः

संज्ञासूत्रम्

२५५

सुखीयेन जगतां जगत्सर्वत्र नृणां नमोऽस्तीति जगद्देवता मया जगत्सर्वत्र
 मया जगत्सर्वत्र नृणां नमोऽस्तीति जगद्देवता मया जगत्सर्वत्र
 नृणां नमोऽस्तीति जगद्देवता मया जगत्सर्वत्र
 नृणां नमोऽस्तीति जगद्देवता मया जगत्सर्वत्र
 नृणां नमोऽस्तीति जगद्देवता मया जगत्सर्वत्र
 नृणां नमोऽस्तीति जगद्देवता मया जगत्सर्वत्र

संज्ञासूत्रम्

संज्ञासूत्रम्

संज्ञासूत्रम्

संज्ञासूत्रम्

संज्ञासूत्रम्

नगरवै. नै. भा. जे. नै. तारा नरुणी मो. वकी बराट नम
 धारणा नै. तारा वकी वराट नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम
 नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम
 नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम

नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम

नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम

नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम

नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम

नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम

नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम

नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम

नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम

नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम नम

संयन्तावम तन्नुपपत्तामसादन्ता
तस्यमसादन्तादेमिदन्तामसादन्ता
संयन्तावम तन्नुपपत्तामसादन्ता
तस्यमसादन्तादेमिदन्तामसादन्ता

२६६६६६

संयन्तावम तन्नुपपत्तामसादन्ता
तस्यमसादन्तादेमिदन्तामसादन्ता
संयन्तावम तन्नुपपत्तामसादन्ता
तस्यमसादन्तादेमिदन्तामसादन्ता

२६६६६६

२६६६६६

संयन्तावम तन्नुपपत्तामसादन्ता
तस्यमसादन्तादेमिदन्तामसादन्ता
संयन्तावम तन्नुपपत्तामसादन्ता
तस्यमसादन्तादेमिदन्तामसादन्ता

२६६६६६

२६६६६६

२६६६६६

संयन्तावम तन्नुपपत्तामसादन्ता
तस्यमसादन्तादेमिदन्तामसादन्ता
संयन्तावम तन्नुपपत्तामसादन्ता
तस्यमसादन्तादेमिदन्तामसादन्ता

मुद्रा विना विना विना विना
मुद्रा विना विना विना विना

परिभाषासुखमिच्छन्तः किं नो नमसीतमस्मिन् सन्ध्यासुखमिच्छन्तः
 ॥ १० ॥

परिभाषासुखमिच्छन्तः किं नो नमसीतमस्मिन् सन्ध्यासुखमिच्छन्तः
 ॥ १० ॥
 ॥ ११ ॥
 ॥ १२ ॥
 ॥ १३ ॥
 ॥ १४ ॥
 ॥ १५ ॥
 ॥ १६ ॥
 ॥ १७ ॥
 ॥ १८ ॥
 ॥ १९ ॥
 ॥ २० ॥
 ॥ २१ ॥
 ॥ २२ ॥
 ॥ २३ ॥
 ॥ २४ ॥
 ॥ २५ ॥
 ॥ २६ ॥
 ॥ २७ ॥
 ॥ २८ ॥
 ॥ २९ ॥
 ॥ ३० ॥
 ॥ ३१ ॥
 ॥ ३२ ॥
 ॥ ३३ ॥
 ॥ ३४ ॥
 ॥ ३५ ॥
 ॥ ३६ ॥
 ॥ ३७ ॥
 ॥ ३८ ॥
 ॥ ३९ ॥
 ॥ ४० ॥
 ॥ ४१ ॥
 ॥ ४२ ॥
 ॥ ४३ ॥
 ॥ ४४ ॥
 ॥ ४५ ॥
 ॥ ४६ ॥
 ॥ ४७ ॥
 ॥ ४८ ॥
 ॥ ४९ ॥
 ॥ ५० ॥
 ॥ ५१ ॥
 ॥ ५२ ॥
 ॥ ५३ ॥
 ॥ ५४ ॥
 ॥ ५५ ॥
 ॥ ५६ ॥
 ॥ ५७ ॥
 ॥ ५८ ॥
 ॥ ५९ ॥
 ॥ ६० ॥
 ॥ ६१ ॥
 ॥ ६२ ॥
 ॥ ६३ ॥
 ॥ ६४ ॥
 ॥ ६५ ॥
 ॥ ६६ ॥
 ॥ ६७ ॥
 ॥ ६८ ॥
 ॥ ६९ ॥
 ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥
 ॥ ७२ ॥
 ॥ ७३ ॥
 ॥ ७४ ॥
 ॥ ७५ ॥
 ॥ ७६ ॥
 ॥ ७७ ॥
 ॥ ७८ ॥
 ॥ ७९ ॥
 ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥
 ॥ ८२ ॥
 ॥ ८३ ॥
 ॥ ८४ ॥
 ॥ ८५ ॥
 ॥ ८६ ॥
 ॥ ८७ ॥
 ॥ ८८ ॥
 ॥ ८९ ॥
 ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥
 ॥ ९२ ॥
 ॥ ९३ ॥
 ॥ ९४ ॥
 ॥ ९५ ॥
 ॥ ९६ ॥
 ॥ ९७ ॥
 ॥ ९८ ॥
 ॥ ९९ ॥
 ॥ १०० ॥

परिभाषासुखमिच्छन्तः किं नो नमसीतमस्मिन् सन्ध्यासुखमिच्छन्तः

परिभाषासुखमिच्छन्तः किं नो नमसीतमस्मिन् सन्ध्यासुखमिच्छन्तः
 ॥ १० ॥
 ॥ ११ ॥
 ॥ १२ ॥
 ॥ १३ ॥
 ॥ १४ ॥
 ॥ १५ ॥
 ॥ १६ ॥
 ॥ १७ ॥
 ॥ १८ ॥
 ॥ १९ ॥
 ॥ २० ॥
 ॥ २१ ॥
 ॥ २२ ॥
 ॥ २३ ॥
 ॥ २४ ॥
 ॥ २५ ॥
 ॥ २६ ॥
 ॥ २७ ॥
 ॥ २८ ॥
 ॥ २९ ॥
 ॥ ३० ॥
 ॥ ३१ ॥
 ॥ ३२ ॥
 ॥ ३३ ॥
 ॥ ३४ ॥
 ॥ ३५ ॥
 ॥ ३६ ॥
 ॥ ३७ ॥
 ॥ ३८ ॥
 ॥ ३९ ॥
 ॥ ४० ॥
 ॥ ४१ ॥
 ॥ ४२ ॥
 ॥ ४३ ॥
 ॥ ४४ ॥
 ॥ ४५ ॥
 ॥ ४६ ॥
 ॥ ४७ ॥
 ॥ ४८ ॥
 ॥ ४९ ॥
 ॥ ५० ॥
 ॥ ५१ ॥
 ॥ ५२ ॥
 ॥ ५३ ॥
 ॥ ५४ ॥
 ॥ ५५ ॥
 ॥ ५६ ॥
 ॥ ५७ ॥
 ॥ ५८ ॥
 ॥ ५९ ॥
 ॥ ६० ॥
 ॥ ६१ ॥
 ॥ ६२ ॥
 ॥ ६३ ॥
 ॥ ६४ ॥
 ॥ ६५ ॥
 ॥ ६६ ॥
 ॥ ६७ ॥
 ॥ ६८ ॥
 ॥ ६९ ॥
 ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥
 ॥ ७२ ॥
 ॥ ७३ ॥
 ॥ ७४ ॥
 ॥ ७५ ॥
 ॥ ७६ ॥
 ॥ ७७ ॥
 ॥ ७८ ॥
 ॥ ७९ ॥
 ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥
 ॥ ८२ ॥
 ॥ ८३ ॥
 ॥ ८४ ॥
 ॥ ८५ ॥
 ॥ ८६ ॥
 ॥ ८७ ॥
 ॥ ८८ ॥
 ॥ ८९ ॥
 ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥
 ॥ ९२ ॥
 ॥ ९३ ॥
 ॥ ९४ ॥
 ॥ ९५ ॥
 ॥ ९६ ॥
 ॥ ९७ ॥
 ॥ ९८ ॥
 ॥ ९९ ॥
 ॥ १०० ॥

सुखाविष्ठाविष्ठाविष्ठा
 नैवनाविष्ठाविष्ठाविष्ठा

मम बाल्यादुरदुवाए २९१ ये सारणीया रूपादुरदुवाए

विचिन्तय मितिकांती नृदिह सम्बल २९२

एतदुत्तीर्णनाथी विरुग्माना वज्रभासु काई मेघुर
मेमं सुमिसुर पृथगे मवेतामका नैव विरुग्माना
लज्जामरुतुमिसुकी मितिकांती नृदिह सम्बल २९३
नमस्तुते नृदिह सम्बल २९४
नमस्तुते नृदिह सम्बल २९५
नमस्तुते नृदिह सम्बल २९६
नमस्तुते नृदिह सम्बल २९७
नमस्तुते नृदिह सम्बल २९८
नमस्तुते नृदिह सम्बल २९९

३

मम बाल्यादुरदुवाए २९१ ये सारणीया रूपादुरदुवाए

मम

एतदुत्तीर्णनाथी विरुग्माना वज्रभासु काई मेघुर
मेमं सुमिसुर पृथगे मवेतामका नैव विरुग्माना
लज्जामरुतुमिसुकी मितिकांती नृदिह सम्बल २९३
नमस्तुते नृदिह सम्बल २९४
नमस्तुते नृदिह सम्बल २९५
नमस्तुते नृदिह सम्बल २९६
नमस्तुते नृदिह सम्बल २९७
नमस्तुते नृदिह सम्बल २९८
नमस्तुते नृदिह सम्बल २९९

मुका विवा विवा विवा

नैव विवा विवा विवा

मोहनसदृश दग्गाहोदमका रुगदग्गाहोदमका
 दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका
 दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका
 दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका

५

मोहनसदृश दग्गाहोदमका रुगदग्गाहोदमका
 दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका
 दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका

मोहनसदृश दग्गाहोदमका रुगदग्गाहोदमका
 दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका
 दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका

मोहनसदृश दग्गाहोदमका रुगदग्गाहोदमका
 दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका
 दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका

७

दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका
 दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका
 दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका
 दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका दग्गाहोदमका

मुद्राविलासिप्रागिकहिद
 तदुलाललोपरमुद्राविलासि

श्रीमद्देवसम्बन्ध ॥ १०० ॥ नवरत्नपट्टे श्रीनौनौशेख
हेमोदुनजम्बुशाम्बरीशेखा ॥ १०१ ॥ नवरत्नपट्टे श्री
सन्तुवनदासम्बन्ध ॥ १०२ ॥ नवरत्नपट्टे श्रीनौनौशेख
सम्बन्ध ॥ १०३ ॥ नवरत्नपट्टे श्रीनौनौशेख
नवरत्नपट्टे श्रीनौनौशेख
नवरत्नपट्टे श्रीनौनौशेख

॥ १०४ ॥

नवरत्नपट्टे श्रीनौनौशेख
नवरत्नपट्टे श्रीनौनौशेख

नवरत्नपट्टे श्रीनौनौशेख
नवरत्नपट्टे श्रीनौनौशेख
नवरत्नपट्टे श्रीनौनौशेख

॥ १०५ ॥

नवरत्नपट्टे श्रीनौनौशेख
नवरत्नपट्टे श्रीनौनौशेख

नवरत्नपट्टे श्रीनौनौशेख

मुखाभिन्ना किप्रापिद्वि
निरुद्धाजामहीमैरुद्धावैर

श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

Results

अथ नानासंस्कृतप्रारम्भिकप्रश्नोत्तरम्
अथ नानासंस्कृतप्रारम्भिकप्रश्नोत्तरम्

[illegible]

5

निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

सुभाषितानि कानिचित्
गौडगुप्तस्य विरचितानि

पवित्र आत्मोद्धारक जीविमानममकन्यायायामहरी
 मरेहरेरिवित्तं प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय
 प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय
 प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय
 प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय
 प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय
 प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय
 प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय

७

परमानन्दस्य लोकप्रियतायाः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय

पवित्र आत्मोद्धारक जीविमानममकन्यायायामहरी
 मरेहरेरिवित्तं प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय
 प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय
 प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय
 प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय
 प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय
 प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय
 प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय विराम एभ्यः प्रमाणाय

मुद्रादिना विज्ञापितम्
 जेड्नालाहोमिमुद्रादिना

नैष्ठिकगुरुमितीफलान्दुहित्वाद्गुणान्तर

पातुस्त्रीमोभ्यान्नीदिराजमानौरसुरैर्मेनजैकेषु
 जयेनश्रुतमिजोभोगैश्चस्मैरपेनैवचक्राहृष्टि
 सरत्वांसंलदाद्येपसेपायेण्यववदमानिचक्रवत्
 रेणैर्इतिस्मैमुवामिचक्रवत्तथाहृष्टिनालेथातेस्त्रिभु
 वानोभुवाचैरस्मैवायेनाभुतेसादराहृष्टिमुवाप्रानै
 वायेर्वायेमुकस्त्रैरपिनाचक्रैस्त्रिभुवाप्रानैमीदृ
 र्गदोमाहुर्देविका

विधिपुत्रपुत्रिणौ न्यस्य गृह्यतेऽप्युक्तं भवति ॥१॥

2

[illegible]

मुद्राजिन्नाकिताहीकहिर
जैदुमाजमहोसिरमुद्राजिन्ना

प्रापिकु, तमिनामैरमं जगतां दृष्टवतां नमो
नमस्तस्मात् सन्मत्तस्य नमः सन्मत्तस्य नमः
नमस्तस्मात् सन्मत्तस्य नमः सन्मत्तस्य नमः
नमस्तस्मात् सन्मत्तस्य नमः सन्मत्तस्य नमः

प्रापिकु, तमिनामैरमं जगतां दृष्टवतां नमो

३५३

३५

प्रापिकु, तमिनामैरमं जगतां दृष्टवतां नमो

प्रापिकु, तमिनामैरमं जगतां दृष्टवतां नमो
नमस्तस्मात् सन्मत्तस्य नमः सन्मत्तस्य नमः
नमस्तस्मात् सन्मत्तस्य नमः सन्मत्तस्य नमः
नमस्तस्मात् सन्मत्तस्य नमः सन्मत्तस्य नमः

प्रापिकु, तमिनामैरमं जगतां दृष्टवतां नमो

३५४

३६

प्रापिकु, तमिनामैरमं जगतां दृष्टवतां नमो
नमस्तस्मात् सन्मत्तस्य नमः सन्मत्तस्य नमः
नमस्तस्मात् सन्मत्तस्य नमः सन्मत्तस्य नमः
नमस्तस्मात् सन्मत्तस्य नमः सन्मत्तस्य नमः

मुद्रा विना किं प्राणी प्रहृत्य
नमस्तस्मात् सन्मत्तस्य नमः

मन्त्रोक्तं श्रीगणेशाय नमः

दत्तं श्रीगणेशाय नमः

मन्त्रोक्तं श्रीगणेशाय नमः

दत्तं श्रीगणेशाय नमः

मन्त्रोक्तं श्रीगणेशाय नमः

दत्तं श्रीगणेशाय नमः

मन्त्रोक्तं श्रीगणेशाय नमः

दत्तं श्रीगणेशाय नमः

मन्त्रोक्तं श्रीगणेशाय नमः

दत्तं श्रीगणेशाय नमः

मन्त्रोक्तं श्रीगणेशाय नमः

दत्तं श्रीगणेशाय नमः

मन्त्रोक्तं श्रीगणेशाय नमः

दत्तं श्रीगणेशाय नमः

मन्त्रोक्तं श्रीगणेशाय नमः

दत्तं श्रीगणेशाय नमः

मन्त्रोक्तं श्रीगणेशाय नमः

दत्तं श्रीगणेशाय नमः

मन्त्रोक्तं श्रीगणेशाय नमः

पञ्चमोऽङ्गः सौमित्रः गन्धर्वः कृत्यवान् । त्रिभुवनं च तेषां भवति ।

मासः ॥ श्रीगुरुभिर्योग्यवत्समाप्तम् ॥

[illegible][illegible]

सामान्य धर्मसंस्काराणां विषये गोपनीयता

आन्तरिक विनियमन नियन्त्रण समिति

संज्ञा: १. मन्त्रानुसंधानम् २. मन्त्रानुसंधानम्

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	52
--	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	----

.....

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥

गोपबन्धनोत्तरि यैः कृतं नृणां वाचनम् ।

एवमपि सत्यं विदुः सत्यं विदुः सत्यं विदुः

22267

परमार्थसंग्रहस्य सारम् ।

ਸ੍ਰੀ ਮਾਤਾ ਸੁੰਦਰੀ ਦੇਵੀ

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

महानदी

होमिनीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

महानदीमहानदीमहानदीमहानदी

परमेश्वरान्नोक्तं नारायणं नारायणं नारायणं

२ नारायणं नारायणं नारायणं नारायणं

३ नारायणं नारायणं नारायणं नारायणं

नारायणं नारायणं नारायणं नारायणं

नारायणं नारायणं नारायणं नारायणं
नारायणं नारायणं नारायणं नारायणं
नारायणं नारायणं नारायणं नारायणं
नारायणं नारायणं नारायणं नारायणं
नारायणं नारायणं नारायणं नारायणं
नारायणं नारायणं नारायणं नारायणं
नारायणं नारायणं नारायणं नारायणं
नारायणं नारायणं नारायणं नारायणं

७

नारायणं नारायणं नारायणं नारायणं

नारायणं नारायणं नारायणं नारायणं

नारायणं नारायणं नारायणं नारायणं

यान्मन्त्रः

यन्मन्त्रः ॥ १९५६ ॥ श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

ॐ

ॐ

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

श्रीश्री महादेव

ममकर्मणि सुख

ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

नीपुमम्

(४६८)

नाम ज्ञानयोग २५५ ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

ममकर्मणि सुखं न भवति न भवति न भवति

५५५ श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५५५ ॥

यौगुत्तरेण नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च
 शक्तिवन्दसत्त्वं नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च
 नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च
 नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च

॥५॥

नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च
 नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च
 नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च

नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च
 नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च
 नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च
 नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च
 नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च

नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च
 नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च
 नान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च

मुद्राविविधाप्रतिपत्तिः
 विद्वत्पुनश्चान्यत्पुनश्चान्यत्पुनश्च

कृष्णकलनाभिरुषाहोदयमा ५५नाभ	५५	कृष्णकलनाभिरुषाहोदयमा ५५नाभ
नीलकण्ठमा ५५	५५	
५५	५५	कृष्णकलनाभिरुषाहोदयमा ५५नाभ
कृष्णकलनाभिरुषाहोदयमा ५५नाभ	५५	५५
५५	५५	

कृष्णकलनाभिरुषाहोदयमा ५५नाभ
नीलकण्ठमा ५५
कृष्णकलनाभिरुषाहोदयमा ५५नाभ

५५	५५
कृष्णकलनाभिरुषाहोदयमा ५५नाभ	कृष्णकलनाभिरुषाहोदयमा ५५नाभ
५५	५५

कृष्णकलनाभिरुषाहोदयमा ५५नाभ
नीलकण्ठमा ५५

कृष्णकलनाभिरुषाहोदयमा ५५नाभ

कृष्णकलनाभिरुषाहोदयमा ५५नाभ

कृष्णकलनाभिरुषाहोदयमा ५५नाभ

कृष्णकलनाभिरुषाहोदयमा ५५नाभ
नीलकण्ठमा ५५

मार्गानां संचिनोक्तम् प्रतीकादि

नृदिग्गम्यन्तः २५२ सुखांशमनां २५३ मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

जम्बु

मृत्तुवैधेयानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

मेषात्वात्तानां प्रतीकादिनां मेषात्वात्

याज्ञिकी सुवर्णीकरावितो नाराय

सुवर्णीकरावितो नाराय

कलकलीताया लपटुन कीमैर सुने
 जाधनी बिहान मधमैर मानीयो
 बैला लुकी नै नवानी सुनेनी नना
 कीमै बाधुना सुमाईनी नौ बिहान
 सुखानी कीमै बाधुना सुमाईनी
 सुवर्णीकरावितो नाराय सुवर्णीकरावितो
 सुवर्णीकरावितो नाराय सुवर्णीकरावितो
 सुवर्णीकरावितो नाराय सुवर्णीकरावितो
 सुवर्णीकरावितो नाराय सुवर्णीकरावितो
 सुवर्णीकरावितो नाराय सुवर्णीकरावितो
 सुवर्णीकरावितो नाराय सुवर्णीकरावितो
 सुवर्णीकरावितो नाराय सुवर्णीकरावितो
 सुवर्णीकरावितो नाराय सुवर्णीकरावितो

मुद्रा विद्या विद्यापीठ
 मुद्रा विद्या विद्यापीठ

अथ गणेशदेवदुर्गासु नवोत्पत्तिर्गणेश

विष्णुसंज्ञकः

अथ गणेशदेवदुर्गासु नवोत्पत्तिर्गणेश

विष्णुसंज्ञकः

अथ गणेशदेवदुर्गासु नवोत्पत्तिर्गणेश

विष्णुसंज्ञकः

अथ गणेशदेवदुर्गासु नवोत्पत्तिर्गणेश

विष्णुसंज्ञकः

अथ गणेशदेवदुर्गासु नवोत्पत्तिर्गणेश

विष्णुसंज्ञकः

अथ गणेशदेवदुर्गासु नवोत्पत्तिर्गणेश

विष्णुसंज्ञकः

अथ गणेशदेवदुर्गासु नवोत्पत्तिर्गणेश

विष्णुसंज्ञकः

॥

अथ गणेशदेवदुर्गासु नवोत्पत्तिर्गणेश

विष्णुसंज्ञकः

अथ गणेशदेवदुर्गासु नवोत्पत्तिर्गणेश

विष्णुसंज्ञकः

यत्तु रत्नमिषावतगोविन्दमना तत्कमुत्तममनो
 येनैव श्रुतेन तामि कलह द्रव्यार्थे दसकमर्दितान
 शान्तमप्यमिनीर्षेतामिहृदि रसमन्वयं दत्तं साधु
 नमस्तदाहृदि तैर्नैव वदन्त्यमिषावतगोविन्दमना
 यौवाण्यैरिष्यतामस्तदाहृदि तैर्नैव वदन्त्यमिषावतगोविन्दमना
 शौचोत्तममनो तैर्नैव वदन्त्यमिषावतगोविन्दमना
 हृदि तैर्नैव वदन्त्यमिषावतगोविन्दमना
 सन्त्यमिषावतगोविन्दमना तैर्नैव वदन्त्यमिषावतगोविन्दमना
 नैव वदन्त्यमिषावतगोविन्दमना तैर्नैव वदन्त्यमिषावतगोविन्दमना

५७

यत्तु रत्नमिषावतगोविन्दमना तत्कमुत्तममनो
 येनैव श्रुतेन तामि कलह द्रव्यार्थे दसकमर्दितान

यत्तु रत्नमिषावतगोविन्दमना तत्कमुत्तममनो
 येनैव श्रुतेन तामि कलह द्रव्यार्थे दसकमर्दितान
 शान्तमप्यमिनीर्षेतामिहृदि रसमन्वयं दत्तं साधु
 नमस्तदाहृदि तैर्नैव वदन्त्यमिषावतगोविन्दमना
 यौवाण्यैरिष्यतामस्तदाहृदि तैर्नैव वदन्त्यमिषावतगोविन्दमना
 शौचोत्तममनो तैर्नैव वदन्त्यमिषावतगोविन्दमना
 हृदि तैर्नैव वदन्त्यमिषावतगोविन्दमना
 सन्त्यमिषावतगोविन्दमना तैर्नैव वदन्त्यमिषावतगोविन्दमना
 नैव वदन्त्यमिषावतगोविन्दमना तैर्नैव वदन्त्यमिषावतगोविन्दमना

केशरविजनाकरवाक्यो

अष्टातो रीसुनी नरुकासुद्धिभाषीसुद्धिजवादिपदे
मन्त्राणां विरुजमानेन सुजनेनैव नोपदिशेनीना
हवाचरौमयाणादसुनी नकुप्यपुनमयादसुनिवस
वासगानुरवाक्यभान्वास्सुनीमुनीमिन्वभरुजनेन
मिलनकरादिनी कारीसुद्धिस्सुम्बतुकारि
सुम्बतुकारिनीनामकादोप

५९

अष्टातो रीसुनी नरुकासुद्धिभाषीसुद्धिजवादिपदे
मन्त्राणां विरुजमानेन सुजनेनैव नोपदिशेनीना
हवाचरौमयाणादसुनी नकुप्यपुनमयादसुनिवस
वासगानुरवाक्यभान्वास्सुनीमुनीमिन्वभरुजनेन
मिलनकरादिनी कारीसुद्धिस्सुम्बतुकारि
सुम्बतुकारिनीनामकादोप

५९

हवाचरौमयाणादसुनी नकुप्यपुनमयादसुनिवस
वासगानुरवाक्यभान्वास्सुनीमुनीमिन्वभरुजनेन
मिलनकरादिनी कारीसुद्धिस्सुम्बतुकारि
सुम्बतुकारिनीनामकादोप

मुद्राविनाशितागिकहे
सुद्राविनाशितागिकहे

समाप्तः श्रीगणेशाय नमः

मुखादि कृतकमश्रीत पर पर सागरगिद्धतोर गौगविरांगप्रबोधनादीनि
 विद्यांशु जौगगविरांगप्रबोधनादीनि विद्यांशु जौगगविरांगप्रबोधनादीनि
 रशीरीयाचनजीवोमेश्वर नवाभिरीय रशीरीयाचनजीवोमेश्वर नवाभिरीय
 जितवाचीस वाचुजा सीताविरांगमण्निनावादि सीताविरांगमण्निनावादि
 प्रजापतिमाचनजीवोमेश्वर नवाभिरीय रशीरीयाचनजीवोमेश्वर नवाभिरीय
 गहाप्रसादरसादर सुम्भर २०२३ श्रीगणेशाय नमोः ॥ श्रीगणेशाय नमोः ॥
 श्रीगणेशाय नमोः ॥ श्रीगणेशाय नमोः ॥ श्रीगणेशाय नमोः ॥ श्रीगणेशाय नमोः ॥
 श्रीगणेशाय नमोः ॥ श्रीगणेशाय नमोः ॥ श्रीगणेशाय नमोः ॥ श्रीगणेशाय नमोः ॥

244

पत्रिकासंख्या/मिती/कालावधी/हस्ताक्षर/संख्या/पृष्ठ १००/२०२३

[illegible]

मुद्रा विवादि प्राप्ति प्रहरे
नेइकाजाम्पेरिमुद्रा विजे

मनुजमनुजासोनीनामनुजीपुत्र होकरनेनकावासपाईनेसुकाय
 सा ॥ १॥ इकाहायमिलीनयमादक नमिस्वर्गिकमगवदैनसोनीनीमेल
 दिने सायनमम्वन ॥ २॥ मेममेलो समुचनबजापुल्लोहोतुनमह
 गजदहनोवोयाबाजिसुबनीनिष कयप्रकेचोया ॥ ३॥ ननायवतइ
 सोदमहोवाभगामदिहोएकेसोय नराससायमोवसुमेल ॥ ४॥
 सनपुषपामनोसोमोमम्वन ॥ ५॥ सोमोमोवनेदहनोवोमम्वन
 भादनीयराकनिहोमवपुमम्वन ॥ ६॥ सोमोमोवनेदहनोवोमम्वन

नकुपनमम्वनोपुमसा ॥ ७॥ मेमो बीया

यमनपेव

॥ ८॥

सायनीकबनेवपुमम्वन

इकाहायमिलीनयमादक नमिस्वर्गिकमगवदैनसोनीनीमेल

म्वन ॥ ९॥ सायनीकबनेवपुमम्वन

सायनीकबनेवपुमम्वन

मेमो बी

सायनीकबनेवपुमम्वन

सायनीकबनेवपुमम्वन

सायनीकबनेवपुमम्वन

सायनीकबनेवपुमम्वन

मेमो बी

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

पुस्तकालयस्य संपादनस्य

सुधर्षणे मन्त्रार्थः ॥ १ ॥

सत्यमेव जयते

श्री ४८ भाग्यसूक्तम् ५५-२ पञ्चमः

पञ्चमोऽङ्गिरसोऽथवा

गुणगोप्यत्वात्प्रत्ययान्तराणां भेदः

Transcribed from the original manuscript by the author.

— 2 —

100

1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 2679, 2680, 26

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

गणेशाय नमः

संस्कृत-सामान्य-विज्ञान

—**आन्तरिक**—

—

नमो भगवते वासुदेवाय

निदेशानुसारं प्रत्येक संस्था

मान्वाकृत्तुनन्वरेण्ये

भारत-भारत-भारत

आयुष्य-विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली

वृत्तान्तोऽपि विदुषां मानसप्रसादाद् अल्पमत्रैव विद्यमानकृत्यमुच्यते

[illegible]

वर्षायाः शतं नदीनां प्रवाहः, शतं नदीनां प्रवाहः, शतं नदीनां प्रवाहः

[illegible]

म्याग्दोङ्गपुर्बिमिगीयमाडुसरिदुम्डा उन्माराणकावेनसलेमामाटकान

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1. The first step is to identify the problem or question that needs to be answered. This involves understanding the context and the specific requirements of the task.

सुता वृषामन्वयोऽयं नृपः स्यात् ॥ १ ॥

[illegible]

महाराजगन्धर्वान्वासिनामौसुवादेः पूज्यपुत्रजननीमन्त्रैरनुवाच।

भाषासिद्धिः ननु भिन्नोक्तसिद्धिः स्वयंभावात्तु मया

सम्बत १९५५ माघशुक्लैकविंशतितुल्यमा ३१/१२/५५ श्रीकालशुक्लै

मुद्राणि नाना रूपानि भवन्ति

संस्कृत-भाषा-विभाग

मो सुचनहारा नमो नमो नमो नमो
ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो
हो नमो नमो नमो नमो नमो
नमो नमो नमो नमो नमो
ममन्त नमो नमो नमो नमो
नमो नमो नमो नमो नमो

२६५/२६५

नमो नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो नमो

नमो नमो नमो नमो नमो

ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो

ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो

ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो

ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो

ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो

ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो

ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो

ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो

ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो

ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो

ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो

ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो

ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो

ममन्त नमो नमो नमो नमो नमो

प्राचीनयुद्धलोकाचारानामपि

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत्

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

सुदृष्टं सम्भवत् २०३३ मन्त्राणां

कुशाग्रप्रेमोद्गारा २७७७ नानकनसु अथ

सर्वोदयसमाज (२००७) नेरगेंगे तें सोबत.

यस्य च सौमित्रोऽपि तत्रैव निवसति ।

विष्णु महात्म्यम् २२७ नृकात्मिका

52

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

端

आजल नोनाभर सोसलर सोकोभेलाय तजदिरानमया नमाला सोभयेत

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्चनम् ।

.....

वाराणसी, २० अक्टूबर (भा.सं.)—राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने आज राज्य सरकार के मंत्रिमंडल की बैठक में भाग लिया।

विष्णुमोक्षसंभवतः पुनः कथावत्सोऽहं विजयस्यैव कुरुक्षेत्रस्यैव

[illegible][illegible]

अर्थात् अर्थोपपन्नः प्रत्ययः स्यात्

सूत्रानि विना विज्ञातव्यं

मोक्षमार्गप्रतिपदमुद्राविन्दे

परजीनीमुन्वनाकरागिनीमोसुबुद्धिसम्बन्धित... संज्ञेयम् नान्ते

वत्सुरन्वाधिरागेनोन्वसमानकसुवासलद्विनेपुर
 बोरहोकावाताग्रेमंसुमागेनीलदरप्रवर्तमाने ल
 म्हासुनानेमुनवाग्मेयोगवाहपरलायमिसुतेका
 मयोबागमे

वाचलनीवमोसुवत्सुरयोविरस्वार्थिजीविरजमानकसुवासलद्विनेपुर
 बोरहोकावाताग्रेमंसुमागेनीलदरप्रवर्तमाने लम्हासुनानेमुनवाग्मे
 योगवाहपरलायमिसुतेका मयोबागमे
 चर्किकमादहासुनाने रसुमनदोहावागिराकणमिनीवासरिद्विरसम्बन्धित
 ... वागुमहोवागोमनेरोजीनानसहीदुषमा ३० कसापनेता

२९६३) मेकांजसुरहोपपरमावनातसौधकोमोमलमोदसुयोमोने
 दरोचमनदुष्कनहाससम्बन्धितसम्बन्धित २९६३) मेकांजसुरहोपपरमावनात
 मोदसुयोमोनेदरोचमनदुष्कनहाससम्बन्धितसम्बन्धित २९६३) मेकांजसुरहोपपरमावनात
 मोदसुयोमोनेदरोचमनदुष्कनहाससम्बन्धितसम्बन्धित २९६३) मेकांजसुरहोपपरमावनात
 मोदसुयोमोनेदरोचमनदुष्कनहाससम्बन्धितसम्बन्धित २९६३) मेकांजसुरहोपपरमावनात
 मोदसुयोमोनेदरोचमनदुष्कनहाससम्बन्धितसम्बन्धित २९६३) मेकांजसुरहोपपरमावनात

मेक
 मुकाकिनाकिनादिकदेह
 मेइलाजाहोविरमुद्राविल

इत्येवमनरेनानसमस्तकारिणोऽपि नानाकाराणां विदुः समस्तान् पुरुषान् नानाकारान् विदुः
 गणद्वयलोकांश्चैव हृत्वा प्रभवन्तु रमेत्येवमित्येवमनरेनानसमस्तकारिणोऽपि नानाकाराणां विदुः
 साक्षात्प्राप्तौ सति द्रष्टुं साक्षात्प्राप्तौ नानाकाराणां विदुः समस्तान् पुरुषान् नानाकारान् विदुः

अथ लोकांश्चैव गणद्वयलोकांश्चैव

२७

२८

अथ लोकांश्चैव गणद्वयलोकांश्चैव

लोक्या

२९

मोहादिभिर्नानाकाराणां विदुः समस्तान् पुरुषान् नानाकारान् विदुः
 हृत्वा प्रभवन्तु रमेत्येवमित्येवमनरेनानसमस्तकारिणोऽपि नानाकाराणां विदुः
 साक्षात्प्राप्तौ सति द्रष्टुं साक्षात्प्राप्तौ नानाकाराणां विदुः समस्तान् पुरुषान् नानाकारान् विदुः

अथ लोकांश्चैव गणद्वयलोकांश्चैव

३०

३१

अथ लोकांश्चैव गणद्वयलोकांश्चैव

लोक्या

३२

३३

इति लोकांश्चैव गणद्वयलोकांश्चैव
 नानाकाराणां विदुः समस्तान् पुरुषान् नानाकारान् विदुः

पर लावोमृजनाकपरागोनीवेसायनृदिनसमन्तमन्त्रेद्वयवर्जितम
सकलैंगम

सकलैंगमोभावनवीरिद्वयामागमातपुलकोरदमसमन्तपुरमेंमहामागे
सकलैंगमहमसासोनिगलेकलमने

सकलैंगमोभावनवीरिद्वयामागमातपुलकोरदमसमन्तपुरमेंमहामागे
विद्वयोवृद्धासकेनगकेवासुदेवसौम्यतदहमनेदममनेहमनमने
सर्गमलीलासोडसईदुसमन्तपुरदमनमन्तुवीनोविन्देमोवोभाप
दमेमैकहमसकलैंगमहमसासोनिगलेकलमने
नमनेचदिमोदसकलैंगमहमसासोनिगलेकलमने
दममहमदममन्तुवीनोविन्देमोवोभाप

१५५

विद्वयोवृद्धासकेनगकेवासुदेवसौम्यतदहमनेदममनेहमनमने
नमनेचदिमोदसकलैंगमहमसासोनिगलेकलमने
दममहमदममन्तुवीनोविन्देमोवोभाप

समन्तपुरमेंमहामागे

सकलैंगमोभावनवीरिद्वयामागमातपुलकोरदमसमन्तपुरमेंमहामागे
सकलैंगमहमसासोनिगलेकलमने

सकलैंगमोभावनवीरिद्वयामागमातपुलकोरदमसमन्तपुरमेंमहामागे
सकलैंगमहमसासोनिगलेकलमने

[illegible]

दाकुरपुरा श्री धनस्यामजी विराजमान कासबास
त्राई जैपुर मेवरेला का बाग मे मिहर स्यामी मे
हरा बन रासके

दाकुरपुरा श्री धनस्यामजी विराजमान कासबास पारि मैपु
र मेवरेला का बाग मे मिहर स्यामी विरा बन रासके
काने गके बासने मार पाज ममुर र संघ की मिती
सी ग सुदि ३ संभवत १८९९ मर ज प हों बी दुक म हु पार
मा हो त सली पु म प्राती न को र सता ग मिती नार बा सुदि
३ संभवत १८९९ पेर नो ती के प र बा नो स प ती लि यो पु
र का च बा क स बा स त्राई जैपुर का सो र म्भी प्र र नी पु
म प्राती न

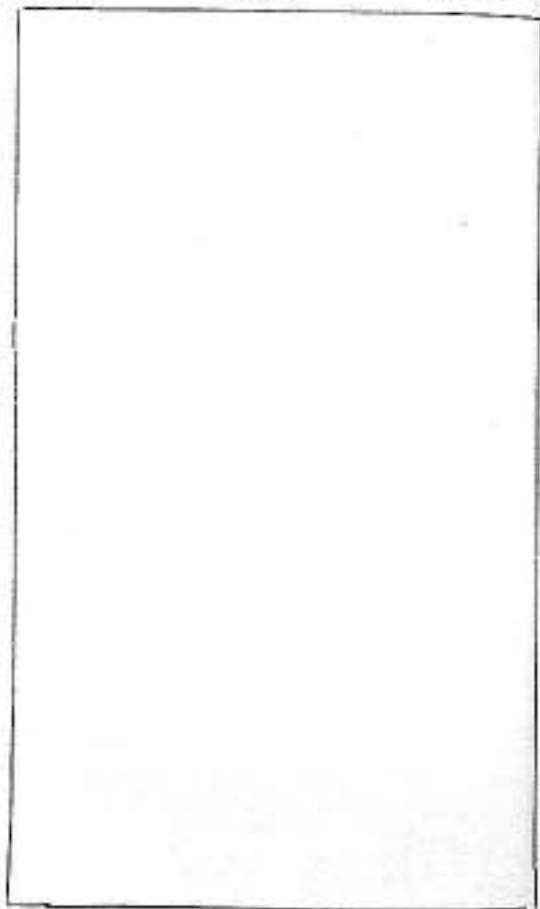
३)

परतानुल बती क र मिती मो स सुदि र संभवत १८९९
का म स त्राई जैपुर
एव ज न न बा हां व श्री सु र ज पु र ता नि का क स बा स पारि
जैपुर का मे इ य त रा स सा ब स्या लू संभवत १८९९ ये पारि
जी ना पु म प्रा डु विडी क र मिती का ती पु दि र संभवत १८९९

हरा पतमा जी र म रं ल न
भी ल का

मुताबिल्ला बिमारी मे हं क
नी माल म्भो री सु बा र्थ

न लु गो मु नु म्भान् प र स दी फ क
मा ठी क हं दे रा म लाल का



५१

दोहरमंलसगौरहद्वाराम
काहरमंलसगौरहद्वाराम
वनियुक्तगदिनामगोपी
धा

५२

दोहरमंलसगौरहद्वाराम छीतरमंलरामस्यैवकामान
काहरमंलसगौरहद्वाराम स्यैवकायोनाजोसीबीधा
बीधा

५३

अगौररामस्यैवकायोनाजोसी
अगौररामस्यैवकायोनाजोसी
नयसिद्धी

५४

छात्ररामहरीरामकाम्हानं महारामजीवावतगूरका
हकायोनाबीधा बीनाहाहियाबीधा

५५

अगौरहरीरामस्यैवकायोनाजोसी
अगौरहरीरामस्यैवकायोनाजोसी

५६

महाराजसिद्धी
महाराजसिद्धी

लब्धुं दुःखी	लब्धुं दुःखी
१	१
मेमरज हरदनका नोधीनी	अरएदगमदेखकर एका
धा	अनेसी नीधा
३३५	३३५
रामू अर्ये रामका वनगाली	अरएदगमसंगारमका पद
दासका पोता नीधा	माका पोता नीधा
२३	२३
मपारम हरजनका नीधा	परसरम हररामका नीधा
२३	२३५
वदमनननर एका नीधा	सवला हरदासका नीधा
३३५	२३
अर्ये रामरागी का सोहर	ताराये सोका ठदा का पो
का पोता नीधा	ता नीधा
१६	१६
अरागै रामनी या नुं छो सोका	अरागै के सो या नुं छो सोका

अविनाशि निवेद
निर्गुण निराकार निराकार

गणगणकुंडुसुखा

गणगणकुंडुसुखा

हरप्रभातगीमालनकाशीया

हरदोराप्रमलनकोशीया

२५

२५

मालिशामलनकाशीया

हरप्रभातगीमालनकाशीया

२५

हरप्रभातगीमालनकाशीया

गणगणकुंडुसुखा

हरप्रभातगीमालनकाशीया
 नरकदशातलसायनपुष्टमुखागणगणकुंडुसुखा

हरप्रभातगीमालनकाशीया
 नरकदशातलसायनपुष्टमुखागणगणकुंडुसुखा

हरप्रभातगीमालनकाशीया
 नरकदशातलसायनपुष्टमुखागणगणकुंडुसुखा

हरप्रभातगीमालनकाशीया
 नरकदशातलसायनपुष्टमुखागणगणकुंडुसुखा

हरप्रभातगीमालनकाशीया
 नरकदशातलसायनपुष्टमुखागणगणकुंडुसुखा

हरप्रभातगीमालनकाशीया
 नरकदशातलसायनपुष्टमुखागणगणकुंडुसुखा

पिच्छादिदत्तनीतिहयमदीयागिपानक
 गमिनीमागप्रयुक्तिरदसम्बन्धरूपप्र
 मयद्विप्रागसेवाधुनादाकुरजीकीकिय
 मनकुरन्दुसाकिन्कपरगानेप्रशिक्षाकले
 रमिनीप्रसादबुक्तिरदसम्बन्धरूपप्रकाश
 एवजमोगपाकीकरीछोप्रसीगचढाजा
 केवृत्तधरतीवीयाएषुगांममजपूरकी
 मुसाकिन्कपरगानेसवगीमहाराजाकेकु
 टयासीजीकीप्रसाईजीस्वयंजीकरारमि
 नीतारीकपटरवीप्रबन्धनसगलरूपकाये
 मावेछाप्रसीकरीसेवारागजीननगी
 रवकोविरागएकराफलेगधोतीहकीप
 रवानोस्वयनीमहाराजाकेकुटयासीजीकी
 सगईईसरीस्वयंजीकरारमिनीकानीसु
 दिरदसम्बन्धरूपकोकरावोनीरामजी
 मनकालमसिदुतोप्ररनुकोसंतामनी

सीसेवाभूता श्री मिश्रनामीगरामकरदीम
 सीसम्बतनरुद्धाईकरे छँसीपरवानोस
 बनीराजनयोगराभाको पुमंदवारभेसो
 देसखनबासहुकामहुवाइवनदापसम्ब
 नरुद्धाईपरवानोसखनीकरोमुकररा
 धरनीबीषा

८३

परवानोसखनीकरारमिनीमागअसुंदिरगम्बनरुद्ध
 कोहुको
 गावनाभरोटाभुजरखनवाहबेगीभरगनासधार्जिपुर
 कीधरनीसाबिकदअनुरब्हालगाएइवनदापसम्ब
 नरुद्धाईसीहासिलनहवालीकरबोकीज्योअरसेवापू
 गादाकुरजीकीमिश्रनामीगरामकरबोकरमुकररा
 धरनीबीषा

८४

ठाकुरजीनकरनगरायनीविराजमानक
 सबाछाएमेवाकंपूजारीगाहूरकारीजो

कुनबितामिपुमिहैद
 निमीनराएभोदुमुदु

जीगरीयनीयनीरहमुवाकिकधर्मजन्म
सदायंदेखुपायकृताकागादमिअनी
किस्मकोबाराभिमोलापुलापुदिहस
म्यनदरदनीहाधरायाका

धरनीकसबाछागकीजिया नीगरसापुरबासबाका
कमालीस

हकास

३३

मुवाकिकधर्म	मुवाकिकधर्म	मकदरीजी	मुवाकिकधर्म
मनसावदार	देवसंभरा	मासुवाकिक	देवसंभरा
कैभारेवसं	जावनकार	वरपानीनर	रत्नाकुतक
परजाकुतक	मिनीमाहस	संयहाका	रारमिनीज
परजाकरा	दिहसाम्ब	रारमिनीज	दयासुदि
पुदिहसम्ब	तदरदनी	सादसुदिह	रसाम्ब
तदरदनी	या	सम्बतसुफ	तदरदनी
पा		रकापेक	शानदकस

३३

३३

कईपार

अक्षरद्वारा
मिनीमाहस

योऽप्येवमेव
 योऽप्येवमेव
 योऽप्येवमेव
 योऽप्येवमेव
 योऽप्येवमेव
 योऽप्येवमेव
 योऽप्येवमेव
 योऽप्येवमेव
 योऽप्येवमेव

विदीक्यारमिनीमाहस्कुदितसम्बन्धनरूपेण जोसम्बन्ध
 तत्त्वतदाईयापेन्द्राप्ताहोमनोऽप्रवर्त्तनीदित्वा योर्का
 म्भो—परस्मानगीशे सारामकरोमा

हाय्दुरभीन्धनन्जरासुजीलिराममानय
 सन्धानादसर्गे

वाच्यतिनोगपरनीकसन्धानादसर्गीमुत्पादिकपर
 मुत्पादिकानिप्रतिवेद
 लिख्यमानाएभेदिसम्भवे

पानेन मनीं हृत्प्राज्ञा श्रीमत्पार्थिवं ज्ञेयं धर्मात्करा मित्नी
माता अश्रुदिदं सन्त्यनरुदुता मिन्नहृत्प्राज्ञा नरुदुता
हीनकामिरामण्युगैरहं सन्त्यनरुदुता मिन्नहृत्प्राज्ञा नरुदुता
माता अश्रुदिदं सन्त्यनरुदुता मिन्नहृत्प्राज्ञा नरुदुता

496

प्रधानीसवनी करारमिनीनादसाबुद्धिदुसम्बन्ध
वदसाज्जनसम्बन्धदुपुडमुकामनुएलारैसाविष्क
दसादुखदालि

राजपुरखी चकार जुनरापनी विराजमाया
 रनेचटानवायोह परगनासवाई जेपु
 काभीलाका नोगके बास्नेघरनी सांव
 मजबूरकी मुजायिकपरवाने महराजा
 मैपुठबासीजीजीस्वाई जेस्वयजी
 करारतयसीराजेलकायेनीया

५३

पर्यायानोष्कटारगारीकत्तु पर्यायानोष्कटारगारीकत्तु

यथाविलक्षणप्रतिवेद
निष्पन्नारण्यरामायण

सोमनाथसंगनरकापेयारले	रमयानमननरकापेयार
छात्रप्रसेवाहरदतनैमदन	संचरप्रसेवाहरदतनैमदन
विरामणकरोऊनीकान्त	विरामणकरोऊनीकान्त
वसिष्ठान्नप्रत्यसेवान्नप्रत्य	वसिष्ठान्नप्रत्यसेवान्नप्रत्य
चलवाँरहनुमाकाहरदत	चलवाँरहनुमाकाहरदत
कपोतावागिरनारननरा	कपोतावागिरनारननरा
मकारामदनकामोवाविरा	मकारामदनकामोवाविरा
मणकारेसोहासिलधरती	मणकारेसोहासिलधरती
कोरमखनरुणगईमाखो	कोरमखनरुणगईमाखो
मुकारराखीया	धरतीखीया
६८५	१३५
हान्नपरवानोसबनीकरा	हान्नपरवानोसबनीकरा
रमिनीकागणरुदिउसम्भ	रमिनीकागणरुदिउसम्भ
म्वनरुणदसाविकदस	म्वनरुणदमुकामसनाईजे
नूरनहान्न	पूरसाविकदसवृत्तहा
	नहसेमुखातकरावृत्तहा

मिनीयतागणसुदिनसम्बन्ध

हस्तजोसाधिकदहनद्वय

हस्त

हस्तजोसाधिकदहनद्वय

मृगशिरासीलम्बकमाहादे

यन्विराजमानगोश्रमजन्

होन्मायाशोभनोमसीगो

वरीहीदुग्धवराभावाटस

कीमुन्माधिकदहनद्वय

होन्विराजमानगोश्रमजन्

होन्मायाशोभनोमसीगो

वरीहीदुग्धवराभावाटस

कीमुन्माधिकदहनद्वय

होन्विराजमानगोश्रमजन्

होन्मायाशोभनोमसीगो

वरीहीदुग्धवराभावाटस

कीमुन्माधिकदहनद्वय

हस्तजोसाधिकदहनद्वय

हस्तजोसाधिकदहनद्वय

हस्तजोसाधिकदहनद्वय

हस्तजोसाधिकदहनद्वय

हस्तपुरकोत्तर नृपजीविराजमानकासवास
 तार्द्धिपुरमेंमुनिसरगछीपीबादाकैमंदिरमें
 तीर्थस्त्रीबालिका

हस्तपुरकोत्तर नृपजीविराजमानकासवास तार्द्धिपुरमेंमु
 निसरगछीपीबादाकैमंदिरमेंतीर्थस्त्रीबालिका
 सोमार्कवासमेंमुनिकाफिकप्रादिवास्तीमेंदसयनदिवा
 सिदानकरारमिनीसावणस्फुटिरुहालसम्बन१८२८
 अरजपंडुप्पीनोगमेंदरमाहोदुपसाहुचोवरासायार्क
 सन्वास्वार्द्धिपुरकासाइबतटापमिनीजेहस्फुटिरुहा
 लसम्बन१८२८ येकरदेवाकोदुवामहुजोसोदसय
 नकरासोचार्द्धिपुरोदसयनवासहुकामहुबामुनिकाफिक
 लिखेहोगीकीसतदिलिखीमुकररादरमाहोदुपसा
 होष

३)

चिठीकारारमिनीसावणस्फुटिरुहालसम्बन१८२८ हरसा
 लसगदिसालनयमानिकीउपोऐकमतनबाहगोत्रकन

पुत्राविलसिनिजिह्वेद
 निधारीनरापुर्णसुखी

कपुरनागलकैसवाईजैपुरकागमें दूधनदाससायसवालसम्ब
 त१८१३येसालनीजादुषमा२३कीवाई
 बिहीवररगिनाकातीबुदिरसम्बत१८३३

छवुरभीमहादेवचतरमुखजीविराजमान
 वसवासलाईजैपुरमेंचांदपोलनकनेनाद
 नीचैमंदिरराजाराममहाजनअगरवाला
 के

भीमहादेवचतरमुखजीविराजमान वसवासलाईजैपु
 रमेंचांदपोलनकनेकोटनीचैमंदिरराजाराममहाजन
 अगरवालाकैसाकागोगकैसास्तेमारकलअनरद
 संयचिमीतीकालीबुदिरसम्बत१८१३अरजसंहरी
 हुकमहुवादरगहिदुपमादोषकोईसनगमिनीचादवादि
 दि३सम्बत१८१३येसालनीकासासवाईजैपुरकाचव
 त१८१३येसालनीकासासवाईजैपुरकाचव
 त१८१३येसालनीकासासवाईजैपुरकाचव
 त१८१३येसालनीकासासवाईजैपुरकाचव

परशुनाथीसखीकरारमितीमागवस्तुदिप्रसम्भन १८९५
कामसखाईजैपुर

राकुरश्रीमहादेवचतुरमुखनीचिराजमानकसखानना
सखासखाईजैपुरमेंमंदिरदुपरागहालुका
जगतके

राकुरश्रीमहादेवचतुरमुखनीचिराजमानकसखानना
ईजैपुरमेंमंदिरदुपरागहालुका जगतकेत्याहका नोग
केनस्तोभारकतजगरदसंखर्कमितीप्रसोजस्तुदिप्र
सम्भन १८९५ जैपुरजपहुं योदुकमहुवाहरमाहोससलीदु
षधाहोमकोईसतगमितीजादखास्तुदिप्रसम्भन १८९५
पेहजेतीनोवरचानोसखनीलिखोमुकरराचवूतराक
सखासखाईजैपुरकामेदरमाहोससलीदुषधाहोप

परशुनाथीसखीकरारमितीमागवस्तुदिप्रसम्भन १८९५
मुकामसखाईजैपुर

राकुरश्रीमहादेवचतुरमुखनीचिराजमानक

मुद्राविलासिजिजिदंडु
सिद्धीदाताभोमभुजाधिपति

श्रीमहादेवपादुका विदीनकरमितीषीमस्तुदि१२सम्बन्ध
न१२३३

श्रीमहादेवपादुका विदीनकरमितीषीमस्तुदि१२सम्बन्ध
न१२३३

श्रीमहादेवपादुका विदीनकरमितीषीमस्तुदि१२सम्बन्ध
न१२३३

३

श्रीमहादेवपादुका विदीनकरमितीषीमस्तुदि१२सम्बन्ध
न१२३३

श्रीमहादेवपादुका विदीनकरमितीषीमस्तुदि१२सम्बन्ध
न१२३३

दाभुरलीमहादेव नगरमुखजी बिराजमान कसबासवाई
 जेपुरमें बिराजपुरीमें मंदिर
 रक्षियसंकरगुजरातीके

१

दाभुरलीमहादेव नगरमुखजी बिराजमान कसबासवाई
 जेपुरमें बिराजपुरीमें मंदिर रक्षियसंकरगुजरातीके लोका
 नोगके वास्तोशारफतअनरदरपयकी मिनीकानी खुदि
 इसम्वन १८९९ अरजमहनी दुकमहुना दरमाहोनसूनी
 रुपमानीनको ईसनगमिनी जादबाखुदि इसम्वन १८९९
 येदनीको मरवानो सवनी निखोमुकरगान्यनतराक
 सबासवाई जेपुरकासूरदरमाहोनसूनी रुपमानीन

२

परवासीसवनी करारमिनी येसखुदि इसम्वन १८९९
 मुकामसवाई जेपुर

दाभुरलीमहादेव नगरमुखजी बिराज
 मानकसबासवाई जेपुरमें मंदिरदोना
 मोदीरासराजाजीकाके

कुनपियागिजादेद
 सिठमहाराजसोरमुनी

हस्तुरलीमहादेवचरमुयजीविराजमानकसव्यास
 नाईजैपुरमेंमंदिरबोलासोदीरापराजारीभक्तमैत्र्याकी
 लोमकेकास्तेमारकनप्रभरदसंप्रसन्नमिनीप्रसन्नो
 मुदिनसम्बन्धनरूपप्रभरजमदुखीदुखमदुखदरमाहै
 कस्लीदुमपादोप्रभवेईसत्तामिनीप्रदवास्तुदिदुसम्बन्ध
 नरूपप्रभेदोमीकोपरवासीसत्तामिनीप्रदवास्तुदिदुसम्बन्ध
 मुतरानकसव्यासनाईजैपुरकासदरमाहैकस्लीदुमपा
 दीप

परवासीसम्बन्धनकारमिनीप्रभेनमुदिनसम्बन्धनरूपप्रभ
 मुकाससनाईजैपुर

जीमहादेवचरमुयजीविराजमानकसव्यास
 लवाप्रभेनमेंछांन्नावावादीपरिमंदिर
 मुखावावादीके

जीमहादेवचरमुयजीविराजमानकसव्यासप्रभेनमें
 मेंछांन्नावावादीपरिमंदिरमुखावावादीकेताकाको
 मुखावावादीके
 मिहमंदिराएभूमिमुखा

[illegible]

परमात्मोक्तयनीचकारमिनीज्ज्ञासोमसुदिपुस्तकन्यापुस्तक
मन्त्रात्मसुदीर्घोपुस्तक

ऐष जन्मगवाहसो नमो भूयो तानि केन सन्वासवार्द्धे भेषु
रक्तार्द्धे इत्यलक्ष्यसावस्थान्यसम्पन्न एव भेषार्द्धे सावस्थी
तान् भेषार्द्धे नमो भूयो तानि केन सन्वासवार्द्धे भेषु

श्रीमद्वाल्मीकिरामायणमुद्रणालयमुद्रणालयमुद्रणालय
वाल्मीकिरामायणमुद्रणालयमुद्रणालयमुद्रणालय

श्रीमहादेवसन्तरमु, वजीविराजमागसंस्वाग्रामैरि
नंमैरि कुयरागमागइ नैत्याक्ताभोगनैत्याक्ता

अत्रात्रिंशद्विंशतिर्द्विंशतिः
विंशतिर्द्विंशतिर्द्विंशतिः

एक गणेशनाम स्तोत्रं श्रीमिनी नमस्तस्मात् सुदि १२ सांख्य १४७
 गणेशनाम स्तोत्रं श्रीमिनी नमस्तस्मात् सुदि १२ सांख्य १४७
 श्रीमिनी नमस्तस्मात् सुदि १२ सांख्य १४७
 श्रीमिनी नमस्तस्मात् सुदि १२ सांख्य १४७
 श्रीमिनी नमस्तस्मात् सुदि १२ सांख्य १४७
 श्रीमिनी नमस्तस्मात् सुदि १२ सांख्य १४७

35

परधानीसखीकार मिनीप्राशोजकुदि २२ सम्ब
१८९३ मुन्नामैकासाईजैपुर
ऐसजगसखाहुगंङ्गसुखीतानिक्कीकसवासकाईजैपुर
कामैइमगदाप्रसायसमान् सम्बग१८९३खेबाईसाली
गीरुपलकुदुविहीकरार मिनीप्राशोजकुदि २२ सम्बग
१८९३

हाम्पुरस्योत्तररज्जुग्रामधुर्जातिविराजमानम्

सन्ध्यासाक्षात् जैसुरमैरेहरैगुलाम्बन न नीला

दुर्लभम्।

दाक्षर्यविष्णुनरनुजराधुजीधिराजमानयराधासुति

सिद्धिनिराण्यपरिमृष्टमि

येचईसाजीवरादुमसावराजुखिरीकनारमिनीकानीबुद्धि
स्वभावगुण

राजपुरजीवननरनुजरायजीविराजमानक
सबासबाईगैपुरमैदेहरैयंयविरामराजी
इसागानेरका

राजपुरजीवननरनुजरायजीविराजमानकसबासबाईगै
पुरमैदेहरैयंयविरामराजीगैइसागानेरकाकैत्याका
नोगकैसास्तेमुवाकिकसादिदास्तेमैदरावनहोती
निसागनभयरमितीजादवास्तुदिदसम्बनरुष्टअर
जमैहूबीरमाहेनसखीदुमसाकुप्यमतराकरवाम
जकरकाधैमुवायिकापरवानेसखनीमहाराजायैकु
रवासीजीजीसबाईईसरीसंभतीकरारमिनीजादवा
बुद्धिआनसम्बनरुष्टकाधैपावैछासोहरमाहोस
स्वभावगुणताईपासोअनपरवानोसखनीहाणकोक
राजीवहैसीदसखनवासदुयामदुवाईसागदसम्ब
नरुष्टयेपरवानोसखनीकरीमुकररादरमाहोस
नानुमानीन

एकविंशतिप्रश्नोत्तर
लिखीगयाभोरिमु

३)

परजानीसवानीकरारमिनीमागअसुदिहसम्बन्धनपुछतमुका
मसवाईजेपुर

हेनजमगवाहमागबदेहरिमानिनेकसवासवाईजेपुर
कामेइअनदापसावस्थानूसम्बन्धनपुछतमुकापईसाणी
जावल्नीपुछतविहीनकरारमिनीकानीअसुदिहसम्बन्धन
पुछत

जीन्वीषमागानीविराजमानकसवासवा।
ईजेपुरमेंनदिरसवाईरामगोषाने

जीन्वीषमागानीविराजमानकसवासवाईजेपुरमेंने
दिरसवाईरामगोषाकेत्याकाजोगकेवासोमारकन
अनरदस्वयकीमिनीमागअसुदिहसम्बन्धनपुछतमुका
पहून्वीहुकमहुनाईरामगिनीनादवासुदिहस
अनरदस्वयकेदरमाहोअस्वलीपुपताछहकोदरोतीको
परजानीसवानीकरोमुकररावखतराकासावासवाई
जेपुरकापेदरमाहोअस्वलीपुपताछह

कमविननिहृष्टिदेद
विदमीनागपुनोसमुद्राप

६

परभागीसदानीकरारमिनीसागवसुदिपसम्भवतस्त
मुक्तामस्तार्ईनेपु

एवजतनबाहगांवसुद्योनासिकेकसनासबाईनेपु
रकागेंड्यतद)पसायस्यान्सम्भवतस्तुत्तयेपाईसा
नीगादुपसाउ)चिटीकरारमिनीसोमसुदिपस
म्भवतस्तुत्त

हकुरजीवनरनुजरासजीवामुरलीम
नेहरजीविराजसागगांवतठ,दडाम
रगनादगेसाकागेंत्पाकाभोगगेंरोजी
नाटकादीयगांवजठबादापरगनादो
साकाथेमुवाफिकपरस्यागेंसवनी
करारमिनीसोमसुदिपसम्भवतस्तुत्त
सातसम्भवतस्तुत्तकाथेमाथेछासो
मुवाफिकनसुयेंतठकीपोतदारपर
गनादगेसाकाथेसम्भवतस्तुत्तताई

मुवाफिकनसुयेंतठकीपोतदारपर
गनादगेसाकाथेसम्भवतस्तुत्तताई

पापमुत्तरारोनीनादिकादीषु

३३

हालपरशातोसवनीकरारमिनीसायसुदिद्वस
 म्बतपदसालसम्बतपदसुक्तमसवाइजैपुर
 सायिकदसनरुवहानिशासुद्वनदपरासम्बतपदस
 येतहनीत्यमोनदपरगनादोमाकायेदेखोष्की
 ओ

जोगदाकुरवीचरननिहजगीविराजत
 मेकसावास्साइजैपुरसोभोगनीजहवी
 तमोतहारपरगनासवाइजैपुरकाये
 रीनीनावरदलीनीरंगसाहदुपयोषेक
 माये

३४

परशामोमवनीकरारमिनीसोसायसुदिद्वसम्ब
 तपदसालसम्बतपदसुक्तमसवाइजैपुर
 हालपरशातोसवनीकरारमिनीसोसायसुदिद्वसम्ब
 तपदसकोहवीसायिकदसनरुदेखोष्कीउपो
 मुक्तानिगानिगानिदेदु
 निगानिगानिगानिदेदु

सिद्धिजननयाह मागरीरगांशु श्रीमंदपुर छरमनरकरना
 लम्पुर मागरीरगांशु श्रीमंदपुर छरमनरकरना
 ननननननी श्रीमंदपुर छरमनरकरना

सम्बन्धन १८५६

सम्बन्धन १८५६

१८५६

१८५६

सम्बन्धन १८५६

१८५६

मध्यमागरीरगांशु श्रीमंदपुर छरमनरकरना

१८५६

सिद्धिजननयाह मागरीरगांशु श्रीमंदपुर छरमनरकरना

सिद्धिजननयाह मागरीरगांशु श्रीमंदपुर छरमनरकरना

कद्वयमश्रीहजरकीनियोजासोगांशुमजन्ममेंहि

मागरीरगांशु श्रीमंदपुर छरमनरकरना

प्राप्तोसोबान्नसावतहि सावमेंप्राप्तोसोबान्नसावतहि

सोबान्नसावतहि सावमेंप्राप्तोसोबान्नसावतहि

हि सावतहि सावमेंप्राप्तोसोबान्नसावतहि

सिद्धिजननयाह मागरीरगांशु श्रीमंदपुर छरमनरकरना

चिदीकररमिनीपेन्सुहिल्लालसम्बन्धनरुद्रजोहासि
 ललायकोमुसाकि कसतदिहीवानीके जोगमैवाया
 ललोअधोमाकसम्बन्धनरुद्रजोहासिपार्वेअनोअव
 लीदेवायोकीलोअरयान्नलाभ्येअध्यामानसा
 कादुपसाजमावपिनहसीलकरयोकीन्योमुकररा
 गंयमजकूरनननोमिसगैरहसुध्यातस्नीदुपसा
 वरुमधे

जागीरनाबलिजोगरोजीना माफयालसाम्येअधो
 लस्नीदुपयोदुजीकावरस माफ
 रकादिमउरदकाजानीना
 वस्नीदुपया

३५५

राकुरवीचनरअजरापुजीविराजमान
 बसवासबाईजोपुरमें देहरैसुवीचि
 रामरसीकेत्वाकानोगर्नीरोजीनास
 मस्नीअनाउदोमुनेहनीनहार
 पुषपरगनासबाईजोपुरकासमुसा

सुनापिलासिमुनिदेह
 सिमीनप्राणहिकुनापि

शिवकनरसन्नेसवती वारारमिती मातर
 दिव्यसाम्बनरुद्रका धेया धेय प्ररुद्र
 त्रामदजगोष्ठात्तजान्तरावकी विरा
 मणगोड वन सो मुकररा रोजी गात्रस
 नी श्रान्ता दीय

३

हाल परवामोसवती वारारमिती श्रामो जसु दिवस
 म्बनरुद्रका

दाकुरश्रीचनर नुगराय जी विराजमा
 मगंक्षुधोलाई नपारामगदयराका
 सबाई जें पुरकामें त्या का गोमकेंवा
 श्लेघरनी गांव मजकूर की मुवाफिक
 परलामें सवगी म्हराजानें कुटवा
 सीजी श्री सबाई ईसरी संघजी करार
 मिती काती बुदि सन्धनरुद्रका
 धेया धेय मुकररा वीधा गुरासदे

५६७

कुम्भारपितामहाजीसुहेद
 मिर्मीनारायणहोतासुवाधि

हान्न मर्यादोत्पत्तीकरारमितीकृत्वा कृत्वा सुदि
मन्वन्तुः सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु
सावित्र्यदसन्तु सन्तु सन्तु

हान्न मर्यादोत्पत्तीकरारमितीकृत्वा कृत्वा सुदि
मन्वन्तुः सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु
सावित्र्यदसन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु
सावित्र्यदसन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु

उदात्त

हान्न मर्यादोत्पत्तीकरारमितीकृत्वा कृत्वा सुदि
मन्वन्तुः सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु

हान्न मर्यादोत्पत्तीकरारमितीकृत्वा कृत्वा सुदि
मन्वन्तुः सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु
सावित्र्यदसन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु

हान्न मर्यादोत्पत्तीकरारमितीकृत्वा कृत्वा सुदि
मन्वन्तुः सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु सन्तु

गोपमजकूर की मुखा फिकर परवाने सख
ती करार मिनी कानी बुद्धि सखन १८२
काधे बीया

१८३

हान परवाने सखती करार मिनी माह सुदि ३ सख
न १८४ मुखाम सखा जौपुर

दाकुर श्री चनर नुज रासजी गोपी राध
जी बिराजमान गोप खरहु सरगनाम
नारण कामे न्याय योग ने धरती
गोपमजकूर की मुखा फिकर परवाने
सखती करार मिनी गेठ बुद्धि ६ साल
सखन १८५ काधे मुखर राधरती बी
या

१०६॥३

दाकुर श्री चनर नुज रासजी दाकुर श्री गोपी राधजी
कै धरती बीया कै धरती बीया

३५३

३५४

एक बिलाली मजिह
लिफ्तार मजिह

हात्तपरलासीसवनीचरारमिनीवरधमप्रसादसु
दिनसमन्वयनरुद्रस्थानपुस्तकसाधिकादसवर
बहाल

हाकुरवी चतरचुजराभुजीधिराजमान
कसबाभोगपुरसरगनाविज्ञाभराकामे
भोगनमुष्ठाफिकपरगुनेसवनीमहा
राजावशनेरपयजीकाकेपादे

धरतीकसवामोगपुरवी चीनराहदारीकसवा
वीषादस मोगपुरकासूरोजीनाह
कोपेक

विहीकरारमिनीप्रसादसुदिनसमन्वयनपुस्तक
मोहालनाईवापेंछेनीप्रयनीदेनबेकीमो

हाकुरवीचतरासिरोभराजीगोवातजी
धिराजमानकसबाससाईजीपुररू
इतिगढीगेमंदिरस्वामीचतरहा
सर्वे

मुद्राविलिखितदिनेद
निष्ठावाराहृष्टसिद्धि

व्याख्यान लीग गोश्वरी नूर की चतुर सिरी मरा जी बिराज
 मानक सखा सखाई जी नूर ई की सदी मे गदिर खाजी
 लनर दास के नामों नामों मुखा फिना सादि दासी
 मै दस खत दीना निपात करार मिली जाद खासु रिह
 सम्बन्धन रू दू प्रजा महु नी जी हातन सेवा नोग खा
 मीर एछो द दास के नामों के गिनो प्रसाद बुदि
 साल सम्बन्धन रू दू धे कटी सो मुसारन प्रलू केती
 धे मरु ओ गोपाल जी बिराज छान्द नामों नी मंदिर में
 बिराज मान की सात्पाका नोग रोजी गोश्वरी नूर
 गरामानि बाई तम नो मिशर र दस दू धा दुप प्रा रू रू
 नी का सखी मुसदा नरु को स्यामी जनर दास की न
 गबाह में छो सो चतर दास नी काल स सिद्धो प्रर
 नोग खा रू दू नी नी सखां सु मज नूर को दासिल
 साख जु न्हा नू सम्बन्धन रू दू तई नोग में नाम पोण्ड
 वेदु कस हु वी ड नन दास सम्बन्धन रू दू वे दो न्हा कु
 रनो बा नोग में कर द गो सो दस खत करार सो चार ही सो
 दस खत खास दू कस हु ना मुखा फिना कलिये सी गो नोग
 के दरो नी को पर पा नो सखनी निओ मुकररा गोश्वरी

एकादश विपुल
 सिद्धि दाता

शूरगणेशजीने बगैर हस्तुद्या दुषणा नपुनी कायमनी
दुषणा नपुनी को संक

१

मरणा मोक्ष वनी करार मिती बानी बुद्धि रसा म्भस
रुद्ध मुक्ता मनी आई गेपुर

शूरगणेशजीने बगैर हस्तुद्या दुषणा नपुनी कायमनी
दुषणा नपुनी को संक
दिर नरा म्भस

त्याका जो गैरी जीना दको संक त्याका दसा जीने
मरा मापारा दहारी बस बाम गज शूरका म्भस मुक्ता कि
कमर घाते जगामिना करार मिती ने गपुद्धि रसा म्भस
नपुनी कायमनी रो जीना दको संक

११

श्रीगणेशजीने बगैर हस्तुद्या दुषणा नपुनी कायमनी
दुषणा नपुनी को संक त्याका दसा जीने
मरा मापारा दहारी बस बाम गज शूरका म्भस मुक्ता कि
कमर घाते जगामिना करार मिती ने गपुद्धि रसा म्भस
नपुनी कायमनी रो जीना दको संक

मुक्ता म्भस मुक्ता म्भस
निष्ठ म्भस मुक्ता म्भस

परवागागीखोहराखुस्मात्नीराम गुरुगागीनशानीरामयोह

११

मयुरकीचनरगुजगीविगजसारगा वगोमे
 रनपाखोहपरगगासबाईगेयुरकागेन्याके
 वास्तेमृखाधिकवादिदास्तीमेंदसयनदाक
 निधानवगारमितीपोसबुदिईसम्बतल्ल
 नजरजवहूबीगोपोगनेन्नाहेसौदसयन
 वासहुवमहुवादरमाहेरुपपात्रुकोगो
 नेरकाभापामेसूइवनदापुमितीभागाव
 सुदिईसम्बतल्लउपेदतीगीकोपरता
 नीसगतीनिखोमुकररादरमाहेरुपपा

३

परवागीसबलीकरारमितीबैसाखसुदिईसाग्नसम्ब
 तल्लउमुकामसबाईगेयुर

मुकररातयाहदरमाहेइवनदापुमितीभागावसुदिई
 सम्बतल्लउपेभापागांगुगोनरनपाखोहपरगगास

उन्नाजिलानिमिनिहेद
 निधनीनाराभोरिमगा

गज गजराजपुत्रता (१८६६) विंशति मन्त्र
 साईं जैपुरकास्यजीगीजीगकीजगदंबोकीजीहरमाहेंदुपरा
 पाव

ठाकुरजीचंदविहारीजीविराजमानजीविह
 रावनजीमेंगूजमाजीजीबापावतजीमहेल
 महाराजाचैकुटवासीजीजीससाईंजगलस्मं
 धजीवतवराईलीमें

आजनिजीगंगाधठाकुरजीचंदविहारीजीविराजमान
 जीविहरावनजीमेंगूजमाजीजीबापावतजीमहेल
 महाराजाचैकुटवासीजीजीससाईंजगलस्मंघजीका
 वराईलीमेंनैमायाचैमास्तेमुवाकिकमादिदास्तीमें
 दसवगदिसानमानकारनितीमाहचुदिदसम्बत१८७५
 अरजधंजीजीगनेरीजीनादुपपाकुकासालीनादुप
 पा१८८५)कसलीतीमेंगंगाईजगपुराबासागुणजीम
 राताबादसुलनजीमिषगैरहसुयादुपपा१८८५)को
 मीतीदरीवस्तुमेजासालीनादुपपा१८८५)मेंइवन
 दाससावतुनहावसम्बत१८८५)मेकरिदेवाकोहूक
 मुमादिनामिमादिनहैद
 तिमीनारणमहाराज

महोत्तरीसीदरायतमाष्टमीचा दिवसीदरायतमाष्टमीचा महोत्तरी
मुखापिमाणिबेरीगर्भजोगर्भद्वितीकोपरवाणीकावती
निबोद्धकररागंयसनचूरतनजोमिभगैरहसुधादुप
वाटलवुन्कोनपेगादुनवापदममेमोनीदरीव्यस्त
येक

वरवाभोसवतीकरारमितीचैसाखबुदिनसाम्नस
प्रत्यतद्वेउमुकामसचाईजैपुर

ठाकुरजीचनरचुजराप्रजीविराजमानवास

वायागईमे

ठाकुरजीचनरचुजराप्रजीवि ठाकुरजीचनरचुजजीवि
राजमानचसनामागईमे राजमानचसनामागईमे
लाकाजोगर्भद्वितीबीयाचु व्यानेमुजारीजाहूरकरीरो
कसबायागईकावासनी जीनारचोतरराहदारी
सादुपवाइमुखापिचपर कसबायागईकाहमा
जानेसवतीकरारमितीचैसा फिबसनादिहीवासीनैजी

कन्यावित्तमिनिहृद
मिहरीनारणभोरिफु

अमुदिन सालसम्बन्धन गुरु कागदों का परधाने इज
 यजमेतपहीनजेल — रहराके पायेछाहलता
 बरनीकसना सान्नीमान ईश्वरप्रामिलबाप्रीछा
 फगईकीनी नदनुमया हारसतहितलवबरेछेइ
 या — स्तारसिं — शास्त्रेमुवाकिभहुकमत्री
 ननु — रहु — हजरकीनियाछाजोचोगने
 बहलपंदोसीतारम रोमीनाहालताईवाछाछे
 अजवाकोकरे — अखनीबीनरामनयूरस
 हालमरमानोसबनीकरा रिवाकोबीजपोमुवारारो
 रमिनीबेसायबुदिदुसम्ब जिलादकोमेक परधान
 तगुरुद सालसम्बन्धन गुरु गीचनरनुजवनीबाल
 — ११ —

बिहीकरारमिनीमाहबुदि

रसम्बन्धन गुरु

अनुरन्तर हाकुरबीस

नुजगी — छजगी

११ — ११

श्रीधरमंगलार्ति

३१

मङ्कुरश्रीचतुरभुजरासजीविराजमानकस
 यासवाईजैपुरमें देहरेंगारागप्रहरके
 पाव्वा नोगके प्राश्लैमुझाफिकमरवाने
 सबनीमहाराजाजीसवाईईसरीखंयगी
 नरारमिनीसाहनुदिनसम्बत१८३३
 कासम्बत१८३३ साविकहरसरव्यहाल
 येहरमाहिसरलीदुमसादीप

२)

परवानोसवतीकरारमितीनेसाधनुदिनसम्बत१८३३
 साविकहरसरव्यहाल
 तनसाहगांमुमादौतायरावासासवाईजैपुरकासेइका
 दाससाखसमान्सम्बत१८३३ येमाईबिहीकरारमिती
 वीसनुदिनसम्बत१८३३

मङ्कुरश्रीचतुरभुजरासजीविराजमान

मुद्राविद्याविश्वकोश
 लिखीनाम॥ श्रीगुरुभक्त

सबवासवाईजेपुरमें देहरै गुलाबाइकी

दाम्नालोत्पाका नोगने मुसाफिकपर

जाने सबानी महाराजा बेंकुटवासीजीकी

सकाईईसरीसंयजी करारमिनीमाह

मुदिउरास्यनरुन्ठकाधेनबूनराक

सबासवाईजेपुरकाधेहरमाहै बसली

दुमसानीग

३)

महाराजेसबानी हान्न करारमिनीमाह मुदिस्तसम्ब
नरुन्ठसाधिकदसनरुन्ठहान्न

दाम्नालोत्पाका नोगने मुसाफिकपर

जाने सबानी महाराजा बेंकुटवासीजीकी

सकाईईसरीसंयजी करारमिनीमाह

मुदिउरास्यनरुन्ठकाधेनबूनराक

सबासवाईजेपुरकाधेहरमाहै बसली

उक्तपत्रिका निप्राणीक
निप्राणीक

ब्रह्मैश्वर्यगोपनीकरारमिनीमाहृदुदितसा

लसाम्भवत १८३६ व्यापिहरमार्हं चस्वरनीपु

मया

३)

हास्यपरवान्नेसवलीकरारमिनीमाहृदुदितसाम्भवत

स्वरनीपुमासवलीमासलाईनेपुर

एवमजगत्माहृदं ब्रह्मैश्वर्यगोपनीकरारमिनीमाहृदुदितसा

पुरकामेंद्रुदितसासवलीमाहृदुदितसा

लीमाहृदुदितसासवलीमाहृदुदितसा

साम्भवत १८३६

हास्यपरवान्नेसवलीकरारमिनीमाहृदुदितसा

मासवलीमाहृदुदितसा

ब्रह्मैश्वर्यगोपनीकरारमिनीमाहृदुदितसा

लीमाहृदुदितसासवलीमाहृदुदितसा

कमरव्यानेसवलीमाहृदुदितसा

लीमाहृदुदितसासवलीमाहृदुदितसा

मुद्रावलिमाहृदुदितसा

लिखितमाहृदुदितसा

३)

प्रसाद बुद्धि रसमयन उदय सागर

मयन उदय काये मासे मुकर राजी धाई

स

१२५

हाथ पर मासे सवती करार मिती प्रसाद बुद्धि रस

मयन उदय मुकाम नृपि सारा

विदी करार मिती मोक्ष बुद्धि रसमयन उदय

मुजारी मुहुर करी छे जो धरनी गिजा की बहु भगौरह

बाई नीरु छे मोक्षिती पुं कही करार प्रसाद प्राचार्य

कासा काये सोप्यास सुख गोहो पुती न सो माये

हाथ पर मासे सवती करार मिती प्रसाद बुद्धि रस

मयन उदय मुकाम नृपि सारा

विदी करार मिती मोक्ष बुद्धि रसमयन उदय

मुजारी मुहुर करी छे जो धरनी गिजा की बहु भगौरह

बाई नीरु छे मोक्षिती पुं कही करार प्रसाद प्राचार्य

कासा काये सोप्यास सुख गोहो पुती न सो माये

मुजारी मुहुर करी छे जो धरनी गिजा की बहु भगौरह

दानुरभीषणरज्जुजरासृजि किन्नामंडारमेजाप
 गम्भीरानुसोदनागी सराभो देह रं विरागमा
 तर्किसासोपावर्ते नोगके मुखापिक्ववारिदो
 सजीमैदसयनराजान्ध्रमा गणपति विनागणे
 नकरारं मेतीमाह सुदि एसा म्बन एउट्टे
 रजवहु बीहुक्कमहु भा अग्नान्धवार रोजीना
 नोरंगसही इबनदास मितीमाह सुदि उरा
 म्बन एउट्टे ये सरानामानारण कीराहदा
 रैपरितनवाह चारो नोगन्धगापोकरेवा
 वरातरसरवराह वर जो नर् इजामे मुज
 गदोसोई कास्ते याने नियाछा तोयेद
 केविलामूरनकां दानुरती कीती वयोद
 तातीसरी सो देह रं विराजमान हुखा
 सो नो नैरो जीताप्रामा म्पारदि ता न
 जाप्पो जो नोगन्धगा वोनरै ना याने इओ
 रामे मुजरा हीनलामु भवरा रोजीन
 ताप्पार नोरंगसही

मन्त्रादिभिर्मन्त्रिभिर्देवैः
 विष्णोर्नामभिर्भुवि

सोनाहरकारोमापराहदारीकरागनामनाररागकास्त्रीजानो
 विनोयदेहीमोपुगासेवंग होयछेईबासोसुवाकिजहुव
 मकीहउरबैलिबाछादाकुरजीकाभोगभोगैरहकारोमी
 नापरागपुपरागनामनाररागकासापराहदारीमेंजायेछे
 नीकीरेभुजअरनीगांभबसोछरीमरागनासंदारकीभजइ
 लायकाजराभुमकोजसोवायइवनदायमितीनादवास्तु
 दिनुसम्बतपुटइपेसापरीज्योउमेजरागानीनादुसपुटइ
 मोकीतोतकरापुहासिलछापैसीकाकुरजीकेभोगलगा
 बैनामुकरराहीनीतापरागपुतोकासानीनावरसपका
 दिनउरबैकादुमका

॥॥

ऐसगसापराहदारीमरागनामनारराग

कामुवाभैरागीकोखालसोहूयो

परसागमीषकासरीदाराभनुषागांभगौरवरभविदुका
 बिहीकरारमितीनादवास्तुदिहसम्बतपुटइ

समदिहखानेभुजारीकानूरमीका

काकुरजीकरभुजरायमीबिराजमासगोव

प्राकोइनामरागनाहोदारागसंभकामेदेह

कुरीबिलाजिपजिदेह
 लिखीवारागनाहोदाराग

रिसिखर बंधन सो बोजी नहं प्यकारा सोती रही
 मेधा दे सो नाथी पसी बिरासरा खरै प्याका
 भोग नै वारै सार कनरा जाहूर सहाप की मि
 तीताग अस्तु दि ससम्बत १७८८ अरजव हूँ
 जोधरती बंधा

३३

रामा की बंधा तोरा — कनारी की बंधाया
 ३३ ३३

गोकुल जगूर की नाहै सी दुनाम दुनाम सी
 सीता जगूर जगूर नामा प्रकाश राघव इत्यनदी
 कनका कनका नृसम्बत १७८८ अरजव सीता
 परवानो सखी लियो मुकररा धरती सीता
 बन्दी सचंग इत्यापुन हापन

३३

परवानो सखी कनार मिनी गाह सुदि २२ सम्बत १७८८
 मुकाम अलाहाबाद

मुकाम अलाहाबाद
 मुकाम अलाहाबाद

मुकररागलयाहमरगीनांभुप्रास्कोइनामरगनाहीइरागल
मसहस्कीरनाभुप्रास्कोइनामरगनाहीइरागल
मसहस्कीरनाभुप्रास्कोइनामरगनाहीइरागल

255

रागुरभीचतरभुजराजगौरिपिराजमानकसं
 जालसोटमेंदेहरेमिथरनंसम्पायाभोगलैल
 सीमारक्तनराजदरसाहायकीमिनीअस्माद
 सुदिरुसम्पायएएएअरजमंहनीमोद
 एवारभुजोगचहैसोदुकमहुसादरमाहेरु
 मणभुसीगेसोगकेअंगदहीचोलरारा
 हदारीकसयालान्नसोटइअतदामुमिती
 अस्मादसुदिरुमान्नसम्पायएएएयेदो
 तीकोपरसावीराजनीलियोमुकरराएर
 माहोरुपपाज्यार

परवासीमन्थनीकरारमिलीसाखण्डबुद्धिस्साखण्डसम्ब
लक्ष्मणमुन्नामसनाईजोपुर

मुंबई नगरपालिका
नगरपालिका

मुकुटभूषणनवाह दूरमाहें इत्यनदासप्रसादबुद्धिदसात्म
 १६२२पेसीगैजोगमैजाताप्रसादजीबोमराहदारीक
 मयात्मात्मसौदकामदेनोकीज्योदूरमाहेंदुपधान्यार

७

बिबीकरारमिनीचैनसुदिन्दसम्बन्धप्रसादकामदुकाम
 श्रीहजरकेलियाऊमजीयबनाईरजायंदहोपरोसजनेना
 बिरामणकीनानीगाहेमाकाबिरामणमोदनेसेसाधुजी
 वास्तोराखीनीतरखजपोप्ररप्रसादनाधुजारोनेहुजनकर
 वास्तोमतिप्ररसोगमैपापनाहोपमोईनदिलाबोकी
 ज्योपरधानीबोहरामोखंदराम

६६कुरश्रीचरभुजजीविराजमानांममेही
 पुजरगमरगनाखंदारकीत्याकाजोगामेभरती
 मांयमेहीपुजरगमरगनामजशूरकीमुखा
 फिकापहेजसपुंनस्पंमराजावनकरारमिनी
 प्रसादबुद्धिदसम्बन्धप्रसादकापेयासेमु
 वररावीधत्तनर

३५

चिटीकरारमिगीसाहबुदिपदसम्बन्धनरुद्रमुखापिबहुक
 श्रीहरकैलियाछाजोसहहासिलनगरगीपंमुखापिबहु
 जनेसम्बन्धनरुद्रदेताईपासंप्राप्ताहोपनोअप्रबलीदिखा
 बोकीज्यो परमातमीसेकारामदयेगा

धकुरबीचिताहरएगीकामुआरकाआहुरकी
 जोरोगीनामईसोहोहयोगाराहदारीकस
 बाकिरागदुरकसूपावाछासोअप्रमिलज्यो
 बाहरसनदितालयकरछेईतासीमुतापि
 गह्वराश्रीहरकैलियाछाजोसहाबंद
 सरोजीनीहावननाईपासराहोपनोअप्रबले
 कनमतिकीज्यो परमातमीपनरनुजप
 लीवानरीजोगा

३५५

चिटीकरारमिगीसाहबुदिपदसम्बन्धनरुद्रमुखापिबहुक

धकुरबीचिताहरएगीकामुआरकाआहुरकी
 सहाईगेपुर

ठाकुरजी चित्तवृत्तिविराजमाना नक्षत्राशानाईमायोपु
रम्यभाष्येतास्तोमुखापिच्छमार्दिद्वानतीनेदस्यवतदिनामि
मानकाररमितीनादनाकृदिउसम्बन्धनरुद्रप्रजपंतु
नीतीनोरानेधरलीजीषाचमुलंजद्वानासकजरापतगा
सुखंनोरीनमाहब्रह्मविपरागासकाईमायोपुर्जीमुखापिच्छ
वर्तनप्रामिताकाररमितीनादनाकृदिउसम्बन्धनरुद्र
कायेयाईसोहासिन्नधरलीकोसम्बन्धनरुद्रनाईवातो
अवश्यवरापसम्बन्धनरुद्रयेमरनागोसखलीकारापो
वर्तिसोदस्यवतयासदुक्कजद्वानामुखापिच्छकान्तिसेसखा
नीसखलीनीधोमुखापरायलीलंजद्वानासकजरापतगी
वाम्बाला

५०५

धरवानोसखलीकाररमितीकागीसुदिउसम्बन्धनरुद्र
मुक्कामराताईजेपुर

ठाकुरजी चित्तवृत्तिविराजमाना नक्षत्राशानाईमायोपु
रम्यभाष्येतास्तोमुखापिच्छमार्दिद्वानतीनेदस्यवतदिनामि

नोगाधनुर्जी चित्तवृत्तिविराजमाना नक्षत्राशानाईमायोपु

मुखापिच्छकान्तिसेसखा
निधोमुखापरायलीलंजद्वानासकजरापतगी

श्रीचंद्रहरेरायगणपतसंन्यासक श्रीचक्रगुणरायगुणविरा
 नोपायकसंन्यासक, वाकिचक्रा जगन्नाथकहाप्रासनाईजे
 दिवासीमंदिरावनादिप्राप्ति पुरमंदिरहरेरायगणपतकी
 प्राप्तिकरासिनीमायागणपुदि त्नाकेप्राप्तोमायगणराजा
 दुसाणसंन्यासक, चक्रगुणराय हरसहायकीमितीगाहसु
 पद्वीचोमकरासोचाहंसी दिवससंन्यासक, चक्रगुणराय
 द्वाकावसाहुकमदुनाचोम पद्वीचोमकरासोहमेंमांम
 नेकराचक्रमाहलनसाप्ति तारागनेजसंन्यासकानपारा
 कहीचक्रगुणसंन्यासकोमिचक्रगुण मगदपरगनासनाईजेपुर
 सुमादुप्राचक्रगुणरायगणने कोननचोमिचक्रगुणसु
 जसंन्यासकमगदपरगनास द्वाकाहदुकेदुपो
 यईजेपुरकीद्वाराद्वाराचक्रगुण चोमादकुर पुणगुरिक
 सुदिद्वारासंन्यासक, चक्रगुणराय श्रीचक्रगुण महाप्रा
 नीचोकरासोसंन्यासकोमिचक्रगुण जगन्नाथकी गणपतपुगा
 रायगणपतसंन्यासकोमिचक्रगुणसुमाकरा मेंनन कारिराग
 चक्रमाहकीपटी ७५५ कनीचक्रगुण
 ७५५ १३९५
 चक्रगुणसंन्यासकोमिचक्रगुण धरतीचोमादकुरमायसं
 दुमादुप्राचक्रगुणरायगणने
 निधनीनारायणगुणगुण

दसकुरदुर्गा संवत् १८८२
 मुकदगीकेल भीलाकनसे
 भीभीधा — दरोमस्तभीधा
 — ७१५ — ७१६ —
 गीकाइमाराकासालीगादुसरी
 टुलगाईकेलप्रवसीगीसोगम
 रेमानोदुयगादुसरीमरवातो
 कराधोबाहेइलनदामसम
 गदरधेसोदुकागदुलासम
 गदरधेसोदुकागदुलासम
 गेजोगकेदतीगीमोपरमातो
 समसीलिखीदप्रपाछुलगाव
 रसाकोहासिलवाकीहीप
 सोहीगीपुगकीमाकनरोस
 म्बतदुपधेमकरराधरती
 भीधासम्पादरी

५१५

अरपाछुलगाव रसाकोसम

म्बतदुपधेमकरराधरती
 सिद्धीदाराण्दोरिमुद्रा

नरद्वयवहासिनयकीहीमकी
मीरोंपुन्यनोमाधकरो
परभागीसजगीकराहजगीवैत
सुदिराजान्नसम्बनसुदुम्
कामसलईजीपुर्

द्वकुरखीचकारननुजगीविराजमानकिलाय
हारमेंयाकाभोगकेबास्तेषागमुलाभिक
दुकमश्रीहजूरकोनियाछजोनीगरोरीजी
नाटकोषेकचबूतरामापाराहदारीकास
इकतदासुमिनीजरासीजसुदिदसम्बनसुदु
येदिकाप्राजागोमुकरराठकोसेक
रखानीसेषारामदरोमा

॥

मिदीकरमिनीजरासीजसुदिदसम्बनसुदु

जीषोचभानाजीविराजमानकसबाका
गईमेंयाकेमुजारागजाहरकरीजोरीजीन
रकोशभोमराराहदारीपरगलाफागई
कससुमुलाकिकसालदिदिशानीकेका

मुखादिलानिमिद्विरेह
मिर्मनारामुमामुमि

कोगदा की सुपरमाना एह दुरीकाइजर
 दारा की मारोँ छासो हालनारु पाक-आमाहा
 अप्रख-आमिल बागरीयाहार सनदितलवे
 करे छेई साहने माफिक दुबजनी हजरके
 निवतुआजी नोगाते रोजीना हालनारु मावो
 छे नो जखनी नोतरा मजकूर संदितावो
 कीजो सुवारारो जीनाट कोसेक

१

चिरीयार मिनीमाह बुदिर सम्वन १६२५
 परवानगी खारचुजमसी खाल

दाबुरजी खनरचुजगी बिराजमान कस
 वासनाई जेपुरमै मुनस नछीपी बाहुके
 मंदिर मोनीवलीवालन सो बरागो

१

वाजन नोगादरमाहे दाबुरजी खनरचुजगी बिराजमा
 नवासवासनाई जेपुरमै मुनस नछीपी बाहुके मंदिर
 मोनीवलीवालन सो बरागो त्वाके वास्तै मुसाफि

लखनविनामिपुगीमैर
 विष्णुनारायणदासिमु

क्यादि दास्ती में दसयत दिव्यातया न करार मिति तीहा वल
 सुदिह सान्त सम्यत १८३३ प्रज पंहु बीजो गते दरमा
 हे रुपमा ३) चौतरा तापा कस दास बाई जेपुर का स्त्र
 तदा मिति तीजे सुदि ३ सम्यत १८३३ ये कर देवा के हुक्
 महु बो सो दसयत कर पौ न्या हे सो दसयत या महु कमहु
 बामु या फिक लिखे दनोती की सनदि लिखो मुकर डार
 रमा हे दुलपा

३)

विही करार मिति तीहा गत्री सुदि ३ सम्यत १८३३
 हाकुर श्री चैन बिहारी जी बिराज मानवी
 विदरा बन जी में जुगल साट उपर मंदिर
 स्वामी अखै राम दास वरण सो

१

वायति जोग गंगाय हाकुर श्री चैन बिहारी जी के दा
 सों भारकन सो हरारा जायु स्याली राम की मिति तीजे
 सुदि ३ सम्यत १८३३ प्रज पंहु बीजो गंगाय कोली
 बाडान पाराम गढ परगना सबाई जेपुर को गोमिष

कुमाविल निषिद्ध
 लिखी गंगाय राम

गैरहस्युयासालीनादुपपा ३००० यामेंदरीबस्तस्वामी
 स्वाभरखदासउदिकमुयाफिकयवामेंसबनीकर
 रमिणीनादलासुदिहसम्बतएकदकाधेमावैहोसोक
 लवसिमितीमागजबुदिउसम्बतएकदगोंदुपोअर
 हसिलागंवकोसम्बतएकदनाईमुसारनअन्हैका
 जेलापापोअरइवनदापसाखस्वानूसम्बतएकद
 येयाजसैकरिएवजभोगमेंकरदेवायेदुकमदुवी
 छोदसयतकरयोवाहैसोदुकमदुवाभुयाफिकानि
 येहीगैभोगकेदोतीकोपरमानोसबनीनियोगुर्क
 रदागंजमजबूरनोमिबगैरहस्युयासालीनादुपपा
 ३०००कामेंदरीबस्तसेक

अरानोरावलोकररमिनीमाहबुदिहसम्बतएक
 मुयामसखजिंधुर
 जालनसाइजगदापसाखस्वानूसम्बतएकदयेराकु
 रकीगोकुलगापजीविराजमानगेदोरमेंसाखानो
 ममेंगुगयो

मुजबिलाबिरपिनेह
 लिहमीदाराएहोसिमुजबि

हांभुरजीविनारसिरोहाणजीविराजरास
 श्रीविदरावनजीमेमंदिरसाजीवीराण
 यवजीमहलमहाराजायेकुटचासीजीवी
 सयाईमरनायस्यमयीकानराणापात्कारै
 वास्तैमुवाफिकसादिदासीमेदरायत
 दिवानियातकरारमिनीप्रसादसुदि
 सालसम्बत१८६८प्रजयहूचीजीग
 नेगावतदपुरोयरागाहिहोएवागो
 मोदरोवसाभुवाफिकसनदिदीवा
 नीकारारमिनीयोसबुदि१८सम्बत
 १८७३कापेयावैसोहासिलगांनकोए
 यउन्हात्सम्बत१८६८तार्निवायोत्र
 वाइत्यनदायसम्बत१८६८येवरलानो
 सवतीकादसवतकरायोवाहेसोद
 सवतघाहाहुकामहुवाभुवाफिकानि
 मेवरवानोसवतीनियोभुकररागांन
 मजकूरदरोवस्तपेक

परवानोसवतीकरारमितीसाक्षरबुद्धिहसामनसम्बन्ध
मुक्तमसकाईजैपुर

हावुरभीचंदविहारीजीकामंदिरकसवांस
बाईजैपुरसागानेरकीचोपडमेंमुनसालि
माजीभीचंदएणीजीकामंदिरकीचंदवडा
रएचरणमितीजेहसुदिरहसालसम्ब
तहददनेविरजमावकीया

यावगभोगरीजीनामगांवगौरहकेसाहनेमुलाधिक
साहिदासतीमेंदसवतदिसानिसामकरारमितीसाक्ष
एबुद्धिहसालसम्बतहदददप्रमबहुवीचोगनेरी
जीमाससलीमुनपाणकरदेवाकोहुकमहुकीनीमें
गांवजगामपुराबासकाएोलानपावोहमरागसकाईजै
पुरसालीमाससलीमुनपावदुखकादुखनदासुसाम्ब
तहददयेदसवतकरायोबाहेसोदसवतवासहुकम
हुषामुलाधिकलियेसीमेंचोगकीहोतीकोपरवानो
सवतीलियेमुकररागांवजगामपुराबासकाएोलान

कमलाचरणमंदिर
मिमीताराणमंदिर

महाद्योतक योगेश्वर परमेश्वर साईने पुरकारो जीता बसन्ती दुःख
घातका सागनीता बसन्ती दुःखमा

३३)

गोबिन्दकृष्णमोक्षप्रदो नोमि धरणीगगनश्रीजदसद्वत्पुत्रा
योगेश्वरसुधादुःखमा

३४)

समाप्तस्तानीर्वाधादुद्वेग
उपेक्षादुःखमा

३५)

कृतारीर्वाधी बोधकीर्वाधी
घातकादुःखमा ३६)

३७)

स्वात्मकीर्वाधी
घातकादुःखमा ३८)
वधमा ३९)

परमात्मोसवनी करारमिनीमोससुदिरसम्पन्नददामुक्ति

मुक्तादिनिर्वाणनोद
निष्ठादिनिर्वाणनोद

महाराष्ट्र जेपुर

हाकुरश्रीचतुर्भुजजीमहादेवजीविमार्जन

नयादमेंसंदिग्धमानीसीसोदरानीजीबता

唯

ठाकूरजी — श्रीधिरजमान — श्रीधिराजमानभाटसे

पाटनेमंदिरमाजीजीसीसो मंदिरमाजीजीसीसोदणगी

अग्नि-विद्यामण्डिताकेनास्ते यैश्चाकेनास्तेऽमुषाः पितृणां

२. सामान्य विधि प्रसार

विनायासकु

गणराज्यपदवी-नोमानराजा राजा विदुसा लिख्यमाना १८७५

क्यामी-मह — सुरतस्थानेद्वयसमरगतसि

पञ्चमखीनाथर श्रीमहदेवजी साईंजिमुरलननोमिसंगीरहसु

सुजिरीजीनी रोजीला — पावसूलिदुयलासुदुन

सपत्नी ७ मेरवालीनारुपपापदमुके

सुखादिलास्यमासिगुह्य २४

100

३३७)	सुधरविनाथपरलाभैरवनाथी
सोदुमामदुमयोजीगामुमपापु	महाराजावैकुण्ठनाथीजीदी
सखलीखीजीसोरावैदुमनाथ	सयाईपरलाभसंयजीकरर
ममिनीनाथपासुदिहसाम्ब	मिनीममराहसुदिहसाम्ब
नरुठठधेदोतीकोपरवासी	नरुठठठवाधेमली
सखलीनिबोगान्मानीपुरो	ठाकुरजीजी श्रीमहादेवजी
तथावरवापरगतासयाई	कैरुपना ६३७)
जैपुरननजीमिखगैरहसुमा	६३७)
सयावरुगमयेसान्नीनारुण	सीहसिनागंनकोसाम्बजह
पावरुगसाम्बगुन्हाल्लसाम्ब	लूसमल्लगुन्हाल्लनारुण
नरुठठधेमसुकररागापमाजी	नप्रवद्वनदाससम्बल
पुरागमागंनदवापपरगतास	हउरधेईगांनकीधेन
वार्डिजैपुरननजीमिखगैरहसु	वार्डिनामैगांनकिरलाडो
धानसखलीदुमपावरुगमयेसा	वरगनाहिडोएतनन
नीनारुमपागेकहजारवास	रावरुगमाहाकननुतीक
	सखली ३३३३३३कोक
	देवाकोदुवामदुमोद

शंकराचार्योन्मत्तः श्रीमहादेवजी स्वतन्त्रराज्ञीचाहेसोवसया
 नुनजीरोमीना शीजीसपुत्रा नवासादुक्कमदुवामुवाकि
 दुषपाइलाका नाणमारु कानिदेसीगीजोगकेहजीमी
 सास्त्रीनादुपपा कासास्त्रीना कोपरवागोसवनीनियोगु

८३३७

दुषपा

काहारागोपमजवूरनगवस

८३३७

लीदुपपा

शंकादापमिनीजादयामु

३३३३७७

दिदुसम्पन्नरुदुदनागा

शंकराचार्य जी श्रीमहादेवजी

मतमिनीकागणसुदिद

के

८३३७

सम्पन्नरुदुदनाईकीवरा

३३३३७७

नकरा

पैलज हाप्प

परवागोसवनीकरारमिनीका

गोवम ईजा

गणसुदिदसम्पन्नरुदुदनागु

की

३३३३७७

कामसदाईजीपुर

३३३३७७

गोवमजवूरवास्तसेसाय

परवागोसवनीकरारमि

स्वाणसम्पन्नरुदुदनागुसेवजां

शीघ्रसादसुदिदसास्त्री

वाकिरवाडीमदगाताहिजे

म्वनरुदुदनागुमुकावसका

मुद्राविनाशिपुष्टिमे

निगमिनीकागणसुदिद

कोइवनदायसम्पन्नरूपये ईश्वर

चुम्बली

क्षत्रपुत्री श्रीभारतचुम्बलीसमैरहकोमंदिरवा
 कोटीपुत्री श्रीगोबिन्दाजीसंकरपुरमाति
 केचलबासबाईजीपुरकासंस्थानामाएस
 माजी श्रीनटराजजीमहेलसहाराजबैरु
 टवासीजी श्रीसवाईसरतापसंघजीभीन
 दोनएनपाविराजमानकीपात्याकेबास्ते
 मुसाफिकतादिदरसीमेंदरावनदिवाले
 पानकरारमिलीजादबासुदिलसम्पन्न
 पुरजपहुंकी जोगनेधरतीभीषाज्जुमया
 याकीगोबिन्दाजीसुखविवाही श्रीमंदिरसु
 धाईवनदायसाजस्यान्नसम्पन्नरूपये
 करदेबाकोदुक्कमहुलोसोदसवनयशो
 बाहेसोदसवनयशदुक्कमहुलागुलावि
 कलिबेदनीकोपरकागीसवारीमिलो
 सुतररायलीकपाराकीभीषापभीस

मुद्राजिपुत्री ईश्वर
 निजमीनराजमंदिर

३३

दाकुरजी चानरनुजजी बीधा महादेवजी श्रीगणेशदुरजी

३३

बीधा

३

परवानोसवनी करार मिनी नरसो जसुदिह समाना हूद
मुकाम सयाई जेपुर

बाबल नोगाई जा के हिस्सा बाबल नोगाई दाकुरजी

दाकुरजी चानरनुजजी बि चानरनुजजी विराजमाना

राजमाना गजाना संकर वनपानी संकर पुराना बि

पुराना निजि बास बासनाई के कस बासनाई जेपुर का

जेपुर का मेरे दिरगाना मा मेरे दिरगाना मा मा मा

समाजी श्री गजाना जी रहे जी श्री गजाना जी रहे

लमहा राजा बाकुर बासी जी महाराजा बाकुर बासी जी

श्री सयाई परना पसंदाजी श्री सयाई परना पसंदाजी

बराग पोती के बासने मुवा नि बाग पोती के बासने मुवा नि

बासना दिहा स्त्री मेरे दस बासना दिहा स्त्री मेरे दस बासना दि

बासना नि करार मिनी नोदस बासना नि करार मिनी नोदस

मुकाम सयाई जेपुर
लिखी ना रा मा रि मुकाम

समैरहसुप्रादुपपावङ्गुतीका
मसलीदुपपादसममधेहिमो
ततलसलीदुपपा

॥३॥

परशानीसम्बलीकरारमिनी
सावणसुदिउसालसम्ब
नृदृष्टमुकामसावईजेपु

ककुरलीबनरनुजगीविराजमानगांवसी
टाकानागलनतानिकैकसबासवाईजेपु
रकामेंमंदिरनवाजाटासहेनके

वावतिभोगमरनीराकुरलीबनरनुजगीविराजमान
गांवसीटाकानागलनतानिकैकसबासवाईजेपुका
मैंमंदिरनवाजाटासहेनतबीवणसोत्ताकैसाकै
मुवाकिकसादिदास्नीमंदसयतादिसामसानकसर
मिनीजेदसुदिउसालसम्बनृदृष्टमुकामसावईजेपु
जोगनैधरनीबीसावङ्गुयंजइनामुकहरापुनगांव

ककुरलीबनरनुजगीविराजमान
गांवसीटाकानागलनतानिकैकसबासवाईजेपु

जगद्गुरु श्रीगुरुदेवराजसम्बन्धित उठउठ खेपाजा को दहायना
कराही न्याहै सो दखनवास दुकमहुवा मुनापितकलि
खेसीरौ नोगकेदनीतीको परवानो सखती नियो मुकु
रगदरसी बंजदलाम्बक जरासुत बीधासबीस

२१५

परवानो सखती करारिनी मागअकुटि उ सम्बन्धित
हउउ मुकामससाई जेपुर

राकुर श्रीचंद बिहारी जी बिराजमानक
सबासी जगद परगनादनी साकामे भिर
रनालूरामगदारीके

१

साखन नोगदरसी राकुर साखन नोगदरसी राकुर
श्रीचंद बिहारी जी बिराज श्रीचंद बिहारी जी बिरा
जमानक सबासी जगद पर जमानक सबासी जगद
गनादनी साकामे भिरक परगनादनी साकामे भि
लूरामगदारीके न्याके हरनालूरामगदारीके
साखने मुनापितकसादिहा न्याके साखने मुनापितक
स्ती में दसखन दिखानसा सादिहा स्ती में दसखन दि

शुद्धि जगद्गुरुद्वारा
लिखी जगद्गुरुद्वारा

नकाररतिगीनारनासुदि	पानमनकररमिनीनाह
रसमन्वनरुदुदप्ररजप	वाक्युदितसमन्वनरुदुद
हृषीनोतानैधरजीवीयाउ	प्ररजपेहृषीनोतानैजो
मांयकुदामनपायोनेसर	मांयकान्नुहारणधरागापी
परगतावदुनरयीइवनर	सराकोमाजीजीमंडन
वसायस्पान्नुसमन्वनरुदुद	लीनीमहेनगहाराजाखे
पेकरदेवाकोहृकमदुयो	कुरवासीजीजीसकाईन
सोदसमनकरासोबाहंसो	गगसंघजीकाकेप्रन्फ
दसयनयासदुयनदुयान	यंगेरहमउनीकीधरती
बाफिकानिखेसीगैजोरा	जीयापुनकरारीकोव
कैदरीनीकोपरबानोसक	दाईनीकोपढीकररमिनी
गीलिधीमृकरराधरतीजी	बेंसायसुदिउसानस
वाययीस	मन्वनरुदुदकोकरदिसो
२२५	सोप्रयदुकातदुसोदरवा
कातराकीजी संजडनाय	रसपरसानोसबगीइसन
वासादाबारा कानरापन	दाससायस्पान्नुसमन्वन
२३५	बीयासादा
बारा	गरुदुदपेकरदेवाका
	दसयनकरासोबाहंसोद

१५१५

मथलायासदृकसदृशामुखा

विष्कान्तिषेसीगंनोरभवे

दरोनीकोधरबागोसवनी

निखोमुकरराधरणीक्या

रीखीबीधामदरा

पुर

१५१५

मथलानोसखनीकरारमि

तीबेसाधसुदिपरसम्ब

मरुदरमुकामसपाईजे

पुर

राकुरबीचंदविहारीजीसुगैरहबिरा

जमानकसयासकाईमिधुरसागालेर

काथाजारमैमुलसलमदलारण्यका

मंदिरकैमाजीबीचापाखनजीमहल

साहराजाबेकुहबासीजीबीससाई

जैमानस्यसुजीकानबोबरापो

पुर

बाखननोर्गोसासराकुरबीचंदविहारीजीसुगैरह

कामानिजिपिअदेद

सिद्धीदरगुमंडीकामाई

विराजमान कलशवासनाई जे भुवनागार यथावागार
 मे सुखलान्ध पदगणनाका मंदिर के मंदिर माजी श्रीवा
 वावनजी महल महाराजा ये कूट वासी जी श्रीसवाई
 जे गत स्पंदजी कागको वरग को त्यागे बामो मुनाफि
 कसादि दारती में दसवन दिवानि प्रान करार मिनी मा
 गजबुदि उ सम्बत १८८८ प्रगत संवत् १९०५ जे गते गंग
 निसगी तथा गृहीता गता व्यहारा नल नो मिश्र और ह सुप
 बसली रुपसा १८८८ को उपेजे दुषपा १८८८ में प्रगत
 हापुसा व्यगुना नू सम्बत १८८८ के करि दे बामो हुकम
 हुयो सो दसवन कराये चाहै सो दसवन बाम हुकम हु
 वा मुनाफि कानि ये सोगे नोग के दतोली को धरना सो
 सजगी लियो मुकररागो वसंत वरमन नो मिश्र और ह
 सुपा बसली रुपसा १८८८ को उपेजा दुषपा १८८८ के

१८८८

हाकुरजी चंद बिहारी जीरी मरुदेवजी श्री चंदरवरजी
 जीना बरखली रुपसा १८८८ रोजीना प्राना गुनी काहा
 काहा लीना रुपसा १८८८ लीना रुपसा साटा प्ररवा
 दान हनर

सी

रमुना विना मिप्रमिनेद
 विप्रमिनेद मिप्रमिनेद

३५१)

३५१)

श्रीहृण्गामजीरोजीमावस

श्रीहृण्गामजीरोजीमावस

श्रीहृण्गामजीरोजीमावस

३५१)

वरप्रतिमस्वामीकरारमिनीमहापुत्रिद्विसम्बन्धनरुद्रह
मुक्तामसयाईजेंपुर

दायूरजीचंदमनोहरजीकोरहविराज

मानकसबासयाईजेंपुरमुसल्लनिरपो

त्पाकेमंदिरमाजीजीमंडलजीमहे

समहाराजाचंभुटबासीजीजीसयाई

जगनसंघजीकानलोबरामधो

जायननोगासांभदायूर पायननोगायालीदायूर

श्रीचंदमनोहरजीकोरह श्रीचंदमनोहरजीकोरह

विराजमानकसबासयाईजेंपुर दिरकसबासयाईजेंपुर

जेंपुरमुसल्लनिरपो निरपोल्पाकागुनसल्लनिरपो

कुमाविजिपुत्रिदेहे

निज्जीकानलोबरामधो

नोगकीद्वेनीयं चरवानीस	नकारापी चार्ह सोदरावन
व्यालिखी मुखररागायमज	वासदुक्तमद्वानुचादिह
यूरनगनीमिगीरहमुधा	लिखेमीर्ग नोगकीद्वेनीतीने
पल्लनीदुषपापारासैवि	पल्लनीमखनीलिखीमुख
बेनर	ररापरनीसीधा छपासी

७५५

७५५

जकुर श्रीचंद महादेवजी	गंगमजबूर गाबनुपदे
मनोहरजीको श्रीचंदरेलु	कीसीधाछप नकारासाह
नखखलीमे रतीकेतन	न कीसीमानीस
कहजारसा बसलीदुप	नखखलीमे रतीकेतन
टाछीपानी सासाटाछ	कहारक बंगड मद्रास बंगड
नखखलीमे रतीकेतन	कीसी नाख कीसी नाख
नखखलीमे रतीकेतन	पानीस कनरी वायवी नरास
नखखलीमे रतीकेतन	नखखलीमे रतीकेतन
नखखलीमे रतीकेतन	नखखलीमे रतीकेतन

७५५

नखखलीमे रतीकेतन
नखखलीमे रतीकेतन
नखखलीमे रतीकेतन
नखखलीमे रतीकेतन
नखखलीमे रतीकेतन
नखखलीमे रतीकेतन
नखखलीमे रतीकेतन
नखखलीमे रतीकेतन
नखखलीमे रतीकेतन
नखखलीमे रतीकेतन

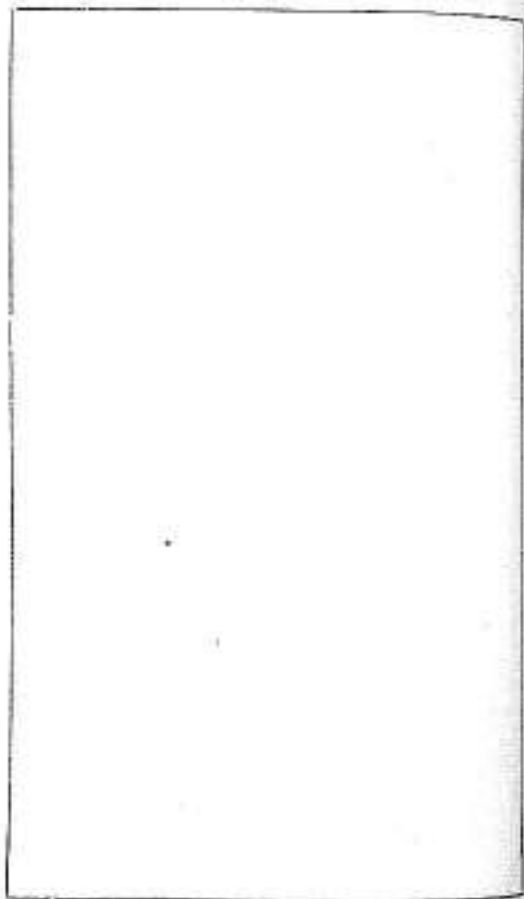
परबानीसखनीकरारमि	परबानीसखनीकरारमि
नीमहाबुदिनसम्बत	नीमहाबुदिनसम्बत
रुद्रमुक्तानसर्वादिजैपु	रुद्रमुक्तानसर्वादिजैपु
परबानीसखनीकरारमि	परबानीसखनीकरारमि
नीमहाबुदिनसम्बत	नीमहाबुदिनसम्बत
रुद्रमुक्तानसर्वादिजैपु	रुद्रमुक्तानसर्वादिजैपु

कुलावलिपत्रिपत्रिपत्रिपत्रि
कुलावलिपत्रिपत्रिपत्रिपत्रि

दसनाजिनेपुर

दसनाजिनेपुरा नगरपालिका

मम



नैगमितीनादस्तासुरिदसम्यनवदकपानाईमापिअवदूह
नरासमस्यनवदकपानाईमापिअवदूह
दसमस्यनवदकपानाईमापिअवदूह
दसमस्यनवदकपानाईमापिअवदूह

५७

नयवाहांगमरसरासमपुराता
नयवाहांगमरसरासमपुराता
नयवाहांगमरसरासमपुराता
नयवाहांगमरसरासमपुराता

५८

परवाहसव्यापीप्ररामितीनादस्तासुरिदसम्यनवदक
परवाहसव्यापीप्ररामितीनादस्तासुरिदसम्यनवदक
परवाहसव्यापीप्ररामितीनादस्तासुरिदसम्यनवदक
परवाहसव्यापीप्ररामितीनादस्तासुरिदसम्यनवदक

दसमस्यनवदकपानाईमापिअवदूह
दसमस्यनवदकपानाईमापिअवदूह
दसमस्यनवदकपानाईमापिअवदूह
दसमस्यनवदकपानाईमापिअवदूह

महामायापुराणसम्बन्धनपादप्रथमोऽध्यायः
 रात्रिर्नृणां योर्मासु दुर्गमस्तथा गङ्गा पारस्य
 रोगपुरस्तात् सन्ध्यां नोत्तमान्ध्यायोरुपरान्त
 नास्ति ध्यायिष्यन्तु यन्मया पुरा उच्यते
 येन ह्येतान्तरुपपादपञ्चकृतिना प्रोक्तं
 मन्त्री नमो ह्येतान्तरुपपादपञ्चकृतिना
 प्राप्स्यन्तीत्युक्तं यथा उच्यते यथा उच्यते
 साध्वस्त्याग्नौ कर्मण्यदहश्चैव प्रोक्तं
 यथा उच्यते यथा उच्यते यथा उच्यते
 यथा उच्यते यथा उच्यते यथा उच्यते
 यथा उच्यते यथा उच्यते यथा उच्यते
 यथा उच्यते यथा उच्यते यथा उच्यते
 यथा उच्यते यथा उच्यते यथा उच्यते
 यथा उच्यते यथा उच्यते यथा उच्यते

५६६

महामायापुराणसम्बन्धनपादप्रथमोऽध्यायः
 रात्रिर्नृणां योर्मासु दुर्गमस्तथा गङ्गा पारस्य
 रोगपुरस्तात् सन्ध्यां नोत्तमान्ध्यायोरुपरान्त
 नास्ति ध्यायिष्यन्तु यन्मया पुरा उच्यते
 येन ह्येतान्तरुपपादपञ्चकृतिना प्रोक्तं
 मन्त्री नमो ह्येतान्तरुपपादपञ्चकृतिना
 प्राप्स्यन्तीत्युक्तं यथा उच्यते यथा उच्यते
 साध्वस्त्याग्नौ कर्मण्यदहश्चैव प्रोक्तं
 यथा उच्यते यथा उच्यते यथा उच्यते
 यथा उच्यते यथा उच्यते यथा उच्यते
 यथा उच्यते यथा उच्यते यथा उच्यते
 यथा उच्यते यथा उच्यते यथा उच्यते

५६६

५६७

गणेशसुखिस्तम्बस्तद्वदधयेदोलीप्रोत्तरात्ते। सद्यन्तीलि
 विमुक्तराज्यवन्ताप्रसव्यासवार्द्धिजैपुरासौरमाहो
 स्तीरुपमादोष

३

परदातोसद्यन्तीप्रारमितीतैसावसुखिस्तम्बस्तद्वद
 सालस्तम्बस्तद्वदधयेदोलीप्रोत्तरात्ते। सद्यन्तीलि

हस्तुर्ध्वजमगरेसजीविराजमानसंप्रगच्छे
 प्रनारै

हस्तुर्ध्वजमगरेसजीविराजमानसंप्रगच्छे प्रनारैत्यतः
 नैगध्वजस्तैमुखाग्निप्रसादस्तमैदसद्यन्तीसावसा
 वप्रारमितीकस्तद्वदधयेदोलीप्रोत्तरात्ते। सद्यन्तीलि
 पालेव्याहैसोहसद्यन्तीसावसावस्तद्वदधयेदोलीप्रोत्तरात्ते।
 तदापमितीतैसावसुखिस्तम्बस्तद्वदधयेदोलीप्रोत्तरात्ते।
 तं प्रदेतात्तु प्रोत्तरात्तद्वदधयेदोलीप्रोत्तरात्ते। सद्यन्तीलि
 स्तीरुपमादोष

५

परदातोसद्यन्तीप्रारमितीतद्वदधयेदोलीप्रोत्तरात्ते। सद्यन्तीलि

सिद्धमुखाय नमः ॥

[illegible]

A

[illegible]

५७

५००
 योगानन्दजीने हनुमन्त मंत्राचा खासगीतरी सदाई साधे

८५०]

٤٩

सिद्धाचार्यस्य १०८ साल

जो बन्धुद्विपुत्रसम्बन्धमात्तर्हसादी समान्यनवद्वन्द्वप्रसूताली

समर्थतरपक्षः सावित्रदत्तपूर्य नायकस्य सप्तशतैरस्य
सावित्रिपत्नीपत्नीप्रहोदनी

सुखाद्विषाच्छीमादीऽहोर्नि
मयमहादेवदिरनुधाभिः

प्रारम्भ

सुग

सर्वज्ञानमोक्षसाहिबपुराणसर्व

200

सुदुश्मत्तामवाहस्यैकीपरगता नैमागद्वयद्विभं सुदुश्मत्ता

सत्यमेव जयते (१२)

64

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

श्रीगणेशाय नमः

प्राचीनपुराणमिरीकभूषणव्यति

हंसगव्यावृत्तः उद्गीर्गोमं पलः

हिमुराव्यास-वायुपुराणम्

महोदयमहाशयस्यै नमः

तस्यैवमर्थोऽयं सुखदः सत्यः

एतत्तत्त्वज्ञानं नृणां हि दुर्लभं

लीलादुमप्राप्तदुग्धमयेमां

सालीनादुमनादुदुलुमयाये

सुखदामासुहृदोऽप्रीत्यस्यत्

सहकुटाराभ्यामात्रमुत्पद्यते

पुस्तकालय दृष्टुं यत्संगितम्

पुनर्विद्युत्तान्त्रिकमुद्रागच्छिन्नः

महाभारतस्य अष्टादशोऽध्यायः

रेखेद्वेदोदुग्धमहोत्सवेन्दुसखा
 प्रसंगेन्यहिसोदसखायास
 हृदयमहोत्सवस्तोसखती
 लियेमहोत्सवस्तोसखती
 मतोमहोत्सवस्तोसखती
 एषाप्रपञ्चमहोत्सवस्तोसखती
 वसा

पदेदुत्सव

धनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्री
 धनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्री
 धनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्री
 धनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्री
 धनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्री

धनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्री

धनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्री

धनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्री

धनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्रीधनुस्त्री

अनेकानि विना प्रोक्तानि सन्ति

५७) प्रोक्तानि सन्ति

ना

५७)

प्रोक्तानि सन्ति

नेरमप्रोक्तिराह

महाप्रोक्तानि सन्ति

प्रोक्तानि सन्ति

नेरमप्रोक्तिराह

महाप्रोक्तानि सन्ति

रम्य

५७)

महाप्रोक्तानि सन्ति

नेरमप्रोक्तिराह

रम्य

५७)

नेरमप्रोक्तिराह

रम्य

५७)

नेरमप्रोक्तिराह

रम्य

५७)

नेरमप्रोक्तिराह

पुराहासिलसोहोलीश्रीमद्वरानोसवलीश्री
मुद्ररङ्गससलीश्रीमद्वरानोसवलीश्री

११

परशुमिसवलीश्रीमद्वरानोसवलीश्री
नसवलीश्रीमद्वरानोसवलीश्री

नोमरेजीसाइवतदाश्रीमद्वरानोसवलीश्री
सिलजीसिंधुपुराज्जवेष्ट्याजीश्रीमद्वरानोसवलीश्री
लीज्जानाश्रीमद्वरानोसवलीश्री

१२

परशुमिसवलीश्रीमद्वरानोसवलीश्री
नसवलीश्रीमद्वरानोसवलीश्री

असलसहिम्हरसूखीश्रीमद्वरानोसवलीश्री
श्रीमद्वरानोसवलीश्रीमद्वरानोसवलीश्री
मुरमैवालमुद्ररङ्गश्रीमद्वरानोसवलीश्री
गद्विवासातेमुद्ररङ्गश्रीमद्वरानोसवलीश्री
सरीज्जानाश्रीमद्वरानोसवलीश्री
नसवलीश्रीमद्वरानोसवलीश्री

हीनीलीयायालसाधुरेहासि
 लज्जामात्रीज्याअररागसुखं
 सिंधपुरात्रीयलीवीया
 २००७ रीज्या

वहालीमात्रिप्रहृष्टमश्रीह
 अरत्रेयावेतिषाछाज्या
 मुखात्रिप्रपरसातसवारीत्रि
 अरलीयावेछेसाहीसावित्रि
 एस्सुरव्यहालजागाहामिल
 लीयादीज्यापरसातगीरिम
 रामात्राजावीया

२००७

विहीप्रगरज्यासाज्यादि
 २००७

अश्रुश्रीजागततायरापजीविराजमानजगा
 श्रीव्यासतिषाहृष्टानेगत्रिषासतेव्ययुहाप्रसव
 सवार्डजमुरद्रापमात्रिप्रपरसातसवारीत्रि
 राजात्रिहृष्टव्यासीजीव्रीत्याडइतररीसिंधजी

शुभारम्भितोऽस्यार्थस्तु सन्ध्यामन्त्रः ॥ १ ॥
शान्तिस्तु नमोऽस्तुभ्यम् ॥

→

सत्यमेव जयते ॥ १ ॥

[illegible]

524

मेरुप्यान्नासरेहोप

एभिन्नाययोरगुह्य

57

59

सत्यमेव जयते

—सुभाषचित्पाकीनदिप्रदुर्धनेति

महाराष्ट्र राज्य सरकार

दाशुश्रीजगन्मोहजिह्विरजमातागंशुश्रिस
नपुत्रासकषाघईतसालुद्राशुनपासकईजंभु
मंत्वाप्राज्ञेतापुन्यंशुश्रिसतेरैजिगामुपगभि
श्रमरदातेसधारीश्रमरतारीधपसपूरसंन
स्वदश्रापेपायेछात्रमेकाविजैरामधिरा
मगाश्रंछासेश्रालुधुश्रुछात्रसीस्थ
नुश्रुधिरैरामंश्रपानेधामगासेधाम्रैसा
रैजिगामुपगभिपूरदारेजिगामुपगभि

१३५

श्रमं नानुत्तरं स श्रापे पाये

सालपरदातासधारीश्रमरमिलीदुतीश्रमप्रसज्यदिस
प्राप्तवद्वैतसालसम्बन्धनद्वन्द्वश्रमसखईजंभु

दाशुश्रीजगन्मोहजिह्विरजमातागंशुश्रिस
तपाहयेलीपरगतासखईजंभुश्रमंत्वाप्राज्ञेता
श्रुश्रिसतेरैजिगामुपगभिपूरदारेजिगामुपगभि
सधारीश्रमरतारीधपसपूरसंन
सिंधुजिह्विरमिलीजैदसुरिदपसम्बन्धनद्वन्द्वसा
लसम्बन्धनद्वन्द्वश्रापेपाये

१३६

सालपरदातासधारीश्रमरमिलीदुतीश्रमप्रसज्यदिस

श्रमं नानुत्तरं स श्रापे पाये

लघुगुण्यीजाननवाद्यसयुग्मिभिरुजानंनलद्रुतथा
 सागातेरमंन्यप्राज्ञानांनलद्रुतसावीनारूपप्रा
 द्यलघुगुण्ययामऽऽद्रुतसव्यमागानेग्राद्येयं
 धरतीवीधाद्युगांनलद्रुतपुन्योद्यरीतानुद्रु
 द्रुतसव्यमागानेग्राद्येयं
 तीद्रुतसव्यमागानेग्राद्येयं
 धेनुगुण्ययामऽऽद्रुतसव्यमागानेग्राद्येयं

नमो भगवते वासुदेवाय । धर्मयोगं प्रकृत्युपायम् ॥
साक्षात्प्राप्तयेतन्मार्गमुपायम् । सात्वतप्रज्ञासंध्यास्तथाऽर्जुन ॥
कुलमुद्रणं सार्वभौम । श्रीकृष्णाय

५५५

206

हालापर्यासासोसवतीप्रारमितीप्रार्तिवरिहंयम्ब्यपद
साधिप्ररुत्तनूरुधाल
विहिप्रारमितीप्रार्सेजमुदिस्सम्बन्धत्तरुत्तोज्जेभुयाति
प्रारख्यानेसव्यागिमेसम्बन्धत्तरुत्तानुसायेतेतोत्रवनी
दिव्यायेत्रीजेसातीसारुपा

७ प्रहरीजुगलत्रिसैरजीधिराजमोनामांवरान
पुरतयात्प्रेसीधरातावराप्रभमेत्याह्रीसै

अथ यथा तद्विषयं विदुः तद्विषयं विदुः तद्विषयं विदुः
अथ यथा तद्विषयं विदुः तद्विषयं विदुः तद्विषयं विदुः

परतीमार्गिप्रपदप्ररागमिनी प्रपदप्रानाप्रपदप्रपदप्ररागमिनी
 सासुर्दिदुसाम्ब्यापदप्रद सोस्यार्दिदुसाम्ब्यापदप्रद
 जीधाराप्रद ताजसगाप्रपदप्रपदप्रपद

६) मा

विदिप्ररागमिनीप्राससुर्दिदुसाम्ब्यापदप्रद

वाप्रुर्दीप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपद
 तीप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपद
 १३४) प्रसव्यागीप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपद
 तादोसाप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपद
 विप्रुदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपद
 विसाव्यादिदुसाम्ब्यापदप्रदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपद
 मुप्रुदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपद

प्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपद
 ११) १३४)

प्रसव्यागीप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपद
 प्रीप्रपदप्रपद प्रीप्रपदप्रपद
 ६) ३५)
 प्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपदप्रपद

संसारिजैपुनरेपुनरालखंरगुलावधंरपरतगति
 श्रंरर

प्रायत्नजोगदरमोहाप्रसूतीरुपसापुण्ड्ररथीजगन्नि
 मेरजोखिराजमानप्रसव्याससाईजैपुनरेपुनरालखंर
 गुलावधंरपरतगतिश्रंररगुलावधंरपरतगतिश्रंररगुलावधंर
 प्रिप्रसाददासतमेरुप्रयत्नरीधानप्रानप्रारमितीर
 नसुरिदसातसम्बतदृपणप्ररजमंहुनीनेगाणेदर
 मोहाप्रसूतीरुपसापुण्ड्ररथीजगन्निप्रसूतीरुपसापुण्ड्रर
 सम्बतदृपणप्ररजमंहुनीनेगाणेदर
 हुप्रमहुनीनेगाणेदरप्रसूतीरुपसापुण्ड्ररथीजगन्नि
 प्रासहुप्रमहुनीनेगाणेदरप्रसूतीरुपसापुण्ड्ररथीजगन्नि
 तीलियोमुप्ररजगदरमोहाप्रसूतीरुपसापुण्ड्ररथीजगन्नि

(७१)

परयाजोसखलीप्रारमितीप्रसादसुरिदसातसम्ब
 तदृपणमुप्रमससाईजैपुनर

मुप्ररजगदरमोहाप्रसूतीरुपसापुण्ड्ररथीजगन्निप्रसूतीरुपसापुण्ड्रर
 थोलाजोखिराजमानप्रसव्याससाईजैपुनरेपुनरालखंर
 प्रिप्रसाददासतमेरुप्रयत्नरीधानप्रानप्रारमितीर

गप्ररथीजगन्निप्रारमितीप्रसादसुरिदसातसम्ब
 प्रिप्रसाददासतमेरुप्रयत्नरीधानप्रानप्रारमितीर

वीनोतानेरो नोत्तारमनोयु प्रोत्तालीनकारमताउपद्रुय
 सुत्तीष्टीधरलीन्वीध्रादुपद्रुप्रमंयजदसाप्रधरासास्तेषा
 दीहत्तनराससम्बलपदहत्तयेप्रतेत्याधेहदुप्रमहत्तयेसोत्त
 यत्तद्वरायोन्वाहत्तेरस्यत्तयासहदुप्रमहत्तयामुत्तादिप्रति
 येस्वीर्गिनेगप्रत्येनीधेधरत्तानोत्तयागोतिस्वीमप्रदरा
 स्तालीन्तावत्सुत्तीरमत्ताउपद्रुमेधरलीन्वीध्रा

३५४४

प्रदरादीन्वीध्रा यजदसाप्रधरत्तयस्वीध्रा

५६७७३

२६५७७१

परत्तानोत्तयानीप्रदरमिनीत्तात्तदित्तसम्बलपदउत्तम
 प्रामत्तयानीमूर

हत्तुप्रतीतागमत्तुजीविराजमानप्रत्तयासत्तया
 द्विजैमूरैजदीध्राप्रत्तयानेमिदरजानेसूरविरी
 म्माजित्तसीधेन्वाहत्तेरत्तयाप्रत्तयेरत्तात्तयामेस
 रत्तात्तयामरत्तये

वत्तयत्तनेगप्रत्तीहत्तुप्रतीज वत्तयत्तनेगत्तालीन्ताहत्तु
 ज्ञानवत्तुजीविराजमानप्रत्तया प्रतीतागमत्तुजीविराजम
 त्तयाप्रत्तीमूरजदीध्राप्रत्तयानेमिदरजानेसूरविरी
 मिदरजानेसूरविरीहत्तुजित्तयाप्रत्तयानेमिदरजानेसूर
 स्वीधेन्वाहत्तेरत्तयाप्रत्तयेरत्तात्तयामेस रत्तात्तयामरत्तये

मुक्ताविन्ताविन्तात्तय
 जित्तात्तयामूरिमुक्ताविन्ता

[illegible]

१२५

मस्यानोसव्यानीप्रवरमितीकेसाधयदिसालसाम्य
नवहृदबभुमसव्यानीमिपुर

ॐ श्रुत्वा जित्तपविहारीर्जाधिराजनां च सांप्रत्यमेत
न साहचर्येण मरणात्तत्प्राप्तिं मुद्रांश्चैव यथा तत्तद्व
त्वरत्ने रीरायत्तत्प्राप्तिं मुद्रांश्चैव यथा तत्तद्व
त्वरत्ने रीरायत्तत्प्राप्तिं मुद्रांश्चैव यथा तत्तद्व

व्यक्तनैसाधरनीहाप्रदीपतत्त्वित्वादीगीर्णिरुजामांत
गोष्टसामेत्तयथाहवेलीमिरालास्तकार्तिमुद्रामेमिदर
वार्तिज्ञानप्रवरखेदीरावलकप्रतीगरसिंधनाद्यावलदी

श्रीदीमात्रीश्रीनरगर्भामृत सरप्रद्वारुड्डानंदप्रवर्गिणी
 माराजाधिपुत्रव्यासगोत्रीस वरगर्भितव्याहृष्टासंभृत
 मारुमस्तासंभृतीश्रीनलो द्विप्रदाहृष्टानंदसमानदी
 वरगर्भितामाहृष्टासंभृतानां वानधानप्रद्वारमितीश्रीहृष
 द्विप्रदाहृष्टानंदसमानदी रिदुसालसाम्बलवदहृष्टप्र
 वानसानप्रद्वारमितीश्रीगण जमंदुवीतेगर्भमिद्वारप्र
 वरिद्वसाम्बलवदहृष्टप्रज वानिचैत्यैमानाहृष्टा
 मंदुवीतेगर्भमिद्वारमिद्वार द्वितीमर्भितमोसारासाम्बल
 गणप्रदासलीसारुप्रदाहृष्ट मोगमंखडाहृष्टासोनाहृ
 प्रमिद्वारगणवर्गितवारा विगमंमितीश्रीगणसुरि
 मगधपरगणासंभृतमिद्वार सम्बलवदहृष्टाहृष्टाप्र
 द्वितीमर्भितमोसारासाम्बल वद्वानराहृष्टमितीश्रीगणस
 वरगर्भितासाम्बलवदहृष्ट रिदुसाम्बलवदहृष्टप्रद्वार
 प्रद्वारप्रदाहृष्टमोसोसोस संभृतानासंभृतप्रद्वारसंभ
 मप्रद्वारमोसोसोसोसोस तप्रदाहृष्टासोसोसोसोस
 प्रदाहृष्टमोसोसोसोसोस सहुप्रमोसोसोसोसोसोस
 मीसीगर्भितमोसोसोसोसोसोसोसोसोसोसोसोसोस
 वानोसंभृतानासंभृतानासंभृतानासंभृतानासंभृताना
 वरमिद्वारप्रदाहृष्टासलीना तहृष्टासोसोसोसोसोस
 रप्रदाहृष्टमिद्वारगर्भिता तहृष्टासोसोसोसोसोसोस

६६

५३

५०

३

श्रीजागोसूरजीजीयावारा श्रीगाउप्ररणेसूरजीजीयापोला
वारा

(१३)

(१९९)

परधानोसव्यसोप्ररणिमिनीनारदासुरिउसव्यसव्यस
मृगामसव्यसिजैयूर

श्रीजागोसूरजीजीयावारा श्रीगाउप्ररणेसूरजीजीयापोला
सूरजीगाउप्ररणेसूरजीजीयावारा श्रीगाउप्ररणेसूरजीजीयापोला

नपाछिदुपरगानावहानप्रामेमिरद्वयसिंधव्यलन
दोतद्वेत्तधाहद्वेत्तद्वेत्तगुमार्ताराममूर्तेरामप्रामुलनद्वेत्त

पोलाप्रद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्त
जद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्त

सीम्वाराजावैद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्त
रमिनीनारदासुरिउसव्यसव्यसव्यसव्यसव्यसव्यस

श्रीजागोसूरजीजीयावारा श्रीगाउप्ररणेसूरजीजीयापोला
वारा

(१३)

(१९९)

सोपरधानोसव्यसोप्ररणिमिनीनारदासुरिउसव्यसव्यस
द्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्त

द्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्त
द्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्त

द्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्त
द्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्त

द्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्त
द्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्त

द्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्त
द्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्तद्वेत्त

नेमुखादिप्रदुष्टनखीनजरुद्रलिखाछाज्योमुलजदप्रदु
 खद्वीधरुनखीयादुल्लुगैकासिन्वलेगामेकाकनार्धपाये
 गादोपलाज्यनेकासिन्वलेकाराजंलकासिरुयेये
 नद्वेगमनपरद्वानेगिमेकाराममेजाजवार्त्तासितरा
 मयेसद्वान

छादुरद्वीज्यालराजजीविराजमानतर्त्तदेगाछर
 गाधनेगमन्पादद्वैमुजारीजादुरद्वीज्येनेगावे
 रोर्त्तासाद्वैसद्वैज्यामाभाराहारीप्रसवा
 मेरमुरप्रसोमद्वीप्रद्वैपरखानेनिसरद्वीप्रिसन
 द्वैसत्त्ववचरत्ताईजायाछाज्यवज्यामिलस
 नरत्तलवद्वैरुद्रैइकासनेधानेमुखादिप्रदुष्टन
 श्रीरुद्रैलिखाछाज्येरोजीनान्येनामाभारा
 हारीप्रसोमद्वैवचरत्ताईजायाछाज्यमाहोस
 लेज्यवतीदिखासाजाज्योमुप्रप्ररोजीनारुद्रै
 वद्वैपरखानेमेकाराममेरोमा

५१

चिदिप्ररारमिनीजारत्तासुदिरुद्रैवचरत्ता

छादुरद्वीज्यालजीविलनजीविराजमानमान
 सागरद्वारद्वीज्याद्वैमुनसलमिरुद्रैवचरत्ता

मुखादिगामिनीपरद्वैरुद्रै

नगरमएभोरुद्रैमुनसलमि

अथ राजपुत्रसारा
श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः

१॥

विधिप्रसारमिलीये स्वयं विदुः सम्पन्न ५६५७

अथ राजपुत्रसारा
श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः

२॥

विधिप्रसारमिलीये स्वयं विदुः सम्पन्न ५६५८
अथ राजपुत्रसारा

अथ राजपुत्रसारा
श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः

अथ राजपुत्रसारा

अथ राजपुत्रसारा

महाराष्ट्रस्य स्वर्गीय महाराष्ट्रस्य मन्त्री जे. व्हाट्सन, महाराष्ट्रस्य
 स्वातंत्र्यसंग्रामकर्ता, महाराष्ट्रस्य स्वातंत्र्यसंग्रामकर्ता, महाराष्ट्रस्य
 महाराष्ट्रस्य स्वातंत्र्यसंग्रामकर्ता, महाराष्ट्रस्य स्वातंत्र्यसंग्रामकर्ता, महाराष्ट्रस्य
 महाराष्ट्रस्य स्वातंत्र्यसंग्रामकर्ता, महाराष्ट्रस्य स्वातंत्र्यसंग्रामकर्ता, महाराष्ट्रस्य
 महाराष्ट्रस्य स्वातंत्र्यसंग्रामकर्ता, महाराष्ट्रस्य स्वातंत्र्यसंग्रामकर्ता, महाराष्ट्रस्य

१८७५

महाराष्ट्रस्य स्वातंत्र्यसंग्रामकर्ता

महाराष्ट्रस्य स्वातंत्र्यसंग्रामकर्ता

महाराष्ट्रस्य स्वातंत्र्यसंग्रामकर्ता

महाराष्ट्रस्य स्वातंत्र्यसंग्रामकर्ता

महाराष्ट्रस्य स्वातंत्र्यसंग्रामकर्ता

७ धायपेन

५५५ ५५

धियतपात्र तेजपाप

अप्राप्य अप्राप्य

५५ ५५

हासपरमानोसवतीकरामिनी
नमस्तो जसुरिषट् सम्बन्धनरत्न
मुक्तमन्त्रणप्रारोसाधिकरत्नूर
व्यहान

वदसमठानुरथीति लोकीनाथजीविराजमानक
सम्बन्धार्द्रजैपुरमेंमंदिरयोगणीरामका प्रथमनो
बहाप्री

बाबत जोगरोजीना ठाकुरथीती लोकीनाथजीविराजमानक
सम्बन्धार्द्रजैपुरमेंमंदिरयोगणीरामका प्रथमनो बहाप्रीते है
सास्तने मुलाफिक प्राददासतने रसधत दीवान प्राण करारमिनी
जादनाबुदि ५५ सम्बन्धत ५५ ५५ अजमहों श्रीजोगने रोखीना अमा
मुक्तमन्त्रणप्रारोसाधिकरत्नूर
व्यहान

नाज्यो नराकस्य तज्ज्ञाई जैपुर का सौंदर्य नराप मिनी पागा
सुदिन सन्वत् १८३३ धेनु सप्तम कर प्रोवा है सो सप्तम धातु
राम दुवामु त्रफिक निपेदो मुकर रारो जीना गमा गमार मुजे
राई

५

निरीकरा मिती प्रसाद बुद्धि संसाल सन्वत् १८३४

१८३३
श्रीस्मृतिलोकीनाथजी जगैर ह गिराज मानक
सभा स्वाई जैपुर ब्रह्मपुरी में मिंदर सुधानंद मुजरा
नीवै

शकुन्ती तिलोकीनाथजी का शकुन्ती हनुमान मीच जैहूजी
जोग की सापसने मार फल अन्नर कानो ग बै का सने मार फल अन्न
सिंघ की मिती फोस सुदिन स रद सिंघ की मिती फोस सुदिन स
सन्वत् १८३४ अरज प हो नी हुकम सन्वत् १८३४ अरज प हो नी हुकम
हुवा दर मा है मूली दुप पा छ हरे हुवा दर मा है मूली दुप पा तीन
द्वयत दाप मिती जादवा सुदिन सो द्यत दाप मिती जादवा सुदि

सम्बत १५५५ धेदोतीकोपर	उसम्बत १५५५ धेदोतीकोपर
जानूसबतीनिषोमुकरराय	रजानूसबतीनिषोमुकरराय
जूमराकसबात्ताईजैपुरका	जबूतराकसबात्ताईजैपुरका
दरमाहैबमूलीदुपप्रा	धेदरमाहैबमूलीदुपप्रा

५

५

परजानूसबतीकराभिनीफा	परजानूसबतीकराभिनीफा
गणानुदिउसम्बत १५५५ मुका	गणानुदिउसम्बत १५५५ मुका
मकसबात्ताईजैपुर	मकसबात्ताईजैपुर

श्रीमहादेवजीकाभोगनैजस	देवीजीश्रीमहैसमरवनीजी
तैगारफतअनरदसिंधकीमि	कानोगनैजसतैमारफतअ
नीपोसमुदि१० सम्बत १५५५	नरदसिंधकीमिनीपोसमुदि
अप्रजपहोबीहुकमहुतादर	१० सम्बत १५५५ अप्रजपहो
माहोजमूलीदुपप्रातीनकोर	बीहुकमहुतादरमाहैजमूली
बनबाप्रमितीजादवासुदिउ	दुपप्रातीनकोरबनबाप्रमिती
सम्बत १५५५ धेदोतीकोपर	जादवासुदिउसम्बत १५५५
जानूसबतीनिषोमुकरराय	धेदोतीकोपरजानूसबती

नराकसबान्ननाइजैपुरकाये	निषोमुकररान्ननराकसबान्न
दरमाहैवसूलीपुपत्रा	स्त्राईजैपुरकायेदरमाहैवसूली
३)	पुपत्रालीन
परत्तानूसबनीकररामिनीफा	३)
गणबुद्धिउमम्बनरूपरमुका	परत्तानूसबनीकररामिनी
मैस्त्राईजैपुर	फामणबुद्धिउमम्बनरूपर
१	मुक्तामस्त्राईजैपुर
१	१
बाबतजोगरोजीनाम्माणा	
रजुदाकुरमीतिलोकीनाथ	
जीहणमानजीदेवीममनर	
दनीजीमहर्देजजीमिरजमान	
कसबास्त्राईजैपुरअस्त्रपुरीमें	
मंदिरस्तुपानंदगुजरानीबीज	
कैसस्तोनाफताराजाहरहा	
पकीमितीमहासुदिनामन्त्र	
तरुपराप्रसापहोबीजोग	
नैरोजीनाम्माणाप्यारजुवा	

आरसनीचोनराहदारीक
सवास्तार्जनेपुरवांसूमुवाकि
कपलानेदौलानीकेपातेसोमु
नराईकरपान्नाहैसोहुकमदु
बारोजीना ७ मुनराईदवतश
पमितीमाहसुदि ३ सम्बल
७८६ पदोतीकोपरत्रानूस
वतीलिजोमुकररारीजीना
प्रानाचार

७

परत्रानूसवतीकरामिती
नेतसुदि ७ सम्बल १८२० सा
लसम्बल १८२१ मुकानत्या
ईजेपुर

रसधतबागूलासन
कलनतीसका

प्राकृतरीतिरुत्तराध्यायः
नवरात्राणां नवरात्राणां नवरात्राणां नवरात्राणां

गन्तुं शक्तिं यामुपजातिविश्रामोत्तमसन्ध्यायामसिन्धुदाराभासा
 वन्ति मंदरापीना जगतामस्त्योक्ता जगतामस्त्योक्ता जगतामस्त्योक्ता
 मन्त्रा मिली असाद बुद्धिः समन्तात्पुनरागमोदुर्भीतकामदुर्भी
 दामांता नमुनीपमादुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भी
 त्पुनरागमोदुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भी
 त्पुनरागमोदुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भी
 त्पुनरागमोदुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भीतकामदुर्भी

3)

प्राज्ञानासन्नतीक्ष्णमितीन्द्रमष्टनुरिन्द्रमन्तःप्रदमात्मना
स्वर्गलोकसुखजन्यतादेवेति

मैत्रजित्नाथाहं नमुपेतोत्तालवित्तसन्नासन्नर्हि मुञ्चतमेह
रामसायस्पादग्रामनंत ५८३ मेवाटिमाळीत्याम्पाडु निधीका
मितीयोसमुद्रि ५८३ नंत ५८३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
जीमिन्पादाजोपले

मुकामल त्याचे साहेब आहे
अस्वाध्याय महामंदी मूळ प्री

हस्तवाचान्मन्त्रस्वतीकागमितीया नोपसृज्यान्नात्मानं न्यासिमां
 मधुमुदि१३सम्बन्धस्तत्त्वमुक्तां पुण्यमाहन्तेनीजानांप्रनारं
 मनादेतिपुर

पुण्यमाहन्तेनीजानांप्रनारं

इत्युक्तमोक्षादेषु

मुक्तापुण्यमाहन्तेनीजानांप्रनारं

हस्तवाचान्मन्त्रस्वतीकागमितीया नोपसृज्यान्नात्मानं न्यासिमां
 तरस्यसम्बन्धस्तत्त्वमुक्तां पुण्यमाहन्तेनीजानांप्रनारं
 मनादेतिपुर
 मनादेतिपुर
 मनादेतिपुर

वाचननोपसृज्यान्नात्मानं न्यासिमां

मुक्तापुण्यमाहन्तेनीजानांप्रनारं

मनादेतिपुर

मनादेतिपुर

मनादेतिपुर

मनादेतिपुर

मनादेतिपुर

मनादेतिपुर

मनादेतिपुर

मनादेतिपुर

मनादेतिपुर

मनादेतिपुर

मनादेतिपुर

गान्धालान्धान् गान्धालान्धान्
 रत्नाप्रधानान्धान् गान्धालान्धान्
 रत्नेषु नालान्धान् गान्धालान्धान्
 कमान्धान्धान् गान्धालान्धान्
 कमान्धान्धान् कमान्धान्धान्
 कमान्धान्धान् कमान्धान्धान्
 कमान्धान्धान् कमान्धान्धान्
 कमान्धान्धान् कमान्धान्धान्

कमान्धान्धान्

कमान्धान्धान्

कमान्धान्धान्

कमान्धान्धान्

कमान्धान्धान्

कमान्धान्धान्

कमान्धान्धान्

कमान्धान्धान्

कमान्धान्धान्

कमान्धान्धान्

कमान्धान्धान्

कमान्धान्धान्

कमान्धान्धान्

अनुनासिकस्य सप्तमस्य ग्राह्योन्मादस्य
 मयनमममदुनमदुनममुनमपि
 येदेवतीकामा नानुमननीविमामुन
 ग्राह्योन्मादमामनपुनग्राह्योन्मादमुन
 वा नानामममदुनममुनमदुनमदुन
 मिन

पा नानामममदुनममुनमदुनमदुन
 दिद्वत्तुनममममदुनममुनमदुन
 नारिगुप

अनुनासिकस्य सप्तमस्य ग्राह्योन्मादस्य
 मयनमममदुनमदुनममुनमपि
 येदेवतीकामा नानुमननीविमामुन
 ग्राह्योन्मादमामनपुनग्राह्योन्मादमुन
 वा नानामममदुनममुनमदुनमदुन
 मिन

२१९

हृत्पद्मास्य सप्तमस्य ग्राह्योन्मादस्य

अनुनासिकस्य सप्तमस्य ग्राह्योन्मादस्य
 मयनमममदुनमदुनममुनमपि

पानुरहीदुवा कानाया जेविला पफला न सना
 सवार जेमु सैमादा नमि विहा हारी कानाया
 कानाया कै नास्ते मुना फि व दुव पसी ह नाने
 ऐन पता मर सा पा न नर क री पा र र न न
 प्रमिता नै सा प मुदि र सा ल स न न त र र यिनी
 की त ल प ह नाना न न ट मु प री का री सो ला
 त सी पी नो प कै का प ह मिला ना त हे नी ल पो
 त द नाना न म ज न न क प मु ह न न न न नाने
 जे नाना पानो री नाना प री सा पा न

अर

निरा नाना मित नो नाना प मुदि र सा ल स न न त र र यिनी
 न न सी मि डाल ल

पानुरहीदुवा कानाया जेविला पफला न सना
 सवार जेमु सैमादा नमि विहा हारी कानाया
 कानाया कै नास्ते मुना फि व दुव पसी ह नाने
 ऐन पता मर सा पा न नर क री पा र र न न
 प्रमिता नै सा प मुदि र सा ल स न न त र र यिनी
 की त ल प ह नाना न न ट मु प री का री सो ला
 त सी पी नो प कै का प ह मिला ना त हे नी ल पो
 त द नाना न म ज न न क प मु ह न न न न नाने
 जे नाना पानो री नाना प री सा पा न

मुनिरुद्रसम्बन्धनः पञ्चकोनादिभिर्वास्तव्यामिस
 मन्त्रा माहात्म्यामाहात्म्या कीर्तनरीत्यापुन्यमाहु
 र्हीना नैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 रन्तामिसमुत्पापनकहुकमन्त्रीहगुहकेलिमालांता
 पांमन्त्रावपुनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 सिन्धुपुनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 मापिपुनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 नपिपुनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 सार्व

२१

निर्वाक्यमिति साक्षात्पुनरुद्रसम्बन्धनः पञ्चकोनादिभिर्वास्तव्यामिस

मन्त्रावपुनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 रन्तामिसमुत्पापनकहुकमन्त्रीहगुहकेलिमालांता
 पांमन्त्रावपुनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 सिन्धुपुनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 मापिपुनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 नपिपुनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 सार्व

मन्त्रावपुनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 रन्तामिसमुत्पापनकहुकमन्त्रीहगुहकेलिमालांता
 पांमन्त्रावपुनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 सिन्धुपुनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 मापिपुनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 नपिपुनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनैवापनै
 सार्व

१५९३

मा कुशीदुना कजाय जी ऐजीनां महाने रानी श्री गुलाने सुदा

पुषपा १७७७ कजासा लोदो पुषपा जी ऐजीनां गु कासानोनां

१७७७

पुषपा

१७७७

पातातो सनती कजा मितो जो बुदि सोला सम्बन्त फल पु

काम सनती जो बु

दसपता सनता लोदो

जवाली सनता

मजान लोको पादो फल पु
मजान लोको पादो फल पु

मजान लोको पादो फल पु
मजान लोको पादो फल पु
५१५७७



श्रीनीलकण्ठमहादेवजीवरत्नमानप्रारम्भेदीवी
लेखिनाम्बरैः

श्रीनीलकण्ठमहादेवजीवरत्नमानप्रारम्भेदीवी
कैन्महाकाजोगैवसैयुक्तमिन्द्रयादृशनीनैर्यमत्तदीवी
नीलकण्ठमहादेवजीवरत्नमानप्रारम्भेदीवी
जीवोगैवसैयुक्तमिन्द्रयादृशनीनैर्यमत्तदीवी
रत्नाङ्गुलीयुक्तमिन्द्रयादृशनीनैर्यमत्तदीवी
श्रीमन्महादेवजीवरत्नमानप्रारम्भेदीवी
रत्नाङ्गुलीयुक्तमिन्द्रयादृशनीनैर्यमत्तदीवी
श्रीमन्महादेवजीवरत्नमानप्रारम्भेदीवी
रत्नाङ्गुलीयुक्तमिन्द्रयादृशनीनैर्यमत्तदीवी
श्रीमन्महादेवजीवरत्नमानप्रारम्भेदीवी
रत्नाङ्गुलीयुक्तमिन्द्रयादृशनीनैर्यमत्तदीवी
श्रीमन्महादेवजीवरत्नमानप्रारम्भेदीवी
रत्नाङ्गुलीयुक्तमिन्द्रयादृशनीनैर्यमत्तदीवी
श्रीमन्महादेवजीवरत्नमानप्रारम्भेदीवी
रत्नाङ्गुलीयुक्तमिन्द्रयादृशनीनैर्यमत्तदीवी

५७

श्रीमन्महादेवजीवरत्नमानप्रारम्भेदीवी
रत्नाङ्गुलीयुक्तमिन्द्रयादृशनीनैर्यमत्तदीवी
श्रीमन्महादेवजीवरत्नमानप्रारम्भेदीवी
रत्नाङ्गुलीयुक्तमिन्द्रयादृशनीनैर्यमत्तदीवी

५

मुकायस्त्राङ्गुलीयुक्तमिन्द्रयादृशनीनैर्यमत्तदीवी
श्रीमन्महादेवजीवरत्नमानप्रारम्भेदीवी

किसी भी नव वरदान जैसी बिरुद्ध मानक सवा सवा

ई जे पुरमें देहु धीमान स्ताने

गुरुजी नव वरदान जैसी बिरुद्ध मानक सवा सवा ई जे पुरमें देहु
 ऐम ज्ञान के नवाह नव जे नै नुन कि कनसा दहाली
 मै दहावत होना निराव कए मेली माहनु दिह सम्वत रर
 नवन पही ची नगी दहमा हे बस बिपु पमा नवन ज्ञान सवा
 मया ई जे पुरका पौ मुवा कि कपल नै सनती म हारा जावे कुं दह
 जीनी श्री सवाई ईश्वर सौ पुन कए मेली माहनु दिह सम्वत
 सनवत संजये जे जी प्रगवत सनवत ई माये नवन मानव नु
 वनी हाल मी प्रामी नहि सो दसवत सनवत नुवा ई स्ताना
 मय नर ए प्रेम सनवत सनवती मी मुकरा दहमा हे बस इनी नुम
 न्यादि

३)

मरवान नुवनी कए मेली दुती कन ज्ञान नु दिह सम्वत रर
 ललम्वत सनवत नु नवन सवा ई जे पुर

एन जल नव हगां बंदे दही तालि के क सवा सवा ई जे पुरा मेली

गुरुजी नव वरदान जैसी बिरुद्ध मानक सवा सवा
 ई जे पुरमें देहु धीमान स्ताने

कान्कुलीनहस्यदेवजीवीरुजमानकसनासवाई
 जैपुरमेन्वनिषीधीमहकनैहाडनायतिहस्य
 मोधुसनालीरमकै

कान्कुलीनहस्यदेवजीवीरुजमानकसनासवाईजैपुरमेन्व
 निषीधीमहकनैहाडनायतिहस्यमोधुसनालीरमकै
 कानेपाकैनामैनाएकलअनरदसियथीमितीमाहकुदिए
 सम्यसकदाअजहोर्बहुकमहूवासम्यहोवसङ्गीदुम
 यान्मारकोर्वस्तमपीलीमादवागुदितुसम्बन्धरदपेकी
 दीलीकैमजानंरुजवीनिषीधुकरअबनुवाप्रसवासचा
 ईजैपुष्कासंदरमाहोवसङ्गीदुसमान्यागुकरर

७

पावजसुवलीनरमितीमाहकुदितुसम्बन्धरदपेकी
 सवाईजैपुर

देवजननयाहागोबकनकमुतालिक्कैकसनासनाईजैपुर
 कानैद्वनदयासावम्यावूसम्बन्धरदपेकीलीनादुसमा
 ररुकीमाईचिदीकरमितीकातीगुदिएसम्बन्धरदपेकी

मुक्तिवहाकेवागीहरेद

मेलावापमहगौरमुखा

॥॥

सन्तुष्टान्तेष्वर्चनीयैर्जगत्मानकस्यवासनार्जुनैः
 तैः सहैकैर्दत्तवर्मादेरसेवादासनीयैः

सन्तुष्टान्तेष्वर्चनीयैर्जगत्मानकस्यवासनार्जुनैः
 तैः सहैकैर्दत्तवर्मादेरसेवादासनीयैः
 मत्तन्त्रनक्षत्रिणैर्मित्तैर्जगत्मानकस्यवासनार्जुनैः
 तैः सहैकैर्दत्तवर्मादेरसेवादासनीयैः
 मत्तन्त्रनक्षत्रिणैर्मित्तैर्जगत्मानकस्यवासनार्जुनैः
 तैः सहैकैर्दत्तवर्मादेरसेवादासनीयैः
 मत्तन्त्रनक्षत्रिणैर्मित्तैर्जगत्मानकस्यवासनार्जुनैः
 तैः सहैकैर्दत्तवर्मादेरसेवादासनीयैः

३)

मत्तन्त्रनक्षत्रिणैर्मित्तैर्जगत्मानकस्यवासनार्जुनैः
 तैः सहैकैर्दत्तवर्मादेरसेवादासनीयैः

मत्तन्त्रनक्षत्रिणैर्मित्तैर्जगत्मानकस्यवासनार्जुनैः
 तैः सहैकैर्दत्तवर्मादेरसेवादासनीयैः
 मत्तन्त्रनक्षत्रिणैर्मित्तैर्जगत्मानकस्यवासनार्जुनैः
 तैः सहैकैर्दत्तवर्मादेरसेवादासनीयैः

४)

कानुरश्रीमहादेवजीवनकठनवैदस्वरजीवीराजमा
नकसनासवाईजिपुमेंमंदिरलेचमोहतकीसेरकै

श्रीमहादेवजीवनकठनवैदस्वरजीवीराजमानकसनासवाई
जिपुमेंमंदिरलेचमोहतकीसेरकैसाकाजोराकैसासैमाए
तच्छनरुसिद्धश्रीमिर्वेकागपावुदिसम्बतदुदस्वरजीमै
चीनुकमहुवादिप्राहिपुमप्राहोपकोईस्त्रामिनीमाहसुदि
तुसम्बतदुदस्वरजीकोयएवान्दुसवसीनिधोपुनराचनुनाक
सनासवाईजिपुकासंदरमाहैवदस्वरजीपुमप्राहोप

३)

महान्दस्वरजीकाएमिनीकागएसुदिदुसम्बतदुदस्वरजी
मसवाईजिपु

कानुरश्रीनरसिंयजीवीराजमानसैवाएवईजिपु
मेंमंदिरलेचमहाजनयदेवनाकाकै

कानुरश्रीनरसिंयजीवीराजमानकसनासवाईजिपुमेंदेह
सैचमहाजनयदेवनाकाकैसाकाजोराकैसासैमाए

मकगलाकैपुहोऊहैद
मलायामहाराजका

तन्निर्देश्य वरकीमिनीमाहवुदिसुमन्तवत्तुप्रज्ञमहोर्वा
 हुकमद्रुवाइस्वगाधितोमगधसुदिसुमन्तवत्तुप्रज्ञमहोर्वा
 नमस्तेनियुममाहोपकरसोर्वाकीमनखाहननुदानकननाखवा
 ईर्त्तिपुत्रापरिवापराणाम्बलीनारदोह्युकरादामाहोर्वा
 धनियुमादीय

३

मयदानसुवतीनारगमितीमाहवुदिसुमन्तवत्तुप्रज्ञमहोर्वा
 ईर्त्तिपुत्र

एवजाननखाहगानसुयोरागानिकेकसबासबाईर्त्तिपुत्रार्मे
 देवतहमसाधाम्बलीनारदोह्युकरादामाहोर्वा
 ईर्त्तिपुत्रार्मेविकारमितीमाहवुदिसुमन्तवत्तुप्रज्ञमहोर्वा

हातुपथोनरसंघजीवरीगमनकसबासबाईर्त्तिपु
 र्मेदेहोर्वागमकीमननारापीकेतानवभोगनैकस
 बासबाईर्त्तिपुत्रार्मेविकारमितीमाहवुदिसुमन्तवत्तुप्रज्ञमहोर्वा
 ईर्त्तिपुत्रार्मेविकारमितीमाहवुदिसुमन्तवत्तुप्रज्ञमहोर्वा
 वानुदिसुमन्तवत्तुप्रज्ञमहोर्वा
 इयमादीय

गमगमककेरुदाय

गमगमककेरुदाय

५

५)

एवमस्तनसहस्रवमदाय
 तपस्विनैकस्वाध्यायवर्ति
 मुक्तकर्मिदुल्लसदासम्भ
 तस्यदुष्टोन्माप्तीना
 ह्युकीर्मपाई

हालपलान्दुस्वलीनकारमितीमाहसुदितसम्बतवृत्त
 सपनिनकरसहस्रहास्यद्वयवामासम्बतवृत्त

गन्तुवर्धीनर्पसिञ्जनीनीराजमानकसत्वासनाई
 तैपुर्मनेदुर्लभेनमहाजनवर्देन्मालाकैलाह
 कालीनकैलासैवमुत्राकसदासनाईतैपुर्ल
 येमुत्राकिज्जमलानेनवलीमहापताम्रीसनाई
 ईश्वरसिञ्जनीप्ररमितीमाहसुदितसम्बत
 वृत्तकासंदरमाहेनसुदुर्मपादोष

२)

परवान्दुस्वलीनकारमितीचित्तनुदितसम्बतवृत्त
 कदम्बद्वयहास्य

मुमावल्यानेपाठोक्तहैद
 गेलगवरापमहेपंसमुक्ता

धनुर्यज्ञीनस्यैयज्ञीनो राजमानकसनायनाई जे
धुर्यैदेदुर्गंगाएम ज्ञातकैत्या हका भोगनैचदुर्ग
कस्तबास्यवाई जेपुलासं सुवाकिनकपरनानेसब
तीमहाराज श्रीसनाई ईश्वरसिंघजी शिरामित्तो
ससुदित्तसम्बत १८८५ प्राप्तेरमा हेवस्तुमी पुममी

५)

परवानोसम्बती हाजक एरमित्तो जेदुर्गंगाएम ज्ञातकैत्या हका भोगनैचदुर्ग
सम्बत १८८५ प्राप्तेरमा हेवस्तुमी पुममी

धनुर्यज्ञीनस्यैयज्ञीनो राजमानकसनायनाई जेधुर्यैदेदु
र्गंगाएम ज्ञातकैत्या हका भोगनैचदुर्गंगा हेवस्तुमी पुममी
प्राकस्तबास्यवाई जेपुलासं सुवाकिनकपरनानेसब तीम
हाराज बिकुल्लासी जे श्रीसनाई माघबसियेयज्ञीनकरमित्तो
जेकनुदुर्गसम्बत १८८५ प्राप्तेरमा हेवस्तुमी पुममी प्राप्तेरमा
एवजयकीगांनचरानैहदुर्गाराजमाहवेलीमरानासबाई
जेमुर्गंगाएम ज्ञातकैत्या हका भोगनैचदुर्गंगा हेवस्तुमी पुममी
प्राप्तेरमा हेवस्तुमी पुममी प्राप्तेरमा हेवस्तुमी पुममी
प्राप्तेरमा हेवस्तुमी पुममी प्राप्तेरमा हेवस्तुमी पुममी

भुकावलावलाई जेह
भुकावलावलाई जेह

विश्रामेन हावनेन यथाचाहृष्टे ईवास्तेषां नृजिवाद्याहृष्टो
 जघातीकोपोमैमम्बत १५४ दत्तार्कपाथी होमनोन्प्रबन्धि
 म्वत १५५ पथिबहावननाणिहंखिलज्येवादीउमिमुकराभारी
 उमेजस्तर्जनीनामुमया १५६ जीवपाथीनीया

(२६)

विश्रामेन मितोन्प्राप्तो नमस्तिदसम्बत १५७ मयान्परीतो
 हस्तम

५

श्रीनीलकंठमाहृष्टेन नीलीरज्जमानकसबासवा
 ईजैपु. यज्जमैदिवल्लविदगाथाकैत्माहृष्टाभिज्ञाने
 सनुजाकसबासबाईजेपु. कायेमुयाकिकम
 राजैसबलीमहागना श्रीसबाईईस्वरसिंघजी
 कसरमितीभादवा सुविदसम्बत १५८ शपिन्
 माहृष्टस्वरजीपुषपादस

(२७)

पञ्चाननबाजीकायमितीभादवा सुविदसम्बत १५९ साल
 म्वत १६० मयाविकन्दस्वरज्जहाल

५

गकायल्लोकेपाथीकोहृष्ट
 गैलावरापमहापुष्पादस

दधुर्ग्रीनित्तवाज्जनीति ॥ जमानकसंवासी
 दहिनेपुर्गमेद्वार्दनीर्ग्रीनमरकचरनीकामेसी
 हकाजीगन्धिवसैन्मुवाफिक्तमात्रनिसवतीमहा
 राजाग्रीधनार्दित्तवर्तसियजीकररमितीप्रदती
 श्रीदरसाजसम्बतपुष्पकापे

धाजी रतीन्द्रादुपरी
 १५५ १

धाजीगोववसईदीदकीतयाधो गानजवानीधोहोपराजानि
 हपराजनास्तार्दित्तपुर्गमेद्वार्दनीर्ग्रीनमरकचरनीकामेसी
 गेम्भजाकेसोदास्वगेरुर्दनाम मलकतीनीधैर्दोतागन्धिव
 वासैवाजसैन्मुवाफिक्तमात्रनिसवतीमहा

१५६ धास्वपान्तिरोजीनादुपयामेक

हालपवानुंनचलीकररमितीकातीरुदिरसम्बतपुष्पकापे
 मलकदस्तुवहानि

दधुर्ग्रीनित्तवाज्जनीति ॥ जमानगान्वादादरनपाकाक
 दधुर्ग्रीनित्तवाज्जनीति ॥ जमानगान्वादादरनपाकाक
 धाजीकेमुवाफिक्तमात्रनिसवतीमहा

मुकायकापेकठोकर-
 मलकदस्तुवहानि

यत्नकण्ठीमतीमावास्मिन्नुत्तमस्वतन्त्रस्वर
 जपहोर्वाजोन्मिन्नन्दासदनमालीदासप्राज्ञाह्वय
 जगत्कर्तृद्वैताकुलीश्रीसेवाहंकाराज्ञाप्रभैरा
 नैष्ठिकलोचोद्यात्पुष्पविक्रमपदैशमिलोद्धार
 मितीविसामर्थ्यद्वलसम्बतनज्जुप्रसंसावाह्य
 सोदाचमेनाद्योवाह्यविवेकीश्रीस्मन्प्रार्थिते
 गणेशकौतुह्येनदोषाभ्यालियोज्यरक्तकान्तो
 तमप्रणयसेवाकरैर्नैष्ठिकदोषमहाकुलीश्री
 देवार्तिकराह्यसोभोगप्रानमोदबारह्मासो
 दस्यतथास्मद्भुवमदुवाचलीवीद्यात्पुवंज
 इत्यमकन्तमननवाधिरपिसीतिभोगै
 इत्यतद्व्यसम्बन्धवद्वैतहोहतीकोमावी
 नृसुवतीकरौमुकराद्यलीवीद्या

५५

यत्नानुसूचनीकप्रमितीनपुनानुदितस्वतन्त्रस्वर
 लसम्बतनज्जु

गोचदाहरतमाकोकडमरागासवाईजैपुरकीलवासि

गुफावलाकेरापुंकोरु
 गुलवासागमोगासनकन
 ५५

रत्नकोटिपद्ममुकुटराजीधानी

३७

परमेश्वरीयज्ञाहस्तहस्तं मुनिनीमोतीययादा

विदीकगारमितीमहावाग्मुदिदुसम्भवतु

कान्तुलीनरमिंदजीवीराजमानरामधौलहस्त
सखाध्याचैरमं

वासनधौपाचौरहृताकरप्रनिबन्धनकमदावैरहृताकर
रत्नकोटिपद्ममुकुटराजीधानी श्रीगुरुदेवराजमानरामधौल
हस्तहस्तसखाध्याचैरमं हस्तहस्तसखाध्याचैरमं हस्तहस्त
जीमवर्गिरहृताकरमिंदजीवीराजमानरामधौल
परमेश्वरीयज्ञाहस्तहस्तं मुनिनीमोतीययादा
वाकिञ्चकप्रदानेसवतीप्रदादि यच्च निश्चयतीकणसाज्ज
तीमत्पद्ममुदिदुसम्भवतु मुदिदुसम्भवतु मुनिनीमोतीययादा
साज्जसम्भवतु हस्तहस्तसखाध्याचैरमं हस्तहस्तसखाध्याचैरमं
किञ्चकप्रदानेसवतीप्रदादि यच्च निश्चयतीकणसाज्ज

मिदो धीन नमस्तमस्तु निहाजीनस्तु

इ प्र जीवकामें मुं मुं

मक

३

१

२

पराहती

१

२

यथाजीव

१

मिनापत्ती मिनापत्ती

३

मत्ता

ताजदाद्वय

१

१

२

२

३

४

३

४

५

४

५

६

५

६

७

६

७

८

७

८

९

८

९

१०

९

१०

११

१०

११

१२

११

१२

१३

१२

१३

१४

१३

१४

१५

१४

१५

१६

१५

१६

१७

१६

१७

१८

१७

१८

१९

१८

१९

२०

१९

२०

२१

२०

२१

२२

२१

२२

२३

२२

२३

२४

२३

२४

२५

सीसीसास्त्रिनाचापमहंजावर

कैसीधावीय सातमेंततदेन

१

२

३

४

५

६

७

८

९

१०

११

१२

१३

१४

१५

१६

१७

१८

१९

२०

२१

मवागजद्वी सबजाजाना

१

२

३

४

५

६

७

८

९

१०

११

१२

१३

१४

१५

१६

१७

१८

२२

२३

२४

२५

२६

२७

निर्दिष्टाकरमितिचित्तमुद्रितस्मृततत्त्वज्ञानानुरागनरासि
 तीव्रबालमुद्रितमिमीपनमानकसवाद्यानिरसमिधोन्नतद्वयह
 भाष्येतिवर्गैरुक्तव्यानामुद्रितस्मृततत्त्वज्ञानानुरागनरासि
 निष्ठाद्यपिउत्तीर्णात्तुअनेआनानोदकतिसवाहभोज
 अत्रिलालिकैकस्मृतमिमांसाप्राप्यप्रतिष्ठेतिउत्तदापमि
 तीव्रताप्राप्तमुद्रितस्मृततत्त्वज्ञानानुरागनरासि
 कीकन्दजदेवोक्तव्यानामुद्रितस्मृततत्त्वज्ञानानुरागनरासि
 केनाम्

मन्त्रुष्टीनीरतीनारापणतीवेणसमानवस्वास्
 दाईनैपुमेदेहुदैवन्कुरीताराकैव्याहृयाभोगने
 वनृवाकसवास्वार्जनीपुद्यान्नुवाकिकमावनि
 सवतीमिहारज्जैवून्नासीजीश्रीलवार्जस्वामि
 धर्मीकहारमिमीमागधामुद्रितस्मृततत्त्वज्ञानानुरागनरासि
 धेदमहिचस्त्रीदुमपानीन

३

हालपारवन्नुवतीनारापणतीवेणसमानवस्वास्
 केनाम्

पञ्चगोत्राहमावसानताविद्वैजसनाम्नाईनेपुरकागेंइत्य
दपसाधनहानुसम्बतहल्लिखालीनाडुमपानुदुनीरयई
विद्वैकरपमिहीपौपानुदिरुसम्बतहल्लु

यद्यप्यर्थान्तवत्त्वात्तज्जीवीतान्मानकस्त्वानन्तर्द
नैषामेदं ह्यैवेमावस्तान्कैत्याहृद्यार्जगनेचतुना
कस्तान्ताल्लार्जगिमुस्तान्कैत्याहृद्यार्जगनेचतुना
तज्जीवार्जगिमाहृद्यार्जगनेचतुना
दद्यात्तज्जीवार्जगिमाहृद्यार्जगनेचतुना

5

[illegible]

एव ज्ञातव्यं ह्यगोविंदो नित्यं किं सदा सदा ईश्वरमात्मै
यत्तदा यथा यस्मात्तूनां नित्यं तदा तदा ईश्वरमात्मै
यत्तदा यथा यस्मात्तूनां नित्यं तदा तदा ईश्वरमात्मै

मन्त्रजन्तुसंस्तुतिनात्मानं पूजयेत्तु तमन्त्रजन्तुसंस्तुतिना
 वेदुन्नेष्टुनात्मानं पूजयेत्तु तमन्त्रजन्तुसंस्तुतिना
 ऐतन्पुस्तकं पत्रगण्डकं दत्तं तस्मै नमः
 इत्युक्तं च तस्मै नमः तस्मै नमः तस्मै नमः
 विदुः सदा श्रीमन्मन्त्रजन्तुसंस्तुतिना
 सत्पुत्रं तस्मै नमः तस्मै नमः तस्मै नमः
 तस्मै नमः तस्मै नमः तस्मै नमः
 तस्मै नमः तस्मै नमः तस्मै नमः
 तस्मै नमः तस्मै नमः तस्मै नमः
 तस्मै नमः तस्मै नमः तस्मै नमः
 तस्मै नमः तस्मै नमः तस्मै नमः
 तस्मै नमः तस्मै नमः तस्मै नमः

४६३

शिवदत्तकामाय
 गेहशोकीनाम्
 मुक्तकामाय
 सात्विका

३५४

प्राग्वत्प्रसन्नमिदं कलासिद्धिप्रदं नमोऽर्पयामि ॥
 विसर्जयामि त्वं नमोऽर्पयामि त्वं नमोऽर्पयामि ॥
 परस्मैपदान्महोऽर्पयामि त्वं नमोऽर्पयामि ॥
 स्वामिन्दुसायनवीरानिपतवर्गविलसाहेतुमूर्तिनामोऽर्पयामि ॥
 रत्नसम्पन्नतन्त्रपुत्रं वि

विहीनकार्त्तमर्पयामि त्वं नमोऽर्पयामि ॥

वपुःशरीरं गणपतिं नमोऽर्पयामि त्वं नमोऽर्पयामि ॥
 हस्तमकुण्डलमकीर्तयामि त्वं नमोऽर्पयामि ॥
 शेषशरीरं कैवल्यस्थानं नमोऽर्पयामि त्वं नमोऽर्पयामि ॥
 गङ्गासुखीपतिं हस्तमकुण्डलमकीर्तयामि त्वं नमोऽर्पयामि ॥
 दत्तवानीककार्त्तमर्पयामि त्वं नमोऽर्पयामि ॥
 नमोऽर्पयामि त्वं नमोऽर्पयामि त्वं नमोऽर्पयामि ॥
 नमोऽर्पयामि त्वं नमोऽर्पयामि त्वं नमोऽर्पयामि ॥
 सौमित्रकर्मस्वतन्त्रं नमोऽर्पयामि त्वं नमोऽर्पयामि ॥
 रत्नसम्पन्नतन्त्रपुत्रं नमोऽर्पयामि त्वं नमोऽर्पयामि ॥
 तद्विदुर्महोदयं नमोऽर्पयामि त्वं नमोऽर्पयामि ॥
 पुण्यप्राप्त्याप्तिसाधकं नमोऽर्पयामि त्वं नमोऽर्पयामि ॥

(२६३)

होतुं विद्वत्पुत्रनिर्गुणपुत्रासु दिव्यसम्पत्तयः प्रसूतौ नैव स्यात्तु
 प्रीतिवद्वारासारीतम्बानरुपं देवतादीनाम्बुमेखीति

होतुं विद्वत्पुत्रनिर्गुणपुत्रासु दिव्यसम्पत्तयः प्रसूतौ नैव स्यात्तु
 कनकज्योत्स्नासिंहादरीज्वीरासमानवोमहपुरीमेघोदहमल्लकामय
 नहुनेहुरेवाद्याप्यप्राप्त्यत्पाकापुष्पांजलकरीजोषीरन्किमसि
 सालोन्नादुमयादृष्टं प्रोहताजैस्तमिलशदकमांशुकसेन
 परान्नाम्कामर्दुकोमिलैस्तथादिमिहैवमासोन्मुखापिक्तलम्ब
 मयामंदीमंतेमयौरहनीमसीगांवगतकूल्काह्रांसिलमंदुमया
 सेनोक्तपुष्पासोन्प्रत्येकमेकप्रोहलम्बलपतीरुपेनाजोरीकोरु
 शानकघोर्द्वारेषादिसेमुनामिक्तदुभमजीहूएकैरिमाद्यातो
 मुनामिक्तसमस्तसालोन्किजोषमननकूल्काह्रांसिलमंदुमया
 तन्मयाहुरेगन्धौपहकादुमयादृष्टं पुष्पसीलजित

मोगनरीरहकादुमया कमान्कहनावालीदुमया

(६६४)

(६६५)

सैमुनापतनेदीवापदीउप्रायोसीत्तामप्रोहताकावटकाप्यसो
 हिसासदसाराप्रोहलकामनविज्वानिदीवापदीन्यासेनित्ता
 सेनोक्तोत्तायावज्जापिपुलाननचेदनायवरोटीमा

मुकावलपकिपुकोकह्व
 गीलापरापमहागरमुकाव
 ९

तीर्थसुखद्वयसम्पत्तयश्च जपहोत्रादीनां नमो
 योचते सोऽहम् मनुवादात्मा होतुं यथा शुभं गौरीदेवे
 आम्भस्वितोपाहादारी प्रसन्नान्नालसोऽहम् इत्येत
 दाम्भित्तोऽहम् सुखद्वयसम्पत्तयश्च जपहोत्रादीनां नमो
 कीर्त्तयन्नुपचरति त्रिदोऽमुकयादात्मा होतुं यथा शुभं

३

यन्नालसोऽहम् इत्येतदाम्भित्तोऽहम् सुखद्वयसम्पत्तयश्च जपहोत्रादीनां नमो
 इत्येतदाम्भित्तोऽहम् सुखद्वयसम्पत्तयश्च जपहोत्रादीनां नमो

मुकयादात्मा होतुं यथा शुभं गौरीदेवे आम्भस्वितोपाहादारी प्रसन्नान्नालसोऽहम् इत्येत
 दाम्भित्तोऽहम् सुखद्वयसम्पत्तयश्च जपहोत्रादीनां नमो
 कीर्त्तयन्नुपचरति त्रिदोऽमुकयादात्मा होतुं यथा शुभं

५

अकुरु अरिनिर्म्मिष्य जीर्णोऽहम् जमान्गोत्राद्भुत
 पाकोऽहम् यथा नमोऽहम् सुखद्वयसम्पत्तयश्च जपहोत्रादीनां नमो
 इत्येतदाम्भित्तोऽहम् सुखद्वयसम्पत्तयश्च जपहोत्रादीनां नमो
 कीर्त्तयन्नुपचरति त्रिदोऽमुकयादात्मा होतुं यथा शुभं

मुकयादात्मा होतुं यथा शुभं गौरीदेवे

आम्भस्वितोपाहादारी प्रसन्नान्नालसोऽहम् इत्येत

५

होयवत बुद्धिमानसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै
 दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै
 कर्मनाहै सो दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै
 दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै
 दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै
 दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै
 दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै
 दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै

२५)

पञ्चाननहृन्तरीक एवमिती मागमा बुद्धित सम्बत बुद्धिमान
 भवतदसै दुष्टतदसै

मुक्ततात्तनवाहवलीमागरी दुष्टतदसै दुष्टतदसै
 दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै
 दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै
 दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै

दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै
 दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै

दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै
 दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै दुष्टतदसै

कोसोऽपि नृपसम्बतः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः
 येन कल्पो वा हैमो हुकमुत्तमः सत्त्वः सत्त्वः
 इत्यतः पामितीकाती नृपसम्बतः सत्त्वः सत्त्वः
 कोसोऽपि नृपसम्बतः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः
 मुक्ताः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः

३

विष्णोः कल्पो वा हैमो हुकमुत्तमः सत्त्वः सत्त्वः
 विष्णोः कल्पो वा हैमो हुकमुत्तमः सत्त्वः सत्त्वः
 हैमो कल्पो वा हैमो हुकमुत्तमः सत्त्वः सत्त्वः
 पराणां मज्जन्तः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः
 नागीः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः
 हस्तः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः
 सातेः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः
 मुक्ताः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः

३

सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः

सातेः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः

मुक्ताः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः सत्त्वः

३

शिवः शिवः शिवः शिवः
 शिवः शिवः शिवः शिवः

शक्युमीनरसिधती

पुजारीस्यर्मागौरधनदास

पुजारीकहुकमजीहगुकेचिधद्वजोमोम्यमाचरीवर्मित
पराजाहोदाभैवकीअस्तोवीधद्वजुपक्युमीनरसिधतीयमो
ममपुजारीस्यर्मागौरधनदासनेनवनसिंधीद्वारोमय
रहकोतोनीखिसीसम्भतदुहकातार्होसिधनेमामेपवैव
अस्पृष्टांगानाकानागिद्वारसोखेबलधुरिखेसोवातीप्रदीप
खुसम्भतदुहकातार्होवप्यज्यामोखेहोहोसिधनेवदोसो
जोईहपखीकीखेचनकरैनीनिमकहकीउपेपखानगी
रातसिधहमीरदेप्रसंगनेजमोद्वारोखेधनदानीस

(४४)

सोव्यप्योकोहोसिधद्वजुजीधोमोमोवसिधतीमोमो
वहनेरीवावोकीउपेखीध

(४५)

गोवमाचरीधीननवनसिंधीगोवमोसोकीनायसिंधी
जोहोलीकीहीनीसम्भतदुहकातार्होवप्यज्यामोखेहोहोसिधनेवदोसो
जेमुजारीकहुकमजीहगुकेचिधद्वजोमोमोम्यमाचरीवर्मित

सुकाबलगकेपुठोकेहोदे-
पुलधरापमहगाभकधल

७७

नीति

७

गोचरस्य दृश्यमानं तत्त्वज्ञानं च

दृष्टीरदेकाकीर्तिर्ह्येवमवस्थितिः

महेश्वरतत्त्वज्ञानं च

७

विद्यमानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं

आत्मज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं

मेव तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं

मानद्वयं

तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं

तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं

तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं

तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं

तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं

तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं

तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं

तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं

तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं

तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं

तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं तत्त्वज्ञानं

होबेजोगानैरोजानादुसयाया म्बलसुख, योवहोबेजोगानै
 वेजोगाने दाम्नादेवजोगेदुक् येजेनाआनाआठजुबजसा
 महुबोखोदुसयतनकासोनाहे जोजावसलीदुसयादुक्दुक्
 सोदुसयतनकासदुक्महुबामुक्की, देवाकोदुक्महुबोनेमेशरतोगां
 कल्लिबरोजोगानादुसयाजुमेगांवे कर्गबरीमुदुसयतनाउंवेहीवीवे
 योहरोदामाप्रोदेवाम्बलसुख, जलजलकजलयतबीप्राचल्लुइ
 वेस्तकरोमखजंस्वर्तल्लोमी जलदापलापनहुल्लुसम्बनसु
 मुकरणोरोजोगानादुसयाजंस्वर्तल्लोमी येरजलकजल्लोवाहेसोरसय
 यमेक

१

मलान्दसवतीकगमित्तोमाग म्बलवर्तल्लोमिमुकरणमारती
 अहदुदुदुसम्बतल्लुमुद्रामे सल्लोनादुसयाजुप्राचीबजड
 सवार्तिजेपुर

आल्लोमिदु

वी

२५५

परावन्सवतीवगमित्तोवैतनु
 दिहल्लुसम्बतल्लुमुकरणमारती
 र्तिजेपुर

नित्यव्याख्याजन्मनन्तरमायाहेतुनित्यव्याख्यामिदं कृतं च
 स्वर्गमिदं कृतं च स्वर्गमिदं कृतं च स्वर्गमिदं कृतं च

सुमयाद्वयं प्रवाह्यं नित्यव्याख्या २

मैकवत्तद्वयं प्रवाह्यं नित्यव्याख्या ३

कारणद्वयं प्रवाह्यं नित्यव्याख्या ४

नैकवत्तद्वयं प्रवाह्यं नित्यव्याख्या ५

नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या

नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या १

नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या

नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या

नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या

नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या

नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या

नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या

नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या

नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या

नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या

नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या

नित्यव्याख्या नित्यव्याख्या

[illegible]

वसोतनमुपमद्विजुलीकासली
नावकलीमुपम

५२०

ठाकपुरीनीरुठाकुरीत्यारु
मेधावनीसिरी जलीवीरुठा
जमानगवनरै नद्यावीरुठा
त्याकुरीनीरुठा नौगनीसली
जीनमुपम ना

५२१

५२२

ठाकुरीनीरुठा नौगनीसली
सुपनीनीरुठा नौगनीसली
नद्यावीरुठा नौगनीसली
नौगनीसली नौगनीसली
मुपमनीरुठा नौगनीसली

५२३

एध्यासलीनी

मुपम

५२४

नौगनीसली नौगनीसली
मालनीनीरुठा नौगनीसली
कासलीनीरुठा नौगनीसली

३५५

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

परवान्तरवनीप्रारम्भतीना

प्रह्लादमाहैरुमयाज्जपयत्नान्मी भौगडाकुलान् पुनस्वामीज
 दीनानराद्यः रत्नचूरीलोचनं गीतपदायान्
 ५) मायाकलसुखी हारगोदुखी
 विद्येज्जगत्सन्निभान्नीसुंदरस किंकरदरिद्री जामायाधाय
 म्बतल्लक्ष्मी नीधरामतीक्ष्ण मुखायिज्जगत्
 यालनसज्जोत्पन्नप्रसन्नप्रसन्न तीसुंदरसम्बन्धानेखलनीमह
 वलसुखीप्यार्त्तनीसंजवत्तरी नरदुखेदरी राजानेकंजगत्
 मिलीकामप्राप्तुद्विज्जगत्सम्बन्धु ह्युपमा सीताप्रसन्नवत्
 गोदामाहोपपत्त्यसिद्धिजिह्वासी ६) पृथ्वीसंजगत्
 उपोविष्टस्वर्गसिद्धिजिह्वासी ७) रत्नमितीप्यमनु
 सम्बन्ध ८) दिव्यसम्बन्ध
 ९) वैरिजीनाट द्वा

पुष्पवाजाधि

सज्जगतीरुदरी

सम्प्रादाहृण्णी

राजोत्पन्नप्रसन्न

नीधरामतीक्ष्ण

किंकरदरिद्री

मुद्राया ललाटेपातयेकहृद
 गल्लग्नरासगह्वरेरुद्रकाय
 ९

वतीमहागता

वेनेन्द्रवामोत्तरी

श्रीशक्तदेव्यो

सिंहोत्तरी

मितीर्वैराग्य

युद्धिन्द्रसाल

सम्बलकन्द

शैरीज्जोनाट्यी

२१

सौमित्रोत्तरीकन्दयुद्धिन्द्रसम्बल

ताईयावलीकन्दसालनाट्यम

सम्बलकन्दनीलमाट्यीवसाल

मीट्याट्यकन्दसालसाल

नामनीलमाट्यकन्दसाल

तत्सम्बलमेखालमेट्यीकन्द

कन्दसालसालसाल

सम्बलकन्दमेखालमेट्यीकन्द

सम्बलकन्दसालसाल

सम्बलकन्दमेखालमेट्यीकन्द

सम्बलकन्दमेखालमेट्यीकन्द

सम्बलकन्दमेखालमेट्यीकन्द

सम्बलकन्दमेखालमेट्यीकन्द

मुक्तबलकेपाहोकेहैद

जोसम्बलमेखालमेट्यीकन्द

पेदेलाकोतुममहुवोसेजसयतक
रमोपहोसोदसयतव्यावदुमहु
कमुवापिककपिमिदसोतीकोपक
नेउरतीदिमोमुकसयतीनुमेउ
सालीनापुपयाछछछछछछछछछछ
मसे

२५५

प्रीतभावजुशोन पुन्यजदकम्या
रसिंयतीरसोहे भोजागोरपदास
पुपयाछपामा ब्राह्मणगीदोरेडो
नीनासुममहु नारयानतीका
मेजालीवीदा सालीनापुपया

५७ ब्रह्मपुत्रेयतीवी

या

१००

पुपयजिकनारव

विसननजालीरव

दासप्रावृहणगी

दोतिरिक्तारवार्थ

भक्तवत्सलार्थपाहे। ऊहेद
मेलावरावमहे। मेरेमुकन

तस्मिन्महात्मना

दुष्प्रवृत्तजन्मे

यत्कीर्त्तयामास

॥१॥

मयेनकुर्याद्विद्वत्पुत्रोऽयमस्मादहो

दुष्प्रवृत्तजन्मस्तस्मात्तस्मात्तु

कुर्यात्तस्मात्तस्मात्तु

॥२॥

पुत्रोऽयमस्मादहो

दुष्प्रवृत्तजन्मस्तस्मात्तस्मात्तु

कुर्यात्तस्मात्तस्मात्तु

तस्मिन्महात्मना

दुष्प्रवृत्तजन्मे

तस्मिन्महात्मना

दुष्प्रवृत्तजन्मस्तस्मात्तस्मात्तु

कुर्यात्तस्मात्तस्मात्तु

॥३॥

मुक्ताब्जं तस्मात्तस्मात्तु

मुक्ताब्जं तस्मात्तस्मात्तु

अथ श्रीविष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

ठाकुवांनदवस्तुमन्वासीपीएतमानप्रसवाप्रवाहै
 पुरेवांनदप्रवाहार्थेमेदिरसवायस्मासज्जगत्
 तीरेन्याकीप्रानप्रवाहैनेपुरपरिचयनदायमिनी
 पादतपसुदिनुमन्वनरुद्रप्रेसायनेनापुमप्राक्त
 प्वकेपकसोनीसकीकरीक्षेसीएतवाविश्रातया
 धीहमराजप्रवाहैनेपुरप्रवाहैनेमिसीगात्राहै
 पादगिर्विनेमिसज्जगदात्तोनीद्वीपाहवालापी
 विप्रज्योत्सानीहावनप्रवाहमदुवायेतवहवालापी
 वासहन्नीद्वीपोमुकपातनयाहमनामिकमदुकरै
 गीहन्नुमन्वापारीसोनाममवोगादोदीप्राष्टी
 लीनापुमप्रा

ॐ

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

वास्तवतनवाहोसहस्रनामस्तोत्रम्
 तीरेन्याकीप्रानप्रवाहैनेपुरपरिचयनदायमिनी
 पादतपसुदिनुमन्वनरुद्रप्रेसायनेनापुमप्राक्त

मुक्तचहृदाकिपाठोपेह
 गलासपमहोपेह

दुर्गमप्राप्तुं नैव तदा यत्कदापि नृपमुदुसम्बतत्वरैषिसाक्षी
 जगन्मया दृष्टुं नैव तदा यत्कदापि नृपमुदुसम्बतत्वरैषिसाक्षी
 तैश्चर्यमनायननूरुचिनिर्मितगियोसायसमया नैव दृष्टुं नृपमुदुसम्बतत्वरैषिसाक्षी
 करिदेवोकील्यो नृकृतालयव्याहृतमानीनादुमया

१५७

मुकुरा नैव तदा यत्कदापि नृपमुदुसम्बतत्वरैषिसाक्षी
 गार्ग्यैरुद्रादुयया नृपमुदुसम्बतत्वरैषिसाक्षी
 जगन्मया दृष्टुं नैव तदा यत्कदापि नृपमुदुसम्बतत्वरैषिसाक्षी

नैव तदा यत्कदापि नृपमुदुसम्बतत्वरैषिसाक्षी
 नादिव्यो नैव तदा यत्कदापि नृपमुदुसम्बतत्वरैषिसाक्षी

नैव तदा यत्कदापि नृपमुदुसम्बतत्वरैषिसाक्षी

१५८

उदिव्यो नैव तदा यत्कदापि नृपमुदुसम्बतत्वरैषिसाक्षी

१५९

मुतायसदुजगन्मया दृष्टुं नैव तदा यत्कदापि नृपमुदुसम्बतत्वरैषिसाक्षी

यादव

१६०

१६१

पानानागिस्तेन नृपमुदुसम्बतत्वरैषिसाक्षी

नृकाबलाके पाठकहेर

शिलाधरापमहाराजमुका

१६२

मृकान्द्रात्मिनिजपान्दोऽमर्षिर्निरागमिर्नैकायमुदितस्त
 नसम्बलः ॥ ५२१ ॥

महदेवजीश्रीनखरेस्वरजीनीयजमातगांनधीनुगा
 रातालिक्कसखाकनार्दनीपुरश्चमैमुतमिल्लमंदिरसी
 हितमानजीदासवणायी

५

वाचतजोगयस्तीमहदेवजीश्रीनखरेस्वरजीनीयजमातगावधी
 नुगापुणतालिक्कसखाकनार्दनीयुक्कश्चिमुनसिजमंदिरपेति
 तमानजीदासवणायीताकैवसैगुआमिकमाहदासीमंदस
 म्पीनानिमानप्रथमिल्लीअसादनुविहउतावसम्बलरुद
 चरनपहीजीनेपानैदुषहितुमपादुवसल्लीनीमैधलीगां
 श्रीदुगापुणतालिक्कसखाकनार्दनीयुक्कश्चिमुनसिजमंदिरपेति
 इवदणसम्बलः ॥ ५२१ ॥
 ५२१) कावसमतप्रथमोवाहैसोदसमतवासदुप्रमहजामुन
 मिक्कलिमैदीमुकएवालीउवीजापुपयाउ) श्रीनिजदजास
 म्पावसतभीधामिकसीचैनालीस

(५२१)

मुखावलाकिपूवैकहैद
 गुलाधराधमहासंगकूप

सनत्तिकारमिलीयचामरसतनुद्विस्साणवाम्बत१७५५

वास्तुतरीगमर्तिकाकुरधीमैनविहारीजीवीतनमा
नकसतापिसगठयागनादोवाश्रमिंसदिरुमामो
मांवनदासचेल्लग्नमसिचरैरामराखप्रानवोवणी
मोव्यक्तिजानिमाकतग्याजयिद्विमीतीमोखनु
दिरुसाम्बतकरदश्रजयहांनीरंगनिमालीची
शास्त्रगोवळदलीतयागीजाहमयानामतनूशी
देवतसुमसावम्बालूम्बतकरदचेकरेनामि
दुक्कमदुबोपोल्लसवतकरपोचाहेसौदुष्टमदुन
गुणकिजकिमिरीगीविजकिरेवोतीप्रोवाजाने
म्बलीलीमोमुकरायलीधीधामचास

२७

आताजीकीहीनीच बंजडलायकजरायतवी
लीतीप्रानीस

अणीस

२८

२९

यज्जन्मसुचलीकरमिलीकामएवुदिरुसम्बतकरदमुष्टा
मसबाईजेधु

मुकाबलाकेपाठोफेहेर
मुलाघरावमहेगोरमुकाब

अथानुत्तरं ननु ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 रमिणां पृथगेत्येवमप्युच्यते ननु ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि

१

वाच्यते अथानुत्तरं ननु ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 पुनरेवमप्युच्यते ननु ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 कथादत्तं ननु ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 एवमप्युच्यते ननु ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 वाच्यते पुनरेवमप्युच्यते ननु ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 मन्त्रादप्युच्यते ननु ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 गांधर्वानामप्युच्यते ननु ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 सैवमेवमप्युच्यते ननु ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 भक्त्या जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 पुनरेवमप्युच्यते ननु ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 शिवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 हुवा मुनिनामप्युच्यते ननु ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 गांधर्वानामप्युच्यते ननु ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि जगत्तन्मयं ब्रह्मणोऽपि जीवोऽपि
 कोऽपि

२

मुकावला किं प्रहो कहे
 गेला मध्यम हारे मज्जा

५२)

यत्नान् सनती श्रामितीति सुदिग्गसालसम्बन्धतः सुदिग्गसालसम्बन्धतः
मसवारिनीपुर

मकुर्धनहर्षिनीवीरजमानकसवासवर्द्धिपुर
स्योमोहननदरजानावर्द्धिनिर्दिष्टसामीगहृष्टसनी
मानतनवीवीरिणी

वानतपोशासनीन (मै) मालीकान्कुलीनमिष्टुलीवीरजमान
कसवासवर्द्धिनीपुरयोषीजनकद्विजानावर्द्धिनिर्दिष्टसामीगहृष्टसनी
सनीमालतवीरिणीमिष्टुलीवीरिणीमिष्टुलीवीरिणीमिष्टुलीवीरिणीमिष्टुलीवीरिणी
समस्तदिवानिमानावर्द्धिनीमिष्टुलीवीरिणीमिष्टुलीवीरिणीमिष्टुलीवीरिणीमिष्टुलीवीरिणी
ज्योतिषहोनीजोतिषहोनीजोतिषहोनीजोतिषहोनीजोतिषहोनीजोतिषहोनीजोतिषहोनी
मालीवटासवासवर्द्धिनीपुरयोषीजनकद्विजानावर्द्धिनिर्दिष्टसामीगहृष्टसनी
यथासमाप्तुमन्वतः सुदिग्गसालसम्बन्धतः सुदिग्गसालसम्बन्धतः सुदिग्गसालसम्बन्धतः
श्रमिणीवर्द्धिनीमिष्टुलीवीरिणीमिष्टुलीवीरिणीमिष्टुलीवीरिणीमिष्टुलीवीरिणीमिष्टुलीवीरिणी
मालीवटासवासवर्द्धिनीपुरयोषीजनकद्विजानावर्द्धिनिर्दिष्टसामीगहृष्टसनी
मिष्टुलीवीरिणीमिष्टुलीवीरिणीमिष्टुलीवीरिणीमिष्टुलीवीरिणीमिष्टुलीवीरिणी

५३)

मकुर्धनहर्षिनीवीरजमानकसवासवर्द्धिपुर
मालीवटासवासवर्द्धिनीपुरयोषीजनकद्विजानावर्द्धिनिर्दिष्टसामीगहृष्टसनी

कपारिखीया

बोलीकीलीया

२५)

२५)

नेजउन्नामक जलमलवीया

२६)

मरतनिजुनवीकरणमिलीमोषमूर्तिद्वन्द्वमन्त्रनरुद्धमुद्राम्भारवाह

जैपुर

१

कपडुप्रानरणिंयनीनीरासमानगोवतिथरतजगद्वा
 प्रदुपणनाखनद्विजैपुरप्रमित्ताप्रिमेबाअर्णनवातम
 स्वासीकैरुद्धोहणवष्यामीद्विषानप्रीदायनीमावलेके
 रैव्याकैवास्तिमुवाधिकमत्तद्वहनीमिंदरायतरीवती
 धनप्रारमिलीप्रतीसुदिरुदमन्त्रनरुद्धमुद्राम्भारवाह
 बीमिगनिअनीवीबाहजुगंजमजबहूप्रीमुवाकि
 कपडैहैतावधीमहापद्मप्रमिलीकामएगुदिरुद
 मन्त्रनरुद्धमुद्राम्भारवाहबीहोविलमर्जिप्रोसमन्त्र
 रुद्धनरुद्धयमीअवद्वतदायमन्त्रनरुद्धमुद्राम्भारवाह
 नरुद्धनीप्रणीचहिरोदसमतवासुद्रुमहुवामु
 वापिन्नलिमेमवानंनरुद्धनीनिरोमुकरायती
 दीद्यापैतालीस्

मुकायलाकेपाठोकेहै

मुकायलापमहादेसमुकाय

(५२)

मत्तान्मुन्यवतीकगामितीमोसबुद्धिसम्बन्धतत्त्वमुक्तायसर्व
इतिमु

शान्कुर्षीनर्षिंयतीनीएतमानममवासवाइतिमु
नैरशैकाबानाएनेमुनसिचदुवारिखिलोत्तिर्किभि
ररवाइत्यलनकनरिखेनीदीदाख्यप्रसन्ननासीमही
तानविकुंनबासीनीश्रीसर्वाइप्रतामसिंयतीश्री
वे

वाचतमोपकाकुरधीनर्षिंयतीनीएतमानममवासवाइतिमु
रशैररीद्विवाजारेममुनसिचदुवारिकामोलीकिभिंदरवाइत
वलननरिखेनीदीदाख्यप्रसन्ननासमहारजविकुंनबासीनीश्री
सर्वाइप्रतामसिंयतीश्रीद्विवाकेवास्तिमुवामिकपाददास्तिमि
रसम्बतदेव्यानिमानप्रणमितीमोसबुद्धिसम्बन्धतत्त्वमुक्तायसर्व
महोनीनोपनैयतीमांतयामदुतमाणमादयएतानासवाइति
मुन्यवतीकगामितीमोसबुद्धिसम्बन्धतत्त्वमुक्तायसर्व
श्रीगुरुमुन्यवतीकगामितीमोसबुद्धिसम्बन्धतत्त्वमुक्तायसर्व

शकावलाकिपाहोफहैद
मलावरायमहोपमकपु

वक्तृत्वनामाहमारागोन्तुनुरव्यजनकनप्रसोपज्ञावीराजमातृगोचरे
 हस्तपारमगदपरगतासन्वर्द्धिपुत्राभिर्मंदिरवेहरादीनाममनो
 नएतयोत्पत्तिव्यस्तिप्रसक्तिकमाददास्तिमंतस्थनदीवानीयान
 प्रसक्तमित्तियोस्नुदिष्टसम्बतकुरुअज्यहोर्ध्वमैभनैमादमा
 कुरुजननीमिचैपहसुप्रदुसमावन्तुप्रदुमवेदिमोतनदुष्पा ६००
 तीकत्वसर्वादि००० प्रोक्तदिननेहरादीनाराममनोत्तरामप्रोक्त
 एतैदासीदानदिपोत्तिप्रोक्तुवाकिकपरानिस्वन्तीमहाराज
 निचूरदणीनित्तिप्रसक्तप्रतामसिप्रोक्तीप्रसक्तित्तरादकुंदरे
 प्रानसम्बतकुरुहोर्ध्वमैभनैमादमा ००० प्रोक्तदिननेहरादीनाममनो
 उन्हाप्रसक्तसम्बतकुरुहोर्ध्वमैभनैमादमा ००० प्रोक्तदिननेहरादीनाममनो
 चहिसोदसमत्प्राप्तदुष्मदुष्वापुवाफिक्कजियेसंगितोमैद्वेदो
 तीप्रोक्तप्रसक्तसम्बतकुरुहोर्ध्वमैभनैमादमा ००० प्रोक्तदिननेहरादीनाममनो
 सुप्रानसम्बतकुरुहोर्ध्वमैभनैमादमा ००० प्रोक्तदिननेहरादीनाममनो

३००

यत्नानुरूपवतीकितारमितीमोस्नुदिष्टसम्बतकुरुअज्यहोर्ध्वमैभनैमादमा
 नैपुत्र

१
 दानदुष्मदुष्वापुवाफिक्कजियेसंगितोमैद्वेदो
 नैपुत्रमैमिंदरमिप्रसक्तप्रतामसिप्रोक्तीप्रसक्तित्तरादकुंदरे
 एतयो

१
 मुकायलाकेपाठेकहैरु
 मुलाधरापमहोपायमुकाय

नारायण गुरुद्वय
 तीर्थेश्वरेश्वरी
 गणेश्वरेश्वरी
 गौरीश्वरी
 श्रीगणेश्वरी
 श्रीगणेश्वरी
 श्रीगणेश्वरी
 श्रीगणेश्वरी

१४६

गणेश्वरी गणेश्वरी
 गणेश्वरी गणेश्वरी

गु

गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी
 गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी
 गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी
 गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी
 गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी गणेश्वरी

१	२	३
रामजी मण्ड		
रानी श्री		
३	३१	
विजयगंगा	प्रथम नाव	
१	१	
रामजी मण्ड	मोहरी श्री	३२
३	३३	३४
१६	मण्डरी	१
३५	३६	
३७	३८	
३९	४०	
४१	४२	
४३	४४	
४५	४६	
४७	४८	
४९	५०	
५१	५२	
५३	५४	
५५	५६	
५७	५८	
५९	६०	
६१	६२	
६३	६४	
६५	६६	
६७	६८	
६९	७०	
७१	७२	
७३	७४	
७५	७६	
७७	७८	
७९	८०	
८१	८२	
८३	८४	
८५	८६	
८७	८८	
८९	९०	
९१	९२	
९३	९४	
९५	९६	
९७	९८	
९९	१००	

शुक्रा

१ १५ १५ १५

शुक्रा १५ १५ १५

शुक्रा १५ १५ १५

१५ १५ १५

शुक्रा १५ १५ १५

शुक्रा १५ १५ १५

१५ १५ १५

१५ १५ १५

शुक्रा १५ १५ १५

१५ १५ १५

शुक्रा १५ १५ १५

१५ १५ १५

शुक्रा १५ १५ १५

१५ १५ १५

शुक्रा १५ १५ १५

१५ १५ १५

शुक्रा १५ १५ १५

१५ १५ १५

शुक्रा १५ १५ १५

१५ १५ १५

शुक्रा १५ १५ १५

१५ १५ १५

शुक्रा १५ १५ १५

१५ १५ १५

शुक्रा १५ १५ १५

१५ १५ १५

शुक्रा १५ १५ १५
शुक्रा १५ १५ १५

नीरुपपावरुनकादवतदासमा
 वसमान्मृत्स्वतपट्टाज्जिन्कासेनामि
 हुक्कमनुसोसोतसवन्काज्योत्तिसो
 वसवतवास्तुक्कमनुवास्तुवन्मि
 लिमेमीमोमोकिरेमीमोपवन्म
 क्तीलिधसुकराणांवगजन्करम
 जाम्नापित्तमुद्राप्रारन्कम्पु
 तीकावसन्ती

(५६)

पेदवन्मृत्स्वतपट्टाज्जिन्कासेनामि

५६५५५५

५६५५५५

वसवतवास्तुक्कमनुवास्तुवन्मि
 हुक्कमनुसोसोतसवन्काज्योत्तिसो

५

५

वसवतवास्तुक्कमनुवास्तुवन्मि
 हुक्कमनुसोसोतसवन्काज्योत्तिसो
 पेदवन्मृत्स्वतपट्टाज्जिन्कासेनामि
 नीरुपपावरुनकादवतदासमा
 वसमान्मृत्स्वतपट्टाज्जिन्कासेनामि

महाभारतकेपट्टाज्जिन्कासेनामि

गुल्लवरापमहाभारतकेपट्टाज्जिन्कासेनामि

सिद्धिमाहमुनिवसवतस्तु
 पश्यतमहोर्च्यतेस्तुम्बान्ना
 ईतिमुनिमिच्छामिनामगृहं
 कीर्तिभुजसिद्धिपण्यमिच्छ
 लोकेत्यर्थान्दसवतीठान्दुर्जी
 केनामदावारमीच्छान्दप्रवस
 स्तर्पणमिच्छाहोत्सवस्तुम्बा
 सद्गुणमद्गुणान्दुर्जाकिम्बलि
 यस्तुद्गुणान्दुर्जाकिम्बलि
 हवेनीयेष्ट

९

पञ्चान्नसवतीप्रारम्भिका
 पाण्डित्यसम्बतस्तुम्बा
 सचाईतिमु

श्रीकृष्णदेवगुणीहस्तुमान्तीगणेश्वरतीर्थापनालाडी
 कोमंदिहस्तुमान्तीगणेश्वरतीर्थापनालाडी
 गेवन्दुस्तुमान्तीगणेश्वरतीर्थापनालाडी
 गेवन्दुस्तुमान्तीगणेश्वरतीर्थापनालाडी

मुकामलाकेपक्षेकहं
 गेवन्दुस्तुमान्तीगणेश्वरतीर्थापनालाडी

५९

सोऽपि ह्येतामिमांशमन्वह्यहोमिदं यन्मिमांशमिदं
सम्बन्धतस्तत्तद्व्याजमिदं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं
कस्यवा तं कस्यवा तं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं
तन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं

योऽपि ह्येतामिमांशमन्वह्यहोमिदं यन्मिमांशमिदं
सम्बन्धतस्तत्तद्व्याजमिदं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं
कस्यवा तं कस्यवा तं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं
तन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं

५६९ मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं
सम्बन्धतस्तत्तद्व्याजमिदं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं
कस्यवा तं कस्यवा तं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं
तन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं

५७० मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं
सम्बन्धतस्तत्तद्व्याजमिदं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं
कस्यवा तं कस्यवा तं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं
तन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं

योऽपि ह्येतामिमांशमन्वह्यहोमिदं यन्मिमांशमिदं
सम्बन्धतस्तत्तद्व्याजमिदं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं
कस्यवा तं कस्यवा तं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं
तन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं यन्मिमांशमिदं

मुकावत्ताके पाठे कहे हे
गुलावरापमहे पाठे मुकाव

मैरावावागनैखानीवी मुजारीदासबैलोस्वामी

मानोत्तल ————— बैलनटासबैकजाकैएयो

————— ५४) ————— शीजीनारबैमंड

नादरीलोख मानग्रीली ————— ५५)

नैलीखानी मकजसपति

दा ————— बीघाचामी

————— ५६) स —————

————— ५७) —————

यजाम्भुननीकरगहिरनीकसाहबुदिलुसपनसम्यतकहुरनुमि
मस्यारिपु

ठानुधीमरनदेस्नरजीनैपानमातसिनधीपनद्वैदाराने

बांईतफमिंदखगिर्बिं

ठाकुनधीनरनदेस्नरजीनैपानमातसिनधीपनद्वैदाराने
नसिबमीतजवैलारनैपानद्वैतफमिनालवदहकाकुजीनरनदेस्नरजी
दखगिर्बिंमैनरनद्वैतफमिनालवदहकाकुजीनरनदेस्नरजी
कपददखनीमैजसपतिनानि बांईतफमिंदखगिर्बिंमैनरनद्वैतफमि

मुकायलाकेपाठोफहै

जुलावराभमहोपासक

मानकरमितिपिससुदिदम्ब नैजाल्लसुवाधिनकपादरास्तोमि
 वरुणप्रजमहोर्षिद्वितीयो मधवदीनानियानकावमिलीम्ह
 ३२) कसबासवाईजेमुद्रमिली सर्गनछमनतच्छसेअतापहोर्षि
 लोयामिद्वितीयोनीबलीवैजद्वितीयो गोअगैमोगमैद्यनीवीयाछ
 कीहुइमहुदोसेपयनसुवती मुनीनोयान्कीपीडिनीवली
 करवीरहैमोदस्यतयासहुवनी कसबासवाईजेमुद्रमिली
 हुवा मुनाकिइनिघेदोनीकी गंवसुध्यानामितपुत्रसवासव
 मरवान्सुवतीभिधोइवतदाम ईलेमुद्रमोगापासदुदाप्राता
 मग्दजछरुपिमुकराघाती रहैस्याप्ताकीपनेवीयावरसी
 मुनीनीहोयापीद्वितीयोनीबली गौडीतयसीज्जैवने
 नैजद्वितीयोवतिथि

३३)

मखान्सुवतीप्रारमितिहावा	गंवसुध्यामै	गंवनेजपुसामै
मुदिहसावसम्वतछरुमुद्र	धरतीशरीरुन	धरतीशरीरुन
रएनमाहवालीप्रसबासवाईजे	धरतीशरीरुन	धरतीशरीरुन
पुर्कीद्ववतदामसम्बनछरु	धरतीशरीरुन	धरतीशरीरुन
धेसीगैनीगकीगणिमासह	धरतीशरीरुन	धरतीशरीरुन
जैनीगैनीगकीगणिमासह	धरतीशरीरुन	धरतीशरीरुन
धरतीशरीरुन	धरतीशरीरुन	धरतीशरीरुन
धरतीशरीरुन	धरतीशरीरुन	धरतीशरीरुन
धरतीशरीरुन	धरतीशरीरुन	धरतीशरीरुन
धरतीशरीरुन	धरतीशरीरुन	धरतीशरीरुन

मुकोवलागकपुठगकहद

मुलाबराधमहोसमकाप

मनीकाली	नीलेनी
नारायणी	नारा
नरसी	नर
—	—
कोटि मयी	
नोचि लूसे	
क्यागिर	
नीलो नील	
वा मयी	
रु रीश	
रु	

मिनेनपेनुजस्तसंरांरागामो
 कालनसिदुनोअलादनहीमो
 बाधिमयाविसरातलीमाविके
 मराकीनाचनतनयमीनमेला
 वेदी

यकेनीविस्वा यनीमुद्याना
 एतस्नातोगां लपुग्रीसेमोवा
 वमुद्यामोदो म्यामलीकदा
 दोजाटयामधि मावधिमानव
 स्या

आनन्दोत्पत्तिः

वैश्वदेव्याम

लोन्दाशेषः

सौम्यानीर्वाणः

मन्त्रोऽयं

५१

मन्त्रस्योत्पत्तिः यन्मन्त्रोत्पत्तिः

लोन्दाशेषः

लोन्दाशेषः

५१

३

मन्त्रोत्पत्तिः यन्मन्त्रोत्पत्तिः

लोन्दाशेषः

लोन्दाशेषः

लोन्दाशेषः

लोन्दाशेषः

लोन्दाशेषः

लोन्दाशेषः

लोन्दाशेषः

लोन्दाशेषः

हृमिस्वस्त्यस्तुतुस्तुतुस्तुतुस्तु
 मन्त्रिस्तुतुस्तुमन्त्रिस्तुतुस्तु
 सत्त्वस्तुतुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तु
 स्तुतुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तु

५६

वास्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तु
 त्त्वस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तु
 त्त्वस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तु
 त्त्वस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तु
 त्त्वस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तु

५७

नमः शिवाय नमः

यत्त्वस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तु
 त्त्वस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तु
 त्त्वस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तु
 त्त्वस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तु
 त्त्वस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तुस्तु

मुक्तवत्तास्तुस्तुस्तुस्तु

गुणवत्तास्तुस्तुस्तुस्तु

५८

मुद्रित सम्बत १९२७ धर्मोत्तरीका प्रकाशनादि प्रस्तावित
 यो प्रकाशनादि प्रस्तावित यो प्रकाशनादि प्रस्तावित
 यो प्रकाशनादि प्रस्तावित

३)

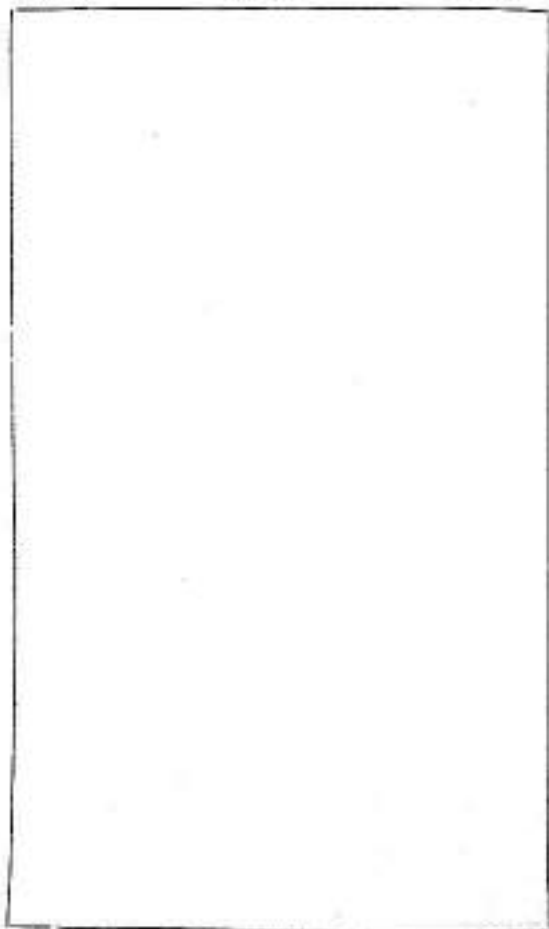
यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि
 यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि

इस प्रकार मनाजान तो है

३

मनाजान तो है
 यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि

यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि
 यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि
 यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि यद्यपि



पुष्पाक्षरं ३३ कीर्तिविशिष्टारविनीकान्तानुदितसम्भव १०३३

राक्षसीपीलांस्वरनीविराजमानदिलाल
 राक्षसीभूषणदार्ढ्यके. त्र्योका. लोकाक्षिमात्मी
 लांजिभस्मलोत्पन्न. किमरा. ३३३३ कोट्य
 राक्षसीसर्वदिनेषुलाभे. मुवा. कि. प्र. लो. नि. स
 कीर्तिकारनारीपद्म. सफर. सन. द. द. का. पे. नि
 ससनीहस. ३३३३ के. म. ग

३३

श्री ग

सेवुग. श्री. र. नि. ना. त. म. ग

३३

राक्षसीभूषणदार्ढ्यके.

३३३३ के. म. ग

३३३३ के. म. ग

राक्षसीभूषणदार्ढ्यके. त्र्योका. लोकाक्षिमात्मी

राक्षसीसर्वदिनेषुलाभे. मुवा. कि. प्र. लो. नि. स

कीर्तिकारनारीपद्म. सफर. सन. द. द. का. पे. नि

ससनीहस. ३३३३ के. म. ग

शकुन्तला पारसनाथ्युर्जनिनकादिदुराका
 येनान्तरवर्तयेपामंनपायकदानवाप्या
 दद्यात्प्रमत्तोस्यार्द्रनेपुत्राभिर्लोगादिप्रमत्त
 धरतीकानकदसदामेदसंनयनदकरार
 भित्तोपाकरणसुदित्सम्बन्धनत्वात्

धरतीरत्नपारसनाथ्युर्जनिनकादिदुराका

इनेपुत्राभिर्लोगादि

२५

२५

शकुन्तला पारसनाथ्युर्जनिनकादिदुराका
 रतीकानकदसदामेदसंनयनदकरार
 दद्यात्प्रमत्तोस्यार्द्रनेपुत्राभिर्लोगादिप्रमत्त
 धरतीकानकदसदामेदसंनयनदकरार
 भित्तोपाकरणसुदित्सम्बन्धनत्वात्

शकुन्तला पारसनाथ्युर्जनिनकादिदुराका
 रतीकानकदसदामेदसंनयनदकरार

शकुन्तला पारसनाथ्युर्जनिनकादिदुराका
 रतीकानकदसदामेदसंनयनदकरार

मुक्तमस्यद्विजपुर

शकसबासत्रा जिज्ञासुराक

इजिप्तकाथिंद सबासपुरद्विजपुर

चतदापमिनी रकोइयनदाप

चोससुद्विज्ञा फागारासुद्विज्ञ

चतदापमिनी सम्बतद्विज्ञ

नाथ

नाथ

नाथ

नाथ

नाथ

नाथ

सोदस्तयनवासद्विज्ञमसुत्रामु

चक्रिकाजिने द्वातोकोप्रज्ञा

संस्पतीनिधोत्तागद्विज्ञाफैरै

जिज्ञासुद्विज्ञाफैरै

राजीनांज्योत्रा धरती गोत्रज्ञ

चतदापमिनी जवलाजीवि

पुस्तकाथिंदलतदी निफागारासुद्विज्ञ

संयोगसमुद्भूत सम्बन्धः

मन्वन्तराद्यर्थे - अविद्या

२४

१५ वर्षांचा बंजर

संख्या संसाधन

घा-रायलाय

क्या

६

अप्राप्तं स्वर्गं विचरन्ति मीमांसो

संस्कृत-सम्बन्धित शब्दाणि

सत्यार्थप्रकाश

हायुः श्रीमन्मन्त्रोऽथैवमिदं कथयामि

संविधानसंशोधनसमिति

आजुलके सारंगमरपठनी ब्राह्मननैज्यरा

प्राप्तिनाम्यसाद्य बुद्धिद्वयसम्बन्धस्यै

विरणमानकिप्रात्यकिब्राह्मणमारफुलम्पन

अनायकानि निमित्तैः
निजमित्राणां हितैः

स्यन्ती मीनी सगुण सुदिद सान राम
 गदन्त नैन्दर जप चूं नौ सौ गनें दर मां दिवस
 लीनुपमा दुतोका सानो नानुपमा रजु मर
 सीता वहु गर सा नौ गेर नु जग मां व्याख्या कीर्षी
 सायुक्तु जंजट जग मां कजरा पत नू जत दाप
 साय रथान्त सम्भवत ५६ ५७ पै करे देव्य कै गुरु
 कमहुयो मुय मफिक निसे नौ वाती को प्रवासे
 स्वर्ती निषो मुकरा दर मां दिवस लीनुपमा ५
 सीता सानो नानुपमा रजु की धरती जंजट
 जग मां कजरा पत नी मा एक सौ ती माली स

१७७

गौन मज कूर कीनुपमा रजु गौन की नयन मुदा को
 की की धा ए सौ खदरा नुपमा रजु की की धा

११६

पयोस

३३

प्रधान स्वती करार मीनी जग मां सुदिद सम्भवत ५६ ५७ मुदा

मसुदिने पुर

महाविद्या निपुण विवेक
 सिद्धी नारायण प्रसाद

ज्ञानवन्तः सगन्धर्वः धरतीकापुरः श्रीमन्निन्दारिजो निर
 जमन्तकसन्ध्यासुदिनेषु मेमिद्वारं गन्धर्वपत्नीनाम्
 किं वास्ते मुख्याः फलकाः दत्तास्ते मेदस्तवतदीयानाम्
 नकारप्रेमी वैसाधसुदिनेषु सान्निध्यम् ॥ १५ ॥
 उपदुष्पीनीगनेद्वारमादिरुपमा ॥ १६ ॥ कासाजीनां गुरुषु
 च सुखीनां गुरुषु कथावैरद्वयानां ज्ञानसूक्त्या फलका
 न्नागनेद्वारमादिरुपमा ॥ १७ ॥ नन्दारिजो निर
 तमां गुरुषु गन्धर्वः धरतीकापुरः सगन्धर्वः सन्ध्यासु
 दिनेषु मेमिद्वारं गन्धर्वपत्नीनाम् ॥ १८ ॥
 नन्दारिजो निरतमां गुरुषु गन्धर्वः धरतीकापुरः सगन्धर्वः
 सन्ध्यासुदिनेषु मेमिद्वारं गन्धर्वपत्नीनाम् ॥ १९ ॥
 नन्दारिजो निरतमां गुरुषु गन्धर्वः धरतीकापुरः सगन्धर्वः
 सन्ध्यासुदिनेषु मेमिद्वारं गन्धर्वपत्नीनाम् ॥ २० ॥
 नन्दारिजो निरतमां गुरुषु गन्धर्वः धरतीकापुरः सगन्धर्वः
 सन्ध्यासुदिनेषु मेमिद्वारं गन्धर्वपत्नीनाम् ॥ २१ ॥
 नन्दारिजो निरतमां गुरुषु गन्धर्वः धरतीकापुरः सगन्धर्वः
 सन्ध्यासुदिनेषु मेमिद्वारं गन्धर्वपत्नीनाम् ॥ २२ ॥
 नन्दारिजो निरतमां गुरुषु गन्धर्वः धरतीकापुरः सगन्धर्वः
 सन्ध्यासुदिनेषु मेमिद्वारं गन्धर्वपत्नीनाम् ॥ २३ ॥
 नन्दारिजो निरतमां गुरुषु गन्धर्वः धरतीकापुरः सगन्धर्वः
 सन्ध्यासुदिनेषु मेमिद्वारं गन्धर्वपत्नीनाम् ॥ २४ ॥
 नन्दारिजो निरतमां गुरुषु गन्धर्वः धरतीकापुरः सगन्धर्वः
 सन्ध्यासुदिनेषु मेमिद्वारं गन्धर्वपत्नीनाम् ॥ २५ ॥
 नन्दारिजो निरतमां गुरुषु गन्धर्वः धरतीकापुरः सगन्धर्वः
 सन्ध्यासुदिनेषु मेमिद्वारं गन्धर्वपत्नीनाम् ॥ २६ ॥
 नन्दारिजो निरतमां गुरुषु गन्धर्वः धरतीकापुरः सगन्धर्वः
 सन्ध्यासुदिनेषु मेमिद्वारं गन्धर्वपत्नीनाम् ॥ २७ ॥
 नन्दारिजो निरतमां गुरुषु गन्धर्वः धरतीकापुरः सगन्धर्वः
 सन्ध्यासुदिनेषु मेमिद्वारं गन्धर्वपत्नीनाम् ॥ २८ ॥
 नन्दारिजो निरतमां गुरुषु गन्धर्वः धरतीकापुरः सगन्धर्वः
 सन्ध्यासुदिनेषु मेमिद्वारं गन्धर्वपत्नीनाम् ॥ २९ ॥
 नन्दारिजो निरतमां गुरुषु गन्धर्वः धरतीकापुरः सगन्धर्वः
 सन्ध्यासुदिनेषु मेमिद्वारं गन्धर्वपत्नीनाम् ॥ ३० ॥

२०१

प्रबन्धसूक्तीकरी रमिती जेठुदिना साधनसम्बन्धित
 मुकामसुदिनेषु

लक्ष्मीपतिरुद्धीरिनीविराजमानव्याट
 मंमिंदरमान्द्रीछटाबटाणीजीमूलन
 म्हागानविहुंठवासीजीसुपादेनागलसं
 हनीकाननोवरणपे

ज्ञातवतनोगठकुसुमोफलेरुविराजिनीविराजमानम
 मंमिंदरमान्द्रीछटाबटाणीजीमूलनम्हागानवि
 हुंठवासीजीजीसुपादेनागलसंहनीकाननोवरणपे
 त्यन्तिवारीमुलाफिकुलाददामनंमंदरसखसदिलना
 धानकरमितीजेसायमुदिनसालसम्बत१८३५
 जपहुंवीजोगेनरीजीनोदुपपाछुनासालीनोदुसुनो
 दुपपाछुकोदोकोदुकमदुकोतोमिगोषश्रीमंदरदुस
 पुश्यामबाजिनपादुकीनागानोसुपादेजेपुकोनोम
 जोरसुधापुपाछादीनोदुपपाछुमेंदुपपाछुसम्ब
 तदुसुयेंसोदुसुबतकरापोथारसोदुसुयतयासदुस
 मपुश्यामुलाफिकवियेसोपुदुनामकेदोतीकोअत्रासुसुय

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

ममोक्तं

प्रत्यक्षं स्वर्गीयं वारिणीकांतीं नृदिदं सम्मानं १८८३

काससर्वादिनेपुर

महोदयने श्रीफतेरुस्वामी विरान्तमानया
ममोक्तं श्रीकृष्णाय नमः श्रीगणेशाय नमः
राजायैकुंठवासीनां श्रीसर्वादिने जगन्मयं
स्वर्गीयं कामिद्वयं श्रीगणेशाय नमः
स्वर्गीयं श्रीगणेशाय नमः

जगन्मयं श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः
जगन्मयं श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः
जगन्मयं श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः
जगन्मयं श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः

आपि सः पादद्वयं मे दत्तं यत्तादृशं नृपतेः कारुण्यमोच्यते
 यः सुदिनसम्बन्धतः १५७ अथ यत्तुं यो नो गौरी रीतिनां
 रूपान्वाजा १५८ करेदनाको नृपमहोत्तमं मे यत्तादृशं नृपतेः
 सत्ताप्राप्ततादृशं पादौ १५९ प्राप्तां सत्ता १६० पुनः १६१
 दातव्यं नृपतेः यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं
 कीदृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं
 कारुण्यं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं
 यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं
 यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं
 यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं

१५३॥

कारुण्यं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं
 यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं

१५४॥

१५५॥

प्रवृत्तं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं
 यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं

यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं

यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं
 यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं यत्तादृशं

नमः शिवाय रत्नमय
 उत्तमदीक्षकीपाठीकहेद-रामलाल
 (२१)

दाकुर श्रीविहारीलालजीविरामनरुद्रसवासवाइ
जैपुरमेंमंदिरदेसरानमहान्तसगानेरकाके

दाकुर श्रीविहारीलालजीविरामनरुद्रसवासवाइजैपुरमेंमंदिरदेसर
जमदाननसागानेरकाकेतमाकनोगकीवासतैमारफतचपनरदसिंध
कीमितीआसोजसुदिदसम्बत१८९९अरनपहोनीपुकमठुवाबरहोले
वसलीगुपपातीनकोइवतदत्तमितीनारदासुदिदसम्बत१८९९मंदनोती
कोपलानूसपतीकरोमुकरानचूतरसवासवाइजैपुरकावेदरदभु
लीगुपपातीनदुःख

३)

परवानोसपतीकरामितीपोससुदिदसम्बत १८९९मुकामसवाइजै
पुर

पेवजतनपदगाइपरसरामपुरानालिकीकसवासवाइजैपुरमेंइवत
दापसाधसालूसम्बत१८७३यैसजीनारुपपाउदुकीपईविदिकारम
नौकातीबुदिदसम्बत१८७३

दाकुर श्रीविहारीलालजीविरामनरुद्रसवासवाइजैपुरमेंमंदिरदेसरानमहान्तसगानेरकाके

एकमात्रविनिमयप्रतिष्ठा
विष्णुनिमेषप्रतिष्ठा

छकुर श्रीविजैगोविंदजीविराजमानकसवासबाईजैपु
रमैमंदरपंचकुलानाकैत्याका नोगकैवासतैनालकतन्वनरदसिंधकीमि
तीकातीनुदिउसम्बत ४८९९ अरणपहोवीदुवाग्दुवा दरम्हाकभूतीगुपपा
तीनकोइसतामितीनादबासुदिउसम्बत ४८९९ दसौतीकोनबानूसफती
निधोमुकराचवूतरकसवासबाईजैपुरकायैरम्हावोचसस्तीगुपपा

३)

पखानोसपतीकरामितीपोससुदि ४८९९ सम्बत ४८९९ मुकामसबाईजैपु
र
पेवततनबाहगांवसुपमोतानिकैकसवासबाईजैपुरकामैशबतरातसा
अस्मानसम्बत ४८९९ मंभाईसालीनागुपपाउदुविरीकरामितीपोससु
दि ४८९९ सम्बत ४८९९

छकुर श्रीविजैगोविंदजीविराजमानमहाराणीरा
गोविंदजीकैमायेविराजेछासोकसवासबाईमैरैमनबोदे
रोदरवारसुवणपविराजमानकिपा

छकुर श्रीविजैगोविंदजीमहाराणीरघुनाथजीकैमायेविराजेछासोकस
वासबाईमैरैमनबोदेरोदरवारसुवणपविराजमानकिपात्यावाजोमभे
वासतैमारफतराजादरम्हापकीमितीबैसाधसुदि ४८९९ सालसम्बत ४८९९

रघुनाथजीमहाराणी
विजयनारायण

रत्नचन्द्रावली नो निगमनं नारद सोढु कुमकुत्ताराजीनामुत्तमपुमिती चेतसुदितु
सम्बत १८९७ चैतनपाहक सवासवाइ जैपुर सीमों जेता कैंदनी नीकोपर
ज्ञानो सपती लिखो मुकरारो जीनहुष पोपेंक

७

परवानो सपती करमिती असाठ सुदि ७ सम्बत १८९८ साल सम्बत
१८९७ मुकाम सवाइ जैपुर
जेन जतन न्याह गात सुषो तानि कैंक सवासवाइ जैपुर कानें इवत दास
यस्मा लू सम्बत १८९७ यैपाई सालीना गुपपा ३९४७ चिदी करमिती पो
स सुदि ११ सम्बत १८९७

ठाकुर श्री बदरीनाथ जी निराजमान कसवासवाइ
जैपुर में देहरे पंचपाती आमैरकाके

ठाकुर श्री बदरीनाथ जी निराजमान कसवासवाइ जैपुर में देहरे पंचपा
ती आमैरका के तपका भोग के वासतें मुनाफिक पाददास तमें दसपतरी
बानपान करार मिती आसो ज बुदि ११ सम्बत १८९८ अरज पदो ची दसा
हात सल्लि गुपपा ४७ चपूतरा कसवामन कूर कर्षे मुनाफिक करवाने सपती
गहरावा के कुंद बासी जी श्री सवाइ इस्कर सिंघ जी करार मिती माद बुदि ११

कृष्णविलासि पद्मिनी दे
निर्गमन राग मारि सु

सम्बत १८८३ वषर् पंचमी तिथि सोदरम्हातो सम्बत १८८३ नाई पापु न्यवपर
वानूसपती राजकोकरात्रोन्नाहे सोदरम्हातयास हुकुम हुताइसतगसम्ब
त १८८८ वषर् पंचमी तिथि सोदरम्हातो वसुली रुपवाच्यार

७

पञ्चमी तिथि करमिती पोसवुदिष्ट सम्बत १८८८ मुकाम सत्ताइ जैपु

पंचतन्त्रादगावदेहीतालिकावसवासवाइजैपुर कर्मि इवतदास
यस्यासु सम्बत १८८३ वषर् पंचमी तिथि सोदरम्हातो वसुली रुपवाच्यार
वुदिष्ट सम्बत १८८३

ठाकुर श्रीबलदेवजीविराजमानकसवासवाइजै
पुरमैनलान्वावागमंदेहेरसामीपोहकरदासके

ठाकुर श्रीबलदेवजीविराजमानकसवासवाइजैपुरमैनलान्वावागमंदे
हेरसामीपोहकरदासके त्वाकत्र नौगकैवासतैमोरपुत्रपुनरदमिंधकीमि
तीच्यासोममुदिष्ट सम्बत १८८३ वषर् पंचमी तिथि सोदरम्हातो वसुली रुप
वाच्यारको इसतगमिती जादवासुदिष्ट सम्बत १८८३ वषर् पंचमी तिथि सोदर
मानोसपतीलिमोमुकरान्वसुली रुपवाच्यारको सवासवाइजैपुरको सोदरम्हातो व
सुली रुपवाच्यार

ठाकुर बिलासिजीविराज
मैनलान्वावागमंदेहेरसामी

५

पारबानोसपतीकारारमितीपोससुदिरसम्बत २५२२ सुवासबाईजैपुर
पुर

पेवगतनपादगमपरसरामपुरातलिकाकसवासबाईजैपुरकामेदकर
तसाभस्वाल्सम्बत २५३३ मैसालीनादुकीपारिबिर्काकारमितीका
तीनुदिर्दसम्बत २५३३

ठाकुर श्रीवाराहजीविराजमानकसवासबाईजैपुर
मैदेदरेपिरोदतसोनाधुनमलकाचंदके

ठाकुर श्रीवाराहजीविराजमानकसवासबाईजैपुरमैदेदरेपिरोदतसोना
धुनमलकाचंदकेताकाजोगकैतासमैमुवाफिकपाददासतमैदसपतरी
मानपानकरामितीपोससुदिरसम्बत २५४४ अरजपहोचोचोदरदति
तसुलीगुपवाद्युचवृतराकसवासबाईजैपुरकामैमुवाफिकपस्वामेसप
तीन्दाराजलैकुंदबासीजीश्रीसबाईस्वरसिंघजीकरामितीमगसरसु
दिरसम्बत २५४५ कासोपावेछेसौरसहासोसम्बत २५४६ ताईपलोअ
खपरबानोसपतीहालकैकरपोचादेसोदसपतपासदुबतदुवाइसतग
सम्बत २५४७ यैपरबानूसपतीकरोमुकरादरमसबोवसलीगुपवाद्या

६

कुवाबिनादिपुठिजिहदे
लिज्मीनारामसिमुपु

हस्तप्रवर्तनसर्गाकरामितीजैबुदिदसासम्बत५८५मुकामकलवसि
वाईजैपुर

पेवजतनपाद्गावकलकपुरातालिकैकसवासवाईजैपुरकामेश्वरदापसा
धस्यासुसम्बत५८३३सैसातीनपुपनाईरुकीपाईनिठीकरामितीकामी
बुदिदसम्बत५८३३

यकुर श्रीवहनीनाथजीविराजमानकसवासवाईजैपुर
रमेदेदरेपंचसितावदध्यामैरकाकै

यकुर श्रीवहनीनाथजीविराजमानकसवासवाईजैपुरदेदेरेपंचसितावद
ध्यामैरकाकैलकानोगकैकसतेमागपुतधनरदसिंकीमितीपरधमजे
इसुदिदसम्बत५८५२अजपहोर्षिकमदुवादरम्हात्रोवसुलीदुगाभाचकौ
इसतगमितीपरधमजेठसुदिदसासम्बत५८५२सैदनीतकोपरधमोस
पतीलिमोमुकराववृत्तकसवासवाईजैपुरकासोदरम्हात्रोवसुलीदुग
भापत्तव

३

वखानोसपतीकरामितीजैबुदि५८५सम्बत५८५२सासम्बत५८५२
मुकामसवाईजैपुर

पेवजतनपाद्गावसुपतोतानिकाकसवासवाईजैपुरकामेश्वरदाप

अज्ञापितानिपिपिपिपिपि
विष्णुमैजराणमैरिपिपि

साम्यसाधुसम्मतः ५८३३ धर्मपाईसालीनामुपपादुनिर्विकारमितीपोस
सुदिरसम्मतः ५८३३

धनुर श्रीवाल्मुकेंदगीविराजमानकसवासबाई
जैपुरमैमिदरदोलतरामविदलएकै

धनुर श्रीवाल्मुकेंदगीविराजमानकसवासबाईजैपुरमैमिदरदोलतरा
मविदलएकैकैत्याकानोगकैवासवैमपतराजादस्सपक्षिमितीकागदा
सुदिरसम्मतः ५८३३ धर्मपाईसालीनामुपपादुनिर्विकारमितीपोस
हावसूलीदुपपादुइवतदाउमितीफागलसुरिउ सम्मतः ५८३३ धर्मपाईसालीना
गकैदगेचवूतकसवासबाईजैपुरकायेंतीकोपरवानेसपतीविषोमु
करादस्सपक्षिमितीफागलसुरिउ सम्मतः ५८३३ धर्मपाईसालीना

५

परवानोसपतीकरारमितीपथमसालासुरिउसम्मतः ५८३३ साम्यसाधुसम्मतः
तः ५८३३ सुकामसबाईजैपुर

वेदमन्त्रपादगांवगोकलचंदपुरातालिकाकसवासबाईजैपुरकामैदव
तदुपसाधुसम्मतः ५८३३ धर्मपाईसालीनामुपपादुनिर्विकारमितीपोस
सुदिरसम्मतः ५८३३

धर्मपाईसालीनामुपपादुनिर्विकारमितीपोस
विषयः भागः

॥ कुर श्रीवनसोय्यजोनिगजाननकसवासवाइजपुसै
॥ ईशरेफाजनावासकाछापाके ॥

गङ्गा श्रीचन्द्रमहाजीविराजमानकसदासपाईजैपुरमेंदेवरैकासदाकाम
 कछाड़ीपाकैष्ठाकाजोगकैवासतैमारफतविदनायकीमितीथासोनमुदि
 उसम्बत५७३अरनपहेंचौहुकमहुवानोगर्जंदरम्भरातेवमूर्तीरुपपाहुइत
 राअमितीनारवासुदिउसोकरदवौतीकीतनपादचनूतराकसनसन्मूर्तीपुर
 कापरकरोतीकेपलानोसपतीकरदवौसुकररादरम्भवौतमूर्तीरुपपातोन

3

परखानोसपत्तीकरारमितीमाहसुदिशम्भृत१८०३सुकामसत्ताईजैपु

पेवजतनपादगावकनकपुरातअलुकाकसवासवाइजेपुरकमेसाप
स्वालूसम्बत१८३३येगईसासीनापुपपाडुनिशिकरमिमीकातीपुदि
रंसम्बत१८३३

धकुर श्रीमहदेवनाथलिंगजीविज्जमानकलनास
नाईजीनुसेमंदरएकिसनविश्रमएगोऽई—

ठाकुर श्रीमहादेववाणलिंगजीनि (जमानकसवासबाईजैपुरमेंमंदिर)

सुप्रसन्नानिप्रादिभिरु
सिद्धप्रतिपत्तिराण्येतिरु

हरिकसन विराट्गणगाय केन कानागा के बास्ते मोरकतल्लन रसिद्धिनि
 तीकातीवुदि ३ सम्वत् १८९९ अज्ञपदेर्नी दुकम दुवा दरम्हो न सुखी दुपादो
 प्रकोइ वतदाप मितीना दवा सुदि ३ सम्वत् १८९९ ये दवीती को पलानो सप
 ती सिधो मुकरा च वूत्तरा कस वास वाई जै पुर का धे दरम्हा नो व सुखी दुप
 पादोप

३

गल जो सज्जी करामिती मग सर बुदि ३ सम्वत् १८९९ मुका मसताई जै
 पुर

महादेवजी श्रीवइ जनाय जी विराजमान देहरे रापणप
 तके

महादेवजी श्रीवइ जनाय जी विराजमान देहरे रापणप तके पावनो गकी
 सासतै मुवा फिकपा दद सत मै द सपत दीवान मान करामिती सवण सुदि ३
 साल सम्वत् १८९९ अज्ञपदेर्नी नो गकी दरम्हा नो करपे नार्हे सो द सपत्ता
 स दुकम दुवा इ सत गमिती नै सप सुदि ३ साल सम्वत् १८९९ ये दसम्हो नो प
 पा ३ को कस वास वाई जै पुर का धे दवीती को पलानो सपती सिधो
 मुकरा जे गकी वासतै चोत्तरा कस वास वाई जै पुर का धे दरम्हा नो दुप पासा
 इजसान

मुवा फिकपा दद सत मै द सपत दीवान मान करामिती सवण सुदि ३
 साल सम्वत् १८९९ अज्ञपदेर्नी नो गकी दरम्हा नो करपे नार्हे सो द सपत्ता

(३१)

परवानोसपतीकरामितीनादवा सुदि ३ सम्वत १८९९ मुकाम सनाई जैपुर

ठाकुर श्रीमहादेव विमलेश्वर की गी विराजमान कसबा
सनाई जैपुर में दर जोसी वध सराम के

ठाकुर श्रीमहादेव विमलेश्वर की गी विराजमान कसबा सनाई जैपुर में मिरा
जोसी वध सराम के पाका नोग के ना सते मार फल अन्न दसिंय की मिती आसो
ज बुदि ३ सम्वत १८९९ अन्न परोवी दुकम दुहा दर म्दस सुली दुपपा दुसी में
जोग के इसतम मिती नादवा सुदि ३ सम्वत १८९९ खेन वृत्त कसना मजूर
कार्ये दो तीको नखानो सपती लिखो मुकर रा दर म्दस सुली दुपपा प्यार

(३२)

परवानोसपतीकरामितीकाती बुदि ३ सम्वत १८९९ मुकाम कसबा सना
ई जैपुर

श्रीवटक नैजी विराजमान कसबा प्यार कायदर
में

कृष्णबिलासिप्रहियठेव
लिखीदाराणामारिमु

श्रीवदकनैरुजीविराजमानकसमान्यमैरक्कादरमेत्याकाशनागकैमसि
 वैभार्यजनराजादरस्दापकीमितीपोसबुदिस्सम्मतपदपउप्यजनरोना
 जोसेवासिबुनाम्यगुनरातीकरैसोनेभक्तप्राप्तोत्तारैसोदुकमदुवादस्मा
 तसूलीदुपपापुदवतदापमितीकातीबुदिस्सम्मतपदपउप्यजनरोना
 कैदयेतीकोपरवानोसपतीकसवासवाईनैपुस्तान्यामिवापलियोमु
 रारदरस्मा तसूलीदुपपापदरा

ॐ

पस्वन्नोसपतीकरमितीफागणमुदिस्सम्मतपदपउपुकास सत्ताईने
 पुर

पेवजतनपादइवतदापसामस्याकूसम्मतपदउपुयैगांषकनकपुरातय
 लुकाकसवासवाईनैपुस्तान्यामिवापलियोमु
 कातीबुदिस्सम्मतपदउपु

शकुरन्नीवाचनगीवमुरलीमनोहरजीविराजमानना
 ववायकाधेजमगनावदातरकामैत्याकाशुप्यजोभने
 यरलीगांवपेपुरातपादवेलीपरगनामजकूरकानुवा
 मित्रपस्वानेसपतीकरमारांयपरवाउप्यजोभने
 ररररररयैपावैमुकणायसीवीस

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 सिद्धार्थनारायणगोविन्द

गणपति श्रीवाचनजीवाया गणपति श्रीमुरलीमनोदरी

३८

३९

रत्नपलानासपतीकारमितीवैसायपुदिच्छसम्बत ५५२ सालसम्बत

मुकाम्भारिजैपुर

गणपति श्रीविजैगोविंदजीगोत्रमलारणपुरदपसना
मलारणकामेंचतरसालराजावतमिंदरवणासोतीरवि
राजमानकिप्राप्ताकानौगकैवास्तमिमुद्राफिकाराददास्त
मेंदसपतदीवानपानकारमितीवैसायपुदिच्छसम्बत
५५२ अरजपहोषीनौगनेचाहेसोदसपतमासहुकमु
वासलीवीप्राप्तामलारणपुरदकीनौगने चर
वदमोतीकोपलानासपतीलिपोमुकरशखलीपान्तरी
वा

५५

पलानासपतीकारमितीवैसायपुदिच्छसम्बत ५५२ सालसम्बत

बाईजैपुर

मुकरशखलीगोत्रमलारणपुरदमगनामलारणकोसीगीनौगकैवा

रत्नपलानासपतीकारमितीवैसायपुदिच्छसम्बत

५६

गणपति श्रीमुरलीमनोदरी
रत्नपलानासपतीकारमितीवैसायपुदिच्छसम्बत

ठाकुर श्रीबिहारीजीविराजमानगांवकुन्नाएपुर
गनासवाईजेपुरसामेंनाकागोनकेनासनेवातीगंलन
नूरबीमुवाफिकपरवानेसफतीकरारमितीविंसापुसुदि
सालसम्बत१८८२ कायेवीयाव्यवनाएवे

५८)

हालपरवानेसफतीकरारमितीसावणमुदिदसम्बत१८८२ सालसम्बत
१८८२ मुकामगाजीपुरोभगनासाहिपुरके

ठाकुर श्रीबिहारीजीविराजमानगांवकुन्नाएपुर
पाषोदगनासवाईजेपुरसामेंनाकागोनकेनासनेवातीगंलन
नूरबीमुवाफिकपरवानेसफतीकरारमितीविंसापुसुदि
सालसम्बत१८८२ कायेवीयाव्यवनाएवे

५९)

वीनमेंपरजाम्हाजाश्रीसवाईइस्वरसिंघीकेकरारमादवापुसुदि
सम्बत१८८० कोठुसोठीसोमासमहोरसुईदुईन्दी

हालपरवानेसफतीकरारमितीसावणमुदिदसम्बत१८८० सालसम्बत
१८८० मुकामलोहागजी

ठाकुर श्रीबिहारीजीविराजमानगांवकुन्नाएपुर

मुजबिलाजिसिंघीके
मिहमीनराणसुंदरिसुमा

प्रसन्नान्वात्मकर्मत्वाकानो गवैवास्तनैद्यतीमं
मज्जकूकीमुवाफिकपरचानेसपतीकरावितीकती
बुदि२३सम्बत२२२२कामैयरीवीया

२३

दशपुरवाना/सपतीकरावितीपोसबुदि२२सम्बत२२२२मुकामसवाईजु

दशपुरबलिजदरणीविराजमानगोवधलूतापरगनाह
सम्बतपाकापुन्यपावतनोगर्भमुवाफिकपरचानेसपती
करातारीध२२मी वाससन्त२२२२कामैयरीमी
मज्जकूकीवीया

२३

दशपुरवानासपतीकरावितीकातीबुदि२२सम्बत२२२२मुकामकसवाई
सवाईजु

दशपुर श्रीवरदराजनीविराजमानकाननी

दशपुर श्रीवरदराजनीविराजमानकाननीवाकानो गवैवास्तनैद्यतीमं
फातराजान्वात्मकीमितिजोबुदि२३सम्बत२२२२सालसम्बत२२२२

सुप्रबितामितीमं
निष्पत्तीवाराण्यमितीमं

सौवरसावरसीपुन्यगिरिदेसपुन्यजन्मनाईनीपुरकापरकरदापलान्की
पुण्यीयविरजनाथमुकरासालीनज्योत्सवादीपुपपादेकसे

५७७

पारवानोसपतीकरारमितीनारवाभुदित्तसम्मत५७७मुकरासनाईनीपु

राकुरश्री ब्रह्मराजजीविराजमज्जकानपीपुरदिषण्णंत्थाकापुजारीभाद्रका
रीमोक्षकुराकानेमाकीतनज्जदमुवापिज्जरावामेंसपतीकेमज्जनासवाईनीपु
परछेसालीनपुपपा५७७सोपापुपपाकीकवजपुन्यदेसकीपदेवेछेतीकोद
धिलोगावनागजीवासतयाहवेनीपरागासवाईनीपुरकामेंहीसोधानसे
पुपपा५७७कोतीमयैसालीनपुपपा५७७सम्मत५७७धेपरचाहरादित्तने
त्तामेकतजवरतपाकीकोदाधिलोकतपदेवोकीज्योतिर्वरपमितीच
सोनभुदि२सम्मत५७७३३सनदहसतेस्वामीगंगाबिसनके

राकुर श्रीविहारीलालजीवदामोदजीविराजना
जगन्नाथराजसरतपागमयाउपरगवासवाईनीपुपपा५७७
त्ताकानोमकैवासनैयसीगांवमज्जकुरकीमुवापिज्ज
पारवानेंसपतीकरारमितीकातीभुदित्तसम्मत५७७
कासोयतीवीया

३३

गुणविलासिप्रसिद्धदे
लिखमीनाराणहोसुख

ठाकुर श्रीनिहारीकासीकीसेना ठाकुर श्रीदमोदरजीकीसेनादेरामसे
हररामनंदरामकोमिसरकरेछोसो रामकोछानूकोपोताबिरामरकरेछो
नालवसहुगोब्यवसेवासंतोषराम सोकालवसहुगोब्यवसेवासंतोषराम
हररामकोमिसरकरेछोसोनीया उदेरामकासेधारामकापोतबिरामरकरेछो

१२५

करैयरतीकीया

१२६

हालपरवानासपत्नीकारमिती दुतीकव्यसाधुबुद्धिसम्बत १८७८ सासलम्ब
त १८७८ सावित्रसूरलक्ष्मी

ठाकुर श्रीनिहारीनीबिरामरामगावब्यसूरपासगा
रदोसाकामेंत्यागाभोगनेमुवाफिकमखानेसपत्नीक
परमितीतारीछटनी ३ कादसनरूपकावेयरती
गावमजूरकीकीयापुसीयोतोले १८ कौसेर डोरे
— यकीरतत्रावपाकरोनीनासोसांछोनायी
रततोमेकूफअरकदखयरतीकीया

१२७

हालपरवानासपत्नीकारमिती चेतुबुद्धिसम्बत १८७८ मुकामसगरी
जोपुर

दत्तकुर्यात्पुनर्जन्मोपायं नृणां
 मन्दैर्देहेस्वामी विजैरामकैः
 पादसतमैर्दसपतनीयानपानकरामितीति चेत्तदुच्यते
 सम्भूतच्छब्दश्चानपदोनीयामितीति चेत्तदुच्यते
 राजमानकसवासनाईजपुरमैर्देहेपंचविंशत्यमराणां
 शकैः पादकानैर्मानैरन्ध्रान्मूलोपपादुच्यते तदा कस्य
 सवाईजपुरकार्येभ्यः कस्य च न सपतीमहाराजावैकुण्ठ
 श्रीजीम्योसवाईइस्वरसिंहाणीकरामितीति चेत्तदुच्यते
 लसम्भूतच्छब्दश्चाद्येपावेष्टासोसम्भूतच्छब्दताई
 पापोभ्यैपरधानोसपतीशलकोईनतरात्सम्भूतच्छब्द
 भैस्वामीविजैरामन्यायनामकरावाको जमैद्वारसो
 दसपतयासदुकमदुवातरवागीस्वातीविजैरामकैनाम
 सपतीकोईवतरात्पमितीति चेत्तदुच्यते
 धैरुपपादुच्यते सलुपपादुच्यते इति चेत्तदुच्यते
 करान्दरन्ध्रान्मूलोपपादुच्यते इति चेत्तदुच्यते

१७

श्रीमद्भगवद्गीता

श्रीमद्भगवद्गीता

श्रीमद्भगवद्गीता
 श्रीमद्भगवद्गीता

पौर्णमासी दशमि तिथि परमात्मिकी करणी छैती कर परमात्मिकी कर
 पावैती वैलिपी

परमानो सप्तमि कर मिती चेत सुदि ३ सम्वत् १८८८ साल सम्वत् १८८८ मुका
 मकसबा सवाई जेपुर

जौ नौ गुरु दशमि तिथि पागार सुदि ३ सम्वत् १८८८ ये बहाल जगत् चवूत
 कसबा सवाई जेपुर का सो देखी कि जो दरगाह सूली न्यसल इलाका गुण ३०

तत्कालीन सदर

दाकर श्री वंसोयजी विराजमान कसबा सवाई जेपुर
 में देवर फजल नवास कारी पाकें ताका नौगर्ने चवूत
 राकसबा सवाई जेपुर का सो मुनाफिक परवाने सफ़ी
 न्धारजा श्री सवाई रस्तर सिंघजी कर मिती माह सु
 दि ३ सम्वत् १८८८ का ये दरगाह सूली गुण ३०

३)

हाल परवाना सप्तमि कर मगसर सुदि ३ सम्वत् १८८८ सरदर सप्तमि कर
 करो सम्वत् १८८८ ये

दाकर श्री वहीरजी विराजमान कसबा सवाई जेपुर
 में देवर पंचपाती नौरे का कें ताका नौगर्ने चवूत

मुजाबिलानि पाठि जैद
 लिखी तारा एम्होरि मुमुषि

कसबासवाईजीपुरवारसोकुवाफिकमरदानसदतम्हा
जावैकुटुबासोजीश्रीसवाईइस्वरसियजीकारमितीस
इबुदिउसम्बत१८३३वायेदरम्हावसलीपुण

३

परवानासपतीकारमितीपोसबुदिउसम्बत१८३३सरहदसप्रतवहाल
सेवजवनगांवदेहीतम्हालुकाकसबासवाईजीपुरकार्मेरवतदरपसाम्हा
लूसम्बत१८३३वायेसाजीनादछुकीपाईबिरीकारमितीकानीबुदिउ
सम्बत१८३३

राकुर श्रीविमैगोविंदजीविराजमानविस्मपुरीमेंरे
हेलालाज्जानीकैत्माकानेगानेचवूतलकसबासवाई
पुरकार्मेगुवाफिकमरदानसपतीम्हाराज श्रीसवाई
इस्वरसियजीकारमितीमगसरबुदिउसम्बत१८३३
वायेदरम्हावसलीपुण

३१

रुतपरवानासपतीकारमितीफागएबुदि३३सम्बत१८३३साविकदस
तुरवदल

राकुर श्रीवाराजीविराजमानकसबासवाईजी

मुद्राविष्णुप्रतिपदिकहेदु
विष्णुप्रतिपदिकहेदु

रमेश्वरपिण्डस्थानाविवृतमल्लकनरकोत्पाकाभोगमैत्रे
 सतैर्मुवाफिकपरागनेसपत्नीकरारमितीमगसरसुदिरस
 म्मन्त्ररुद्रकायेदरम्भवसूलीगुपपाप्यार

५

शालपत्ताना सपत्नीकरारमितीमोबुदिरसम्भवत १८५१ सालसम्भवत १८५१
 सुकामसबासबाईजैपुर

रमेश्वरपिण्डस्थानाविवृतमल्लकनरकोत्पाकाभोगमैत्रे
 पुरमेश्वरपिण्डस्थानाविवृतमल्लकनरकोत्पाकाभोगमैत्रे
 सतैर्मुवाफिकपरागनेसपत्नीकरारमितीमगसरसुदिरस
 म्मन्त्ररुद्रकायेदरम्भवसूलीगुपपाप्यार

५

शालपत्ताना सपत्नीकरारमितीमगसरसुदिरसम्भवत १८५१ सुकामसबा
 जैपुर

शालपत्ताना सपत्नीकरारमितीमगसरसुदिरसम्भवत १८५१ सुकामसबा
 साधुस्थालुसम्भवत १८५३ उद्येदरम्भवसूलीगुपपाप्यार १८५३ सालगुपपाप्यार १८५३
 विधिकारमितीमोबुदिरसम्भवत १८५३

हाकर श्रीविद्वान्जीविराजप्रसादनाथनमुरलेयाहास
 तपादलेलीपल्लासपाईनेपुरकार्मनाकरजोगनेयर
 तीगांमननूरकीमुद्राधिकमनासपतीकरारमितीव
 साहसुदिरंसातसम्बत १८७८ कार्मनाथनेवरसेनानवनी
 गोविंदमतीरामकापुनारिकानामनामेजावप्रदसिनि
 वासमदश्रीगोविंदकाकरैमुद्राधरतीनव

१८७८

हासपल्लासपाईनेपुरकार्मनाथनेवरसुविदुसम्बत १८७८ साविकदस

नदल

हाकर श्रीवरीनाथजीकोमिंदरकसपासपाईनेपुरमे
 संतोषसागरकीपालकीदूगरीपरसाभीमाथोदसविर
 कतवणापोतीदेविराजमानकिस

बावतभोगगणहाकर श्रीवरीनाथजी वाकतभोगमतीमंदरकावनामैय
 कोमिंदरकसपासपाईनेपुरमेसंतोषहाकर श्रीवरीनाथजीकोमंदरकस
 गरकीपालकीदूगरीपरसाभीमाथोद नासपाईनेपुरमेसंतोषसागरकीपा
 सविरकतवणापोतीदेविराजमानकिस नकीदूगरीपरसाभीमाथोदसवर
 पात्याकेजासठेमारफतरपरतनलान वतवणापोतीदेविराजमानकिस

हाकर श्रीवरीनाथजीकोमिंदरकसपासपाईनेपुरमे
 वाकतभोगमतीमंदरकावनामैय

कामिनीपाशासुदिरुसम्पत्तकुरु रत्नलालकीमिनीपाशासुदिरु
 अथनमोदनीनोगकेकमतेदुकमदुवो रत्नलालकेकमतेदुकमदुवो
 सोदसम्पत्तकरापोनारेसौदुकमदुवागो गलेयलीदुनरोकैवमदुकमदुवो
 अथनमोदनीनोगकेकमतेदुकमदुवो कूरकीपाशाकारसम्पत्तकरापोनारेसौ
 रामगठपरावासवाइतेपुरकोनोगकी दुकमदुवापरतीवीयाधुमंदरलाल
 गामुवासीगैनोगकेकमतेदुकमदुवो नैदुगरीकीकमतेदुकमदुवो
 अथनमोदनीनोगकेकमतेदुकमदुवो राउसम्पत्तकरापोनारेसौ
 मुकुरगामादुरावागोविंदपुरावासकोली सपतीविषोसोगनोगकेमुकुरगाम
 वाजतकरामगठपरावासवाइतेपुरको तीवंगमतेदुकमदुवो
 नोगकीपाशासुदिरुसम्पत्तकरापोनारेसौ पलानूसपतीकौरमितीपाशासौजवु
 दिरुसम्पत्तकरापोनारेसौ मुकामसवाइते
 पुर

वाजतनोगकीपाशासुदिरुसम्पत्तकरापोनारेसौ वाजतनोगकीपाशासुदिरुसम्पत्तकरापोनारेसौ
 अथनमोदनीनोगकेकमतेदुकमदुवो नैदुगरीकीकमतेदुकमदुवो
 तोयसामरपावकीदुगरीपरमंदिरसु संतोपसामरकीपाल कीदुगरीपर
 भीमघोटासविरक्तकैलासकैलासवै मंदरसामरकीपाशासुदिरुसम्पत्तकरापोनारेसौ
 मुकुरगामादुरावासकोली सपतीविषोसोगनोगकेमुकुरगाम
 नगानकरामितीपाशासुदिरुसम्पत्तकरापोनारेसौ मंदरसामरकीपाशासुदिरुसम्पत्तकरापोनारेसौ

मुद्राविलगमितीपाशासुदिरुसम्पत्तकरापोनारेसौ
 विजयनगराविलगमितीपाशासुदिरुसम्पत्तकरापोनारेसौ

रत्न चम्पू सन्तत दृष्टि सुखमिसिवा

रत्नपुर

मकुर श्रीवलदेवजी कोमंदरवाराक सवासवाई जेपुर
अमरकागेलामेमाजी श्रीवृद्धनद्वाराजीमदलम्
राजावैकुण्ठवासिजी श्रीसवाईजगत सिधजीकाननोव
पवित्रमानकिपात्वाकीसेवास्वामीनिवारकसरणीति
दंतसलेमावादकाकरे

बान्तनेमानांवापुर श्रीवलदेवजी कोमंदरवाराक सवासवाई जेपुर
रकागेलामेमाजी श्रीवृद्धनद्वाराजीमदलम्हाराजावैकुण्ठवासिजी श्रीस
इजगत सिधजीकाननोवएरपवित्रमानकिपात्वाकीसेवास्वामीनिवार
कसरपजीमदंतसलेमावादकाकरेपाकेवासतेमुवाफिकपाददस्तमेंद
मतदीवाजमानकारमितीफागएमुदिहसन्वत१८८९अरजपहोनीजोग
नेगाववैनाभ्यावाकातपाहोलीपरगनासवाई जेपुरकोतवासिवाजी
मसूखीपुपपाद१८८९तुनानोमतगेरपेसकसन्वतगरीकामुवाफिक
करदपरगनासवाई जेपुरकोतओदवाहाराकीकैपुपपाद१८९०तीकीमुकररा
तनपुपपाद१८९०कोदवतदपसापुनन्दासन्वत१८९०मेंवतदेवाको
हुकमुहोतीसोदसपवकरागेवाहोसोदसपतपासहुकमुहोपामुवाफिकनि
मेंसीगेजोगकैदनेतीकोपरगनीसपतीनिधीमुकररागावमजूरतननेम

सुभाषितप्रतिभाप्रियदेव
विष्णुनारायणसिंह

भगवद्वापसकसम्पन्नपरीसुवातसलीरुपपादपुष्पकोटिक

परबन्धोसपतीकरारमितीकागणसुदि २५ सम्बत १८८५ सुकामसनाईगु

ठाकुर श्रीवलदेवजीविराजमानविराजन्जीमेंमिद
रसामीदरीदासननोवाणो

नारवतभोगदिसागानठाकुर श्रीवलदेवजीविराजमानविराजन्जीमें
मंदिरसामीदरीदासननोवाणोत्पकोवासतीमुवाफिकपाददसात्मोवस
पतदीवानपानकरारमितीकागणसुदि २५ सम्बत १८८५ न्ययजपरी
वीभोगमंगोवसूरुपपुरतपापात्परगणसवाईजीपुरतननोमवगैरद
सुवातसलीरुपपादपुष्पकोटिकसोफालसेतेनवसलीरुपपादपुष्पकोटिक
वतदणसम्बत १८८५ सेकरदेवकोटिकमदुवीसोदसपतकराजेनादेसो
दसपतपासदुक्रमदुवासुवाफिकलिमेंसोरोभोगकेदनीतीकोपरवानोम
पतीलिभोमुकरागोवमजकूरतननोमवगैरद सुवातसलीरुपपादपुष्पकोटिक
मयोदिसोवनवसलीरुपपादोपमैसागणवदनाणसे

२५५५

परबन्धोसपतीकरारमितीकागणसुदि २५ सम्बत १८८५ सुकामसनाईगु

मन्त्रविष्णुमिष्टिजदेद
विष्णुमिष्टिजदेद

श्रीविजैनाथजीविराजमानदेवयरापिरेस्तविस्मदत
 सिवकाकामदेवदल ताकेवासतेमारकतरापरतनल
 लकीमितीमगसर बुदिहसम्बत२५३८ अरजयहेनोनीमि
 अरिकागोपुकारेदवापरगनादोसाकोतननोमसगरिदमु
 ममुपपादुराकोकरदेवकोहुकमहुकोसोपरवानोसप
 तीनादसपतनरागोबादेसोहुकमहुनामुनाफिकालिपेई
 वनदापसम्बत२५३८ अरदेवोतीवोपरवानोसपतीनिपे
 मुनाउमगोपुकारेदवापरगनादोसाकोतननोमसगरिद
 सुमापुपपादुरतीदे

३९००

श्रीविजैनाथजीकानोगुरुदरपाने पिरेस्तविस्मदतसिवकाकामपव
 सपतरनेदन्वासतेरुपपादोत्रहमा लमेतदिकतनमुपपासोतास्

५९००

२०००

परवानोमपतीकरामितीमगसर बुदिहसम्बत२५३८ मुकामनृपे
 ताम्बापतरकरामितीनेवबुदिहसम्बत२५३८ मुकामसदाईनेपुरवाकत
 जोगादिकगोवश्रीविजैनाथजीविराजमानदेवयरापिरेस्तविस्मद
 तसिवका कामपवलनेनोमारकतरापरतनलालकीमितीकागरसुदि

मुनाबिलरजिप्राभेदे
 मोछमीनाराणमोरिमु

सप्तमस्तुतुष्टुभरजपदोन्नीमोगावकणैरदापरगनादतासाकौतनने
 मत्तमैस्सुमारुपपाठरुकोमुवाफिकपरकनेस्यतांकेरामितीमगसर
 बुदिहसम्पतफुडदवागैपावैच्यनतमापतरकरदेवाकोदुकमदुहोसोदम
 मत्तकरापोन्वादेतीसुपरमावाठामोवकाणैरदमगनादरोसाकौतनने
 मत्तमैदसुमारुपपाठतीस्तेकोसीगेजोमदुदिककोभरणदासिल्लदवासे
 वरकोनिजोप्रभरतवरपनोपरबानोमतमप्रपुनोदहीतामापरस्ती
 सावमेगुमहदोफलावपसिल्लोकास्सुदतापरवतांचपेनुपानिबसुमार
 वेनरागनरकंपातपावचंरररिवावरोतापमुक्तभगावमनकूरतननेम
 मगिरदसुमारुपपाठतीस्ते

5/10

श्री गौरीगुरुदत्तसिद्ध विरोदविसनयलसिद्धात्मने
रत्नदन्तासत्तेरुषादोपद्वार यन्नेलदिकुलनृपशास्त्रोत्तमै

2044

५५७

मुवाफिकानाददासतमेंदसपतरापरतनलालसदीवान्धानतामापतर
कतपुमितीसर

अनुत्प्राप्तिमैनाथजीविराजमानगोचरयनपर
तपर

सुभाषितानिप्रणिबेदे
लिखमानुराणभस्त्रिमुप

नमोऽस्तुते श्रीविजयेनाथजी निरातमानगो वरचयनपावनपरत्वासां नमस्के
वासवैमात्फलराजाहस्तानकीमितीमगासरसुदिपूरसम्बत१९८३अश्ल
षट्चौजेगकोरोनीनापुर्णप्रसूरीशुक्रतिथिपादपरगामापोदरीपरमुखा
फिकसनदीचावीकरामितीजेलमेंछे

समस्तकारमितीर्नैसाध्यमुत्तिष्ठसन् सन्तद्वत्प्रामितीमाहमुत्तिष्ठसन्

तन्मध्य

गण्डर्व

मधेगावपुस्तानपुरपरावाभमजकूरकाउपेतापुपपाउपुकाइजोइस
तमुलीनामपुस्ताननंजारीकेकरीतनधाहमेछेमेव्यवमुवाफिकफरद
हकीमतीकेगावमजकूरइवतहापुस्तानतददरुमेतननोमजगैरहसुभा
नसुलीपुपपासातमेव्यावकीमिमाहदीतीकोपरकनोसपतीकरपेत्वाहेस
हुकमहुवापस्तानोसपतीविधोमुकरशरोर्तानावमहलीपुपपाउमुकरश
रस्तपकारेमहुवादितीसागुएतीसाकारोनदवाकीदिनहुवाहकासाती
नापुपपाउपुमधेगावमजकूरतननोमजगैरहसुबादरीवसतजेक

परवानासंपत्तीकरणमितीमागसरवुरिउसम्बत१९७४मुकामसवारमै

पुनः

श्रीविज्ञानेश्वरजीकोमंदिरवाक्यांगानुक्रमपुरपातम्याले

बैकसभासभाईनेपुरकार्मेवैरगदीकारामबहाडी

मन्त्रादिना निप्रविष्टे

लिङ्गमित्रावर्णनसिद्धिः

चावतनागचरिद्वारा श्री विरजे सुखी के प्रेम दरवाना गागा जगद्विजय
 तन्नालु के कसबा सवाई जेपुर कर्म बो दारा निरात्मन एषो त्मा के ना सने मुन
 फिकारा दास न मे दसपतरी नान पान कतरा मिति जो नुरि उसाव सम्मत १८९९
 अथवा फो नी जोग सा भि द नै यरती गां तु न न कू की वी या १८९९ इ व न दा स
 अस्वा लू सम्मत १८९९ उ मे क र दे वा को टुक म दु वो सो द स प त क र भो चा रे सो द
 सम्मत आ स टुक म दु वा मु वा फि क लि घे द नो ती को ज व लो स प ती वि धो मु क ल
 यरती बी या

१८९९

जोग नै यरती बा ज कि स त फे र्ना का र वा ना ना ग क ल्प स्त ने बी या

क मे न मे जा गु प त १८९९ मे नी या १८९९

१८९९

स मे बी या

ना ग ने नी या

या ग का य ल मे न

२०

२०

ज कि स न फे र्ना

का र क मे न मे जा गु

प त १८९९ मे नी या

१८९९ स मे नी या

३०९९

पू र वा नो स प ती क र म ति ती जो नुरि उ सा ल स म्मत १८९९ मु क ल स व ड
 जे पुर

मन्त्रा विज्ञान विज्ञान विज्ञान विज्ञान
 विज्ञान विज्ञान विज्ञान विज्ञान

ठाकुर श्रीविराजलोचनजी विराजमान विराजमानजी में
मंदिरानसंभू सिखगोत्रावतकी बहुरोप कणापी

चावत जोगदिसारांगल ठाकुर श्रीविराजलोचनजी विराजमान विराजमान
नजी में मंदिरानसंभू सिखगोत्रावतकी बहुरोप कणापी तर्क कासने मुत
मिक पद्धदासत में दसपत दीवाना करार मिति माद बुदि १५ सन्वत १८५५
अहमद हीबी जोग जोगावत मती पुरावा सगोने रत पामो ह मगना सवार्
में पुरन गौद कातन नवसूली पुपपा १७७७ काई वतदा पसावन नरा लु सन
१८५५ में नर देवा कौदु कम दुबो सौ दसपत करार पो न हो तो दसपत पास
दुबम दुबामुवा फिक लिखें देवाती कौपर बाने सपती लिखो मुकरा गवरा न
जी पुरावा सगोने रत पामो ह मगना सवार् न पुन गौद कातन नवसूली पुपपा

५७२७

गोवमल कूरतन नोम नोम गौद सुबावसूली गोवमल देवा परगना चावसूतन
पुपपा १७७७ काई वतदा सपुरा नौ नौ नोम नोम गौद सुबावसूली पुपपा
ती कदीतन नवसूली पुपपा १७७७ काई वतदा २००० मगना सवार् पुपपा
१८५५ काई वतदा नवसूली

६३७

परानो सपती करार मिति कागार बुदि १५ सन्वत १८५५ मुकाम सवार्

मजाबिला जिन ठीक है
निजमी नारायण

नामज नो गन मेर गावडा कुस्त्री निहरी नी निराजमान न्यानी मारिरुस्दा
 सवाई नै पुरमुत सिपह वाम्हन कै नवो वहापो मिती नो सुविह साज सम
 १८६८ नै निराजमान कि माया कै वास वै मुवाफिक पार दा सत मेर सयत
 दिवान नान कतर मिती गादना नु रिह सात सयत १८६८ ग्यरज प दो
 श्री नो गज न सव पो सव व गैर का प र व मे गा न त न सली गुप पा १८७७
 का क र व को दु क म दु वी नी मे गा न नै राम पुर वा स द ता न ता त पा ह वै सी
 क र प र ग ना स वा ई नै पुर व गैर का ड न त दा प नै ल मेर सयत न क र लो च
 दे सो र सयत पा स दु क म दु वा मुवाफिक लिखे स गी नो ग न गैर द कै द नो नी
 को प र व नै स प ती लिखे मुकर न गां प म ज नू र न गैर द ता नो ग न गैर द सु
 थान सली

(२६६)

गाव नै राम पुर वा स द ता व ता त पा ह वै गां व पर द गां न प र ग ना चा र स न न
 ली न गैर प र ग ना स वा ई नै पुर व मुवा नो ग न गैर द सु वा व सली इत र प

१९१२

सम्वत् १८७७

गां व म ज नू र इ व त गां व वा रा गू त
 रा प स व स्या नू पा धी ह त न नो म
 सम्वत् १८७८ थेंदु व गैर द सु वा गु प पा

१९६७

पपा
 १९०९ व न दा प स म्व त
 १९७७

१९१२
 लडा खिता नि पा धी नै र द
 लिखे मी न रा ए म् गी म् मु

याज्ञिकविधि

परवानेसपतीकनारमिर्वाफागएवुदिपसम्बत १८७५ मुकामसनाईजपुर

यकुर श्रीविजैगोविंदजीनगैरहविराजमानकमनाम्न
 ईजैपुरवैभजीकाबाजारमेंमंदिरमाजीश्रीसातवाजतनी
 श्रीजीमरहलपराजवैकुटवासीजीश्रीसवाईजगमिंद
 जीकान्तवैभनामो

वाकतनोगमानकेनासनेमुवाफिकन वाकतनोग्याकुडाकुरश्रीविजैगोवि
 रदासतमैदसपतदीनानपानकारमि दनीनगैरहविराजमानकमनासवा
 तीदुतीकसावणवुविदसाजसम्बत २००५ पुरवैभजीकाबाजारमेंमंदिरमा
 वरहलपराजवैकुटवासीजीश्रीसातवाजतनीजीमरहलम
 दुपमाहुकासातीनावसुकोदुपमा शराजवैकुटवासीजीश्रीसवाईजग
 कपुरमैगावमुकुदपुरेधुरदपुरा नसिंदजीमाकेत्याकैवातनेमुवाफि
 वाचावसुतनोमवगैरहसुवावसु कपाददासतमैदसपतरीवानपान
 लीदुपमाहुकोमैगावमुकीनालवि कएकितीनादवासुदिउसम्बत
 रावमएनवतइलंगकेनदिकीसेमी फरउअरजपहोचैजोगमैगावमुकु
 लमीकरइवतदणसाधउन्हासुसम्ब दपुरेपुखनगानावरसुकोवनजोन
 कएएवैमोगमैकरहेवाकोदुकम्ब वगैरहसुवावसुलीदुपमाएदपुरे

बुजानिलानिप्राप्तिहेदे
 विष्णुनिराएरहिमुकामि

हुवा सो दसधन कर सो नई सो दसधन सुवाकि व परवाने सपनी म्दारा जावे
 यास दुकम दुवा मुवा फिक लिखे सींगी कुंत बासी जी श्रीसवाई जी सिंदनी मर
 नोग के दे गोती को परवाने सपनी लिखे रमिती नाद वा पुमि न्सा लस म्नु न्द
 मुकरा गां पमन कूरत नो म न्गैर दे लै पावे सो दसधन कर सो नई सो दस
 सुवा लस ली गुप पा पे के द न्द न्द वा स व सम्वत फर द्वा ई मा पे ल्य व र्द गा व की

५५५
 ल्हा कूर श्री विजेंगे म्दारे वी श्री मुय कन नो म न्गैर दे सुवा लस ली गुप पा पे के द न्द
 सिंदनी रो जी ना पु र रे सुखी रो जी ना पु मं ई क्ता हा प स म्नु न्द न्द र्द र्द र्द र्द र्द र्द र्द र्द र्द
 पा व न्द क स ली का स ली ना पु म्द दुव म्नु न्द सो दसधन कर सो नई सो दस
 ना पु म्द पत या स दुकम दुवा मुवा फिक लिखे सींगी

५५५
 नो ग के दे गोती को परवाने सपनी लिखे नो ग के दे गोती को परवाने सपनी लिखे
 प स नो स पनी क्ता र मिती ना द व ल्द मुकरा गां पमन कूरत नो म न्गैर दे सु
 स म्नु न्द र्द
 गा व वा स ली गुप पा पे के द न्द न्द वा स व सु ली गुप पा पे के द न्द न्द वा स व के

५५५
 वा द प स नो ना व ल्द सो मुवा फिक पर म्दारे वी श्री मुय म्दारे वी श्री मुय
 वाने स पनी के मुग ल्द स म्नु न्द र्द
 र्द
 दुप पा पे के द न्द न्द वा स ली ना पु का स ली ना पु
 क क द स दुप पा व द स

मकरदुवाग
 सिंदनी रो जी ना पु

५६३

५६३

परवागोसजीकरारमितीजोसुदिउ

सातसम्बतरचर्चमुकामसवारजो

पुर

ठाकुर श्रीविजैगोविंदजीविराजमानकसवासवाइजो

पुरतरफरामगंजकीमुनसिलफूटापुरकेत्याकीसेवाआ

नदीलालश्रीमानकविराजमाण्डेलवाजबेदकोता

के

चावतनोगांमसाकुर श्रीविजैगोविंदजीविराजमानकसवासवाइजोपुरमेंत
रफरामगंजकीमुनसिलफूटापुरकेत्याकीसेवाआनदीलालश्रीमानका
विराजमाण्डेलवाजबेदकोताकीवास्तवमुवाफिकपावदासतमेंदसअर्दी
चावमानकसमितीअसाठबुदिदसातसम्बतरचर्चमुकामसवारजोसुदि
गमेंदुपकोआतीकीसत्तातावसूतीमुपपूछामेंगांव श्रीजोहरवलभपुरा
वास्तवसपरमानावावसूकोमोमैररोवसतइवदशपसायस्यासूसम्बत
चर्चमुकामसवारजोकोहुकमुहोसोदसपतकणजोबहिंसोदसपतप्रसम्भ
गरोमीमेंहोपहुकमुहोवावसूवाफिकलिथेसीगोमोमैरकोदरोतीकोपरवानोस
नीलिथोमुकरमाणगवमजकूरमोमैरदरोवसतपके

छनाबिलाजिपुजिनेदे
तिरामनाराणमहिसि

परब्रह्मोत्पत्तीकारमितोऽजस्रश्च बुद्धिर्द्वैतसत्त्वसम्पन्नः ॥ मुक्तामसवाङ्मयं

5

एकुर श्रीधंकरदेवगुर्जरविराजमानकसवासवादेनैपुमं
मुतसिनसरदइरोपीके

[illegible]

मन्त्राणि तानि पठित्वा देव
विष्णोर्नारायणस्य मुखात्

कलरनितीमाप्रसुदिप्रसम्बत सकाकेसालीगारुपप्राप्रमकुमर
रुद्ररुद्रोनीगारुपप्रा सीतजेल

३

पौसवमस्तुने

पाकुरजीने दुकरालीजी

दत्त

दरमूरतर्नेजी प्रमुकहा

गीशप्रकापुप्राप्रमकुमर

बादिपुप्रा २७

कसरका रत्नालीका

२७ २७

ककीपुप्रा

२७ २७

सजप्रमसीगजकु

मिल ३७ ३७

कीमती

२७ २७

कुन्तालीगज

२७ २७

पारबोबायरोमज

२७ २७

मज्जाबिनामिप्रमिनेद
लिधर्मनाराण्णोरम
लि

अन्तरं रूपकं दुपान्तरं

अन्तरं रूपकं १५००

साधनं कचली

१०० १००

दशमं दुपान्तरं

१००

१५०

मनमैकसंज्ञां मनमैकसंज्ञां

१०० १००

जामाकं कचली जामाकं १५०

१०० १००

१०० १०० १०० १००

१०० १०० १०० १००

१०० १०० १०० १००

१०० १०० १०० १००

१०० १०० १०० १००

१०० १०० १०० १००

१०० १०० १०० १००

१०० १०० १०० १००

१०० १०० १०० १००

१०० १०० १०० १००

वास्तवीतीला तु तु गी रा म्पु त्तो

तुरी आत्मी गम्पु त्तो नाना

तु तु मासा तु रतो

रतो सा रका प्पु त्तो रका प्पु त्तो

मुकरा म्पु त्तो

तु तु

दत्ता ई तु रत

न तु मुकरा म्पु त्तो

तु तु

साजक सप्तम

उदत्ता मुकरा म्पु त्तो

मपु

तु तु

नाना तु रत म्पु त्तो

मपु

नाना तु रत म्पु त्तो

नाना तु रत म्पु त्तो

नाना तु रत म्पु त्तो

नाना तु रत म्पु त्तो

नाना तु रत म्पु त्तो

नाना तु रत म्पु त्तो

मन्त्र प्रदीपिका
लिखित नारायण मन्त्र

सागि कावला बामरा फेल

May 1950

रसगङ्गाधरपात्र

करदा	चुनाव
------	-------

आन्ना चमनदेकरनेस

समाप्त

काचलीनेगोखाम सवाभायगवने

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

गुणकालः ५५५

9 315

सजस्यत्वाकौमज

संस्कृत-विमर्श

12/11/18

कस्तुरीरोगः - कस्तुरीरोगः

8. $\frac{1}{2} \log 2$

दो घटी नई रजाई नई दो घटी नई रजाई

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1997

रामानन्दमुखा	नर
५०७५	७७
साही	कसन
५०८	७८
बाग	उपलब्ध
५०९	७९
रामानन्दमुखा	
५१०	

गोसावलीने	दरफाईगजदल
गजदलनमान	रामानन्दमुखा
मासादुरतोली	५११
शुभा	५१२
५१३	५१४
५१५	५१६
५१७	५१८
५१९	५२०

कोरसुनेदरीगज	नौरनसाहीसही
५२१	५२२
बाग	उपलब्ध
५२३	५२४
५२५	५२६
५२७	५२८
५२९	५३०

मन्त्रविनामन्त्रिप्रोहे
विष्णुमन्त्रराणसोहिम्नि

१५५

वधरा

रत

चमन छुट्टुदलो

लासुका सुखमु

करन

दुख

मसूरुगन

वायरा तकिषा

अ

नमनी

अ

रसम सुख

अ

अ

राजसपेद सरहो

गज उछुलतो लासु

मुकरा सुख

नदी

सीलीसपेद गज

मसूरुवायरा

रहीन

मुना बिलानि पछिने दे
निछुमी नाला म्हासिम

गुमुकु

५७

गैराकालीनगन दसपदगुगने

गुमासागुमुगु गन गुमुका

७

७

गजपरीनगन

गजपरीनगन

गजपरीनगन

गजपरीनगन

गजपरीनगन दुकागनगन

गन गन गन

५७

गजपरीनगन

गजपरीनगन

गन

गजपरीनगन

गजपरीनगन

गजपरीनगन गजपरीनगन

गन

गजपरीनगन

गजपरीनगन

गजपरीनगन

गजपरीनगन

गजपरीनगन

गजपरीनगन

गजपरीनगन

गजपरीनगन गजपरीनगन
गजपरीनगन गजपरीनगन

इति धर्म

ॐ नमो

श्रीगणेशाय

सर्वभूत

ॐ

भगवते

नमः

ॐ

रामायणमुक्ता

नमः

ॐ

गान्धारीगणेशाय नमः

पद्मसुन्दरगणेशाय नमः

नमः ॐ मुक्ता रंगमङ्गल

ॐ ॐ

श्रीगणेशाय नमः

ॐ रामायणमुक्ता

नमः

ॐ

श्रीगणेशाय नमः

श्रीगणेशाय नमः
श्रीगणेशाय नमः

५११००

सन्ध्याने दुर्गादराष्टमुक

७७ ७७

७७ ७७

पञ्चमने पिञ्चमने

७७ ७७

समतेजनामच्यसदृश

कामददोकास्तीका

आनाआना

७७

सोदवतलपसधमजकूर्येससिल

लोवादीज्योदसलसलनंदतसवमत

निज्योपांनमजकूर्येससिल

च्युतीकीतनवसुलीपुषपास्सल

सुकरजयागीर्योसधनविहकासा

लीलावसुलीपुषपा

७७ ७७

वाससायें

पंचमनकदीपुनदेस

अज्ञादिलानिफिमहेदे
लिछमीभाराण्णरिमम

कामोपलब्धिमाप्नुते

वदन्त्यापस्यालुसमे

तत्तत्तद्वैप्रात्यसत्

ते

निधिकारमितीमाप्नुते

रघोः निधीनदाल

गोवदिसपुरीका गान्धिसनपुत्र

स ईश्वरपापेन नास्तपाव्याक

परानासवाइने सतपाव्योदपी

पुरकीयतांवायी रतीउदिकइना

रघुना रि यानमदीनधीवीया

से इत्यमथोचंर रघुनीकीतनमु

नेरपथ्योकीवी नाफिकपररुकी

कामुनफिकफ कतीकैतनवसुती

ररुकीकतीकैत दुपथा दुपमुक

सुतीररुकीकमु जग्रीर

कसाजग्रीरपोर

पञ्चोदकासली पौसाथ समवेज

नामुपवाचरुदु कामाली नमस्व

मयैवुत्था नानुपपा नमीचाह
 १६००७ अन्तर्दुर्गदीकाया
 बालसंगीतेन मेसागोर अलीका
 तनयादंगवर्जिते ७८७ सलीगा
 दत्तपुत्रापातना पत्नी
 पावसुक्तमेश्वर ७
 दत्तपुत्रापातना
 सगतात्तुर्धन
 इतीसुपातमेन
 हसितामाकले
 किन्तुविदितार
 मित्तीगाहसुरिद
 सन्तुष्टपत्नी

तनयाह्नकरीपोसव्यवगिरिद्वयकुर्या
 चक्रेसुखीनिर्णयमानापीडासरवी
 कर्मेनिदर सोमोसायनकगेहसवीनके
 दारपुत्रदेसकसोमुक्तपिकहुकमश्री
 हजूरकैपावैसोपोसायनकगेहसवीनके
 नावसलीरुपनाअन्तर्दुर्गदीकाया

सुखीनिर्णयमानापीडासरवी
 किन्तुविदितार

विपरीतगण

मोसाधकामूरुन

यकुरनीन दुकतनीन

१ २

दरमूरुनगोशठमुकर

मजोशरकामुपचारक

बारिदुपचा ३

कमलका दवालीका

७ ८

वापीरुपचा

९ १०

सातजन्तुसीगन

दरमूरुनगोशठमुकर

मुकलकीमती

११ १२

कुज्जाजरीगन पारपोमामराने

१३ १४ गनकुलरगन

जामाने दूषटाने दवालीका मुक

१५ १६ १७

मुकलकीमती

१८ १९ २०

संज्ञिक कावली कावली

१५५ १५५ १५५

दरगात मुकदमा मुकद

राम

१५५

जननेनकससला कोरसुनदरीगज

म १५५५ कावली

नामाका कावली जाम्नी इपुटी

कसतर गज कावली दस्त

दस्त १५५५ साविक बायरा

उपरणी पाग १५५५ दस्त

१५५५ कावली फीटो

दरगात मुकदमा मुकद

कावली कावली मुकदमा

नोना मुकदमा

मुकदमा

कावली

बादलो तोला मुकदमा गोरा नानसी नोना

तुरो जाली इनगमा ताबुरा

३ ३३३ तोला कावली

मुलावित्तानि सधिनैद

निछमीनारा एका मुकदमा

रत्नोला शुक्रात्म सुकरम

सुकरम

१७७

दरमद सुदरम

सुकरम

१७८

साजकसुसगन

उदरगसुसगन

१७९

तनविकसुसगन बोरसुसगन

गम सुकरम

जामाने पाग जामाने रूपतो

दरमद सुदरम सुदरम सुदरम

उपरणी रूपतो सार्जिद उपरणी

१८० सुकरम सुकरम सुकरम

सार्जि काबली बाबरा फौरी

१८१ सुकरम सुकरम सुकरम

दरमद सुदरम सुदरम सुदरम

करणी सुकरम सुकरम सुकरम

उपरणी सुकरम सुकरम सुकरम

सुकरम सुकरम सुकरम सुकरम

सुकरम सुकरम सुकरम सुकरम

शुक्लपञ्चमस्तु

ॐ

ॐ

काचसीनेमौताग मस्तूयाहर्निश

जन्मदरकाचुके शुक्लपञ्चमस्तु

ॐ

ॐ

मानसाकोमल

हृदयकीमतीपुष्प

ॐ

कलंदरोगान तन्मनेनकमस्तु

ॐ

रोषीने छत्रने रोषीकरजारकर

ॐ

हरगजमुकरण ने

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ श्रीगणेशाय नमः
विष्णुमीनाराजहो देवगुरुभ्यो नमः

गणेशकान्तलीनिर्गम्य हरषाद्गम्यसुखं

बुधवर्तमासाशुभे रागजल्लुमुनश्च

गोलाकाफर मुक

रत्न — रोचनी मायरा

पान

10/1/19

कोरसुन्हुगिज मेरुसुन्हुसारीइ

॥ अङ्ग ॥ नैगम रहस्यम्

पाप-उपरणो गजमुकुटम्

पेटा सागर

मायरा

वञ्जतः शुद्धदत्तोऽयं

शुभाचलमुकरज

समूह व्यापाराने अर्थ

5000

किप्रमीनाराण्डोसिम्होमि

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

योगेश्वरं नमस्कृत्य

ॐ नमः

बाल्ये

ॐ

दरभक्तं नमस्कृत्य

ॐ

शान्तिपदसारथी

गमनं नमस्कृत्य

मुक्तशब्दं

ॐ

संलोकपदं गमनं नमस्कृत्य

ॐ नमः

गमनं नमः

ॐ

नमः नमः

उपलब्धं नमः

ॐ

योगेश्वरं नमस्कृत्य

ॐ

नमः नमः

ॐ

इष्टं नमः

ॐ

नमः नमः

ॐ

दशमस्तुतुनरः

॥

कोटपूरीगद्य भासोपूरीगोत्र

॥

नमो वाग मुरी जामरी

॥

उपरणे पीरो हरनोलादका

॥

साधने रूपगे मुकरा

॥

यादने

॥

वज्रचक्ररत्नोला

॥

मुकरा

॥

गोटाकालीनेग दरपाइतुराजिका

॥

जन्म मासावला मत्त मुमुक्षु

॥

साजमेरीजमानका

॥

मत्तकालमुकरा

॥

जन्म मासावला मत्त मुमुक्षु

रत्नोदय

चादर चादर की चुकरीन समागम

गम रत्न

रत्न

चादर तकिजे बगलाने

गम

रत्नोदय रत्न

रत्न

रत्नोदय रत्नोदय गरीनु पदरग

रत्न

गरीनु पदरग

रत्नोदय रत्न

रत्न

रत्न

रत्न

रत्न

रत्न

रत्न

रत्न

रत्न

रत्न

रत्न

रत्न

रत्न

रत्न

रत्न

रत्न

रत्नोदय रत्नोदय रत्नोदय रत्नोदय

450

जालरीबंगलाकी पोसनगलाकोप

प्राज्ञानादरं दशगजहस्तम्

यजनरकाष्टमुक्तरगजमुक्ता

31

5

योग्यता नैसर्गिक

पुनः प्रारम्भः

गणेशमुकला

अनुराधा नगरे

रुमभा

— 5 —

दरमजाने इस्तेमुदरमजमुक

5

पशुबाने विनाराने

5 13

सुनाम्बिकाभिरुद्रिबोद्ध
स्त्रिधर्मानाराण्यहोरिक्तम्

सप्तपञ्चनमस्तु
 कायनरहोकादी
 तीकाप्रान्तप्य

॥

यास्तसाद्वनतदास्तसाधस्यान्वसम्भन
 पदभूतयेवेवजगतीगोवविस्मपुरी
 वास सीमा कौरुतपायोदपरम
 नासवाइमैपुरकामेजागीत्पाइमाली
 नमस्तु

॥

विरमपुरोवासी गान्वकिमननुपु
 अरातपायोदी रदवास्तकात्पा
 यरतीवीमात्तु सतपायोदीवी
 तीवीतनवस्तु वात्तुतीवीत
 पुपपा न

॥

॥

सोपेमापनगौरुकासालीनाकोइ
 कादाप्रमितीनादकासुदिउत्तमन

कुनावितानिपुष्टिमेद
 विष्णुमीनाराण्डहारिमुद्रा

नरकदण्डयमास्तसाकरीनिधिका
मितीफागएनुदिरदसम्मत१७७३
सालीनानुपपा२२००००

२२००००

सालसेवृत्तापतदेसप्राप्तिभो

महादेवजीश्रीबीजनाथजीकोमिदरकसवासनाईगंपुर
आमोस्फागेलाकैमुतसिलमिसरस्तेनासुअएकलागकैगएसेनारा
गएसेनारापएवएगो

बावतनोगहिसप्रमंभुमहादेवजीश्रीबीजनाथजीकोमिदस्वसवासनाईगं
पुरआमोस्फागेलाकैमुतसिलमिसरस्तेनासुअएकलागकैगएसेनारा
पएगिसरस्तेनासुअएकलागकैगएसेनारापएवएगोमितीबीसामसुदिरसाल
सम्मत१७७३नेनिहजमानकिपुत्पाकैमासतैभुवामिकपादरासामैर
वतदीपवतपातकठरमितीआसोमबुदि७सम्मत१७७३अथरजपहोपीनो
गनेगांजरासपुरनायातपादवेलापरगनासबाईतैपुरकामेंपटीपहतीस
राहीतीमीतनगोगवगिरदसुसावसलीनुपपा३३००००वादिठदिकमारी
कर्ताकसारीदीया३३००००कीतननुपपा३३००००वाकीतननसूसीनुपपा३३००००
इदतरापसावस्यानुसम्मत१७७३मेंकरदेवाकीहुकमहुनोसोदसफल

मुद्राविलगविप्रतिष्ठा
लिपिमेजाराहोरिसुद्रावि

रापोनादिसादिसदतकोसहुकमहुतामुताफिकालिर्षीसीगेंजोगकैदनीतीकी
मरवानोसफ्तीलिपौमुकरहणांतमगकूरस्येपदीबरतीस्यकीननप्रोमस
गैरहसुमात्रसत्सीदुपम

॥१॥

परवानेप्रनतीकारामितीकातीसुदिहसम्बत१४७३मुकामसवर्द्धनेपुर

दाकुर श्रीबालगोविंदजीविरानमानगांवचूलीकाई
गपरसूखेसुरकाकुंजमंदिरबालमुकरहलदेवणाणे

बावतजोगवतीदाकुर श्रीबालगोविंदजीविरानमानगांवचूलीकाशूर
गपरसूखेसुरकाकुंजमंदिरबालमुकरहलदेवणाणेन्याकीसोवास्यामी
शिमरकसरणमंदंतसलेवादकाचरेपवैनासलेमुवाफिकपाददासन
मंदसपतदीवावचानकारामितीपौससुदि७सम्बत१४७३अरसवदेव
जोगनिधारीगांवमगकूरबगैरहतालिकाश्रीगंगामुपरगानानुदेहीकीमु
वाफिकपटाकारजेलकेपावैनीया

३२५

गोवमजकूरकीवीमासवासे

गानुसाजोशवगैरहकीमुवाफिक

॥२॥

पंगवचतरनुनकारामितीनेछु
दि७सम्बत१४७३केवैमादोवसे

मुद्राबिलानिप्रधिनेद
विष्णुमीतागहरीरिमुद्रा

मुनाफिकपदेबोलत मुनाफिकपदेबोलत चार

रामकलारमितीबिसम मुकंदरदलदनाकार २२४

सुदिउसम्वतउरदवैमितीभादसुरिदस गावमजकूरकीनी गावसेधपुकीनी

या म्दलदलदनाबीया या या

२२५

२२५मयेबीया

३७५

३७५

२२६

गावबणेदापानपु गावबणेदनाजा

रकीनीया

रकीनीया

३७५

३७५

चणेदागू वजपुली

मरकीनी बीया

या

२२७

२२७

सोदासिलसामस्यानूसम्वतउरदवैमितीभादसुरिदस गावमजकूरकीनी गावसेधपुकीनी

म्वतउरदवैमितीभादसुरिदस गावमजकूरकीनी गावसेधपुकीनी

चणेदागू वजपुली मुनाफिकलियेपरसम्वतउरदवैमितीभादसुरिदस

चणीबीया बीनसेधपुकीनी

३२४

गावबुलीकीबीया

गावसाणेदाकीनीया

२२८

३७५

मुनाफिकपदेबोलत मुनाफिकपदेबोलत चार
स्त्रियमीनाराएमोहिरम

गणेशपुराणकी चौथा

गणेशपुराणकी चौथा

३७७

३७८

गणेशपुराणकी चौथा

गणेशपुराणकी चौथा

३७९

३८०

परवानोसपतीकारारमितीमादसुदिनसम्मत ३७७ मुक्तानसवाइनेपु

र

गणेश श्रीवाचन किस्म जीपिराजमान गौयपुरके

वाचन नो गसलूणीको नृणां कुर श्रीवाचन क सनजी निराजमान गौयपुर
 रत्नाको नो सते मुक्तिक पादरासत मेर सप्त दीवान प्राणकार मितीका
 सोज सुदिन सम्मत ३७७ ३७८ ३७९ ३८० ३८१ ३८२ ३८३ ३८४ ३८५ ३८६ ३८७ ३८८ ३८९ ३९०
 मण्डल ३९१ ३९२ ३९३ ३९४ ३९५ ३९६ ३९७ ३९८ ३९९ ४०० ४०१ ४०२ ४०३ ४०४ ४०५ ४०६ ४०७ ४०८ ४०९ ४१०
 दुबो सोर सप्तव बरायो नो सोर सप्तव यासु कम दुबामु वफिक लिधे सीरो
 गौयकोर दो दो को परवानो सपती लिधे मुक्तान सलूणीको नृणां सलूनी
 गण दो पद नार

३९१

परवानोसपतीकारारमितीमादसुदिनसम्मत ३७७ मुक्तानसवाइनेपु

र

गणेश श्रीवाचन किस्म जीपिराजमान गौयपुरके

नामतमोगसलूणीकोलूरडाकुरन्नाविल किस्ततीविगतमाननोदपु
रमेन्नाकैवासनैमुवाफिकलादरास्तमैदसफलदीगानपानकरारमितीचर
तासुदिपसन्नसम्बत १८७५ अश्विपक्षे चि नौगनेसलूणीकोलूरडाकुर
नामगण्डपरागनासाजसूकररेवाकोपरवानोसपतीमदाराजवैकुण्ठ
वासीजीजीसबाईजातसिंघवीकरारमितीमगसरसुदिदसम्बत १८७८
चौदवा १८७८ सम्बत १८७८ कैतु नौलीसोरफतरमें दोन्ध कोदुबोअसदो
दुइन्हीतीकरपवानोमगनेदामिलदुबोन्हीअरसलूणीपाइन्हीसोअव
इवतरससम्बत १८७८ ईशमाकादसम्बत १८७८ सोदसयतस
वुकमदुसपुवाफिकलिपेसीगैनोगकैदनीतीकोपरवानोसपतीमिनी
मुकरणसलूणीकोलूरडाकुरनामगण्डोपरा

(२०००)

पवानोसपतीकरारमितीआसोनसुदिदसम्बत १८७८ मुकामसबाई
जैपुर

दानुर श्रीनाकजपिहरीजीविरजमानकसना
सनाईमोवापुरमेंमदिरअनोपसिंघकिलाह
रकीदतीनीकने

कुरुमाविलग्रन्थिपिजेदे
लिखीमाताएकैरिग्रन्थि

सोमपुराणीककर्मविद्वानां निरुतमानकसवासवाइनायीपुराणीकदिग्दर्शनम्
 सिद्धिक्लिवादास्तीरहेतीदनेत्याकीसेवाश्वाराधनिरादमरावतीत्याकीबासौ
 मुकुटिकापाददासतमैदस्वरदीचालपुननगरमितीनारत्नासुदिदसम्भृतदृष्ट
 अजपहोनीनोनीगनैसलीर्मावाइनुचंजान्तापुननाग्रतकसधाममकूरनगै
 ररपछानासन्नाइमक्षोपुरलीमुवापित्तपवैधामिलकारतकसीलमैसकामै
 पावे

मुवापिकपदैकारमितीकातीसुदिदसम्भृतमुवापिकपदैकारमितीपोसासुदि
 तदृष्टकर्मकसन्धमनकूरसीतातएवकां ॥ सम्भृतपदार्थगोकुलानुपु
 वाणीनगैल्लकीवीयापनीस रत्नपादवैसीकीनीयापदरा

३७

३८

सोहासिलसरतीकोसम्भृतकडुपताइपापौअमइवतदापुसम्भृतकडु
 वैवरवानोसिपतीकादसपुनकरापोचाहेसोदसपुतमासदुकमहुवामुवापि
 कलिपैप्रबानेसपतीकीनोमुकररावरतीनेनज्वापुननगरअग्रतवीम्यता
 सीस

३९

कस्तुभामजूरतातएवकीवाडीकागैला गांवधानपुरतपादवेसीकीनीया
 कीनीया पदरा

४०

४१

एवमात्राविनामिदमिरेद
 सिद्धिनिगाराण्योपुसुद्धि

परवानासपतीकरामितोनातामुदि ५ समत ५६३५ मुकामसपाइनेपुरइ
नेदरनारापणविगदमणपूजारी

एकुर श्रीवलदेवजीविराजमानमिदरकसवासनाइने
पुरमेंतवेलाकागमलापरमुतसिलइनामइलके

वाजतभोगवगैरदगांवशकुर श्रीवलदेवजीविराजमानमिदरकसवासना
इनेपुरमेंतवेलाकागमलापरमुतसिलइनामइलकेभदराजाबेकुटवली
जीश्रीसवाईप्रतापसियजीनाराजोत्पाकेनासनेमुवाफिकपाइदसतमेंद
समतदीनान्नानकररमितीमादनामुदिसालसम्वत ५६३५ रजपहेली
गोमितीजीमुदिसालसम्वत ५६३५ नैविराजमानकिसात्याकीसेनापूजा
सामसुंदरचकरवलीनेसोपानाकानोर्गनेमुवाफिककागमलापरमाकर
रिपाछा

गांवमुवाफिककागमलासम्वत ५६३५ पसकसपहेलपत्तनारनापरगनामि
दकैतनजीमनगैरदसुख

५६३५

वाइकागमलापरमाकर

गांवसुरहो परगना गांवश्रीरामजीपु

तीकोकागमलादुहोनीरुपज

५६३५ सामउन्दा राबासधालीसत

५६३५

नूसम्वत ५६३५ पाइसतेजपरगना

मुवाफिककागमला सवाईनेपुरइव

मुवाफिककागमला सवाईनेपुरइव

करा रमिती माहसुद तदवसायमान्

सम्पत्त १८२३ के सम्पत्त १८२३ के

१८२३ नापिल ज्ञानावका

रमिती जो बुदिर १८

सम्पत्त १८२३

१८२३

सो गंगा को वापे सक सका दुपशा को परवानो सनंद दुबो नदी अपे सक सका

दुपशा सम्पत्त १८२३ ज्ञानावका दोसिज सम्पत्त १८२३ ताई पापों चवहुकम

दुबो जो गंगा वापे सक सका दुपशा तो भाल से करो अपर नौ गङ्गा रीद कारो

जी भाव सली दुपशा तु सी का साली ना वसूली दुपशा १८२३ मुनफिकता फसी

ल नील कर दने तो मेरी गृह एनात पायो ह न गैर पसना सबाई जे पुरकार

वत दस सम्पत्त १८२३ सम्पत्त १८२३ र भेद नौ सो दस धत कर प्रोवाहे सो दस ध

तथा सहुकम दुना मुषाफि कलिये दने तो को परवानो सपती सिधो मुक्त

प्राने गवगैर कारो नीना तसली दुपशा तु सी वा साली नल सली दुपशा

कह गार बास ८

१८२३

जोग सागरी पोसा धन उचव न गैर हवा पुता गौ दद नवा वगैर नें दुप

दुप

१८२३

१८२३ निष्ठा निष्ठा निष्ठा निष्ठा
निष्ठा निष्ठा निष्ठा निष्ठा

७६७

पुनारीस्थानसुंदर रसीरदावगलह
चक्रावरतीरुपना दसवाञ्चासामे

७६८ नेंरुपना

७६९

स्थानीदरीदासबने

लननवसवालना

सर्तेरुपनाहाना

पना

७७०

गोवममकूरतनमोमबगैरहसुसापु गंमसदूपुसावपापाटलननीम

माससगुतीकावमलतीरुपना वगैरहसुसापुसासादुनीकाव

७७१

सहलीचक्रावममोपुप

७७२

परवानोसपतीकाहमितीमगासरबुदिरहसम्वतवदपुमसुसावसवाई
जैपुर

स्थानीदरीदासपुनारीहकुरथीननदेवगीकातीकैवासोमुनाफिकापाद
दासतमैदसमतदीकान्तानकगरमितीमाहसुदिरहसम्वतवदपुमसुसावसवाई
पहोनीज्ममोपुनारीस्थानसुंदरचक्रावरतीसालीनादुपना७७३गोवरीम
एलानपाजोदवगैरहपसमनासवाईजैपुरकाजोगवगैरहमैतीममोमुवापि

(सुजायिनाविप्रविष्टे)

केलमीप्रसादगौरिसुम

कपरबानेसपनीकृतमितीमगसरमुदिस्सम्भतस्सुदुर्कैपावेछीसोमि
नीपोसमुदिस्सम्भतस्सुदुर्कैकालवसहुवोतीकीपेनगमुसारनम्भ
गम्भालुकेसैवापुनकरसीइवतहापफागएसुरिस्सम्भतस्सुदुर्कैपा
एनामकरावाब्राह्मणसयताकोठमंदिरसौदसपतपासहुकमहुतामुना
फिकलिमेंसनैरनिबोमुकरासस्तीनारुपपा

५५०

ज्यामिमीप्यत्स्वकीवातकोदरुपपाट्टावास्तीनारुपपाट्टुमाती
छीसापानुरमीकेनंशरजमाहोसी

चिठीकरमितीपद्मएसुरिस्सम्भतस्सुदुर्कै

बाबतभोगस्तीठाकुर श्रीकलदेवजीविराजमानकसबासबाईजैपुर
मैमुतसलदवामदलकीतबेलाकागलापरत्वाकीसेवास्तीमीहरीदा
सकरैन्पाकेवासेवैमुवाफिकपादवासतमंदसयतदीवानशान्तकारमि
तीपौसमुदिस्सम्भतस्सुदुर्कैअरजपहोबीगोवागवणाचनैवावागका
पस्वनेंअस्तीबीयापुनकसवासबाईजैपुरकीबेजअस्तीकनएवतइवत
दापसापुनदालूस्सम्भतस्सुदुर्कैसंगीभोगकैदसपतकारपौचहैसो
दसपतपासहुकमहुतामुवाफिकलिमेंदोपरतानोसपतीलिबोमुकरा
स्तीबेजअस्तीकनएवतबीवापन

३

सुभाषितानिप्रसिद्धे
लिखितानिप्रसिद्धे

जमानगलतीतावीनकन्तिताहो
जोगर्नसालीनारु गनेसालीनारुसा
पसा

३५४

राकुर श्रीबंके स्तानीमानकीरा
सुजीविगलमान सनेनाराबोदास
सेसा दरी त्याहा भागलताकाथ
जोगर्नसालीनारु जोग्गानीदेबोव
रथासएकासाली

नारुपण

३५५

मधेजोगश्रीवरदराजजीकानेस
लीनारुपणपैकसी

३५६

परनानीसपतीकरारमितोमागस
रबुदिठ सम्बतवत्तदुमुकावस
वाइजैपुर

राकुरश्रीविरारीजीविराजमानकसवाटोकुमैमिर
रराजाकापधारीवाराजी

रागुरश्रीविरारीजीविराजमानकसवाटोकुमैमिर
रराजाकापधारीवाराजी

प्रबत जागयती हाकुर श्रीविदारीजीविराजमानकसवाटोकमें मंदिररात
 कापयणीवाणौन्याकैवासेतुवाफिकपाददासतमें दसपतदीवानमान
 करमितीपोसबुदिरस्सम्बतवत्तुपुअरनपोहवीनोगमें धरतीवीरग
 कनाराकीकसवानानुरामगतामनकूरकीरवतदाप्रसाधनदाससम्ब
 तवत्तुपुधैकरदेवाकोहुकमहुतोसौदसपतकराजोचारेसोदसपतकस
 हुकमहुवामुवाफिकलिधैसौगैभोगकैदोतीकोपरवानोसपतीलिधैमु
 करगधरतीवीरपचीसकथारतकी

२५

परवानोसपतीकरारमितीमाहबुदिहुसम्बतवत्तुपुमुकामसवाईजैतु

हाकुर श्रीवंकटेशुखीविराजमानसेसाइ

हाकुर श्रीवंकटेशुखीविराजमानसे हाकुर श्रीवंकटेशुखीविराजमान
 साइसोवास्ततैभोगकैसालीनापुपद सैसारत्याकैवास्ततैमुवाफिकपा
 कगुकास्थानाहुपभगतासकाजैतुर ददासतमें दसपतदीवानमानकरा
 कायेंमुवाफिकप्रबनेसपतीप्रदाजप्र रमितीचैतसुदिरस्सम्बतवत्तुपु
 सवाईइस्तरसिंदतीकरारमितोनादलेअरनपोहवीनोभोगमेंकास्थाना

मन्त्राधिकारिप्राधिकारि
 विष्णुमीनाराणोतीरमुनी

बुद्धिमानसम्भवतः १८८५ कार्ये सा मुन्दस गगनासबाई जैपुरकासुसाली
 लीनानोरोगसाहीगुपता नागुपपा १८७ मुवाफिकप्रधानेसपती
 १०० म्हराजावैकुण्ठवासीगीरीश्रीसबाईम
 रालसबनासपतीकरामितीनय बोसिंदजीकरामितीश्वसाळसुदि
 म्भ्रसाळसुदिस्सम्भवतः १८८५ सा लसम्भवतः १८८५ कार्येपावैतीकीतन
 लसम्भवतः १८८५ साविकतसूखरी आद्यावनमाहीवासतपाहबेलीम
 ल गनासबाईजैपुरकोतनभौमबगैर
 यालसोभोपेकजगावनमाहीवास हसुयागुपपा ३३३४ मयेहिसोयास
 तपाहबेलीमगनासबाईजैपुरकामे रसुयागुपपा ३३३४ मयेहिसोयास
 इवतदापुसम्भवतः १८८५ धेपाईती सौतनव १८८५ नीकावसुलीगुपपा
 सवालसाकरोविधिकारमिती १८८५ कोमुवाफिकसन्तदतीनानी
 पोसबुद्धिमानसम्भवतः १८८५ तरमितीव्यासीजबुद्धिस्सम्भवतः
 कार्येपावैतीसालिगोपकोसम्भवत
 १८८५ तपाहपापौअवइवतदापुस
 म्भवतः १८८५ धेसीगीरीभौमबगैरदके
 करदवाकोहुकमहुवोसोदसपत
 करपाहबाईसोसपतपुस्तुकर
 हुवापरवानोसपतीलिपोमुकर

शरावमजकूरतनभोमवगैरहसु
वडुपशउअठमयेदिसोथालसो
तनपुपश११८७तीकासालीनाहसु
लीरुपश

५६७

राकुरश्रीनिलगो राकुरश्रीवरदराज
पालनीविराजना भीविराजमानका
नगलतैत्याकाजो श्रीत्याकाजोगनैस
गने लीना

३५८

१३९

राकुरश्रीवंकटैसु स्यामज्जानकीदा
रजीविराजनानसै सचेलाएयोदासक
साइ त्याकाजोग गलतकोअजोअ
नैसालीना जीरहेसौबरलासरा
कासालीनापुपश

३६१

मयेजोगत्रावंकटैसु
रजीकानैसालीनापुपश

महाभिलाषिप्रसिद्धे
लिखितेनायाप्येतिमुद्रा

४००

मकुश्रीविजैगोपीनाथजी ठाकुरश्रीमहादेवनाथसि
सालीनापुष्पा गरीसालीना

३००

५००

परवानासपतीकरारमितीचैतवुदिहसम्बत१८७८मुकामकसवास्वा
इजैपुरमोमुकरातनवाइवतदापमितीफागणमुदिहसम्बत१८७८
येसीगैमोगकैवहालजाएकारपानापुन्यदेसकाथैदेवोकिन्गोसाली
नगुपपा४००

गार्गवावतमोगइवतदापसाधसालूसम्बत१८७८धैतनवाहांगव
इसैपुरमगनाथोसीकरास्वरीठैइवासनेधानेलिपाछइवतदापसाध
मजकूरधैहसिललेवादीजोहरसालसनेदतलबमतकीन्गोगांवमज
कूरतननपेगाभोमवगैहदरौबसत२०००मयैसालीनापुष्पा४००
बसलीनादसरफजानाकोरपुष्पाधुलार१२००तीकाटका१००
बसलीपुष्पा३००

३६३

मालसोपुष्पा२५०कोइजरोसालव(सालवैगोकीन्गो)
विधिकरा(मितीपोसमुदिहसम्बत१८७८कीहुईजोहसिलसिलका

अज्जादिलानिप्राधिमैद
निछमीनाराणहोरिपुष्पा

४०

मैध्यापुहोपसोबजगिरानीदकीवरात करपुफेरदीनी
सानीहल नोगमैगोवदूसैपुरपगना दौहरीकपुर इवतदस सम्भर
धेहुलोतीकोनखनीसपतीकल (मितीमगसुसुदिस्सुचत १८१८ मुकाम
यावदे

जोमुकरागोवतनप्यागप्यानीममगेरेदसुवातननुपेगदुपपाबुधु
मंदरोबसतपेक

मुवाफिकसनंदरुकोरोजीनादुपपा
उमुकरादिनउरठकापुका(१८१८)
नावतसरफमजनाकावगुवाकी

१३२६

पकुर श्रीकलराएरापजीविराजना दकुर श्रीगोपीनाथजीविराजमान
नदेहावासमैसाकाजीगोसापुन कामात्पकाजीगनीननेरोजीनादु
मैधकारोजीनादुपपाउकामुकराग प्रापुकामुकरागदुपपा

दुपपा

३५४

१३२७

मुवाफिकसनंदरुकोनावतनेगद
कुरश्री जीविराजमान

मुवाफिकसनंदरुकोनावतनेगद
मिहमीनाराणभंरापुमपु

देहरेमामीपदेनएवजकेसा
 लीनाहुपपाहुवादिसएफयम
 नाकाहुपपाहुसारएशलीकद
 काएणमुकएगुपताहुनकी

३५३)

ठाकुरश्रीविजैगोपीनाथजीकानोन ठाकुरश्रीमहादेवबाएलंगजीका
 नैसालीनाहुपपा जोगनैसालीन

३५४)

३५५)

तफसीलसारीइसमठाकुरश्रीकलतरारापुजीकामेनिमो

ठाकुरश्रीविजैगोपालजीवितनमानकसनासवाई
 जेपुरमेंमिदरसिरीकिसनमिसरकैसागानेकीचौ
 पदमें

वावतजोगदरमहावसलइजाफासुखाठाकुरश्रीविजैगोपालजीवितनमा
 नकसवासवाईजेपुरमेंमिदरसिरीकिसनमिसरकैसागानेकीचौपदमें
 त्याकाजोगकैठासतेमुकफिकपाददासतमेंदसपतदीवानपानकरनि
 तीमादसुखिदसमत्करपुव्वरपहोचैजोदरमहापुपपाहुपपाहुपपाहु
 हूएदेवाकैहुकमहुवोसैपुपपाहुकोदरमहोचाहेमिनीपोसुखिद

सुखावितनमिपामिजेदे
 निजमिनाराएयोहिरमहा

सम्बत १८५७ ई. दसवतधासहुकमहुकमुवाफिकलिपेदेवतीकोप्रदाना
सप्तवीलिमोमुपपाण्यागोपावैररम्हादुपपाहुण्डालइनाफैहुमुकरा
दुपपापररा

(३३)

पस्वगोस्वतीकरारमितीवैसाधसुदिदसम्बत १८५८ सालसम्बत १८५९
मुकरातनपादरम्हाइवतदापुपोससुदिदसम्बत १८५७ ई. सी. गे. ने
गकेवहालचबूतराकसवासवारजैपुरकासीदेवोकीज्योआगेभावेदु
पपाहुण्डालइनाफैहुमुकरा

(३५)

पालसेजोपेवजधरतीकस्वाअनवगाउपरगनागोजीकाधारकी
इवतदापसम्बत १८५८ ई. नन्दासूखेपाईतीसूखालसाकरजमाकरवो
किज्यो

बावतनोगदरतीठाकुर श्रीविजैगो बावतनोगनोरस्कीतनपादगेंवसी
पस्वजीकिराजमानकसवासवारजै ठाकुरश्रीविजैगोपालजीविराजनाक
मुसैमंदरमिसरसिरीकिसनबाग सवासवारजैपुरमैमंदरमिसरसिरी
प्रोतीठे त्याकेवासतेभाफतरगाइ किसनकेसागनेस्कीचोपामैलके
रम्हाकीमितीभादवासुदिदसम्बत वासतेभाफतरापरतनवालकीमि
तदरम्हालपहोची जोगनेयात तीवैसाधसुदिदसालसम्बत १८५८

अष्टावैलान्तिपतिजैदे
निष्प्रीवराण्मोरीरुतु

बोझावृक्षगोविन्दपुष्पसङ्गातमपुरा अरजपदीनीजोनीगनगैरहन्मुव
पुररकीरासमच्छरकीदीदतीकोप फिकृतफकीरपति

खानोक्तप्रोचादसोदुकमहुवासम् नोगमैचोतरक भौसामकाकरधा
नरच्छर्योपरबानोसपतीविषोमुकसनासङ्गदौपुर नापुन्यदेसकास्
रहादरतीबीद्यापेकसो

कस्तमुषमिष्य गुवाधिकपरतक
खानोसपतीमहा रधानाकीकीसानी
अखानोसपतीकरमिषीकानीमुदिसनावैकुन्वारी नापुन्यसनामै

उसम्भतकच्छरमुकामसनादौपुर नीश्रीसनाइना
र योसिच्यजीकरा

मुकच्छरतदरतीगातुनोएकानरम रमितीवैसम्यसु
पुरापुस्तकीदनतदासम्भतच्छरदिरसातसमत
धेसिगीजोगकैजगामापद्वालेकी कच्छसालसम्भ
नोबीयाजेकसो

तरतदकावैद
मसुपमा

तीकमुकछासानीनापुपपाउल
कीवनपादयतीकसनान्नवग
छपसगनग्रातीकासाएत्तमैर्दि

महाविनासिप्राधिवैद
लिप्रीताएत्तमैर्दिमुदयैर्दि

कदेपगमजलकीनीया१२५॥
 धातसेछेतीकाहासिलमेंशतदा
 नसामनुदाहू समुतकडुचमेंसु
 नकाजोनाहेसोहुकमहुवाभुवाकि
 कलिपेशलनोसपतीविद्योमुकर
 गम्पतीनीया१२६॥
 दुपपानीनसेपाप

३५५)

जोगनेंदरमदुप यीसायकासाली
 प्रादुगुतासालीनादुपसप्तसे
 नादुपप्रा

१२५)

१२६)

परवानोसपतीकरमिनीदुतीक
 जेबुदिहसाससम्बतरदुचमुका
 ममोतपुर

ठाकुर श्रीविनेस्यामसुंदरजीविराजमागकसना
 सबाइजैपुरमेंमिदरपिदराभूषणकोम्हाकाभोगके
 वासतैमुवाफिकपारदासतमेंदसपतकीवानवान

श्रीगुरु नानक
 लिखीजराएम्हारेसुखा

नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय

नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय

नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय

नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय
 नमो भगवते वासुदेवाय

स्वाध्यायः
 विष्णुसंस्तोत्रम्

यालसेनोभेनजगत्कीरौजीगादुपपात्रिकपुपरगतात्कानापरहुकोज्ज्वला
नपालसेकरनौदरासौतालगोविंदरामकाविराहमणनैइवत्तजउन्हात्
सम्बत१८७७मेंउदिकमेंदीजो

बाबतभोगाकुर श्रीनिर्गोस्वामसुंदर बाबतभोगागंविर्गोस्वामसुंदरजी
जीविराजमानकसवासवईनेपुरमेंम विराजमानकसवासवईनेपुरमें
दरविदनाभूषणकैजोगावनरसंखपु विरविदनाभूषणकैजोगावनरसंख
रगिगस्यातापायेरभगनासवईनेपुरफतरापरतनलाकीमितीफागण
रकौउदिकभोदरागोविंदराकैछेसो सुदिहसम्बत१८७७जगदरेनी
सम्बत१८७७मेंजोगमेंठाकुरश्रीनिर्गो भोगनेगावनरसिंघपुरगीगसोतप
स्वामसुंदरजीविराजमानकसवासवईनेपुरमेंम विराजमानकसवासवईनेपुरमें
ईनेपुरमेंमिदरविदनाभूषणकैजोगावनरसंखपु विरविदनाभूषणकैजोगावनरसंख
जुगतेछेसोसाम्बत१८७७सम्बत१८७७मेंजोगमेंठाकुरश्रीनिर्गो भोगनेगावनरसिंघपुरगीगसोतप
मिधालसेकरनौदरासौतालगोविंदरामकाविराहमणनैइवत्तजउन्हात्
मकाविराहमणनैउदिकमेंदीजोनीस पावैसोइवत्तदापसाधनहावस
मेवत्तगावकीरौजीगावसुलीपुत्रो ७) स्वत१८७७मेंमेवत्तकोदरासौला
पकेइवत्तदापमितीफागणसुदिहस लगेविदरामकाविराहमणनैउदिक
स्वत१८७७मेंकरदेवाकोहुकामहुवो वमेंमुवाफिकभवनेसपत्नीकैजुग
इवातर्वमुवाफिकहुकामश्रीदहूरके तौज्वरभोगनेमेवत्तगावकीरौजी
मानेलिमाछाइवत्तराजमितीसदर नाउपपात्रिक ७) त्वीकपोतदा

सिद्धिमीतारणसौरकुवाप

वैतद्वीलपीठारमगानाकाका गताक्रमाकामुमुवाफिकसतदरोना
 ससंगेनोगकेदाधिलकराप्ररोनी नौकरारमितीनैवसुरिन्साससम्मत
 नारुपपोषेकरावैकीनोमुकराज ररुडुकीधेदुनीसोत्परोर्जनीमा
 रोनीनावसलीरुपपोषेक नसेकरसेवजनोमर्मगावकरदेवावे

७

विदीकरारमितीनैवसुदिरसल्लभ हुकमहुसोसोदसपलकाजोकरसे
 तरुडुडुपुजारो श्रीनटगी हुकमहुवागोडदरीपुरोतपानानाग
 इरोनीनार्मप्रमलपापौनीनेगमा परानादनीसातननोमनगैरदसु
 वहरीपुरोनगनादनीसकोपापौ काररुन्हारुपपापुकोइवतद
 प्रसाधउन्हासुसन्ततरुडुकीधेमुना प्रसाधउन्हासुसन्ततरुडुकीधेमुना

फिकनिधेभोगद्वैरनीतीकोपरवा
 नोसपतीसिमोमुकराप्रगतदरीपुरो
 लानानागउमगनादनीसाकोतन
 नोमनगैरदसुवाकररुन्हारुपपा
 पुकोपे

परवानासपतीकरारमितीनैसाधनु
 दिदसल्लसम्मततरुडुमुकामराम
 पुरावासकल्लपावरा

छकुर श्रीविजेगारयनयनीविराजमानकमवान्तर्धर्म
 पुसैमुतसिलसौदनवाजीके

मानननेमलगेरहसालीनर्मयनीछकुरश्रीविजेगारयनयनीनेकसवास्त
 ईजेपुरमैमंरित्वागसूरमपेउवारैनुतसलनौदनवाजीकेछीतीदेमितीजेठ
 सुदिरसालसम्बत१८८४नैविराजमानकिपात्ताबीसेबापूमागामीश्रीक
 पलाकनरतीकीत्यफस्त्रुमानीकरैत्याबेडासनेमुताफिककाददासतमैरसपत
 दीपतपुजकगरमितीप्रसासरसुदिउसम्बत१८८५वन्धरापहोनीभोगहगेरह
 सालीनामसूखैपुपाररुनुमुवाफिकजैलकरदेनकोबुकमहुसो
 भोगसामग्रीपोसपुनगैरहनेसालीनापुपकारकाभरचनेसालीनापुप

३

२०५

१८८५

तोमैवाजीकसवाबसवाभगनावहातरकीबीया१८८५ईवतहापुसापसापुस
 म्वत१८८५मैरसपुकराप्रोचहसोदसम्बतससदुकमहुसमुवाफिकनिधे
 इनेलीकोपरबानीसपुनीसिबोमुकरावरतीसालीवापुसुलोरुपगार१८८५मै
 बीयाजोसोअसीबीसपुदस

१८८५

म्यालूकीदरबीयापुकाभनामुकउन्हालूकीदरबीयापुकापुपग
 रमपुपाररुपुकीबीया मुकरापुपगार१८८५कीबीया

गुजरातिभाजिमिपिउदे
 सिममिगाराएपुदेसिममिपि

३७४

३७५

परवानासपतीकरारमितीजे सुदि उसाससम्पन्नदुर्गमुकामसवाईजे

अकुरत्रीचाकलविहारीजीकोमंदरकसनासवाईजेपुरमें
मुतमिलवोर्जिकाबाजारकोराजवधरएमुस्थानान्तद्वेष
एवमिविराजमानकिष्ठा

नामजोगाहिसागांकरकुरत्री जीकोसत्तैमुनाफिकापाददासतामे
दसपतईमानप्राप्तकारमितीकातीसुदि उसाससम्पन्नदुर्गमुकामसवाईजे
जोगांदिमाहुपुष्पाएवमिसालीगुपपाएवमुरदेबाकीहुकामहुतोर्जि
मांमुकेलनाकोबासतपापताएपरगनासवाईजेपुरतनसिक्कामजोमनी
रहपुष्पाएवमितीमेताफुपपाएवमुरदेबाकीहुपुष्पाएवमितीकरससलीपुष्पाएव
हमेइतदसम्पन्नसालूसासम्पन्नदुर्गमुकामसवाईजेसोदसपत
धामहुकामहुनामुनाफिकामिमेदोतीकोपरवतोसपतीलिधोमुनरप्रम
प्रमजकूरतनसिक्कामोमसगैरहुपुष्पाएवमितीमेताफुपपाएवमुरदेबाकीहुपुष्पा
इहमितीकावसुस्त्रीपुष्पाएवमितीमेहिसोपुष्पाएवमितीमे

१२७

परवानासपतीकरारमितीपोतसुदि उसाससम्पन्नदुर्गमुकामसवाईजेपुर

एवमिविराजमानकिष्ठा
लिच्छमीग्राहणहोरिमम

यकुरश्रीविहारीलालजीविराजमानकसबासवाईमाधोपुरमेंवोहराधुस
लीरामकाकटलामेंमदिरजागौरयविराहमणकरापोमाकीपुनाहरला
रखलविराहमणकरैतीकैवास्तैमुवाफिकपाददासतमेंदसपतरीवान
पुनकरारमितीनादवासुदिउसमनतएउदुअनपुहोनीजीनोगनैबर
तीनीयाकुनंमउलातकजराअनगांवनदेपालपुरावगैरपरगनास
वाईमाधोपुरकीमुवाफिकपटैअमिलाकुरातकसीलमैलकाथेपावै
गांवनदेपालपुरातपासेपुरकीमुवा गांवयाहुराएवीतपहलेलीकी
फिकपटैकैलमितीमादसुदिउसमन मुवाफिकपटैकरारमितीनेदुदिर
तइउकाथेवीधापनीस सम्भवतइउकाथेवीधा

२५

२५

सोहसिलधरतीजीसमनतएउदुअनपुहोनीजीनोगनैबर
थेपरखानोसपतीकादसपतकरापोचादेसोदसपतवासदुकमहुवानु
वाफिकलिमेंपखानोसपतीकीगोमुकराधरतीवेजइलापुकनराअ
तवीधापैतीस

३५

गुनगणिगणिपादेनदे
लिखीमैराणहोरेगुनमि

गर्ववाममुवाफिकुकीदीवानकीनर

सबानोगउरिकायलीथीमेविसेमुजीविराजमानकासीमेंत्याकीसोत्राचतर
 जुननारलणकाविराजमाणकरैत्याकैवास्तेमुवाफिकपाददासतमेंदसपतरी
 बागपानकरएमितीमाहसुदिस्सम्बत१८८२अथपहोचीनोगउदिक
 मेंयलीकसबापुन्याणतपाकाहुअसनासवाईजीपुरकीनरसिदाचारी
 चकमान्चारीकाविराजमाणद्वामुवाफिकपरतानेंसपतीकैउदिकनेवास्ते
 पावेछैसोपालमेकरसेवकनोगउदिकमेंकरदेवाकैहुकमहुनोइवतदास
 सम्बत१८८२मेंदसपतकरागोचाहेंसोदसपतपासहुकमहुवामुवाफिक
 लिखेपरवानोसपतीलिखीमुकराजधारीवीयापेकसे

१०५

श्री जीकानोगनेबोझन उदिकचतरनुगनारपराकावि
 चास रादमाणनेवीयापचास

५७

५७

परवानासपतीकरएमितीचैतबुदि३सम्बत१८८२मुकामसवाईमें
 पुर

पुर श्रीविजैदुखनाथजीविराजमानकसबासवाई
 जेपुरमेंमुतसिलपुराणीवसतीकैमंदिरनामगदास

सुजाबिलगामेसुभिद्वेद
 सिध्दीनारायणपुरीसुजाब

स्वामीके

नाम जोगदरमहाकुर श्रीविनेयुवनाथजीविराजमानकसवासवाइजे
 पुरमें मुतसिलपुरगणिसतीकैमिबानागदासस्थामीकोनाकीसेवामु
 उधारन बिरादमएहाहिमोकरैनाकेवासनैभारफतम्पानसिबकीमि
 तीमगासरबुदिदसम्बत१५७३अश्विनीचौगर्तेदरमहाकुराठुप्र
 सलीतद्वीलपोतदारकसवासवाइजेपुरकाइवतदाप्रमितीनादनासु
 दि३सम्बत१५७३अश्विनीदेवाकोहुकमदुबोसौरस्यतकरातोचाहेतो
 हुकमदुवामुवाफिकलिपेदतोतीकोपरवानोसपनीलिषोमुकसदमदा
 नमस्तीदुपपान्मार

४

नखानोसपतीकरामितीफागएमुदि८सम्बत१५७३मुकमसवाइ
 जैपुर

ठाकुरश्रीचक्रविहारीजीविराजमानकसवासवाइ
 जैपुरमें मुतसिलणीपीबामकैमंदिरसनीपरमणो
 जेबएण्योतीकैवासतैमपकदसपतनलासकीमि
 तीजेठबुदिदुसालसम्बत१५७३अश्विनीचौ
 जीजोगर्तेरोमीनाबकोमेक११चोतराराकचालिक

प्रभुशिवलामिपुत्रिदेव
 सिद्धमिदराहमंदीसमुवाहि

सवासवाहजैपुरकासमुवाफिकरुकेदनीपासकर
 मितीपोसमुदिरसम्बत १८३३ दुवअर्थेपलैसोरोतीनी
 मितीफागणमुदिउसम्बत १८३३ उवईपाओअवयेव
 जरोमीनकीयरतीउपेजासालीनादुपपाइकीवीवी
 पलकसवामजकूरकीइवतदापसाधतन्हालूसम्बत
 १८३३ धेपावाकादसपलकरापोवाहिसोहुकनहुवासु
 बाफिकसिधेयतीनीयापलउपेजासालीनादुपपाइ
 कीइवतदापसाधतन्हालूसम्बत १८३३ धेदनीती
 कोपरवानोसपतीलिधोमुकरअसलीउपेजासालीना
 दुपपाइकीनीयादस

९

मलानोसपती करारमितीजोसुदि १ सालसम्बत १८३३ मुकाम सवा
 हजैपुर

एवमारीकामोहमादराअपसनीपुरमजोकाकेदहेरेमीनदकोपेक
 मुनगफिकसदाबंदपावेठेसोअवनीश्रीजीकाकिलाएअरधदेजेकी
 जोमुकराठकोपेक

९

मितीपोसमुदि १८३३ सम्बत १८३३
 मुमाबिल्लाजिपारिअहद
 लिजोअराण्णहोसिमुमाबि

ठाकुर श्रीवाल्मुकंदजी विराजमानगोबुवनान्त
कोलेसरपलानावद्वारकामें मिरररत्नाल विराज
यशेल वासकै

यावत नौग यरती ठाकुर श्रीवाल्मुकंदजी विराजमानगोबुवनान्त
कोलेसरपलानावद्वारकामें मिरररत्नाल विराज यशेल वासकै
एगोमाकै कासतै मुवाफिक साद दासतमें दसपत दौबाना न करारि
नीजे बुदि सास सम्वत १८७७ अगपदे नीजो नोमने यरती कीया
छुगां वमज नूर की सीगें पुन्य कैं दरसाव विराट् साण मुवाफिक पदे न
जप अली करारि तीज सा ७ बुदि २ सास सम्वत १८७७ अगपदे नीजो
सापत न सप्त सम्वत १८७७ अगपदे नीजो सीगें वरागो नाई सौ सप्ततया सडुक
अडुका मुवाफिक लिपे सीगें नौग के दनोती को परवानो सपती लिपे मु
करा यरती कीया तीस

३५

करारवा की वीधा

सासू की वीधा

३५

३५

परवानो सपती न सा ७ बुदि २ सास सम्वत १८७७ मुकाम सवाई जें
पुर

सुभाबिन्मा निपाति के
लिखी नाराणु मंदीर सुभा

हनुकुर श्रीविदरावनचंदनीविदरावननीसुसवाईजे
पुरधारस्त

वावतनोगावगैरहंगावडाकुर श्रीविदरावनचंद नीविदरावननीसुस
नार्दनीपुरपवप्रतातकेवासतेमारकतराजाहरसुदपुकीमितीमगसरचुदि
सम्बत१८२२अरजपहोनीनोगनेहुकमहुकोसीदसम्बतकरामोत्तादेसो
हुकमहुवारोजीनपुषोपुषकदापमितीकातीसुदिहुसम्बत१८२२देसी
जेनोगावदेतोअसातीनपुपपापुपोसापकादनीतीकोपखानोमपती
लिखोजेतेहानुकीरदेतेतेपात्रेगांवसहसपुरपरगनलालसोवतननीम
वगेरहसुयादेनमुकरजागंतमजकूराननीमवगीरहसुयापुपपात्रोके
जेतेहानुकीरदेतेतेपात्रे

५९९

नोगावेनीनापुपपापेक	भोसापकासातीनापुपपापेक
७	सो

५९९

परवानोसपतीकरमितीहुतीकचैतसुदिरहसालसम्बत१८२२सुव
मस्वादिजेपुर
हालपरवानासपतीकरमितीनारवाचुदिरसालसम्बत१८२२

हनुकुर श्रीविदरावनचंदनीविदरावननीसुसवाईजे
पुरधारस्त

मुक्तमसवादिगैपुरमुक्तम गावमजकूरतननोनवगेहस्तुयादुपपत्ति
से

६१०

जेतेछाकुरजीरहेतेतेपावे

नोगरोजीनारुपपोपेक

मोक्षमहासातीनारुपपापेफलो

७

१११

दालनस्वामीसभतीकरामितीआसोनवुदिस्सम्यतएवहस्तुयादुपपत्ति
जेतेछाकुरजीरहेतेतेपावे

६१०

जेतेछाकुरजीरहेतेतेपावे

जोमकोहेजीनारुपपोपेक

मोक्षमहासातीनारुपपा

७

१११

श्रीविसनेसुखीविराजमाननमसीजीमैत्ताकैदुरा
वतकाजगैसितनाममोरहविरादमाम्हाप्रमद
रैछैतीनेअवमुनाफिकडुकमश्रीदजरकैमारफत
पुरीयजीश्रीवजनामजीकीइवतदाम्हासादु
दिहसालसम्यतएवहस्तुयादुपपत्ति
छुकोकाएनापुन्यदजरकासुगारनमरापोदव

गुनाविलाजेप्रमिनेदेदु
लिपिजिमाणाहोसिभ्रापि

कवि जेमुकरादरन्दापुत्राचो

७

विदीकरमितीसावणवुदिहंमन्वत१८८८इवासतेशानेसिखाछा
जोदरन्दापुत्राचोवसुलीइवतदापमितीसदरथेमाहवमाहपहैचानोवि
न्यापरवानगीसालिगराम

छकुरलीबाकेविहरीजीविराजमानकसबासेरपु
मेंताकेपुत्राचोनाहकरीभोगनैवासतेंरोजीनीचोआ
सापरमगनासेरपुरकासदाबंदसुपानेछैसोअन
अमिलनेचलकरेछैइवासतोमुआफिकहुकूमश्री
दुखकैयानेलियाछाजोसदाबंदसुनोगकेपुसातें
पावताहेपुनोपानेरिबलोकीज्योपरवानगीसेवारम
दोगाऽदोडीकासुकराजरोजीनाअप्राजाव्यार

८

विदीकरमितीअस्तासुदि१८८८सन्वत १८८८

निरीसमिलछकुरलीगोपालजीचगीरदकीहुई

छकुर श्रीविहरीजलजीविराजमानकसबास
वाईनैपुर्मेंमंदिरलिछमएजोसीके

छकुरबिलासिपुत्रीजैहै
लिछमीनासाएजोसिराम

मङ्कुरश्रीविश्वीजीविजयमानचसवासनाईगेपुरमेमिंदरालछमएली
 सीवैलाकेपुजारीभुसपत्तविगदमएजाहरकरीजोरोहीनारकाइतान
 सागरकायारमुवाभोगकैवासतेमुवाफिकमुस्वामेपाउवालादसतीदे
 छैसोमुतरईकीस्वंदरोपतोनागानरोपमुकररपातेइवासतेमुवाफि
 कहुकमश्रीदूरकैनियाअजोहाकुरसीफानोगकैवासतेरोनीनामुवा
 फिकपरखानेहालनारपातेछैसोएवईनेमुवाएरेकोकिजपोमुकररगोरी
 नाटकातीनपरमानगौहीकारानेचंदमुतरई

३।

विधिकारमितीमंगसरबुदि ७सम्बत १९३०

मङ्कुरश्रीश्रीविजयमोहनजीविजयमानवागलावरी
 माजीश्रीचंदरावतजीके

भोगवगैहनेदरमहापुपापचुरसोभोगवगैहकुरश्रीविजयमोह
 ईमहलत्तवीलभेदीदेसकाधैमुनाभजीविजयमानवागलावरीमा
 फिकपरखानेसपतीभराएताश्रीसबाजीश्रीचंदरावतजीकेजीभोगव
 ईरस्वरसिखजीकरमितीजादवासतेभोगवगैहकेमुवाफिकपा
 बुदि१२मालसम्बत१९३०काशैपार्वीददासतमेदसपतदीनानका
 मुकररजदरमहापुपापबीसरमितीनैतबुदि७सम्बत१९३०

मुजाबिलानिजिजिजेहे
 सिद्धीनारायणसोसिद्धीनारायण

२७)

पातसाईनतदापकागणसुदिउस
नृतपुष्टधैमोतेनजगावस्थीकिस
नपुरवास्यीनिवासपुरातपायोदप
रगता सनाईजैपुरकोपापौ

अरतपदोनीज्यागेंभोगबागेदनेद
रगतागुपाउरुसोईमदलनर्वाजमे
दीदेसकाबैमुवाफिकतत्त्वानेसप
नीमृगतानेकृदनासीनोश्रीसना
ईइस्वरसिंयशीकरारमितीचाब
बाबुदिरसातसम्बत१८८८काथे
पावैधमोफागणसुदि३सम्बत
ताईपाईअवकागणसुदि३सम्बत
क०८धैवासबादेसोदसपतथास
हुनमृदुवाइनतदावपागणसुदि
३सम्बत१८८८धैगुपाउरुका
उपेजाकोवासपेकदनीसीनिभोग
बागेदकैतीकोचलानोसपतीक
रोसोशतदापकागणसुदिउस
मृतपुष्टधैतनवसूलीगुपाउरु
कोनोमनगोरेहसुवादरोवसत
पैकगांवस्थीकिसनपुरावास्यी
निवासपुरातपायोदफरगनास

बाइजपुर

उन्दासू समतलरुद्धकीमेंदुपडा

रुद्धादिमानोवसेसोपमानकिमोप

मेंसूरांनवदलकिमो

पलानासपतीकारमितीवैतसुदि

रसमतलरुद्ध

मातलाइवतदापुठसू समतल

रुद्धसंभोसंभुजगानयोहदोला

सतप्रावुककसवास्वार्थमेंपुको

पापोतीसूपातसाकरेनिर्गिरार

मितीवैतसुदि१८समतल१८१८

समतलरुद्धपुपुपुपुपु

हाकुरश्रीविराजगोपालजीमाजीश्रीचंदरजुताकी

बागमाजीसाहिबमेंदिहनेवरगपे

बावतनोगसालीजमगैहहाकुरश्रीवि बावतनोगमांनवहाकुरश्रीविराज

रजगोपालजीमाजीश्रीचंदरजुताकी गैहहाकुरश्रीविराजमानुषमानु

बागमाजीसाहिबमेंदिहनेवरगपे श्रीमाजीश्रीचंदरजुताकीकोमाके

सुभादिलाभियादिनेछे

लिखीताताएण्ठेरमुदावि

नामंदरकेभुतसिलतीहमितीजोह वासनेभारकतरानादरस्वपकोमि
 बुदिस्सम्बत५८३नैनिगजमानकि तीजिसुदि५८३सालसम्बत५८३
 प्राप्ताकोवाकनैभारकतरानादरस्वप अजपदोनीजोनीगर्नेसालीनल
 कीमितीसाधारबुदिस्सम्बत५८३ सुत्तीपुपपाडुगुन्दवीलमोदीको
 अजपदोवीजोगवादेसोदुकम रारसोईदेसकाथेंमुनामिऊपर
 दुवासालीनानुपपाडुगुन्दसलीने नानेंसपतीकरारमितीसाधारसुत्ति
 लोरोमीनाडुइवतदाप्रमितीजोह उसानसम्बत५८३काथेंपावेछ
 दिस्सालसम्बत५८३थेंसीगैबी सोपेवतडवतदाप्रमितीनादना
 गकोहवीलमोदीकोरारसोईदेस सुदि५८३सम्बत५८३थेंगांवचरे
 नरवेंदनीतीकोपरवानोसपतीनि सोदुकमदुवागांवसेसावासपुह
 मोमुकरअसालीनानगौरदमुकरड तपाहकेलीपरगनासाईसूतैपुरत
 तपसलीनोल ननसलीनोमनगौरदसुयासाली
 सालीनलसली नेवरोबानीपल नापुपपाडुगुमेंपेवतननकरीवीदो
 पुपपातीनसे पेक इवनदाप्रमितीनादनासुदि५८३सम्ब
 ३०३ ५९ त५८३थेंतीकोपरवानोसपतीनि
 परवानोसपतीकरारमितीसाधार मोमुकरअगांवमकूरतननोमनगै
 सुदि५८३सालसम्बत५८३मुकरम ररसुकासालीनाडुसूतीपुपपातीन
 सवाजिपुर संभे

प्राप्तसा विधीकरारूपसाधुनि

३००

सालसम्पन्नरुद्रशोभेनुग्रहसे

प्राप्तानोत्पत्तीकरारमिनीयसाधु

ममपुरदण्डपादसेनापराजसबाई

दिशसालसम्पन्नरुद्रशुद्धामस

पुरकोडननदण्डसम्पन्नरुद्रशेखरी

इनेपुर

मोसुसम्पन्नरुद्रशेखरालसाधुनि

लीन

३०१

ठाकुर श्रीनानमुकुंदजीबिराजमानगांवमुदीनुग्रह

मनापंडितनाथजीगणेशजीवीसाधुगावमुदीनुग्रह

रापरमगापंडितजीमुनाफिकपर्वकुसलसिंदराज

तकारमिनीमादसुदिनसम्पन्नरुद्रशेखरपावैमुक

रायरीजीमादकावन

३०२

विधीकरारमिनीमादसुदिनसम्पन्नरुद्रशेखरपावैमुक

लिफठासोहासिलयलीकोमुनाफिकपर्वसम्पन्नरुद्रशेखरपावैमुक

पतोचनजीदिवादीविष्णुपराबानगीसेवामदरोग

श्रीविमहाजीकोद्वेकसबाममपुराणेश्वरतला

वउपरखंड्यापणपुताबिराजमानछैनाथसेव

गतिपदराखविरादमहाहकरोमोमोनगरैद

३०३

लिफठासोहासिलयलीकोमुनाफिकपर्वसम्पन्नरुद्रशेखरपावैमुक

कथासतोसरावत्परगनामजवूरकासोज्ञानानरोपदमे
सास्पाषाण्यवासनंददोवर्गविरारमिनीकैससुसुरिह
सम्बन्धेच्छुकीदायरापाजनीसुध्यामानलागयवर्ग
यसुसुदिहसम्बन्धतच्छायेताईपापेभ्यवशामिनसंगरे
तलननकरेछेमुकरराध्यामानरोप

विष्टिकारमितीमोसबुद्धिसम्बन्धतच्छुकीदायरापाजनीसुध्यामानलागयवर्ग
यसुसुदिहसम्बन्धतच्छायेताईपापेभ्यवशामिनसंगरे
तलननकरेछेमुकरराध्यामानरोप

हसुरश्रीवाजमुकंदनीनान्नीसीधनिकुलीकिस्म
सम्बन्धसीरामकानसबासागानेरकोकरेजीवसने
जोगकैमात्फतसताहरसरापुकीमितीव्यासीजनुदिह
सम्बन्धतच्छुकीदायरापाजनीसुध्यामानलागयवर्ग
यसुसुदिहसम्बन्धतच्छायेताईपापेभ्यवशामिनसंगरे
तलननकरेछेमुकरराध्यामानरोप

४

पुनर्विज्जविपजिदेद
विज्जमीतनाराणहोहिम्मा
द्वि

चरनीनोसपतोन्कारमिद्रीफागएबुरिदसम्बतकपुमुकमसवाहे
पु

मुकरजाननयादरमादौदकतदापमितीभादवासुरिदसम्बतदर्या
यैसीगे नोगकेवहासजाएबोतरकसवासागागेरकासुदेवोकीने
पुपन

८

निदीकरारग्यासेजसुदिदसम्बतदर्यामुकमकपरवानेसजीकेई
नरदापकदरुताईपापुछैसीअननीरिनाबोकिनेदुपपुच

यकुरश्रीबालमुकंदजीवदएग्यानतीनिरजमान
काकऽगानजापरितपाकोलेसरपरग्रावहावरकमे
मिरस्साप्रीतुसाछीदासकैल्पाकैपुगारीस्वामीम
जकूरसादस्करिजोभोगनेधरतीनीद्यावालीसगा
बजायरीपरगनामजकूलीकाकडमितरपुराजाम
रीकानीमुनफिकपुवैजागीरदारगुमनाप्रसिधमे
यसिंधकुनाएगीकरारमितीभादसुदिदसम्बत
दर्याकामेपापुछैछाहासतेमुवाफिकदुकम
श्रीहनूरकैयानेतिपाछाजोदासिलधरतीकोमु
वाफिकपुवैजागीस्वस्कोसम्बतदर्यादर्या

सुजाबिन्धनीप्रसिद्धेदु
तिष्ठमीनाराण्णोरिमु

पञ्चानाहोपतोत्पत्तीपञ्चनपटवारीचौमरीवानुगोदा
 धरणीकिकरषेचलकरोमनमुकरडावोयाचानीस
 चरधानगीपिरोदतवालकिसनजनानीमन्नामुसल
 मान

४५)

चिठीकरारमितीजोदुदिपरसालसम्बत१८२२
 रानपरवानोसपतीकरारमितीकातीबुदि१२सम्बत१८३३सुकामसवा
 ईजैपुर

बाकुरन्नीब्रिजमोहनगीविशजमानवागनवाडीगातीश्री
 नंदरावतजीकी

बावतजोगमोरेइगांवनीमुवाकिपुन्यधतीठकुरन्नीब्रिजमोहनतो
 पादरासतमैरसपतदीनानधानका विराजमाननगवाडीगातीश्रीबं
 राचैतबुदि१२सम्बत१८०७अरजपहो दरावतजीकेत्यकैनासतैमाएकत
 नीजगागेदरन्दाबोपुपाङ्गुरसोई राजादरस्थपकीमितीजोदुदिस
 गदलन्ददीलमोदीदेसकार्यमुवाकि म्बत१८२८अरजपहोचौवतनीमा
 कपयानेसपतीकरारमितीभादश १८३०गंवबोकाईतपाकमगजपरम
 बुदि१२सालसम्बत १८३०कार्ये सवाईजैपुरकीमाजीसादिवमितीम
 नावेछासोकापणामुरि२सम्बत नीबुदि१२सम्बत१८३६नेसुरजपर
 टकभाकिमितीजोदुदिस
 निजमीनाराणमोरेसुजप

किछ ताई पातो ज्येव पागा ए सुदिउ दुनो ज्येव सवत पवजो सो रसप
सम्बत पछ्येव सवत सो रसप तव गहो चारे

तथा स दुकम दुसा इवत रावमिती सापसा लूकीवी सापसा लूकीवी
ज्याग सुदिउ सम्बत पछ्येव दुन धावीस वापान

जा उज्ज्वल पजेजा को नाम सनेह दो २७ ३

सौ गै नो गम्ये ह कैती कैती पजेन सो दुकम दुसा रती बीधा दुसा मुखा
ज्येव सो मुकर सगा दुसा हिसन सिवा निधै सी गै पुन्य दरोती दोष

पुरवा सत्री निना सपुर ज पाधे रसा खानो सपती लिधो मुकर पखरत सं
नस गाई जै पुर्ब जेन वसुखी नो म मापनीस

गैर सुयारु पपा उज्ज्वल दरो वसन २७

तेका परवाना सपती करमिती जो सुदि
सम्बत पछ्येव सवत सो रसप

परवानो सपती करमिती चैव सुदि मुकाम सवारी जै पुर्

सम्बत पछ्येव जोगा वमत कूर सी गै दो

गस गैर ह कैव दलता गइवत रसा

गता सुदिउ सम्बत पछ्येव सो हासिल

हवाले कर वै कि नो

मानसा साप उन्हा लूसम्बत पछ्येव

ज्येव कागा बुधो रका सा सतया लुके

मुखा जिना ज्येव विरेह
लिछ मीत लण्णो सिमुआ धि

वसनासनाईनेपुरकोपापौशतदा
 लसावतुन्दातुसामवतदरदतीथेपा
 लसापेवतगात्रपौदकावासतथा
 लुबैकसवासनाईनेपुरकोपापौशती
 कोपस्वानोसपतीकरारमितीफाग
 एसुदिदसामवतदरदतीमुक्तमस
 नाईनेपुरकोपौशती

धालसाविहीचतारमितीप्रसो
 जसुदिदसामवतदरदतीजीपाभोगर्भ
 तिवजगात्रमुक्तपुरददसातपापो
 हभगनासनाईनेपुरकोपौशतदा
 समवतदरदतीथेपासकारासिल
 ममाकिन्धोदसतेनंदापपादा
 मोमोमजकूरमुनासिकपारदासत
 मंदसयतदीवानपानकरारमिती
 प्रसोमसुदिदसामवतदरदती
 जपहोकीमोमनिगावमोहकोकस
 लानुकाकसवासनाईनेपुरको
 तनवसलीरुपपाउगुकोपावेछ

मुनाविमाराजिप्रसिद्धे
 लिखीनाराणहोदियामुना

मुक्तजीवनदरोवसतश्चनदापस
म्वतस्तररुषंसाविन्दसद्वरुष
लगापुचपुनराकसबासवाईजु
रकास्त्रेचोकिजोपुपादस

पु
पलानोसपनीकामितीजोबुदिर
साजसम्भनरुद्रमुक्तमसवाईज
पुर

२०)

सेवततनमादापुनश्रीमुरलीमनो
हरपुरातपुलिकावसबासवाईजु
रकामेदरमुपपुलतीकासालीन
पुपादरुद्रकापई

मुक्तजीवनदरोवसतश्चनदापस
वतदापमितीवैसापुदिरुसालस
म्वतस्तररुषंसीगोभोगईजालि
चोतरकसबासवाईजुपुरकास्त्रे
चोकिजोपुपादस

इत्यप्येनोमवरुद्रमुपपुलतीकासालीन
श्रीभिजैगोविंदजीकिराजमानवत्सी जैगोविंदजीकिराजमानवत्सी
सवाईजुपुरसैमिदररामकिसनननन चईजुपुरदेदेररामकिसनननन
रुद्रकाजोगमैदरुद्रकासवाईजुपुनराकसबासवाईजु
पादुकोपाजैसोभोगकोषदवसवै सवाईजुपुनरासवाईजुपुनरासवाईजु
श्रीतीस्त्रमुवाफिकहुकमश्रीहरजूर श्रीमुरलीमनोदरपुरोत्पत्ति
वैद्यनंलिषाष्टदरुद्रकासवाईजु कसबासवाईजुपुरकासवाईजु
पपादुकोपजैपाजैछैतीसुवासी तीकीदेवतकपुसम्भनरुद्रमुक्त
वतदापवैसापसुदितुसम्भनरुद्र मुक्तजीवनदरोवसतश्चनदापस

मन्त्राधिकारिप्रणीतहृद
विष्णुमीनसाहस्रसुखाधिकारि

धर्मवेलपोतदारकसवासनाइत	३४७	कर्मनोमनगीहसुखानपसी
पुरनामरवेवैकिज्जोमुकराननोगल	सर्जेल	
सलइलाफासुयादरमादेवसर्जु	५४	कुरजीश्री
परा		सागीमागीरप
		नोगदरुदावस् रासविराहसाहमे
	३५	लीपुषाच्छुपधि
साविक	इजाफेदाव	५४
	५४	तफसीलनैस दीनानीहिराजीम
	५४	मुवाफि मुवाफि दतीवासखी
विरोकारनितीनोसुदिउसम्भव		परवानेस कपरना
५४	परवानगीश्रीमबोहरा	पतीवैदर नैसपती
मेनगररोवसतपुपपाकुकीतनपा		५४
गांवमुस्लीमनोहरपुरातप्रलुका		५४
कसवासवाहजैपुरकोउपेगापुप		मुवाफि
३४७	मयेजोगसालीनावसर्जु	कसन
परा		ददीवाली
	३४७	५४
		मुकरजसालीनापुपपाउरुमये
		नोगर्महुवोरससुपपाच्छुतीका
		सालीनापुप
		३४७

पंचजनकराजस

वासवाईजैपुरकी

चैपार

चिठिकायमितीफागणपुरिउ

सम्बत१८७८

वसंततनपाहपोसाधकीमेंझातीटर

कुरखीचिजैगोविंदजीनिष्ठामान

कस्नासवाईजैपुरमेंमिदरएकहिंस

नभोजाकैतीकैवासवैमुवाफिकपा

ददासतमेंदसपतदिवानपानका

रमितीनादवासुरिजसम्बत१८७८

अप्रजपोहवीजोपोसाधकिलकरा

पानासपावैतीकीकीमतमुवाफि

कफरदकिलकराधानाकाओहदावी

राकैपावैतफसीलजैल

मितीअसोजसुमितीअसोजसुदि

दिखनेसमैदहाअनैसमैसदपद

हाकीतीकीकीमतकीतीकागुप

कागुप

२०७

सुनाखिलानिप्रविष्टे

लिखमीतारामहेश्वर

५५५५५

मुकटापुपमाकुपलुकीनेकम
 स्त्रीगंगननौरीतपाहनेलीपरगनी
 सनईनेपुस्कामेंस्थानीगोविंद
 सवगैरहकीनरिहकीमालसेछे
 मोतमीवीधात्रुइतनपाहमेंकते
 ईसोदसप्ततकारातेनारेसोदस
 तपासदुकमहुतामुवाफिकलिपे
 इवनदापसम्बतकह्येदोती
 कोपलानोसपतीविमोमुकरन
 मोसायकासालीनापुपमाकुपलु
 काउपेनामेंभरतीवीधा

२५

पौवानोसपतीकारमितीकानी
 मुरिहसम्बत१८८०मुक्कामस
 ईजैपुर

हाकुर श्रीविजैगोपालजीविराममानकसवास
 वाईजैपुरमेंरामगंगमेंरामूबगैरदपेचनगस्तस

कृष्णविल्लाजिपधिवेद
 सिध्दीनारायणमोरिराम

मिदरनगणगोपाकीसेनास्वामीस्वामिदासकरे

नानत नौगदरमैयगीराकुरनीविनेगोपालजीविराजमानकसनास्वा
ईनेपुरमेंरामगेननेरामूबगेरदपेनअग्रवाजमंदिरसागोपाकीसेनास्व
मीस्वामिदासकरेनाकेबासतीमारफतरपरतनलालकीमितीदुर्तिकने
दसुदिहसाधसम्बत१८८८अजपदेनीनौगनेरमदोकरदेबावीदु
कमदुबोसोभरतीगोत्रधेनपुरावाकडोउवाजेवपारमगाऊपमानास्मा
गोपुरकीजमेदुपपुत्रकीवीयापुत्रुसोदसयतकारोनादेसोहकमदुप
रमदोदुपपुत्रुसीगेनोभकेजीमैयसीमुवाफिकनिमैइकतदापुमिती
जादवासुदिउसम्बत१८८८धेदवैनीकोपरवानोसपतीविधेमुरगरा
रमदोदुपपुत्रुकासालीनारुपपुत्रुकाउपेजाकीयसीवीयागेकसो
वीस

१२०

कपारीकीउपेनादुपपुत्रुकीवीयाकीस्वाजीउपेनादुपपुत्रुकीवी
स वागेकसो

१२१

१२२

पखानोसपतीकरारमितीपोसनुदिदरसम्बत१८८८अमुकामसवा
जैपुर

पखानोदवाकेमोखनवाससेके

कमजिनामिजठिठेद
लिखीनारणहाराशुभा

ठाकुर श्रीवाल्मिकीदेवी विराजमान कसबाध्यामैरंगना
कानौग्रानैरोगीनातोल २२ के तिनसरी ३३३ कोशर
परागासनईनेपुरकासोमुवासिकपरकानैसपतीकरारमि
तीनसरी ३३३ सुदि ११ सम्मत ११११ साल सम्मत ११११ साल
जिनसतोल २२ के रोगीना

३३३३

चावलमुनवर

आरोगेइकी

३३

३३

भूग

बीरत

३३

३३

संकरयोवापाल

कुर

३३

३३

एवपखानासपतीकरारमितीपौससुदि ११ सम्मत ११११ मुकामकसा
सवाहिपुर्

ठाकुर श्रीवाल्मिकीदेवी विराजमान कून्महाराजवैकुं
ठवासीजी श्रीविसनसिंघजीके नान्दीसेवास्वामीगे
खनदाससेवावन सामदासकास्वामीकरैत्याचैव
सतेमुवासिकपाददासतमेदसमतरीवानपातका

मुजबिलानिप्राप्तिदेव
सिद्धीद्वाराण्णोसिद्धि

मितिमीमादुदिरसम्बन्धरदुवरापरासीजीमी
 मरीरोतीनानसुखीदुपरा सुसापस्वीनिराजनजीमी
 मरुवास्तिकपरवानेसपतीनाराजसेकुंदबमीजीमी
 वारिसेसिनीनरामिनीअसछुदिरसम्बन्धरदुवरा
 काक्षेपावेछाअरसेवासागीवनसामदासकरेछेसी
 कालवसदुवरापरासेवासागीगोरवनदासनेनासा
 मीवनसामकोकरैसोरोजीनोदकास्कोअसुतर
 पोमेतेपापोफेरखेन्दीअनरम्हादुपरापुदसचोत
 राकसवासवाईजैपुरकासुइवतदापमितीमादुदिर
 सम्बन्धरदुवरासोरोजीनोदेवाकोदुकमदुवरासोद
 सपतकपौचाहेसोदसपतपासदुकमदुवरापुनपिक
 लिपेदेरोतीकोपरवानोसपतीसियोसुकरगराम्हापु
 पडादस

५५

परवानोसपतीनरामितीपैतसुदिरसम्बन्धरदुवरापरासीजीमी
 मुकरातनयाहरोवसतईवतदापमितीमादुदिरसम्बन्धरदुवरा
 सोरोजीनोदेवाकोदुकमदुवरासोदसपतपासदुकमदुवरापुनपिक

५६

मितिमीमादुदिरसम्बन्धरदुवरापरासीजीमी
 मुकरातनयाहरोवसतईवतदापमितीमादुदिरसम्बन्धरदुवरा

दक्षुः श्रीविजये गोविन्दजीविराजमानगावुश्रीमद्विषय
गोविन्दपुरातपाज्ञानगछपरगनागाजी कृष्णगणा
मेमिररबोदरागोविन्दरामवरागो

त्यावाभोगकैषासर्तमुवाफिकपादरुचावतनोगप्रतीपादुरश्रीविजे
सतर्मेदसपतदीनागवानकरामिती गोविन्दजीविराजमानगावुश्रीमद्विषय
जोदसुदिररसासम्बतपुत्रपुत्रज गोविन्दपुरातपाज्ञानगछपरग
पहूचीभोगनंदरामवसूनीपुपपापु नागाजीवावागणाकामेमिररबो
कोतीकीतनपुत्रदत्तदीनपोतदापर सरगोविंदरामकेत्याकीतनपुत्र
गानासोसाकापरकादेवाकोदुकम तद्वीतपोतदापरगनादोसा
हुनोश्चतदसमितीजोदसुदिरसत्तसि कपरमुवाफिकपरवानेसपतीक
मवतपुत्रपुत्रेसोदसपतकारपेत्वा सरमितीव्यसाठनुदिररसासम्ब
होसोदसपतपासदुकमहुतामुवा तपुत्रपुत्रकार्येपावेगामोव्यवनी
फिकलियेपरवानेसपतीसिधोमुक दक्षुः श्रीविजये गोविन्दरामवसूनीपु
रगदरामवसूनीपुपपापु

पा ५ सोव्यवनीकीपुत्रेवजवरतीगा
वकीरसपुरसजातपारामगछपर
परवानेसपतीकारामितीव्यसाठ नासवर्जिपुरकीरवतदाससम्ब
बुदिररसासम्बतपुत्रपुत्रमुकम उन्दासुसम्बतपुत्रपुत्रेवजवरतीगा
सवर्जिपुर पा ६ कीमापदिज्योत्तरामपके

सुधाविश्वामित्रादीनंदेद
सिधर्मिभारगुहोरिमुआदि

गणेशसत्तमापुत्रराजादृष्टापकीमितीवितापसुरि सालसम्बत१८९९
 श्रवणहोत्रीजीनोगर्भेचाहेसोहृदमनुवागैनीनारुपपापुत्रितसुदि१८९९
 ससम्बत१८९९मेतन्महाकृतवासवाईजेपुराणीनोगर्भेचाहेतोकीपर
 जीसपतीनिधौमुकरारीजीनारुपपापेक

७)

प्राजानासपतीककरमितीवसाळसुदि१८९९सम्बत१८९९सालसम्बत
 १८९९सुपामनुवापरा
 जेवजरीनीनातनमाहगांवसुपातज्जालुकैकसवासवाईजेपुराणीनोगर्भेचाहे
 रातसापुत्यालूसम्बत१८९९मेसालीनारुपपापुत्रितकीपार
 विधीकरारमितीपेसुदि१८९९सम्बत१८९९

गणेशपुराणीविदमवगौपिराजनान्श्रीकासीजीमें
 जीनोगर्भेचाहेसागोवनावपुरनीमकानागलकांगै
 तकादवेलीपरगनासवाईजेपुराणीनोगर्भेचाहे
 रुपपाउपुतीकाकरारममहाकारुपपापुत्रितसुदि
 कपरवानेसपतीमहाराजानेकुंटवासीजीश्रीसवाई
 माधवसिखजीकरारमितीजे६सुदि१८९९सम्बत१८९९
 सालसम्बत१८९९कार्थेपावैसोदासिलहिसागोवने
 सम्बत१८९९ताईपापीमुकरारसालीनानसुली१८९९

गणेशपुराणीविदमवगौपिराजनान्श्रीकासीजीमें
 जीनोगर्भेचाहेसागोवनावपुरनीमकानागलकांगै

मार्गगुतीकाकरारम्यमहाकापुपुषासाधनारसे

५५७

जायपुरवीरमहाकागलकानाग गांवनेम्यावासदातवैतनननुप
लतननुपपात्रुषुमयेपरीनु पारुषुमयेसाविकतनमैरुपपा
री

पचास

५५८

५५

परवानोसपतीकरारमितीमाहसुदिसमन्तपदरमुकामसनाई
जैपुरइवनदापसाविकदसतूरबहालसमन्त ५५५५
हलपरवानोसपतीकरारमितीमासोतसुदिदसमन्तपदरमुक
मसकाईजैपुरमुकरातनपादहिसगांवनावपुरवीरमहाकागलकानाग
रहतपाहवेवीपरगनासपाईजैपुरकामेइवनदापसमन्त ५५५५
नोमनैसाविकदसतूरबहालजाएहासिलहवालेकलोकिमोसा
लीनामसुलीनुपपात्रुषुमयेपरीनु पारुषुमयेसाविकतनमैरुपपा

५५९

गांवनामपुर्वीमहाकागलकानाग गांवनेम्यावासदातवैतनननुप
त्रुषुमयेपरीनुदीरुपपाव्वारसे पारुषुमयेसाविकतनमैरुपपा

५६०

पा

५६

राम नाम प्रबुद्धनारा
विष्णुनामप्रबुद्धनारा

उरलात्तगुसाईनाईरुकीजाआकासीजोमैन्दाराजपैनुदवासीजीधाम
नसिद्धिप्राप्तकुरासीनिंदमायबजीविराममानवासतेभरतीश्रीगंगाजीवा
कन्याराकीजमीगणपदपद्मोत्तलेरनअईजीतीकीकलदानवतरकी
करारतारीपद्महीन्यासफाउलभुनफरसेनपद्मद्वैतकीकासीकीमसे
सुतीमैलिधोसोराधरापाछसेपीननेगुसाईरामतीवनपातस्त्रहीस्
नेतसवरतीवेईमालूमकरईफलानकरापस्त्राषोसोमईअस्त्रदिजोनी
न्यासकासीजीमैनीकानसादिवफिरंगीकनेदुहोसोफसाननोदगम
जीसकराफलमाजीसोन्याममैझूहोदुहोअरकागददरवासेनीलिपदे
अजोतीकोमकावउछनेलिधोनीदोन्याहीनेअपैअजदिन्योसोउदे
लालगुसाईवारामजीवनगुसाईकोनाईपरमपरसादसगाईजीपुरखा
पासेहोनाकोन्याववोपापलिधोइवासतेमुवाफिकदुकमश्रीदजर
कैलिधाछपासरतीगुसाईउदेलालकीआस्तुकरापीछेसोअपानो
इयलसकरैतोकरकामतदिन्योचिदिकररमितीपोससुदिईसम्बत
१८४८

नकलमदेरसरीपतपनाकाजीसाहुलासरददोनपतरबम्होरमहर
जाधिराममदारानामानसिधुजीकरारतारीपद्महीनासफुलमु
फरसेनपद्मदिजीपसरदनीधोनीगणपदपद्मसरदबनारसभाद

सुभाषिलगनेमभिजिद
सिधुमीवागभोरिरुमुकुषी

श्रीगंगाजीकेतपरत्तरपरिसरकाकी हैअरुजसजमनान्तरप्रकुरदु
वाराश्री नीकामुकरदुवाअरधौधीयलीगिरदनमामेंशकुर
दुवाराकेलोककीहैसोउकोश्रीशकुरप्रितमायोप्यासकोश्रीकितनार
नकरदिपौसोतोकोईकापुनमुकामइसवीवकवाहोवैसोअमीनमम
कूपरमायोप्याससेकोईबातकरमुजादमतनेनोहैअद्वैतानपतरकर
दिप्राहैहदजमीनकीतोनिवासतसकासकपमहैउगूणीकीतरकश्री
गंगाजीकापरवादअरुतरकीतरकअद्वैतमीनाहनेकूनाहैबदातकअर
पसचिमकीतरफकीराहहैअरदियलकीतरकश्रीगंगाजीकापर
वाहैतिसकेबीचकुरदुवारामुकरदुवाअरवाकीअलीमायोप्या
सकोदानपतरकरदिप्राजोकोईमुजादिगनेहोवैतारीषसदरसंनदल

अद्वैतद्वारमानमिंदश्रीकासीमीकाजोप्या

विधीकरारमितीपोसमुदिहसम्बत१८४८अप्रचिउदेलानगुप
ईजाहरकरेनोश्रीकासीजीमेंभगवतवैकुण्ठवासीजीश्रीमानस्पद

जीशकुरश्री नीबिराममानवास्तनेधरतीश्रीगंगजी

काकिनाराकीजमीनअरुमोललेंचछाईतीकीनकलदानपतर
कीकरारतारीषसदीनासफरतलमुजकरसन १८७९ दिनीकाजीकी
भोरसुतीमेंलिखीसोहायराज्यअसोबीचनैगुसाईरामतीवनपान

मुद्राविष्णुप्रसाद
श्रीगंगाजीका
द्वैत

स्थाद्वीसुषिदलं यस्मादेवैसाङ्गुकरत्नमालां करत्ननाश्रुसन्दिग्ध
 लज्जाम्बुमलदीपोन्मीन्पावनीकासीमीमेंगेकीनसद्विक्किरनीकनेहु
 सोसोफलाग्नवोदगावनीसुकरपलनाश्रुसोवोन्पावनीकरोहुनीकनेहु
 गनदरवारनेनीनिधोआश्रुतीकोज्ज्वावठाने निधो नोरोन्पावनी
 इतिजेजदिनीसोतदेलालगुसार्नाराभर्मावनगुसार्नकोज्ज्वावठाने
 सनाईनीपुष्पाश्रुसोदेन्पावनीकाम्बुमालाश्रुसोदवासेतेसुषुप्तिकहु
 कमश्रीदृशुसोनिपाठाश्रुसोदवासेतेसुषुप्तिकहु
 सोसोभोरकोद्विपालसेवरेतो कस्वादिनीभति

श्रीविनायकजीविराजमागछरायचत्तरमैत्रके
 त्याकेपुजारीजहरकरीनीनोरोनीनोरोनीनोरोनी
 छवन्तरागपाराद्वारीकसनासोपुष्पाश्रुसोदवासेते
 कपरवानेमिसरश्रीकिसनकेसम्मतवठानाईपा
 नाज्जम्बुमलसन्ततलवकरेछेइलासतीश्रुने
 मुनाकिहुकमश्रीदृशुसोनिपाठाश्रुसोदवासेते
 त्यागपाराद्वारीकाम्बुसम्मतवठानाईपा
 नोअम्बनीदिनापानाश्रुसोदवासेतेसुषुप्तिकहु
 इपरवानगीसेवारमवरीगा



बौद्धों की महानगरपालिका लुम्बिनीमा लुम्बिनीमा
महापद्मनाभालासनामा

—

बीमों की बीमों को गोप्य गायक लालिका लुग लाल गायक में
 भाग्य नई लाल राम चरण प्रो सो भोग भोगि सुगौरव की वासी मा
 फल लाल रत्न लाल कोमिनी कातिग सुदिन सम्भव १२३४
 चरण भक्तुनी जोग जीती नगौरव नमी बीधा रहु गां प्रमत्त
 को रत्ना को हुकम हुनो सो रत्न भक्त चरण प्रो नार्ह सो हुकम हुन
 भक्त बीधा रहु कनार की की धानु नैन प्रद प्रद ताहला प्रक
 रत्न बीधानु इव न प्रसम्भव १२३४ चैं रत्नो ली को भक्तानो क
 रत्नो ली सुकर रत्न रत्न बीधा रत्न

5

कनारकोबाबा मान्य — संजयजीक तादात्यामक लखारी

5

आचार्य

4

मन्मथोन्नयनी नगरमिली ज्योतिषादिसुखितसम्पत्तद्विदुषु
मन्मथोन्नयनी नगरमिली ज्योतिषादिसुखितसम्पत्तद्विदुषु

सुखादिप्रपञ्चादिप्रमाणैः

संख्या ॥१३३॥ विराजमान

श्रीमद्गुरुजीविराजमहाराजसुखीनारायण

श्रीमद्गुरुजीविराजमहाराजसुखीनारायण
जमानसुखीनारायणकीसेवा नानसुखीजोगनारायणकीसेवा
मादरीजीनारायणसमंभूतनारायणकीसेवा नानसुखीजोगनारायणकीसेवा
नेजनायकापेटीनारायणकीसेवा नानसुखीजोगनारायणकीसेवा
नारायणकीसेवा नानसुखीजोगनारायणकीसेवा
स्वामिनाथनाथकीमिलीपासत नानसुखीजोगनारायणकीसेवा
रिडसम्बतनारायणकीसेवा नानसुखीजोगनारायणकीसेवा
बीदुनामदुनामकीसेवा नानसुखीजोगनारायणकीसेवा
नारायणकीसेवा नानसुखीजोगनारायणकीसेवा
रितनयननारायणकीसेवा नानसुखीजोगनारायणकीसेवा
करीबतीमुकरननारायणकीसेवा नानसुखीजोगनारायणकीसेवा
रहमुनिकननारायणकीसेवा नानसुखीजोगनारायणकीसेवा

श्रीमद्गुरुजीविराजमहाराजसुखीनारायण

श्रीमद्गुरुजीविराजमहाराजसुखीनारायण
श्रीमद्गुरुजीविराजमहाराजसुखीनारायण
श्रीमद्गुरुजीविराजमहाराजसुखीनारायण

श्रीमद्गुरुजीविराजमहाराजसुखीनारायण
श्रीमद्गुरुजीविराजमहाराजसुखीनारायण
श्रीमद्गुरुजीविराजमहाराजसुखीनारायण

नृपिजीपुरकीमुलमि लवरीका नसिकीसो दयनराप्रसम्पत १८३८
रेवाकोहुकमहुवीसो रसयनकरा प्रोचहे भोदसयत माभहुकमपु
मुक्तिफकासि ये रती लोको नदानो सुबनी सिपौ मुकररायली कनास
की बीछानीस

३७

मन्नालोसबनी करारमिती फायाए पुरि १८३८ मु काम म्ना
इजपुर

मन्नेरनी श्रीमु प्रनेस्तरनी बिराजमान कस्यामला
रीने भुरमेशुत मिला किमकुहा की भोरी के कापु था
का बाग मी मेरि रसि मला न प्रा की लपके

४

बाबल ए प्रनमाली नोवा म्हा दे नली श्री पुनने रप्रनी बिराजमान
केल बास जारि लो पुर मी मुन मिला किसम कुहा की मीरी के बाप
या का बाग मी मेरि रसि मला न प्रा की लपका नोम के वा स्ते मु
फिक प्रादि रासो मुन मिला प्रादि रसो मेरे स यत दीवान प्रा
करार मिती का निरुद्धि सम्यत १८३८ अमन यही बीजी अमि

[illegible]

99

संस्कृत-संज्ञा

१५५

सौरभस्य वारणसी जाते सोहस्यलयासन्मार्गे नौमेहोपद्रुक्तम्
दुःखं साधिका लिये सीमो नोगको द्योलीको मृगानो सुवलीलि
नोमुकरागोयमनक रूखी यरनी नौषा

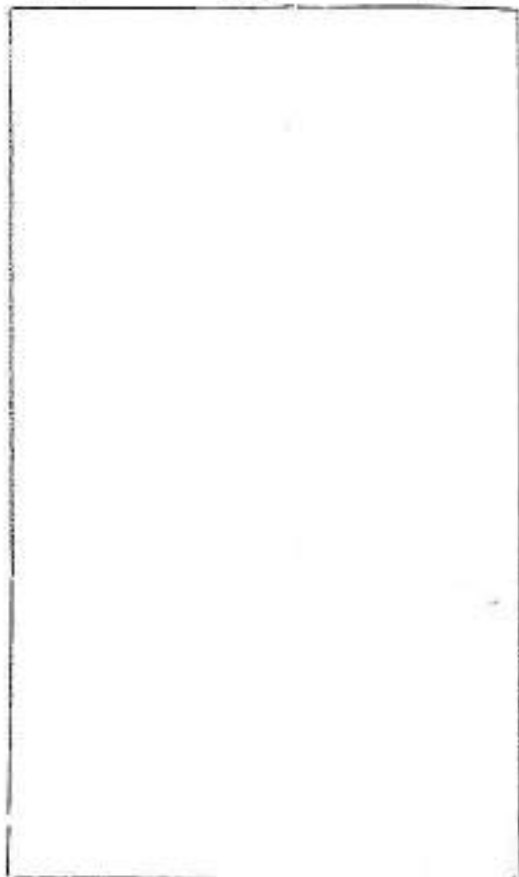
199

प्रधानीसेवती करारमती प्रमत्त रुद्रिदर राणासम्बतर्षद
मुक्तप्राप्त्यर्जिपुर

सहस्रप्रसन्नविधौ लालनव, लानयौ सदा।

सुभाषितानि गीतानि च
संस्कृतभाषायां विविधानि

नमो ब्रह्माय नमः
सर्वभूतहिताय नमः
सर्वलोकहिताय नमः



धनुराश्वीमुखि सनोहर जीविराजमानकस्वामिना
ईजपुरमें देहराजमलकुम्हारके

धनुराश्वीमुखि सनोहर जीविराजमानकस्वामिना ईजपुरमें
देहराजमलकुम्हारके तनाका जोगके तास्तें मारफत बिदवा
परकी मितीमाया अस्ति ईसम्बत १८०३ अरलपहो न्यो हुकम
हुवा जोगनें दरगहो नसुलीरूपया ३० ईसम्बत १८०३ मितीमादवम
दि ३० सम्बत १८०३ येती कीतन बाह चबु न्यायस्वनास्त्रा ईज
पुरका परिचरी तोको अबाजी सबती करद नौ मुखरा दरमा
नसुलीरूपप्रातीत

३

मन्नामोसबती करारमिती मासु दिवर सम्बत १८०३ मुकाम
स्वा ईजपुर

एकजतन बहाग नमसंरामपुरा तालके कलनास्वा ईजपुर
रकामे ईवतदापसप्यसालू सम्बत १८०३ ये सालीना रूप
पाव ७० की पाई बिमि नगर मिती कली बुदि ई सम्बत १८०३

धनुराश्वीमुखि सनोहर जीविराजमानक

मुकाम बिलकिताही नकेर

मलदेव मभसमही नकेर

सन्नास्नादिनपुरमैदेहर्नन्नानैरकायैवकुसुमां

अन्तुराक्षीमुरभिमतोहरजीविरजमानकसवास्नाईजपुरमै
 दिहर्नन्नानैरकायैवकुसुमांहरनैतयाकाजोगकैवार्त्तमुखा
 फिक्कपादिदासलभैरसद्यतविज्ञानप्राप्तनकररमितीभाद
 वासुदिहसालसम्बतव६०८अप्रजयहोन्वीन्नागैरसाहै
 वसुजीरुपपुत्रुचनुवाकस्वास्नाईजपुरकायैमुखाफि
 कअनानोसबतीमहारजावैकुंत्वासीजीश्रीसनाईईन्ना
 रस्ययजीकररमितीभादअसुदिहसम्बतव६०८कविपा
 र्त्तहोसोसम्बतव६०८ताईपापेन्नाअनानोसबतीहा
 न्कोकरणीचाहेसोदसद्यतवासुहकमहुवाइवतदासम्ब
 तव६०८येअनानोसबतीकरदोमुकरराहरनाहोवसुर्त्त
 रुपपातीन

३)

अनानोसबतीकररमितीभादअसुदिहसम्बतव६०८मु
 कायैस्वाईजपुर
 पञ्चवतनयप्राप्तेसुयमोलाखकैकस्वास्नाईजपुरवर्त्त
 म्बतदाससाधस्यालसम्बतव६०८येपादिसानीनारुप

पुत्राभिलषन्ताहीकैदेह

वसाहेमवापुसम्बतीपुत्राजने

या दुष्ट निषेधकारिणीतोयोस्सुदिदुसम्बत ५८ ६३

हाम्बुरजीमुरस्मिन्नोहर्जीविराजमानकलना
मनाईजपुरमेंबंदरमाणांनेरकापयव्यातनाके

हाम्बुरजीमुरस्मिन्नोहर्जीविराजमानकलनास्वास्वाईजपुर
मेंदेहर्षणांनेरकापयव्यातनाकेलनाहकाचोगाकेव्यास्व
मुर्चाफिकपादिहास्तीमेंदसयतदोवातयाजन्मकारमिती
नारनासुदिदसम्बतदसम्बत ५८ ६३ नरजमहोबीज्यागेवरमा
वसुन्नीरूपपुत्रुचबुत्राकमवास्वाईजपुरकथेंमुर्चाफि
कमवानेंसवतीमाहुरानावैकुण्ठवासीजीजीमवाईईव
सम्बतनीकरांमितीयास्सुदिदसम्बत ५८ ६३ उकासीजा
वेछोसोसम्बतवर्गिताईपासोन्नवव्यातोसम्बतीहाल
केकहापोव्याहोसोदसम्बतवासहुकमहुवाईमनासम्बत
येमवानोसम्बतीकरदोनोहमुकरादनाहीवसुन्नीरूपपा
न्या

(५)

ज्यालोसम्बतीनारमितीसागाअसुदिदसम्बत ५८ ६३ मुव
मुवकिलालिपाडीकई
मलदेवममसमोरील

मसखान्दीनायक

पञ्चतन्त्रव्याख्यायां दत्तात्रेयस्य चतुर्थोऽध्यायः
नन्तु राक्षसाय स्यात्तु सन्तु वदतु दत्तु यथा ईसा लीला रूपेण च
निरूपितं नारदमितीति न गतीनु दि हं सन्वत दत्तु दत्तु

प्रकुरभीमुरन्निमनोहसुतीविराजमात्रकस
कसलईजपुरमंवेष्टेपीठरात्रासङ्कटकण्य
के

[illegible]

मुक्ताविल्लाविष्णुगोत्रेण
बलदेववत्सलमहोदयः

धे प्रवासो सवती कर दे हो ह मुकरा दर मा हो व सुली रुप पा न्या

ॐ

मना तो सवती कर मिती चेत बुदि चर मानवत वर प मुफा म
सवा ई ज पुर

एव जतन था ह गान सुख सो लाल के क सवती च इ ज पुर का मे ई
जत दा मना प्रस्था सु स मन्वत वर क ड दे या ई सा लो ना र धु वि हो
कर मिती पो स सु दि प स म्दत वर क ड दे

प्रकुर बी मुर लि म नो हर जी विराज मान क स व
सवा ई ज पुर मे दे हर सा मानो का ट की वाला के

प्रकुर बी मुर लि म नो हर जी विराज मान क स वा म न इ ज पुर
मे दे हर सा माने र का ट की वाला के जो वा स्त नो ग के मु या दि
क या दि हा स्त नो र स वत दो नान पान च र र मिती आ द न बु दि
क स मन्वत वर क ड दे ज न म हो नो न रा ई दर मा हो व सु ली रुप पा
नान धु न बु ना क स वा स वा ई ज पुर का सो न रा फि व ज क
ने स वती मा हर ज न के कु ट वा र मी श्री म वा ई ई वर स पं ह जी

मु न ग वि ला कि मी वी क र
म ल दे न म स म हो री लु म

अकुरा श्रीमुरारिभक्तो श्रीविराजमानकसबासवाईजपुर
 मेंदेहरे श्रीनिसनचामगोडमनोहरपुराकाकेतनाकासोत
 नैलास्तेमुवाफिकयादिद्रुप्तेमेंदसयतदीवानपानकर
 रमितीकातीसुदिपसम्बतवृषभनश्रजपहीचीपोन्नगोद
 रसाहेबसुलीरुपप्राचुववुचानकसबासजकुरकासीमुव
 फिकमवानंसबतीमाहरानबैकुटवासीनीश्रीसवाईउ
 कुरसंप्रणीकरारमितीचेतसुदिदसालसम्बतवृषभ
 येपानैकरसोदरमाहेसम्बतवृषभयेताईपापोन्नवमवनि
 सबतीहानकोकरापोन्वाहेसोदसयतयासहुकमहुवा
 ईवतदापसम्बतवृषभयेमवानोसबतीकरामुकररा
 रसाहेबसुलीरुपप्रतीन

(३)

मनोसबतीकरारमितीमयंअसाठसुदिदसम्बत
 सानसम्बतवृषभमुकाससवाईजपुर
 एवजततयाहगायसुखीतालकैकसबासवाईजपुर
 मेंदेवतदापसापापानुसम्बतवृषभयेपाईसालीता
 मुकाविलाकिपाहीवहे
 मलदेसलमसामोरीपुत्र

रूपपात्रुचिरीकरमितीपेससुदिरसम्बतवत् ३३

पकुरासुरलिसनोहर्माविराजमानकसु
सत्ताईजपुरमेंदेहरापंचनभालाबालाके

पकुरासुरलिसनोहर्माविराजमानकसुसत्ताईजपुरमें
देहरापंचनभालाबालाकेतनाकाभोगकेवासुतैमुत्रकि
कपाविदासतमेंदन्वतदीबाभप्रलकरमितीसात्राएसु
दिरसम्बतवत् ३३ नभालाबालाकेतनाकाभोगकेवासुतैमुत्रकि
रूपपात्रुचिरीकरमितीपेससुदिरसम्बतवत् ३३ नभालाबालाके
सत्ताईजपुरमेंदेहरापंचनभालाबालाकेतनाकाभोगकेवासुतैमुत्रकि
मितीसात्राएसुदिरसम्बतवत् ३३ नभालाबालाकेतनाकाभोगकेवासुतैमुत्रकि
तारैपापेनभालाबालाकेतनाकाभोगकेवासुतैमुत्रकि
पात्रुचिरीकरमितीपेससुदिरसम्बतवत् ३३ नभालाबालाकेतनाकाभोगकेवासुतैमुत्रकि
रूपपात्रुचिरीकरमितीपेससुदिरसम्बतवत् ३३ नभालाबालाकेतनाकाभोगकेवासुतैमुत्रकि

३

अनातोसुक्तीकरमितीचादवासुदिरसम्बतवत् ३३ नभालाबालाकेतनाकाभोगकेवासुतैमुत्रकि
मुक्तामिलकिमाहीको
मलदेसममसुहोदिपुत्रा

मसवाईजपुर

पुण्यजलनपाहगावगोपालचवदपुरातानकैकसबासवाईजपूर
रुक्मिणैवतदापसाधस्पातूसुखत१८३३येमईसाजोताइयप्रा
३८८८विषीकपारमितीपोंससुदि१५मानवत१८३३

मकुस्त्रीमोहनजीचिराजमानकसबासनाईज
पूरसेदेहरेंनजाहेमराजकै

मकुस्त्रीमोहनजीचिराजमानकसबासनाईजपूरसेदेहरेंन
जाहेमराजकैतलावचोगाकैसास्तैमुवाफिकप्रादिदा
स्तमैरसुयतदीवानप्राप्तकरामितीजादवाबुदिपस
नवत१८०८अजपहोन्नीज्योदरमाहोवसूलीरुपपाहु
चनुजाकसबसवाईजपूरकासीमुवाफिकअज्ञानोसब
तीमाहएजाबैकुंदबासीजीजीसवाईईअवरस्पयजीकै
रामितीआस्तैजबुदिहसामनवत१८०८काथेपावैसोदम
होसामनवत१८०८ताईपाप्रोअजमतामोसवतीहालवै
करावैजाहेसोदसयतआसहुकमहुलाईसतासामनवत

मुवाफिल्लाकेतडीकरिद

मलदेसजअसमहोरीरुप

यजमानिप्रवर्तकामकरात्माहीदसूलीरूपराज्या

७

प्रवर्तकामकरात्माहीदसूलीरूपराज्या
नारदजपुर

एवमन्तजयाहारात्माहीदसूलीरूपराज्या
रक्तमैर्द्विदशप्रसायस्वाल्सम्बतवद्विदशसालीनारूप
प्राप्तुकीपाईनिर्दिष्टमिति काती बुद्धिस्तत्तु

प्राप्तुकीपाईनिर्दिष्टमिति काती बुद्धिस्तत्तु
सन्नाईजपुरमेंदेहोंसुययंमविरामसीगन्तु
उक्तं

प्राप्तुकीपाईनिर्दिष्टमिति काती बुद्धिस्तत्तु
मैदेहोंसुययंमविरामसीगन्तु
मुचाफिक्तमादिस्तमैर्द्विदशसालीनारूप
रक्तमैर्द्विदशप्रसायस्वाल्सम्बतवद्विदशसालीनारूप
प्राप्तुकीपाईनिर्दिष्टमिति काती बुद्धिस्तत्तु

पुनर्जायिताकिमाहीनहैद
मल्लदेवप्रसवमैर्द्विदशसालीनारूप

कमबानेसबतीसाहरजानकुलवासिजीभीसनाईईक
रस्ययनीकरारमितीयोसनुदिहसम्बत१८०३कायेपावेछ
सोसम्बत१८०३ताईयाभोजनप्रधानोसबतीहालके
करापोवाहेसोदसम्बतयासनुकमहुताईवतदाप्रसम्ब
त१८०३येमन्नातोसबतीकरदोमुकररादरमाहोरुप
दोप्र

३

मबानोसबतीकरारमितीयोसनुदिहसम्बत१८०३मुकाज
सवाईजपुर

तेनसाहगावसुप्रोतालकेकसबासवाईजपुरकमिईव
तराप्रसावस्यालूसम्बत१८०३येपाईसालीनारुपमा२०
बिधिकारमितीयोसनुदिहसम्बत१८०३येसालीनारुप
पावेईस

४

पाकुरभीहोनजीविराजमानकसबा
सवाईजपुरमेंदेहरंनपूरामकाप्रयके

५

पाकुरभीहोनजीविराजमानकसबासवाईजपुरमेंदेह
रुकावसितीयावईद
मलादेमममसामेमीव

रत्नप्रामकाययकैतराकाजाकेवास्तैतारफतविदहाय
रकीमितीमास्बुदिइस्मन्वतवदन्हुअरज्ञयहोवीहुकम
हुनाइसतामिलीनाइवासुरिइस्मन्वतवदन्हुसंगंआतेइ
रगाहवसुलीरुधपाहुमुनरावकीतीकीलनमहावधुना
कसवासबाईजपुरकापरिकारदेप्रवागोसचतीकरहे
इमुनरादरमाहवसुलीरुधपावनार

9

शुद्धात्मसन्तानिकरार्मतीयथागणसुदिहिसन्वत २२७३
शुद्धात्मसन्तानिकरार्मतीयथागणसुदिहिसन्वत २२७३

श्रीमहादेवजीविराजमानकसंवास्तवी
इजपुरमलेहरमुमान्नीरामऊतालीकें

श्रीमद्देवजीविराजमानकस्वामिनाईजपुरमें बंहरें गुम
 गिरंसाझालागे कैतवाका नागनें वास्ते मुवाफिक यादि
 वास्ते में दस्यत दोनास या जकरार मिसी न्नामांज बुदि
 रसावत दूर दूर अरज पहो चीजो वरमा हो बसु लो रूप
 प्राकुच बुचा कस्वामन कुरका सो मुवाफिक बचने
 मुका विसा कि मही लहे
 अलदिक जस गोरी कुरा

सखलीनद्वाराजावेकें नववर्षीजी श्रीमद्वर्द्धिद्वारसंयजीक
रारमितीजें बुद्धिद्वारसालसम्बतवर्ष ३०६ कविपानेलासे। दर
महासम्बतवर्ष ३०६ पांसा नववर्षानो सखली हासको
करापोचाहे सोदसयतयासहुकमहुना ईश्वरालापरुसम्बत
थिअवानोसखलीनरोमुकरादरमाहोवसहुले। रुपप्राप्तीन

(३)

अखलीनसखलीनकरारमितीयेसबुद्धिद्वारसम्बतवर्ष ३०६
मसन्नाईजपुर

श्रीमाहदेवजीविराजमानकस्तथास

आईजपुरमेंदेहेनममाहमराजके

श्रीमाहदेवजीविराजमानकस्तथासआईजपुरमेंदेहे
नममाहमराजकेतनकाजोगकेदासतैमुवाफिकस
दिदास्तमेंदेसयतदावानयानेकरारमितीचादक्ष
बुद्धिद्वारसम्बतवर्ष ३०६ नववर्षाहोखीयेदरमाहोवस
लीरुपप्राप्तीचवुआकसबासनाईजपुरकाथिमुवा

तुवाभिलाषिताईकोहे

बलदेवमसहोपीसुख

पिक्क. मन्त्रार्थे स्ववतीमहाराजानेकुं न बासो जीमोसवाई
 ईश्वरस्य मन्त्रोन्मिरामिती कार्तीसुदीर सम्वत वर ७५२ क
 पावे ७५२ सो सम्वत वर ७५२ ताई पापो ७५२ न प्रवानो सम्वती हा
 लको न करपो न्यो सो न स यलया सहुक महानाई सतागस्य
 त वर ७५२ सो प्रवानो सम्वती करो मकर रा द्रमहो वसु
 ली रुप प्रातीम

(३)

प्रधानी स्वकी करार मिती पोस बुदि र सम्वत वर ७५२
 काम सवाई जपुर

श्रीमहादेव जी विराजमान कसबा सवाई जपुर मे देहरे
 सुर मे देहरे दोस्तार मका प्रयक

श्रीमहादेव जी विराजमान कसबा सवाई जपुर मे देहरे
 लतरा मका प्रयकें ल वक्क नो पाकें वास ते भार कत बिद
 यार की मिती पोस बुदि र सम्वत वर ७५२ न प्रवानो सम्वती हा
 कम दुवाने नो गते र महो वसु ली रुप प्रा कुं न वत दा प्र मि
 गुका मिला मित्रा जी गरी
 मल देव मल सादी गरी

तीजारुखसुदिन सम्बत १८०३ सीकरितौ कौन नखाह्य बुझा
कसबासवाईजपुरकायरेकरि प्रवाना स्वतीकर दोह
करापरमाहो बसुली रूपपा

(३)

अज्ञानो स्वतीकरा मितेयीस सुदिन सम्बत १८०३ मुक
मसवाईजपुर

१

धनुरासी महल्लेख जीविराजमान कसबास
वाईजपुरमें देहें नागारथगीर सीकना सीकें

१

धनुरासी महल्लेख जीविराजमान कसबासवाईजपुरमें
देहें नागारथगीर सीकना सीकें तनाका नानेहर माहा
सुली रूपपा १) चबुजा कसबासवाईजपुरकाथे मुवाफिक
प्रधाने स्वतीमहा राजा जी स्वामी सायब खंयजी कराए
तीजवैत सुदिन सम्बत १८०३ काथे पाने मुकरापरमाहो
आ कसबासवाईजपुरकाथे रूपपा तीन बरु, ली

(३)

अथ शिवप्रकृतद्वारा मितेयीस सुदिन सम्बत १८०३ जाहर करिने
मुकाबिले नागारथगीर सीकें
बलदेव अग्रसमर्थी रूपपा

नौगणेंदर माहो रूपमा जुको चने ज्ञान स्वामन नूर काही
मुचाफिक नवानि स्वती कोया बंछो सो नौ चने किताना दि
नाती रघा बंछा साती सो नौगणेंदर माहो पापि नही नत्र न
ती रघा सो नौगणेंदर माहो देती ई वास्ते
याने लिखा न मुचाफिक नवानि स्वती नौ नूर माहो चने
नाम न नूर सो ई बत दाख मिते चैत रुखि ठ सम्यत बह ब
धे देवा की ज्यो नवाना पी राजा हर साहाय मुकरा दर माह
व सुली रूपमा ३)

एवमन्त्यथाप्राप्तसुखतोतालवैकसंवासादितिपुनरुक्तं
मिदंशब्ददाप्रसाधस्यानुसन्वतवदुक्तंयथाईसातीता
रूपपात्रदुच्चिवैकरमितीपोससुदिपसन्वतवदुक्तं

पञ्चपुरीसौहृदलालजीविराजमान
कसबासुबाईजुपुरमेंदेहरेंप्रत्यमोच्यार्क

शकुर्वातो हनला लनी बिराजना नकस्वास्वा इज
पुरमें देहुरें मन्वमो न्यत्रा के त्सका भोग के तास्ते मुवापि
मुवा विजिगाही लने
बला देव वरद गेहो

कथादिवास्तेमैदस्यतदीक्षान्प्राप्तकरमिति जेठवृद्धि
सम्बतपश्यन्त्यजप्रहोर्वापुष्यसंगावाहेसीदस्यतवास्
हुंकमहुवात्रुंसतामिति जेठवृद्धि सम्बतपश्यन्त्यज
नान्नामादेपन्तोवाक्कसस्वास्वादिजपूरकाव्यवृत्ता
श्रीवृत्तातीकोप्रवाप्तोस्वतोकारोमुक्तरारो जेठान्नामादे
स

3

प्रवान्ते स्वतीक्ष्णमिती-प्राज्ञेन बुद्धिद्वयसम्बलसम्बन्ध
कामरुपाणि

एवमन्तस्य ह्यहो न देहीता लवैकस्य सत्ता जेपुरक
मिदं बलदा प्रसाय स्यात् लुप्तम्बत वरुद्वेपादि सलीमा
युपपान्दरुचि विचार मित्ती क्ताती बुद्धि र्दस्य न तु ३३

धक्कुरश्रीमुरलिमनोहरजीविराजमानक
 सब्बसत्तइजपुरमैमिदरस्यामीस्मानदल
 कं

शंकर श्रीमूर्तिमने हरजी बिराजमान कसबा सवाई जपुर
 रने मिंदर स्यामी स्यामरास कंत नका नोपा कें द्रा स्तौ मा
 कत अनरद स्वरय की मिती आसो जसुदि र सम्वत् १८५१
 अजर जपरा नीहु कमहु बाबर माहो वसुली रुप प्रा कुई स
 ता मिती जाद द्रा सुदि र सम्वत् बहदुर ये च युजा कत
 बा सवाई जपुर का परि कर देहा हली को न दानो सब
 ती करो मुकरा दर माहो वसुली रुप प्रा तोन

३)

प्रधानी सब ती कर मिती माहा शसुदि र सम्वत् १८५१
 मुकाम सवाई जपुर
 सब जत नया दगाव देही ताल कें कसबा सवाई जपुर
 कामे ई बत दास साध स्याम नृ सुवत वर उदये पारि सा जो
 ना रुप प्रा दु दु बिधि कर मिती काती दुदि र सम्वत्

१८५१

शंकर श्रीमाह देवजी बाग ए सजी हनुमा
 नजी बिराजमान कसबा सवाई जपुर

मुकाम बिलाजी माहा कंत
 बल देव प्रसन्न हो जो मुकाम

हजारीबुरजनीधेमिदरगोपारंगमगुम्फकै

१

भक्तुरभीमहोदयवर्मा ॥ एतन्मन्त्रहनुमान्जीविरा
जमानकसत्वास्वाइजपुरमितिदरहजारीबुरजनीधे
गोपारंगमगुम्फकैतन्मन्त्राज्ञासरोमारफसब्जम
रदस्येयकीमितीन्नासोजसुदिदसम्बतवदत्तव्रज
पहोर्चिहुकमद्वारावर्माहोवसुलीरुपप्रातीतकैईवत
दाप्रमितानादस्वासुदिदसम्बतवदत्तव्रजोतीकैप्र
वर्णोसचतीलियोगुकरराचवृत्ताकसत्वास्वाइजपु
रकासोदरताहोवसुलीरुपप्रा

३

प्रवर्णोसचतीलियोगुकरराचवृत्ताकसत्वास्वाइजपु
मुक्तामस्वाइजपुर
एवजतनवाहगान्धकनकपुरातालकैकसत्वास्वा
इजपुरकासोदरताहोवसुलीरुपप्रातीतकैईवत
नारुपप्रातीतकैईवतदाप्रमितानादस्वासुदिदसम्बतवदत्तव्रज
सम्बतवदत्तव्रज

मुद्राभिलाषिणीकै

अलंकरणस्वर्णोपहार

नमो नमो

पञ्चपुराणीमहादेवसिखलगाजीविजयनमातकसवासवाइ
जपुरमेंदेहरीसितारांमधवीकैतवाकानोगकैनास्तीमा
फलअनरदस्ययकीमितीमहासुदिनसम्बतवद्वत्तनर
जपहोचीतुकमहनादमाहोवसुलीरुयपातीनकाईस
तामितीमहासुदिनसम्बतवद्वत्तयेदोलीकोमकानोसब
लीलिमोमुकराचवुनाकसवासवाइजपुरनासोदरमा
होवसुलीरुयपातीन

(३)

मवानोस्वतीकरारमितीचैतसुदिनसालसम्बत
मुकानसचाइजपुर
स्वजतनवाह्मनदेहरीतालकैकसवासवाइजपुर
कामेईकतहापसायस्यानूसम्बतवद्वत्तयेपाईसाली
नारूपपाइयुचिधीकरारमितीकलीयुदिनसम्बत

पञ्चपुराणीमहानमोहनजीविराजमानक

मुकामिलानिप्राहीकई
अनदेवनप्रसादीशपुरा

मन्त्रादिना विना पुनः वादसीति माहुं देहरीम
बन्धुहाराके

२

पिकुर श्रीमदममोहनजी विराजमानक मन्त्रादिना
पुनः वादसीति माहुं देहरीम बन्धुहाराके तना हका नो
गके नाना मार फल अमरद संयकी मितो जो स मुदिद
सम्बत वत्सव अमरद हा ची हु व म हु बा र मा हा न स
लीरुप प्राचनार के ई सता मितो जो स मुदिद सम्बत वत्सव
सोती की मन्त्रादिना सन्तो लिमो मुकरा च वु नाना सन्त्रा
ना ई ज पुर का सो र मा हो न सु लीरुप प्राचनार

३

मन्त्रादिना सन्तो लिमो मुकरा च वु नाना सन्त्रा
सम्बत वत्सव मुक्ता मन्त्रा ई ज पुर
एकजल लघा हा गाल दे हरीताल के न स वा स ना ई ज पुर
नाम ई वत दा स साय स्थानू सम्बत वत्सव ये पा ई सा ली
नारुप प्राचनार चिदी करार मितो का ती मुदिद सम्बत

पिकुर श्रीमदममोहनजी विराजमानक
मुक्ता मितो मुकरा च वु नाना सन्त्रा
मन्त्रादिना सन्तो लिमो मुकरा च वु नाना सन्त्रा

सवासबाईजपुरमेंमिंदरदौलासुनारके

१

पाकुरभीमुरलिममोहरजीबिरएजमानकसवासबाईज
पुरमेंमिंदरदौलासुनारकेतजाकाभो॥केबास्तेमारफत
राजाहरसहायकीमितीवैसायसुदिदसालसाम्बत
नवराजपदाचीजपोजीगाकरापोबाहेसोहुकमहुलादरम
होतासुलीरूपपापाअद्वैतदापमितीवैसायसुदिदस
म्बत१२६६सालसाम्बत१२६६येनवुपाकसवासबा
ईजपुरकध्यदतीतीकोप्रवानोसबतीलियोमुकरादर
माहोवसुलीरूपपापाच

(३)

प्रवानोसबतीकरामितीनाहवाकदिदसम्बत१२१९
सालसाम्बत१२६६मुकमसबाईजपुर
एकजतनधाहगाजकमकपुरातालकेकसवासबाईज
पुरामेंद्वैतदापसाधस्यालूसाम्बत१२६६येसालील
रूपपादुकीपाईचिबिन्नरामितीकातीबुदिदसम्ब
त१२३६

१

मुद्राविलानिद्रादीनाह
वर्तदिव्यवस्ममोरी

राकु रानी मनीहरी विराजमानक
सवासनाई जेपुरमें मिंदरिहोत अनोप
रामकी बहूकै

राकु रानी मनीहरी विराजमानक सवासनाई
जेपुरमें मिंदरिहोत अनोप रामकी बहूकै त्यांका नोग
कौनको मारफत रागाह साहस की मनीनाद बानु
दिबसा तब सम्वत १८२८ अरज पदुनी ज्यो लोगने
हसो दुकम दुता दरमा हो सवनी रुप प्रारु चोत्रा
सवासनाई जेपुरका थै २००० तलास मितो नादवा सुदि
सम्वत १८२८ थै बनीकी को मता नो सबती गियो
करा दरमा हो सवनी रुप प्रारु

७

मता नो सबती करार मितो ज्यो सोता पुबि २८ सम्वत
१८२८ मुकासनाई जेपुर

एकत नयाह गो बकनक पुराता लि के न सवासना
जेपुरकामें २००० तलास मितो नादवा सुदि
नादुप प्रा ८० की पाई बिडी करार मितो काती पुबि
मुकासनाई जेपुर

संस्कृत १८८३

शङ्करश्रीमहादेवजीविराजमानकस
वाग्भमेरमेंमिंदरसारंगधरपत्नीना
लके

शङ्करश्रीमहादेवजीविराजमानकसजयितेपुरमेंमिंदर
सारंगधरपत्नीउपनकेत्यांकानीगकेनासोमगरफनरा
जाहुरसाप्रकीमितीवेसायसुदि१९सम्बत१८२७अरु
षट्स्थीजोगनेनारसौहुकमहुजारागाना१८२८संगे
जोगकेजामवनीववुनराकसनासबाईतैपुरद्वतदा
समितीवेसायसुदि३सालसम्बत१८२८वेदनेतीको
प्रज्ञानोसवतीनिबोमुकररातीनापईसातीन

१८२९

प्रज्ञानोसवतीकरारमितीनुतीकजे६सुदि३सम्बत
१८२९सावसम्बत१८२९मुकानसबाईमिंदर

शङ्करश्रीमहादेवजीविराजमानकसनासबाई
तैपुरमेंमिंदरनेधावरजीके

मुकानसबाईश्रीगणेशदेव
मिंदरनेधावरजी

श्रीगणेशदेवजीविराजमानकसबासत्तईजेपुरमेंमिंदरमें
 दरनेधिन्पाकाजोगदेवास्तेमारफतरजाहरसाहसिमिति
 सागरासुदिहसात्वसम्बत १८८५ नवरात्रपुंजीजोगी
 मतेचहेसोदुकमहुलावरमाहेपुपप्राप्तसीजेजोगदेव
 वतदापमिनीसागरासुदिहसात्वसम्बत १८८५ मिति
 तीजेजोगीजोगीसबतीनियोननमाहकसबासत्तईजेपु
 रमेंमुकररावरमाहोदुपप्राप्त

३)

प्रजापतिवक्तीकरारमिनीमगाप्रभुदिहसम्बत १८८५
 मुद्राज्जालराष्ट्र

}

एकजातमाहगोतप्रसरमपुराताविद्याइसबासत्तईजेपु
 रमेंदुकादामसायकालूसम्बत १८८३ येसालीमाहपु
 १० श्रीपतिविद्याकरारमिनीकालीमुदिहसम्बत १८८३

}

द्वारश्रीमुखीमनोहरजीविराजमानकसबा
 सत्तईजेपुरमेंमिंदरमिहतरनाराष्ट्रमाह
 घारीजीवकाली

मुद्राज्जालराष्ट्र
 देविपुत्राजमाहपु

डापुल श्री सुरली मनीरुली विरता नानक सखा सच दे जे पुते
 मिंदर श्री हत हर नारायण जन्म धारी पीन हू वरुण ते जे हें त्या
 का भोग कैवली सार फतरा ता हर मा हरी मिनी चमकुरि
 समस्त नर नारी प्रज पंडु की नो गनि चहि सी सु क म दु ना द स
 हे दुप पा दु सी मै भोग दे दु वत नारा मिनी कानी मुनि उ स्प व
 तर लखै चलो जा क सखा सखा जे पु र द। हूं लो नी ये
 प्रज जो सवनी नि यो मु करे न र मा हे दु प पा

५

मनु मो सना की कर मिनी ने सा व सु दि ह सा न सख त ल
 मु क्त म सखा जे पु र

६

ए न नानक गंगा न प्र स र म पु र ना लि कै क स वा स ख दि
 पु र कामें इ व स दा प्र सा व स्या तू स म्ब न ह ३३ वी सान्नी
 दु प पा दु दु की पा दि चि ह कर मिनी कानी मु नि र्द सा न व

७

श्री गृ ह लिता विरता नानक सखा सखा जे पु र मे
 मु न मि ल य त्रा स पु र रा म के पी म ल के र से

८

श्रीमद्भागवतपुराण विराजमानकसुखासवाइजपुरमेंमृतसिख
 प्रवासपुराकरसंतनराकाजीगर्ककास्तोभारकतराजाहर
 सहायकीमितीअमठबुद्धिसम्बतवदरईअरजभहोयो
 नोगभरापोआहिसोहुकमहुवादारमाहोरुपपाकुईबतदापु
 मितीआदवास्वितुसम्बतवदरईयेसीगोनगर्कअनान्य
 नसवासवाइजपुरकासेदराहीकोत्रकानोसवालीमिजेम
 करारमाहोरुपपाअर

(७)

अवासीसबतीकरामितीनाअबुद्धिसम्बतवदरईमुक्त
 मसवाइजपुर
 नबजतसवाइजामुपसंगमपुरातलनेकसुखासवाइजपुर
 रेकामेंइबतदापुसायस्थानसम्बतवदरईसालीता
 रुपपाकुकीपाईबिधाकरामितीअमठबुद्धिसम्बत
 ४३३

श्रीमद्भागवतपुराण विराजमानकसुखासवाइजपुरमेंअ
 मरिचीऔपदिबैबिबसादिबागमीराहीतिथी
 बलपुत्र

[illegible]

9

अनुशासकसंघीयकार्यमितीकासौजन्यदिदसंस्कारवदप्रदंतु
कामसंज्ञावृत्तपुर

एकजलनमयद्वाराजलकुण्डातलजलकैकसजास्वाइजंयुक्तमि
बतदापमावस्यान्सम्बतवररुद्धमैमाइसावर्त्तात्तारुणा ७७
विहीनरपल्लिपीपेयस्सदिवसम्बतवर ७७

पानुरीसुरभिसोहर्ती बि एनमालकसन्ना
 वाईअंयुरंछिपान्नात्तमैमिहसनीपराभये।
 जायें

मुक्ताविलसन्निभः प्रदीपकैश्च
वल्लदेमलस्य भूषणैश्च

पञ्चपुराणमुरलिमल्लोहरजीविराजमानकसन्नाहं जेपुरा
 राहीपाकवासंभंमनीयामयोजाकन्याकाभो।। नैरास्ते मुख
 फिक्कादिदामनैसैरसमयतदीशालमानकवारमिलीफागागसुदि
 दुसम्बलवदु०००प्रजपशोनीन्यामंगेराजीलादकीनान्योयाक
 मवाम्भ्राईजपुरकामोईबतदापमिलीफागागसुदि०००सम्बल
 यिकरापोन्याहंभेधमयतधामसुक्तसहुवा। सुहाधिक, लियेदो
 जीकीसमदिलिओईचास्तेयानैलिवाछारोमीलादकीरक
 दुवतदापमिलीफागागसुदि०००सम्बलवदु०००मैसांगीनोपाके
 जाणीअरोन्याकसवास्वाईजपुरकामुचिक्कायोर्काभोमुख
 रररोजीलादकीरक.

११

विहीकरारमिलीवैतनुदि०००सम्बलवदु०००हरतालसमदितक
 नमस्तकीज्यो।

एकतननयदामनसुयरोलाकनकेकसुवास्वातेजेपुरकामै
 ईबलरपरसायस्थालसम्बलवदु०००मैपाईसालीनारुजसाधु
 विहीकरारमिलीमीससुदि०००सम्बलवदु०००

पञ्चपुराणमुरलिमल्लोहरजीविराजमानकसन्नाहं
 नाईजपुरमैपयकुमारसुलेलाकाकै

मुक्तगजल्लोकराहीवदु०००

अस्तदेवमभसमहोमीवदु०००

एकुरांशुमुरनिमग्नैरुन्मीलितगमानकसनास्त्रादेजपूरैर्मिद
 मन्त्रकुमाहर्षैरुन्मीलितगमानकसनास्त्रादेजपूरैर्मिद
 रम्पयकीमिनीमन्त्रात्तुदिरसम्बतवत्तदम्पयकीमिनीमन्त्रात्
 तमहुत्वाचरसादोपसृत्नीमन्त्रप्राप्तमन्त्रादेस्तुगामिनीमन्त्रात्
 सुदिरसम्बतवत्तदम्पयकीमिनीमन्त्रात्तुदिरसम्बतवत्तदम्पयकीमिनीमन्त्रात्
 बुवाकस्त्रादेस्तुदिरसम्बतवत्तदम्पयकीमिनीमन्त्रात्

३

मन्त्रात्तुदिरसम्बतवत्तदम्पयकीमिनीमन्त्रात्तुदिरसम्बतवत्तदम्पयकीमिनीमन्त्रात्
 मन्त्रात्तुदिरसम्बतवत्तदम्पयकीमिनीमन्त्रात्

एकमन्त्रमहागन्धर्वैरुन्मीलितगमानकसनास्त्रादेजपूरैर्मिद
 तद्वत्तदम्पयकीमिनीमन्त्रात्तुदिरसम्बतवत्तदम्पयकीमिनीमन्त्रात्
 मन्त्रात्तुदिरसम्बतवत्तदम्पयकीमिनीमन्त्रात्

एकुरांशुमुरनिमग्नैरुन्मीलितगमानकसनास्त्रादेजपूरैर्मिद
 मन्त्रकुमाहर्षैरुन्मीलितगमानकसनास्त्रादेजपूरैर्मिद

[illegible]

2

प्रधानमन्त्रीजी के आदेशानुसार
संज्ञित २०२३ मुकामानुसार

एनजलप्यहागावमुखतोतान्वनेकसवास्वार्थजैपुरकामें
इबनहावसायस्यान्सवतवरुह्येसार्नीनावसुनीरुपपात्र
कीयाईविधिक्कारभितोपेससुदिवजसम्बतवल्ड्ड

प्रकुरकीमुरलीमगोहरजीविरानमान्यावजरा
गायमुखावस्त्रासत्रर्द्धैपुरत्कामेमिद्वरमहा
राणीनौदतवतजीनणयो

गन्धर्वश्रीमुरलिसलोहरजीविराजमानगोबुजगनाथ
मुक्ताब्जिलालिगुणीविराज
मल्लदेवममल्लतोरिराज

एकसन्नासनाईजेपुरकासैमिरमहाराणीचौजावलनीव
 एप्रोतयकीसैनामुसार्ईसुखलालकैईलरकैवास्तीमारफ
 मरावाहरसहायकीमितीमागअनुदिवसम्बतवदरुअमर
 पहीनीचोगानेवाहसेसौसुकमहुवारोनीनारुपपोउईवतद
 प्रमितीकातीसुखिसम्बतवदरुआयाकसनासवाईजेपुर
 येवनासीमिचोगकैतीकाप्रधानोस्वतोनिदोमुकरराजी
 नमुपपोपान

१)

प्रधानोस्वतीकरप्रमितीयोसुखिसम्बतवदरुमुकास
 सवाईजेपुर

एनजतसह्यासमपुसतालकैकसनासवाईजेपु
 रकासैईवतदायासाधमालसुम्बतवदरुअसालीनारुप
 उरुकीयार्निरीकरप्रमितीकातीवुईसम्बतवदरुअ

शकुनीभुरखीमनाहनीनिराजनालकसनास
 वाईजेपुरसैमिरजोसीरायाकीसतब्रामणो
 उकै

मुकादिलाकैईनीकै
 बलदेवमस्तकी

लक्ष्मी

प्रकुरक्षीमदसमोपायजीविजमानकसवासवाहीनेपुरमे
 मिदरवृक्षरामवर्षैरुमातरत्नकैतनाकाचोराकैवास्तीमा
 रकतजलतरसंवेवकीमितीफागागुदिरुसम्भवतवरुज्ज्वल
 पनोन्वीतुक्कसहुवावरमाहोवसुजीरुमपातीतकोईसतामि
 तीफागागुदिरुसम्भवतवरुपयेदोतीकैजजालोसवती
 लीशोमुक्कराजबुलाकसवासवाहीनेपुरकासोदरमाहोव
 सुत्नीरुमपातीम

३

प्रधानोसवतीकरामितीयेसुदिरुसम्भवतवरुज्ज्वल
 ज्वलतवरुज्ज्वलमुक्कामसवाहीनेपुर
 सन्जलनयद्गांवसुभयोत्तानकैकसवासवाहीनेपुरकोमे
 ईवतदयसावस्यानूसम्भवतवरुज्ज्वलयेपान्दुसामीनरुमपाती
 निरीकरामितीयोससुदिरुसम्भवतवरुज्ज्वल

प्रकुरक्षीमदसमोपायजीविजमानकस

मुक्काविलाकिप्रहोवकै
 मलदेवदमलमोहित

तद्वत् ३३

प्रभु श्रीमोहनजीविराजमानकसवासनार्द्रजैपुरमेंदेहर
फासूकुम्हारकैतयकाचोगकैलास्तेमुवाफिकयादिहा

स्तेनेंइसवतदीनानयावकरारमितीमादवास्तिदसम्ब
तवद्वत् ३३ नमः नमोहीनीप्रागैदमाहीवसुलीरुयया ३३ नमः
आकसवानजकुरकधिमुवाफिकभवामिसवतीमारा
जावैकूटवासोनीश्रीस्वादीर्द्रवरसंयलीकरमिती
जिहनुदिन ३ सालसम्बत १८७७ काधिमासैहासीसम्बत १८७७
तार्द्रपापीनमः प्रवानोसवतीहा नमः करारोवाहीसोद
सवतयासुचमहुवादीवतदाससम्बत १८७७ धेप्रवानोस
वतीकरितोमुकरादमाहीवसुलीरुयया ३३

३

प्रवानोसवतीकरारमितीवैसायवुदिवरसालासम्बत १८७७

मुवाफिकयादिहा
वनदेववममभोरिषी

मुक्तमस्तुनाईनीयूर

एकनतनअहमाव्यस्यत्रोतागकेकमव्यास्त्राईजेपुरकैइंचत
 शम्भुसायस्यान्तुसम्भतवदृष्टमैमहैसुल्लोतामडापुष्टुविष्टि
 राशितीयोस्मृतिपुन्यम्भवतवदृष्ट

एकुरश्रीमुरलीमन्ताद्वर्जीविराजसालकम्भा
 सत्राईजेपुरमेंदेहरैजापसलकुम्भारके

आकुरश्रीमुरलीमन्तोद्वर्जीविराजसालकम्भासत्राईजेपुरमेंदेह
 रैजापसलकुम्भारकेतनाकाचोमकेव्यास्तैदरमाहोवसुलिपु
 मकुम्भुवाकसवास्त्राईजेपुरकासोमुताफिकमन्त्राणिसबती
 महाजवैकुम्भवासीजीश्रीस्त्राईईश्वरसंभजीकरारमिगी
 माहासुदिदसम्भतवदृष्टकासोयापैठासेहागकोजवापौह
 नोद्वस्त्रलीरुपभा

(३)

स्वानोसबतीकरारमितीयोस्सुदिदसम्भतवदृष्टकैकुवा
 छिपिराहतमानुरास

मुक्तमस्तुनाईनीयूर

मलदेवमस्तुनाईनीयूर

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

4

अनामोऽस्यतीक्ष्णमिति साक्षात्सुखिसम्बन्धवत्त्वोक्तौ
अस्मान्मोक्षोपायः

शङ्करश्रीगुरुत्तोस्तोत्रं श्रीनिरञ्जनभासकल
व्याख्याद्वैतैयाम्बे श्रीराखलाकं

अकुरश्रीमुरलीमतेहरजीनिरन्ममानकसवास्वान्दीपुर्नरे
हररावताकेतनाकन्यानिबबुधाकसजासन्वादीपुर्नरे
होमुद्रायिकनवान्सवतीनहरमितीन्नासोवबुदिरसम्

॥ सुखमयिनिःसृज्य विमलाङ्गीभवे ॥

महाराष्ट्र राज्य सरकार

अज्ञानोसन्धराकराप्रितोभागाअसुदिहसम्बलवदरकोदूनीह
मनेजीबाग्यवाह

प्रकुरश्रीमुरलीमनोरलीविराजमानकसवा
सन्धराजैपुरकामेदेहरैआगविराजकाकाग
काके

प्रकुरश्रीमुरलीमनोरलीविराजमानकसवास्वार्धैतैपुरकामे
देहरैआगविराजकाकागकाकेतनाचउभोगासैचबुआकसवा
सन्धराजैपुरकामेमुचाफिकअचानिस्वतीमहरानावैबुआज
सोजीम्रीस्वार्धैद्वन्द्वस्थंयलीकरारमिलीभागाअसुदिहसम्बल
वदरकोदूनीह

७

अज्ञानोसन्धराकराप्रितोभागाअसुदिहसम्बलवदरकोदूनीह
सन्धराजैपुरकामेमुचाफिकअचानिस्वतीमहरानावैबुआज

प्रकुरश्रीमुरलीमनोरलीविराजमानकसवास्वार्धै
सन्धराजैपुरकामेमुचाफिकअचानिस्वतीमहरानावैबुआज

मुचाविलाफिकमदीकरै
वलदेवममसुदेहीपुत्रा

इजैयूरकामोयायेदिरमाहोनासुगोत्पपारोत्तज

3

मन्त्रानां स्वर्गनां ह्यत्रार्कवापमितीत्यत्र सोऽन्यत्रि परस्मैपदस्य
कौटुंबीकसौतेनाज्ञापयमादा

अन्तुराक्षीप्रसूतंममैवदृष्टीनिर्गतत्वात्तजस्त्वा
स्तत्त्वैर्जैष्यरसैर्दृष्टैर्मन्यवर्त्ततास्तानिपिक्वकं

अनुसूचित जाति वर्ग के लोगो को हरी रंग के कपड़े पहनना चाहिये जो पुरुषों के लिए
 रंग बरती सागा नीले रंग के कपड़े पहनना चाहिये जो महिलाओं के लिए है
 जो पुरुषों के लिए है। कपड़े पहनने से ही नहीं बल्कि अपने व्यवहार से भी
 स्वयं को अलग रखना चाहिये। इससे ही समाज में उनकी पहचान होगी।
 इससे ही समाज में उनकी गरिमा बढेगी।

3

प्रधानोद्धारकप्रमितासाग्यस्तद्विस्तृतमज्जतद्वय साविक
रसतुरकहाल

॥ मुद्राबिलाकिमुद्रादेसु
अस्मदेवजमस्तान्तिदुप्राणि

पुष्कराश्वमेधमनोहराजीविराजसाकम्प्यामन्त्राईनीपुरमेंदेह
 रीश्वरसमन्वितरागोदकैतांपुरकांकेतनाकाजीगान्
 मुताधिकप्रधानसुखीनाराजाजीस्वाईईन्द्रास्वामीकराणि
 तांवेतसद्विदुसातनसम्बतवन्दनयेवमुपायसवास्वाईनी
 पुष्कराश्वमेधमनोहराजीविराजसाकम्प्यामन्त्राईनी

३

सातनसम्बतवन्दनयेवमुपायसवास्वाईनी
 सातनसम्बतवन्दनयेवमुपायसवास्वाईनी

देहरीवदनपुरां

पुष्कराश्वमेधमनोहराजीविराजसाकम्प्यामन्त्राईनीपुरमेंदेह
 रीश्वरसमन्वितरागोदकैतांपुरकांकेतनाकाजीगान्

पुष्कराश्वमेधमनोहराजीविराजसाकम्प्यामन्त्राईनीपुरमेंदेह
 रीश्वरसमन्वितरागोदकैतांपुरकांकेतनाकाजीगान्मुताधिकप्रधानसुखीनाराजाजीस्वाईईन्द्रास्वामीकराणि
 तांवेतसद्विदुसातनसम्बतवन्दनयेवमुपायसवास्वाईनी
 पुष्कराश्वमेधमनोहराजीविराजसाकम्प्यामन्त्राईनी

कामचनुनात्मकमवास्वाईनेपुरकासोपार्थेछादरमाहेत्वसुत्की
रूपमा

३)

अवातोसम्बतीतात्मकोकरपतिगोचारासामुद्रिहिसम्बत
कोलुवोचसरोमोदग्यसाह

अकुरशीमोहननीविराजमानकसन्नास्वास्वाईनेपु
रमिन्दरेचमाहेभरालके

४)

अकुरशीमोहननीविराजमानकसन्नास्वास्वाईनेपुरमिन्दरेचमाहे
भरालकेतनाकासोमनेमुचाधिकमनानेसम्बतीमाराताकोस्ताई
इच्छासिन्धुजीकररमितीआसीजबुदिहसम्बतदरउकायेचवुन
चसवास्वाईनेपुरकासोपार्थेछादरमाहेत्वसुत्कीरूपमा

५)

अवातोसम्बतीकररमितीयोसम्बुदिहसम्बतदरउकायेचवुन
तुरवदान

६)

अकुरशीमोहननीविराजमानकसन्नास्वास्वा
मुकाविलगाविष्ठाहीकरेह
मलदेखजमसम्बोएउने

इति पुरमेदेवरी सायान्तिका मन्वडी पाके

अकुरभीमौहसन्नात्मनीविराजमानक सन्वास्वा ईनेपुरमेदेवरीमात्र
नेरिका पंथडीया केतनात्मनो गमिता माहो न्यनुधानक सन्वास्वा ई
नेपुरकाये सुधा मित्र प्रदाने सन्वती करारमिती पो सन्वुदि पमान्वा
तव १००० नयेदरा सातो नमस्तीरुयमा

(३)

हान्न प्रदाने सन्वती करारमिती कालीवुदि सन्वत वर १००० नयेदरा
सन्वा ईनेपुर

सन्वत तन वसा गावा नदरा ताल के न सन्वा स्वा ईनेपुरका ते ईवा
सपसाप सपान् सन्वत वर १००० नयेदरा सातो नमस्तीरुयमा १००० नयेदरा
रा मिती पो सन्वुदि वर सन्वत वर १०००

अकुरभीमौहसन्नात्मनीविराजमानक सन्वास्वा

नेपि

अकुरभीमौहसन्नात्मनीविराजमानक सन्वास्वा नेपि मन्वडी पाके

सुखमविलासिनी

सुखमविलासिनी

गणेशसन्नासासोमेष्टिकादाह वृत्तार्थलेखनादासिन्धुसुत्राधिक
 नवानेसन्वर्तमानावाञ्छीस्वर्गद्विस्वरसिन्धुलीनगरनिर्माता
 मुद्रिन्सम्बतवर्षकासौदरमाहेनस्वर्गावृत्तार्थान्

३)

प्रजापतिस्वर्तीकरामितीर्षसायमुद्रिन्सम्बतवर्षमात्सम्ब
 तवर्षसायिकरसत्पुत्राहन्

निधीकरामितीर्षसायमुद्रिन्सम्बतवर्षमात्सम्बतवर्षमात्सम्ब
 तवर्षसायिकरसत्पुत्राहन्

प्रकुरश्रीमहाराजगोविन्दराजमानगोचरार्थदाकीम

सद्वि

प्रकुरश्रीमहाराजगोविन्दराजमानगोचरार्थदाकीमसुदृष्टपायोह
 भगनासदाईनेपुरकाहेतवाकाञ्चोगमेदरतीगाञ्चवीदाकीमस
 र्ववैरहत्पायोह भगनासदाईनेपुरकीमुद्राधिकन भवानेस्वर्ती
 करामितीर्षसायमुद्रिन्सम्बतवर्षमात्सम्बतवर्षमात्सम्ब
 तवर्षसायिकरसत्पुत्राहन्

मुद्राविल्लाकिपुत्रीकरी

कलदेवप्रमलमहोदय

प्राकृत्यमीमांसातीविराजनाञ्जलसंवात्तद्विजयपुरमेंदेहीतुपुत्रांमह
प्रथमं तयाकाशोपकेनासंमुखापिक्कजन्मानेसन्वतीमहाराजोश्रीस्य
ईश्वरमिर्न्यजीवराशिलाकागाहृदिस्मृतनरुडनयनसु
कस्तवन्तदिनेपुत्रकयेवाभाहेवसूलीरुपडाज्वार

७

हातनप्रज्ञप्तोसर्वार्थविराजितादुत्ताञ्जलसंवात्तद्विजयपुरमेंदेही
नमस्तुतयत्तसाधिककवहुतन

प्राकृत्यमीमांसातीविराजनाञ्जलसंवात्तद्विजयपुरमेंदेही
तुपुत्रांमह

जाज्वतनोप्रायसीप्राकृत्यमीमांसातीविराजनाञ्जलसंवात्तद्विजयपुरमेंदेही
तुपुत्रांमह
तमनोहृदयकाकीहृन्नेन्वीकेंमहाराजोश्रीस्य
सासंमुखापिक्कजन्मानेसन्वतीमहाराजोश्रीस्य
कस्तवन्तदिनेपुत्रकयेवाभाहेवसूलीरुपडाज्वार

मुक्ताविलगामिमाही

कस्तदेवममस्तु

वन्द्यु कवसकी गणेशदेव नयनयहनेली गणेश स्तुति जै गुरुदेव
 चतुर्दशस्वतन्त्र १२ यथावा कादमयनकराया बाह्ये सौन्दर्य
 वासुदेवसुखामुवाकिकलियेसिंहा नारायणकी बनावीको मकर
 सवतीनिबोधकरावली कमारकी बायावाम

२१

प्रज्ञानोन्मत्तकी गणेशी व्यासजीसहित सम्बतन्त्र १३ मुवाकवा
 इति पुर

पञ्चश्रीमन्मन्त्रोत्तरजीविराजनाम्नां कवन्तरीति
 तथाप्याष्टप्रज्ञानास्तुति जै गुरुदेव

पञ्चश्रीमन्मन्त्रोत्तरजीविराजनाम्नां कवन्तरीति गणेशगणेश
 प्रज्ञानास्तुति जै गुरुदेव तन्त्रोत्तरजीविराजनाम्नां कवन्तरीति
 पञ्चश्रीमन्मन्त्रोत्तरजीविराजनाम्नां कवन्तरीति गणेशगणेश
 प्रज्ञानास्तुति जै गुरुदेव तन्त्रोत्तरजीविराजनाम्नां कवन्तरीति
 पञ्चश्रीमन्मन्त्रोत्तरजीविराजनाम्नां कवन्तरीति गणेशगणेश
 प्रज्ञानास्तुति जै गुरुदेव तन्त्रोत्तरजीविराजनाम्नां कवन्तरीति

२२

सर्वभूतारामसीतारामका आगणेशजी गणेशकी को

गुणविल्लाकिलीकादि

वलदेवप्रसादोत्तरजीविराजनाम्नां कवन्तरीति

अनुराधा मुरली नने पुरजी बिराजमान ताव न्यादा एहा प्रभाता
 प्रेसाका मैल प्राक नशा मंदारली गेन मल्लन कुरकी मुका फिक नया
 नैल नली करार मितो न प्रासे म सुदिन सन्वत वद न कधि दारती
 नंद्य।

३५५

दण्ड प्रभातो सवती काग मितो मंद न स ठ नुदिन सन्वत वद
 साल सन्वत वद न मुका म स्वर्दि जे पू।

अनुराधा मोहन रायजी बिराजमान कस न्यादा
 सुम

अनुराधा मोहन रायजी बिराजमान कस न्यादा सुम तत्रा कशो
 ग कं नाली दारती न्यादा नु क सवा न्यादा सुकी नाली करार मितो
 न काले म माया हासिन कस न्यादा अनुराधा सु मुका फिक प्रभातो स
 ती करार मितो काग म सुदिन सन्वत वद न कधि मधि न प्र म
 सुतरा म ना की न्यादा म न्यादा म न्यादा म न्यादा म न्यादा म
 हासिन दारती कैला म न्यादा सन्वत वद न दि पायो सि हासन म

मुका फिक मितो पाटी न्यादा

अनुराधा म न्यादा म न्यादा म न्यादा

नोदुर्वा

चरती वसवावाट सुकीर्वाया	मकदमायाहमिन्दकसखावाट
-------------------------	----------------------

५५

सुकाकीरोलीभाजकादीप

२१

हालप्रजानोसबतीकरामिलीचावावावुरिठमाचवतवरसमुका

मस्वाइकेवुर

हालप्रजानोसबतीचावावावुरिठमाचवतवरसमुका

सवावाटसुमंतकाकेनासीमुनाफिक. प्राजिसास्तीमिंदमयतरीवा

नमानकरामितोवतसुंदरिमाणसम्बतवरदरन्याज्यहोचीजे

नोगामेचरतीवीयाचुपुसखावाटसुकीर्वावावुरिठमाचवतवरसमुका

पराभावाहासिलकसखासलकूस्कासीमुनाफिकप्रजानोसबती

नाराजवैकुंठबासीजीजीस्वाइनायोस्पयनीचरागमितोचाट

ववुरिठमाचवतवरदरन्याज्यहोचीजे

रामनेवापियनरासकाविणममदकरेहासोचालवसमुका

नयेवापुजागुलावसुतामकाभावेचकरागोवागुलावकेजुगामि

कायेंताविणममदकरेहासोचालवसमुका

न्यासवतवरदरन्याज्यहोचीजे

ववुरिठमाचवतवरदरन्याज्यहोचीजे

मुकाविलाकिमामेवुर

वतदेवममदकरेहासोचालवसमुका

सुखसाधिकाश्चकारोत्तमानिमेतुकराचारीवार्त्तपमोक्तं

महतीदीश्यायं चाम्

सकृदनामरात्रिमिन्नकस्याम्ना

14

कृष्णसर्गनामादकारोऽयम्

94

महाराष्ट्र राज्य सरकार
मुंबई

बनकर न्यायमूर्ति बनना चाहती बिराजमाला। च्युतु ठीक

॥ स्वास्त्यस्तु ॥

[illegible]

५५५

हृन्मज्जासिमावलीकारासिलीजेडबुद्धिसमान्वत् ०८४५ मुद्रासम्पन्न
ई जे भूर

मु.का.वि.ल.के प्रा.टी.का.रं.

मल्लदेवद्वयस्यहोरीसु

पुनर्वसिनायरोद।

एकदुर्भीमुरलीमनोहरजीविराजप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातः
 राशालयाहृन्नेलीप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातः
 ताराप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातः
 राशालयाहृन्नेलीप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातः
 ताराप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातःप्रातः

39.11

शान्प्रवृत्तिसम्बन्धकाराणितीत्येतत्सुविदम्बन्धवदपुनरुक्तम्
शान्प्रवृत्तिसम्बन्ध

~~पञ्चमः श्रीगुरुवर्णनम् । तत्तुल्यं विष्णुसहस्रनामम् ।
तथास्तौ सौख्यम्~~

पञ्चश्रीमुरलीमणो हरजी बिराजमानां यथा गैली नया केलि सर
प्रजापति बहा न चामे नना का न्नी जर्क बरले मुला किक मना ते सखी
कलामिते भाग अमृदिरु मन्वत दण्ड कर्मि वाचा
मुक्ता विलासिनी किरु
अल दे व अमृता मूर्ति कल

३३

हालप्रधानोभवतीकारमितीनिर्मायसुदिदमन्वयनवर्द्धमात्रम्
मन्वयनवर्द्धमात्रम्

प्रकृत्यामन्वयनमोहनमोदिव्याजमात्रकंगरी

नौरामेशान्नमागोलीमान्ताहीनगम्भीरमन्वयनवर्द्धमात्रम्
मन्वयनवर्द्धमात्रम्
मन्वयनवर्द्धमात्रम्
मन्वयनवर्द्धमात्रम्

हालप्रधानोभवतीकारमितीनिर्मायसुदिदमन्वयनवर्द्धमात्रम्

हालप्रधानोभवतीकारमितीनिर्मायसुदिदमन्वयनवर्द्धमात्रम्
मन्वयनवर्द्धमात्रम्

मन्वयनवर्द्धमात्रम्
मन्वयनवर्द्धमात्रम्
मन्वयनवर्द्धमात्रम्
मन्वयनवर्द्धमात्रम्

उक्तविलम्बितमात्रम्
मन्वयनवर्द्धमात्रम्
मन्वयनवर्द्धमात्रम्
मन्वयनवर्द्धमात्रम्

हाकुरश्रीमुखीमनोहरजीविराजमानगोबुद्ध
हसोबुद्ध

हाकुरश्रीमुखीमनोहरजीविराजमानगोबुद्धजीविराज
तपायेह प्रगल्भासुधार्जिपुराकर्मतपायेहोसोधरजी
गान्तमनहूकीमुक्तिकामनलेसबजीमहारजायेकुद
वासोतीश्रीसुबर्धनेपंधरीकरारमितीप्रसादसुदित
मानमन्वतबद्धकायेपतिहोप्रमेवप्राप्तमपेदेव
रेहोसोकाव्यसिद्धोश्वरप्रवसेकाजोलोबहादा
मवेदाश्रीरामकावडाकरेसोहासलधरतीकोसम्बत
बद्धतार्दपापेमुक्तएधरतीबीजा

३)

हाकुरप्रधानोंसबतीकरारमितीसाधुए सुदि
मुक्तमन्वतबद्धसात्मनसम्बतबद्धमुक्त
जोहगपरी

हाकुरश्रीमुखीमनोहरजीविराजमान
गोबुद्धहरीपुरा

१

हाकुरश्रीमुखीमनोहरजीविराजमानगोबुद्ध

रीचुततपारसमममगना सनाईतेपुरेकामेंजपोकीसे
 लाव्यहीतातमसिधस्वामी मुयदेनका करेसोअ
 हर करीनोगमेंजरतीबीधा चनुगालममनूरकीमु
 जकिऊअजानें अगमिलोंकरार मितोअ साधुबुद्धि
 सम्बत ७३ डटकायेडासनदलीलाणीकरारमितोने
 तमुदिह सम्बत ७७ २५पिपायेछासोसनदप्रका
 नातोयोपामपुआहासिलघरतीकोकरीमसुहे
 हालसम्बत ७७ ४२ताईपापुतालाछाअवन्नामि
 लहालकीसनदचाहेदूहासोपायेविवाछा
 ज्योहसिलघरतीकोकरीमसुहेहालताईपापुअ
 छोहोपुतोअबजीसायउन्हाल सम्बत ७७ ४२पेव
 हालताहिपलेनपल्लारासुनदकीककरीहासिल
 ज्योवादीज्योतकलुफजिबारिस्वहीनेदो लागो
 मुजानतिमिंवाकैछेमुकरराभतीबीधा

२५

चिठिकरामितीपोसमुदिह सम्बत ७७ ४२

मकुएत्रीमुखनीमनोहरनीबिराज
 मानकसबासनाईजेपुरमेंराना
 तमे

१०२ सुकामसङ्गादिति	पुनः प्रीतिमयं सुखं सन्निविष्टं
	मुखाधिकं लिख्यमुत्तराह
	माहेदुपप्राप्यम
मुक्तराजन्त्यहदरमाहे	
	५५
इति ननु प्रसिद्धं अथमा	मुक्तराजन्त्यहदरमाहे
तोऽमुदिदुसात्तसखान	मीकन्तातधाराभाहमासा
१०३ ये सौते नोमकेनह	मज्झूरकाहमिन्नमेमुदि
ननु तपि ज्वलुकापचयनं	ज्ञात्वा कीर्त्तये
न कल्पन्मासादिति नेपुणका	
येह्येकीर्त्तये	प्रशंसितसन्ती कदाचिन्ने
	सौगमुदिदुसात्तसखान
पात्तसात्तोरत्तुनद्वान्दुप	सुकामसङ्गादिति नेपु
जादुका मुदिदुसात्तसखान	
मिन्नह्यी नमोत्तराभासा	
सन्नादिति नेपुके चराभासा	
वृत्तिज्ञानकाहमिन्नमेमुदि	
मीमांसु नान्दुसात्तसखान	
१०४ ये सौते नोमकेनह	
एतदमाहेदुपप्राप्यम	
निष्ठा कदाचिन्ने अथमुदि	
समाप्तं १०३	

५५

ठाकुरजी मोहन जाधवजी विरपा मनांगी कृष्ण

श्रीगणेशाय नमः

महाराष्ट्र शासक

श्रीमहादेवजीविराजमानमोनीदुर्गादेव
 आनन्दधर्मयुक्तमन्त्रमन्त्रमन्त्र

श्रीमहादेवजीविराजमानमोनीदुर्गादेव
 कुम्भलम्बधकेत्योकाजीमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र
 रक्षामिनीपौषसुदिदमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र
 वादुवतवत्तमोनीमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र
 नमस्तुतेदुर्गादेवजीमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र
 मन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र
 मुक्तमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र

४)

श्रीमहादेवजीविराजमानमोनीदुर्गादेव
 मुक्तमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र

श्रीमहादेवजीविराजमानमोनीदुर्गादेव
 मुक्तमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र
 मुक्तमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र

श्रीमहादेवजीविराजमानमोनीदुर्गादेव

मुक्तमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र
 मुक्तमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्रमन्त्र

समानस्यैव निवृत्तसंख्यायामुत्तमस्य चोदरागाव
द्वरामर्कमैतैव राजपत्नीन्वृत्तमिदं च्यागापे।

श्रीमदादंशनीमंगलेमरजोविराजमासकमन्वास्वार्दनेपु
संबंधाची मुत्तमालांबादरागावद्वरामर्कमैतैव राजपत्नी
बालमिदं च्यागापे तत्रोक्तं वास्तैमुत्तमफिक प्रादितास्ती
मैवम्यतर्हो बालातत्कारमिती भादवाबुद्धिः सम्भवत
द्वरामर्कमैतैव राजपत्नीन्वृत्तमिदं च्यागापे तत्रोक्तं वास्तैमुत्तमफिक प्रादितास्ती
राजीतल्लज्जा लुसीगीपुन्यकै ईवतदा प्रमिती साधन बुद्धि
कुसालसम्भवत वरदय्यदनात्तल्लकै बबुवाकसवास्वार्दने
प्रकाये प्रनानो सबती लियो मुकरार राजीतल्लज्जा दैव

३

प्रनानो सबती कारमिती काती बुद्धिः सम्भवत वरदय्यदनात्तल्लकै बबुवाकसवास्वार्दने
संवाइ जे द

सखजतसयहा गांवगोकन नंदपुरा तालकै कस्वास्वार्दने
जे द्वाकामे ईवतदाय स्याल्ल सम्भवत वरदय्यदनात्तल्लकै बबुवाकसवास्वार्दने
पुष्पावदु कीषादि चिदंकारमिती योस्सुदने ११ सम्भवत

३१

अनुरागमाहद्वयजीवितानि सज्जितानि

कसबासवाईजीपुरा

अनुरागमाहद्वयजीवितानि सज्जितानि मिरास्तेकीने
 दीनगीरुकेमृतसिन्धु कसबासवाईजीपुरासंनयनं वास्तव
 भाककरुकेमंदसबसदीबाजपानकरारमितीयाससुदिर
 सम्बत १८३८ अतएवपुनः नोचोनाल्लोसोचोचोचोचोचोचोचोचोचो
 हाप्रनवोन्वावादाणीचोचो कसबासवाईजीपुराकयेसोगीपु
 त्यकेदेवेकोचोचोमिसीयोससुदिर सम्बत १८३८ येतीकी
 सगाहिलियोसोदसयतयासहुकमहुवाहोईनास्तेयानि
 बाछोरोचोनाल्लकादोयनवोन्वावादाणीचोचो कसबासम्
 ईजीपुरासोईवतदाप्रमितीयाससुदिर सम्बत १८३८ ये
 सोगीपुचकेदेओकीजोहसालसज्जितानि सतकीजो
 मुकरारोचोनाल्लकाहोय

३।

अनुरागमाहद्वयजीवितानि सज्जितानि मिरास्तेकीने
 रासजोचोचोमिरासुतसोससुदिर सम्बत १८३८ येतीकी

अनुरागमाहद्वयजीवितानि

मिरास्तेकीने

एन्द्रेयसंज्ञिका

संतीव्येति शब्दकोशः

3

5

स्विडिश गार्मिन्सिटी फाट लान्दुरि बह माल सम्बन्धित

अन्ताश्रीमन्महेशजीशिराजसमकसवाम्बर्हजै

सूनेमिदरवठोरेमन्त्रालयबालान्न्याम्

एन्क्रिप्शन

मन्त्राणां देवता विराजमान कसबास्त्राई जे पुरसे मिलाल
 राम नारायण लाल बायण कज्जे तजो का नो गकें वा स्तेमार
 तन्त्र नर सिंघ की मित्री महास्वरिद सम्बल वरद वन शरण
 होयी हु कस हुवा दरसाई बलुर्ली रुप पाई प्रकोई सताग मित्री ल
 हास दिष्ट सम्बल वरदये दी तौ की प्रबालो स्वली लियो मु
 वारा नव बुन कसबास्त्राई जे पुरा वसी दरसाई बलुर्ली रुप

प्रादोष

२

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

सनातनजीपु

प्रकुरञ्जमाहादेवजीविराजमातकसबास
बर्द्धजैपुरमेंमिदुपयविरासएवद्विवाया
गोहावमहाजनाफे

प्रकुरञ्जमाहादेवजीविराजमातकसबाससर्वजैपुरमेंमंदिरमेंव
शिलपादफेतावगोहावमहाजनाफेसांकाभोगर्भजास्तन
पुनःनरदस्यंघकीमिनोकातीबुद्धिसम्बत ७८७७अगपहु
जीहुकमदुवाभूमाहेषुपप्रातीतकीइस्नागमिनीजावसासुदि
उसम्बत ७८७७पैदनोतीकोअगानीसबतीकरोमुकरराष
भूजाकसबाससर्वजैपुरकासुंदरमाहेससूलीदुपप्राती
न

३)

अगानीसबतीकरामिनीभागअसुदिवसम्बत ७८७७हु
कामसासर्वजैपुर

जीमाहर्देवजीविराजमातकसामीविराजमातजीका

आगत्योदकात्मनि देहरे जो हलसमे दूरामके

श्रीगुरुदेवकी बिराजमान स्वामी बिरजाने दजीका बगमो
हबजपने देहरे मो वसन्तरातने तनाका योगके नास्तो मुनाकि
कपादितास्ती सैव समल दोनान पातन्यार सिन्धुतो न सुविद
सम्बत वरुण न्यारजयने नवी न्यारी बरमाहे तसुखी रूप पाविमुन
बुआक सनसवाइ जै नुअसुं मुनाकि क प्रजाने सबती म्हा
जावे कटवासी जे श्री स्वार्द्ध ईश्वर सिंघा न्यार सिती माह व
दिद सम्बत वरुण का सो पावै छासो सम्बत वरुण ताई पावै न
बगमो सो सम्बती हान्को कराये न्वाहे सौ ब समत माह व
न्युवाइ बत दाय सम्बत वरुण प्रजाने सबती न्यार मुचर
दामहि बसुखी रूप पासासा

(७५५)

मनालो सबती कर सिती माह सुदिद सम्बत वरुण मुना
सनाइ जै पू

श्रीगुरुदेवकी बिराजमान स्वामी बिरजाने दजीका बगमो

मुकादितास्ती सैव समल दोनान पातन्यार सिन्धुतो न सुविद

आगत्योदकात्मनि देहरे जो हलसमे दूरामके

हं हरे सुमार्गीराम ज्ञानाणीकं तवांका नानागतं च वृक्ष
 खमबस्त्राई जे मूरका सो मुवा फिन्क मनागे मयली
 माहाराजाने नृलभासी जी श्रीम बाई ईश्वरस्यै न
 जीवकार मितो जे बुदि ससम्बत वरुण काये नरस
 हेच सुतीरु मपली म

(३)

अनालोस्वतीं त्वा गमितो यो स बुदि ससम्बत वरुण काये नरस
 सत्तुर ब्रह्म

जाम्बावेव जी शिराजमानक सदा स्त्राई सो मूरमेद
 हरे नसाई मगजनेतवांका नो तांका नानागतं च वृक्ष
 चान्क सन्वास्त्राई जे मूरका सो मुवा फिन्क मनागे मयली
 स्वतीं हाराजो श्रीम बाई ईश्वरस्यै न जीवकार
 मितो जे बुदि ससम्बत वरुण काये नरस
 मसु तीरु मपली म

(३)

अनालोस्वतीं त्वा गमितो यो स बुदि ससम्बत वरुण काये नरस
 सत्तुर ब्रह्म

कनकसुन्दरी

पञ्चपुरीसंस्थिता निरालयकमना स्तुतिर्दिव्य
मैत्रेयैर्चाताप्रसादा स्मिन्सीतं तन्वाकाशांति
चतुर्वाकस्वाम्नर्द्धैर्नृपकासेमुवाचिकमन्त्रा
सैश्वर्यवती कस्यामितीत्यादिदृष्टस्त्वन्वत्तद्वत्
अद्वैताद्वैतस्वामी भूमातीश

३)

हावप्रनासोत्पत्तिर्वाच्यवृद्धिर्दृष्टस्त्वन्वत्तद्वत्

विष्णुवद्वैतवैश्वामित्रवृद्धिर्दृष्टस्त्वन्वत्तद्वत्
जीवमैत्रेयवर्द्धितातीत्यादिगण्यतां सैश्वर्यवती
पौनःपुन्यवर्द्धितातीत्यादिगण्यतां सैश्वर्यवती
सैश्वर्यवती कस्यामितीत्यादिदृष्टस्त्वन्वत्तद्वत्
स्वामिन्वत्तद्वत्तद्वत्तद्वत्तद्वत्तद्वत्तद्वत्तद्वत्तद्वत्
कनकसुन्दरी

३)

सम्बन्धपात्रावसूत्राणां सर्वकल्याणसाधनं नैमिषकर्मसम्बन्धम्

श्रीधरजीविद्यालयापरिसर

संस्कृत-विभाग

हस्ताध्यातोसन्नाभ्यपमितोमाहासुण्डासावन्नयनमृद्वामर्ष
इतिपर

[illegible]

कर्मफलं विचरन्तीं पूज्यं रंजितां तर्कादायं चरणं च वदामि
 तद्वदतां मया तेषां यत्तु देवताभ्यन्तरं नान्यत्
 तामेतां मायकां धीमतां चेत्याज्यासां तद्वत्ता
 ज्ञोपि नोतां च देवतादिसां ह्यजातां च तस्मिन्
 मुखात्कृतं प्रवर्तमानं वदामि तस्मिन्
 सत्यं सन्ततं वदामि तस्मिन् सत्यं सन्ततं
 जेतुं

पुन्यरोजनीचंदराचवसाक्षी दुनामधारीलीया

माहचेलतीकेमापाचंदनार्

२७)

कासुचंदराच

माहचंदराक्षी माहचंदराक्षी

११

बीधा

कीबीधा

१७

१७

हाण्यप्रतनीं सजनीकरारमितीने सुदिन सख्त वरु सात
सख्त वरु मुक्ताम सख्त वरु

विहीकरारमितीपत्राणुदि सख्त वरु रोजीमाहीपुंताजे

११

सीमचेलती कसबासजर्जेने पुरमिं सख्त
मकामिंदरुमिं विराने लोकाचो गळे जाले गल्ली
चंदराच पुन्यप्रतनी सजर्जेने पुरमासु सुताफि
प्रसनिं सखतीकरारमिती माहसु दिवस सख्त
वरु वरु रोजीमासु सुती आजादाम

३

हाण्यप्रतनीं सजनीकरारमितीपत्राणुदि सख्त वरु
सात सख्त वरु मुक्ताम सख्त वरु

१७१७

मुक्ताक्षीगदीदुवा

माहचेलतीकेमापाचंदनार्

श्रीमद्देवकी विराजमान गंगसाहस्यपुरम
 राम न्यायदुतकमिहोपाका नौगन्धीनामैवलीनां
 समनकूरकी मुनिकविक्रमलोसवनीकराणी
 रीधनदरवीधनप्रसन्नसमनपदकापेयी
 मासवापुनतालीस

(३४)

हालप्रसन्नोसवनीकराणितीयेसायसुनिदसम्पन्न
 मासवापुनतालीस

श्रीमद्देवकी विराजमान गंगनेत्रमानपायैह
 भगनाससुनिहोपुरकमिहोपाका पुननीगणैमु
 शक्तिप्रसन्नोसवनीमाहस्ताविकुलनामी
 श्रीश्रीमद्वारिनिस्संभतीकराणारीयदसप्राप्त
 रीधनपदकापेयीनां गंगमनकूरकीबीज
 वारा

(३५)

आगेसेवापेयीहोराकोपंडोकरेहोसोका
 वसिष्ठोनामसेवागुणरत्नविबेलाभन
 रामकापेमाकापीताकरे

क्या रंगों की नींव

ब्रह्मसूत्रसंभाषणम्

9



स्त्रिंशत्तारमितीकामाण्य सुदिनसम्बन्धन न० १३

राकुश्रीमाहर्षेजनीविराजमानकसबापीं
 हाण्मैन्पाकीमिजासेतोहरामन्नमण्ण
 जिह्वाएकेसोनोर्गंधरतीकसबासातभू
 भीमुसाफिकसनदलीधुतरामनंदनार
 मालीचैनसुदिउसम्बनददर्कयेपावे
 करानीधाम्पार

⑤

चिह्न बरा मितो ज्ञानेन सुखित सन्ध्या पल्लव नौ हामिन
पानीको सदा संतुष्टूने हाल यम्य नरुण्ड नाई हामिलघा
नौ को पात्रो हो पुनी प्रबसी हामिन अरी की रक्षा की नीति

शङ्कराचार्यमाह तस्मिन्निरातमानकसत्वात्तन्मि
दं नमिदं सारं गच्छतु तन्मिदं नमिदं सारं गच्छतु
तन्मिदं नमिदं सारं गच्छतु तन्मिदं नमिदं सारं गच्छतु

[illegible][illegible]

मुकरशतनपादौजीनाहवतर्णमिनीयेसाधसुदिदुसाध
सन्वतवत्तर्षिस्त्रीगोशकिजाएज्यामरनीन्वनातरनका
सन्वतैजोपुरकान्तदेवोकायोपीसानेज

9/24/97

गङ्गापुरी सुरजीमनोहरुर्निरात्मातगां कृत
 नीदीनाप्रगनालेककजित्पंकीसेनाभानि
 रमनादिगङ्गात्रिहृत्पदं हितांकरोनादि
 रकरीजीमोगनेधरतीकीधाकुसुमासमग
 कूरकीमुत्तादिकपदेजागीरहारबेसिमावधंग
 रोनकुररमिनीप्रसादसुविदसम्बलदुर्ग

सुभाषचन्द्रबोस

२००४-०६ विराट्प्रतिष्ठा

कापिपात्रेकासीहर्मिलधरतीकोसम्बतबद्धजो
ईपात्रोनीपात्रे मंगलधामसंहृतीनीसंपात्रोपात्रे
भरमाजीयदभक्त

११५

विनीकरारमिनीकातीपुदिह समन्तबद्धईजासोपात्रे
सर्पिकमुक्तमदीदुर्जरके निषांकांजाहर्मिलधरतीकोमु
साफिकपट्टागीरहके पापेलेपुतोभवनीदीबानीको
जीवनानगीजीवसंघकाबद्धमुक्तनीरात्रद्वाराभजाद

हपुर्जगीहदेनजोविरातमालकसनाभक्त
ईजपुरमेंमिन्नरमेधावरनीकेत्पाकासामंत
भारकनराजहर्साहपुकीमिनीमात्रपुमुदि
ईसातनसस्वतबद्धनरजपहुंनीकोजाग
भेचहसोहुकमहुसादूमहिदुपप्रापुसी
नीगकेइकात्रासमितीसापणपुदिहसा
लसम्बतबद्धपेहदोनीकोप्रसजिसब
नीलिपीतनयाहकसबस्वईजैपुरमुक्त
सादुमाहदुपपा

५

अज्ञानोन्मत्तनी करारमितीभावात्तुविष्ट सम्बन्ध १००० मुक्ता
सम्प्रान्तहृदयपुर

मुक्तराननयाहृदयमाह इत्येतन्मन्त्रिणीमाताए सुविष्ट सान्ना
सम्बन्ध १००० पेसीमितीमकेवहान्तगाएववृत्तराज सम्बन्ध
इतिपुरकासंविष्टो कीज्योदमाहदुपपन्न

३)

श्रीमाहदेवतीविराजमानमिष्टरामगाठका
द्वेष्टमिष्टांकोनोगकेवहान्तगाएववृत्तराज
सासकीमितीमकेसुविष्ट सान्नासम्बन्ध
नरतपदुचीश्रीभोगकेवहान्तगाएववृत्तराज
दसखनकरासम्बन्धसौदुकमदुवृत्तिमितीमाह
मितीमकेद्वेष्टमिष्टांकोनोगकेवहान्तगाएववृत्तराज
सुविष्ट सान्नासम्बन्ध
सुविष्ट सान्नासम्बन्ध
मितीमकेद्वेष्टमिष्टांकोनोगकेवहान्तगाएववृत्तराज
सुविष्ट सान्नासम्बन्ध
सुविष्ट सान्नासम्बन्ध

१०००

अज्ञानोन्मत्तनी करारमितीभावात्तुविष्ट सम्बन्ध १००० मुक्ता
सम्प्रान्तहृदयपुर

मुकरराज नवाहरीजीना दुबत वाप मिलेती नैत बुदि सन्वत
७८५७ धे सीगी नोग के बहल जा ए नवाहरी नवाहरी नवाहरी
सुझाई नै दुसरे नो की गो मुकररा

१५५

कुरदुका श्रीमुरली मनोहरजी विरजमान क
सन्वत सन्वत नै तुमै मुत सि न हने नी दने ल
स्वयं राता भुत कै नो की मे नवा मोहन मनोहर
मने सोह करे नो पा नो गो के नाले माफती
जाहुर सहाफ की मिलेती सावण बुदि सन्वत
७८५७ नवाहरी नवाहरी नवाहरी नवाहरी
हने बाह से फुक महुना सीगी नोग के रोमीनी
दुप प्रो एक नुक सन्वत सन्वत नै दुसरे नो
नवाहरी नवाहरी नवाहरी नवाहरी नवाहरी
सन्वत ७८५७ धे नो नी नो प्रवले सवती
विषी मुकररा नो जीना दुप प्रो एक

७

प्रवले नो सवती कर मिनी नवाहरी बुदि सन्वत ७८५७
सन्वत सन्वत ७८५७ नुक म सन्वत नै दुसरे नो

हस्तेनेनापम्रादा

मुकरडावतयहरोजीनाइवतदापमितीजेदमुदिभुसान
सम्बत १८१६ पे श्रीगोत्रोमकेजाएचोंयाकसचासवाई
जेपुरकासंदेबोकीपोदुपपोएक

७

यज्ञजननधाहगोत्रमंदानुनाजिकेकसचासवाईजेपुल्ल
मंदवतदापसाधस्याल्लसम्बत १८३३ पे सालीमादुप
धाभुसुकीपाई
विहीकरादमितीपोसभुदिरुदसम्बत १८३३

हाकुरजीमुरलीमनोहरजीविराजमाना
इपेंडाएअज्ञानदला

हाकुरजीमुरलीमनोहरजीवि हाकुरजीमुरलीमनोहरजीवि
राजमानगोत्रपेंडाएअज्ञान राजमानगोत्रपेंडाएअज्ञान
नदलावहालतलिकेअज्ञान नदलावहालतलिकेअज्ञान
नासेरपुराकामेंपोकेपुजारी नासेरपुराकामेंपोकेपुजारी

गणेश बुद्धि वर मन्त्र

मङ्गल श्री गुरुजी मने हरजी बिरान
मानक सन्नासत्रार्थ जे पुर में सिद्ध
मन्त्राजमिश्र के

बाबुन जोग रोजीनाट को बा मङ्गल श्री गुरुजी मने
हरजी बिरान मानक सन्नासत्रार्थ जे पुर में सिद्ध
यन्त्राल मिश्र के तपो के ज्ञासौ मुझ फिकड़ कासेर
सधन बखान प्रान करार मितो पौन सुविद सम्बत
१८३० अज्ञा पदुनी नो मने रोजीनाट को एक रा
क सन्नासागो निर कामाज में सु मुन गद्गलन दा फति
जीपी सखु बिडर सीम बार फेदे बाकी सन बलिने
सीद सधन पातहु कमहु बालो मुकरारी जीना
ठको एक मुजराई

११

बिही का एमिती पोसा बुद्धि सम्बत १८३० रोजीनाट

की एक इबत दन मिती पोम नुदि ससम्बत वर ३ ज्ये
कसवासो गंगे रकामा मा नूदिना लो की न्यो मुजरी

२

हा कुरु श्रीमदन मीहन नी बिराज साजक
सवासतारु जे पुर में देहर पंचता जं कै लो
का जोग कै ब्रह्म मै भार फन विहरा घर की
मिती आसी ज सुदि वर ससम्बत वर ३
अरत पं चो हुकम हुवा पुर बत राय जाद
बा सुदि ससम्बत वर ३ ये दर मा हो बर
ली दुप पान्यार की कर दना ती की तनया
ह्वं तं ना कसवासतारु जे पुर का परि क
रि अन्नानों सब ती कणे मुकर रा दर मा हे
वमू ली दुप पान

७

अन्नानों सब ती करार मिती मपात्र सुदि वर ससम्बत
वर ३ मुकाम सवासतारु जे पुर

एतज्जदरनाहेकीतजबह गंगुमने तालिकेकसनास
 वाईगैपुरकनेइबतदगप्रसायस्थानू सम्वत १८७७ ये
 सालीनादुपमा ६८ कीपारिचिदीकरारमितीपोसु
 दिवससम्वत १८७८

गङ्गुरश्रीगुरुजीमनेहर्मीकोबेदरोसिद्ध
 मंदगोत्रअलूहाप्राप्तादोसम्वत १८७७
 हेविरागैत्यांकीपुतारीजीप्ररातूपरामका
 विरामणोइजाहुरकरीजीनोगनिधरतीबी
 धावरवुगोत्रमजकूरकीलारीजीनाज्जली
 लुदोप्रमापागोत्रमजकूरकासुंमुत्ताफि
 कपटेजार्गिप्रदरजोरगतगुमानस्यंपर
 जाणीकरारमितीनीसायसुविठसम्वत
 १८७८काधेपावछासीहसिलधरतीको
 नारोजीनोसम्वत १८७८नाईपापोप्रवण
 बखालसैदुसोसोआमिरजसनेदतलब
 करेछेईवासेसुत्ताफिकदुकमश्रीहुर
 कैधानेनियोंछाज्जोमुत्ताफिकपटेजो

गीतारनेसम्बत ७७७७ संवत् ७७७७
 तौईप्राप्तेहीपत्नीअवनीपतेलपत्नारात्
 तहकीककरीयेचलनकरोमनिमलानगरी
 बानबालचंदजुवानीरामकिसनप्रि
 मुनगद्विकतपसीलनेल

यनीगंगलननहार्कीबीरोनीनाचानाहोपमापा
 घाएकसोइकासन गंगलननकूरकाख

७७७

७

चिठीकारमितीबैसाखसुदिहसम्बत ७७७

हाकुखीसुरजीमनेरुतीविरातमानकमबी
 सनपुजेपुजेमिंदरमोहतहनारापएजल
 घारीकीबहुलपुजेनीहत्याकाजोगकैला
 स्तिमारफतराजहृष्टाहेकीमितीचतनुरि
 हसम्बत ७७७७ प्रजपदुचीजीगनेबाह
 सोहुकमहुसादरमाहोहुपपाहुसीगैजो
 गकैइबतदाप्रमितीकानीसुदिहसम्बत
 ७७७७ चिन्वनेग्राकसजासनपुजेपुजे

सूदनीनोंकोप्रजाओंसबनील्लिखीमुकरार
रमाहेहुपपा

६)

प्रजाओंसबनीकरारमितीबैशायमुदिउसालसम्बत
१५३१मुक्कामसवाइनेपुर

मुकरारतनमाहदरमाहेइतदाप्रमितीकातीमुदिउ
सम्बत१५३१पोसीमैजोगकीजाएचर्नान्नाकसवाल
नदिनेपुरकासंदेनोकीपोहुपपा

७)

राकुरखीतहमनुनीनिराजमानश्रीबुंदा
वनतीसीगारवटमेंन्पांकीसेवागुंसोई
गोकलानंदजीकरे

मोगांगचमनुरश्रीमाहमकुनीविराजमानश्रीबुंदावन
जीसीगारवटमेंन्पांकीसेवागुंसोईगोकलानंदजी
करेन्पांकेजासोमारपतरजाहरसाहपकीमितीबैसा
यमुदिउसालसम्बत१५३१नंदेनंअरनपहुंकीमोगांगच

जन्मदात्र नारायण देवो सा को नन्दरो वस्त देवा को हु
कम हु तो सो नारायण सख तो करवा काद सयन करा प्रो
चाह सो हु कम हु प्रामुखि कलि पेड़ बन रा ५५५५५
नहलू सम्बत ५५५५५ मे सी गी भोग के हने गी को नारायण
सख तो लिखामु करवा गांवन नन्दरो वस्त एक

१

प्रतापों सख तो करवा मिनी नै ह सुदिन सम्बत ५५५५५
साल सम्बत ५५५५५ मुकान सप्रति नै पूर

मुकरात नयाद गांवन जन्मदात्र नारायण देवो सा को हु
वत रा प्रसाव नहलू सम्बत ५५५५५ मे सी गी भोग के ता
एह सिद्ध सा नि करवा नि नि गांवन नन्दरो वस्त एक
क

ब्रह्मचर श्रीमदन मोहन जी विराजमान नि
वरुपाजार के कस वास नारायण नै पूर मे

ब्राह्मण नारायण जीता हु ननु ब्राह्मण नारायण जीता प्र

रथीसदनमोहनजीविरा नाचुमहदिलजीस्त्रीमुक्त
जसाननिंदरदुष्टाहकैक स्वरजीविराजमाननिंदर
सबासबाईजैपुरमेंहेमराज पाताहकसबासबाईजै
बबसीकैबजारनबोवण रमेंहेमराजबकसीकेवता
प्रोतीदिविराजैत्यांकेवता रनेबोवणपैतीदंपधरा
मारफतराताहरसाहकी त्यांकेवतामैमारफतराता
मितीपिसमुदिहसम्बत हसहकीमितीपिसमुदि
वदवप्ररातपहुंवीजोगव दहसम्बतवदवप्ररातपहुं
रापौचाहसोहुकमहुता नीजोगकरपौचाहसोहु
रोजीनालसीगैजोगकैइ कमहुजारोजीनालसीगै
बतदापमितीभांगश्रुदि जोगकैइबतदापमितीभा
वरसम्बतवदवप्ररातपहुंवी गश्रुदिहसम्बतवदवप्ररातपहुं
नाराहदरीमगानासबाईजै घटलोचननाराहदरीम
रमुंतीकीमगानासबाईजै मगानासबाईजैपुरमंतीकी
बोमुकरराजानासाछाछ मगानासबाईजैपुरमंतीकी

१३५

रथीजीताप्रजा

मगानासबाईकरारमिती

३

नीतनुदिहसम्बतवदवप्ररात

मगानासबाईकरारमिती

शुद्धमन्त्रादिना पुनः

चेतसुरि २ मासवा ५५२१

मुन्नामसालादिपुर

तबुखीमुखीमनेहलीबगीरहविराजना
 नगंवनहमदपुरकरणीतपाहजेलीअन
 नावाह्यकमिंवनरगणएगोहतनगोह
 ब्राम्हाकीनामिमारफतराजाहसहसकी
 मितीधामसुदिनसम्बतवदअनपु
 चीजोमोगनगोहघरनीबीघाबहु
 गंवास्तकूरकीमुनाफिकपटैरावमुनेद
 स्पंदतूकाकेबाबरवारकीमनदनास
 हालनार्दपापआपाछअबगंवनमैयान
 सांकोअमलहुजोसोआमिलसनेहह
 रिनीचाहेछेकोरवारसीसनेहहोमतोमेव
 लकरयापवेलीनीठिफरुनीकेनोगला
 गोबोकरैसोदुखेमहुआमाछलीसनेदेय
 हालनीसनेकरुनेईसास्तीभान्तलीकया

जोहामिलधरनीकोसबासेहतंलेहान्न
सम्बन्धनवृद्धतादिपापप्रपुहोपुनोप्रवृत्ती
सम्बन्धनवृद्धतादिपापप्रपुहोपुनोप्रवृत्ती
हामिलधरनीकोदिनालोकीनामुक्तरा
धरनीभोगलगेरहकीबीधाएकसेजीपापे

१७७

निधीकरामिनीअसाहनुदित सम्बन्धनवृद्धता

ठाकुरजीकुलमिनीहरता ठाकुरजीनालनडीबीधा
बीधा

१७८

१७९

ठाकुरजीलछिमीनारप ठाकुरजीबालमुकेशी
राजीबीधा बीधा

१८०

श्रीरामजीदुनारेबीधा हेवीजीश्रीस्पेशबाहनी
जीबीधा

१८१

श्रीमाहदेवजीबीधा श्रीहतस्पेशरामांगाराम
नरायणदासकाजीहत

१८२

आमि नापुनरापण लासक

बीधा

२३)

जोहलनीलतरामधारीर ओहलछपूरामजीनरामक

मकाआगीनापुधारीर वैलाकानूरामकाआगीर

मकेबीधा

सकातूरामके

२३)

२३)

जोहलकुंतलालसदर मिश्रजीकिसनसोजारम

मकाआगीनापुसदर कामनरामकाबोलाआ

मके

गेनापुमिश्रमनरामके

३)

आ

२३)

जपानीरामगिष्कलनाथ

काकलीस्वरजीनापुगी

कलनाथकलीस्वरजी

२३)

हाकुरजीमुरलीमन्नेहरीलिठनीनारापु

एनीविराजमात गोपनगोतसरचाल

हेतानपारामराजमगनामन्नेहरीपुरका

मैं तथा की पुता बरामा मिया हारान्तर

बाकत नोरा मा कुरली मुरली मनी हरजी निहमी ना
 राप्रएगी निरान मान गी नन गीत सर चा न डाना न
 राम गठ प्रगना सत्राई जे पुरकामें तथा की पूता बरामा
 राम ब्रिह्म को सीता हर करी सी प्रीति नें भरती नुगेर
 ह मुना प्रिक पते जमी रहए कान संघट् मीर देह कान
 रार मिनी साग अ बुदि द सम्वत १८७८ का धे पा सुडा गी
 सन दर्शन करी करार मिनी साग ए बुदि द सम्वत १८७८
 की चे हा धिरा धोडां जे रामी मुना प्रिक दु कम श्री राई
 नै सां ते निपां डां जे हा सिन्ध धरती नुगेर ह को सम्वत
 १८७८ तां ई पा प्र आप्रा ही पते न्त्र वनी सम्वत १८७८ र
 हा सिन्ध धरती नुगेर ह को लेशा टी जे मुकारा भरती
 नुगेर ह न फसी न नै ल

धरती बोधा अतीस

नकद सागर सं

७६

गोमन गोमन गोमन ही पपु पीसा ए करी जे नम अ सर

गोमन गोमन गोमन ही पपु

गोमन गोमन गोमन ही पपु

राम नाम गुरुद्वारा राजासम्बन्ध नानीकोर मीकासाली
कीबीमा बुद्धराजीको माहोदयपाल नामाना

३५

पा

५

७

५)

अनकुन्का

सालीना

७

मंगविन्नीतीपुपपाएकल कुंर कोनातनील रद्वे
रपीसा रीपजसे व्योप सालीनामपा

रसकनेमंमावे

माल

५३)

मुहाल

२

५

५

चिठीकरामिनीआमोन बुद्धिदसम्बन्धवद्वरमवान
गिस्पंरूप्यगोगां लन मुवामीननिपकेनकी लुना
मीवरेरामनरबीलदरबीसदधानाकाचिठीहलर
मुपपाला ज्ञाहणवाकरवरेरामकाके

शकुरद्वीमीहलवाल्कीकसवासवाप्री
घलपुरमेंनवा सिरथे सिंदर लणपुबित
नमानकिपा

अथ नारायणोत्तरार्धे ज्ञानार्थकं ॥ एतन्मन्त्रं नारायणोत्तरार्धे ज्ञानार्थकं
नृत्वा सोम्यात्वात्स्नीमुत्तमिन्कत्रवासेन्प्राप्तान्नाम्नान्मिनी
प्रसादात्पुनरिह सम्भवत् ॥ १८ ॥ ब्रह्मोपासने जीताब्जोत्तम

95

चिठौकर एमिलीने म्यामसुद्धितुमात्तसम्बन्धन १८३२ मृत्युपिक
हुकस थीर नुर के जना बल्लाद स्त्रीयाने छै तोर्क भावना मुजा
चये नाराह दारी कान् प्रीदा दारा से दीवाने बर्ज जये प्रनाते गीने
हरष्य म्पजगी राम तु नाली चन्दाती राम नोहरा

छन्दुरभीसोहललान्तजोअवगममा नवगोखवा
मृश्यानारणशोखवमै

अनुरागो ह्यन्नागजैर्बोरुत्तिरिजातानां च पञ्चाङ्गमराणां मन्त्रैः
संत्राक्याय जारि तदारु रित्तवायो गौरि रत्तात्तात्क्व न साया वा वी
अनुरागो ह्यन्नागजैर्बोरुत्तिरिजातानां च पञ्चाङ्गमराणां मन्त्रैः

चिठी करार मिनी भाग अमुदि र सम्वत १८२६ अमिस

आगे रोमी नट का अवर पाते का मोया लन में की उपो

चिठी करार मिनी पोस सुदि र सम्वत १८२६ सुवा प्रिकसनर
दी ला एमि सम्वत १८२६ नारी पापो ख नो अज जी दी ला
जी की उपो

११२५

मकुर श्री भदल मोहन जी विराजमान कम
जास चार्ड जे पुर में धरण राम संग ही कायता
के मुतिसल मिंदरन खो अण पोती के मी
की सीता गुमती राम विराम गोण के ना
का जोग के ना में भार फल राता हर साहस
की मिनी वें साध सुदि र सम्वत १८२६
अपंदु जी गी ग की काम ना में त ही सी जी
ग कर पो ना ह सी दु कम दु भा हर मा ह दु
पा हु सी गी गी ग के रूबत राम मिनी वें सी
अमुदि र सम्वत १८२६ ये न बूज
कम ना स जर्ज गी पुर सू ख गी ती की प्रवाती

संवती विद्ये मुक्तरादरमाहे दुपप्रातीत

(३)

प्रजातीं संवती करार मिती कानी बुदिई सम्वत् ७६२
मुक्तामसप्रातिपुर

मुक्तराजानपह दरमाहे इवतदापमिती वैसाव बुदि
उत्सालसम्ब ७६२ ये सीमें प्रोगफे जाएन्व बुनाकस
वसताई मिंपुरकां देवी की ज्यो दुपप्रातीत

एवजतत याह गोवदे हरीनालिके कसबा सप्रातिपुर
कामें इवतदापसायसाल् सम्वत् ७६३ ये पासा
स्त्रीना रुपपा उदु बिदि करार मिती कानी बुदि सम्वत् ७६३

मकु रथी मुरली मनोहरती विरात मातगोत्र
श्री कसतपुराबास साबलनानपायोह
गजासप्रातिने हुस्का में मिंदर प्रोह्त मुरली
घर कै त्यां कानो गनें घरती वीघा न्नुगो
ब्रमचूर की मुना प्रिकपठे जपीर दारवती
पस्ये पुराण गजत करार मिती जेत बुदिई

दुमप्रा बज्जुनिवताव सीतीको सीगी भोगके प्रवृत्तों सन
तीकरागेचाह सो दुकम दुता दुबत बज्जुसा यवत्तुल्ल
म्वत बज्जुसे सीगी भोगके रजोतीको प्रवृत्तों सवतीलि
मो मुकर राघरती बशी दुता से सासीला दुपवा बज्जु में बी
प्रापेती सविस्त्रा बारा

३११२

प्रज्ञाती सवती करार मिती फगण मुदि वव सच्चत्तु
मुकम सच्चत्तु में दु

गङ्गु रबी मुरली मता हरजी विराजमानगं
न जगनाथ पुराक सबास जई नै पुरका में
मिन्दर म्हाणी चौंठा कत जीवण पो न्ही
की सेजा सुभाई सुबलाल करे

न्यां कै प्राप्ति साद फल राता हर साद्वकी मिती गमा अमु
दि बल सच्चत्तु बज्जु अलाय हुं बी भोग में चाह सो दुकम
हुं आरोमी नारुप प्रो दुबत बज्जु मिती कली मुदि सच्च
त बज्जु मापाक सबास जई नै पुर ये रजो सीगी भोगके

नीकोमजानीमबनीलिषीमुकररारोनीनादुपप्रीपात

७

मजानीसबनीकरारमिनीपोसमुदिवरसम्बत १८२३

मुकामसद्वर्तिनेधुर

मुकररातनशरोनीनादुबतदामिनीकातीमुदिउस

सम्बत १८२३ येसीगौनोगकेजाणमापाकसबासत्राणि

धुरकाखंदेनीकीत्पोदुपप्रीपात

अमाठलेवनीविरातमानगोवचकारदाम

मलासंजुनरकामित्पांकीसेवानीयोनीप

५ तरामकोविरामएतिवाटीकरे

त्पांकीजातैमारपनरजाहरसहकीमिनीनेदुदिदुमाल

सम्बत १८२३ अजपहुंचीमोगनेधरतीदेवाकोहुकम

हुलोसोदमनयतकरापोचाहसोहुकमहुजाघातीनी

घादुपुवंजहुलापुकगरामाघवारहाकीरुबतदामि

तीनादवामुदिउसम्बत १८२४ येसीगौनोगकेदुलोतीके

मजानीसबनीलिषीमुकरराधरतीवंजहुलासकगरा

नवीघापदरा

५५

प्रधानों सवती करार मिती जसा छ बुदि सखल सखल

बदल मु काम सखाई निपुर

मुकररातन धरती गोन बखारद प्रगना मंडार की दु

जल नूप्र मिती नाद वा मुदि सखल बखर पेसी गे जो

कै ना ए भाप ठप्रा ले की पो बज ड खामक नरात न

नवीघापदरा

हाकुर श्रीमदन मीनती बिराज मान कसवी

खाल मोट में देहर सिखर नंघरा मरिषी

हत बखार पोती है

जोग धरती हाकुर श्रीमदन में दती बिराज मान कसवा

खाल मोट में देहर सिखर नंघरा मरिषी हत बखार पोती

हैं त्यां के बापों मुनाफिक साद दास में दसयत दीवानों

नकरार मिती साख ए बुदि सखल सखल बखर अरत पद

बीजो गनें सखली लपेटा दुप पद की धरती कसवा

स्वातन्त्र्यकी मुक्ति के लिये सब लोग मिलकर
 कीर्ति गाओ, महान्द्वन्द्व के लिये सब लोग मिलकर
 लड़ाओ, मित्रों के लिये सब लोग मिलकर
 सौध सखत को सतुक्त सतुक्त सतुक्त सतुक्त सतुक्त
 लियो मुकुरा घरी निने तापु पता दग की बीधा साङा अड
 तीस

३५॥

स्वातन्त्र्य के लिये सब लोग मिलकर
 कीर्ति गाओ, महान्द्वन्द्व के लिये सब लोग मिलकर
 लड़ाओ, मित्रों के लिये सब लोग मिलकर

३६॥

३७॥

मन्त्रांतो सब लोकर मित्रों के लिये सब लोग मिलकर
 मन्त्रांतो सब लोकर मित्रों के लिये सब लोग मिलकर

मन्त्रांतो सब लोकर मित्रों के लिये सब लोग मिलकर
 मन्त्रांतो सब लोकर मित्रों के लिये सब लोग मिलकर
 मन्त्रांतो सब लोकर मित्रों के लिये सब लोग मिलकर
 मन्त्रांतो सब लोकर मित्रों के लिये सब लोग मिलकर
 मन्त्रांतो सब लोकर मित्रों के लिये सब लोग मिलकर

तीर्थीरानामाधारा प्रतीकें नेटकी प्रोत्साहिका
 स्त्रीमुक्तिक सादर्यत मैद सयत दीवान प्रांत
 कजार मिनीनादना मुदिद सान्त्व मन्त्रन वर ६८
 अरल पटुची शोगने रीजोना शम्भूनी दुपप्रा ६९
 तीर्थीरानामाधारा प्रतीकें नेटकी प्रोत्साहिका
 में न्यास राधा किसन पुरात पाहने नीब गौर ह
 आना सत्तारि तै पुस्का इवन दास माय म्पान्
 मन्त्रात लक्ष्मी के कर देवा को हु क म हु सोम
 द सयत कल प्रोत्साह सोद सयत य म हु क म
 हुना मुक्तिक निधे सीगे जोग के दतो ती
 की प्रन जों सयतो स्त्रियो मुक्त रङ्गा गा वान
 म कूर ब गौर हु न न नो न न गौर द सुधा च मूली
 दुपप्रा

— ५३९९ —

गौरी नीब डामें वास राधा गौरी वास डी वास कान्तरात
 किसन पुरात पाहने नीब न या का क ड न न सिद्धा प्रनोम
 नोम न गौर द सुधा च मूली करार अनाद दुपप्रा ६९

सूक्तानिपुत्रा	श्रीकालसूक्तानिपुत्रा ३०००
वन्द्यमाना	श्रीकाल
मधे	

(५३५)

श्रीमिन्दरमित्रराजगणसंज्ञा
 कृष्णकवितान्त्रिकैः सन्निभ
 वाचकामन्दताके मारफत
 युस्यालसंघर्षाकिप्रोक्त
 रंगवर्णनकावातसम
 भवन वन्दनकीगुनानूष
 दुर्बोअरगंनवातद्वीली
 यमोतादोपतननसूत्री
 पुत्रा ३३५५ कावहाल
 रक्षा

गोचरमनकूल गोचरामशी
 ननसूत्रीपुत्रापुरावासगो
 पुत्रा नैरतमनस
 (५३५) नवीपुत्रा

१४३८॥३

मधे

१३३५)

सोहामिन्नगोत्रकोमायस्यान्तुसम्बन्धवत्तुताईपापो
 अत्रहुकमहुकोमन्निमावारिकककताम्नोनामिदरको
 तान्त्रकोमीकृपकरोअरमिअरातागीकैहीसाविपरा
 धोसोमांअरतकराईइजाप्राभैगांवश्रीपुरासगीरह
 मोजातीतनवमूलोदुपपा३३३३कामुलपिकका
 गरकरापनिपाछैसोतोसोकृपकरज्योसेपुकमहु
 मायहन्तुसम्बन्धवत्तुपेयान्तसेकरोअरमांअन्
 मईनसुगीरहमोजा२तनसमूलोदुपपा३३३३का
 साविकछैसोहीअहाअरयोतीकैमवातोसवनीइ
 तहापसापतहन्तुसम्बन्धवत्तु३३३३३३करहैसोअरम
 तकरापोवाहसीदसपनयासहुकमहुवामुलपिक
 जिधेअन्नाजोसवनीजिधोमुकररागांववासडीबस
 द्वाअरतपाकोकइअगीरहतनजोमसुगीरहसुपाय
 लीदुपपा

२३५७॥

गोपमनकूर गोवरामजीपुरावासगोतिर

१५२९॥

पाथोहलननमस्त्वोदुम

वहवध्यामधे

१३३६

मलातोसचनीकरारमितीवैसाधसुदिदसम्बत

मुकामसचर्धनैपुर

हल्लववाताबावतजोगांगोवराकुरश्रीमदतमो

मजीलिरातमानकसबासचर्धनैपुरसांगानेरकी

चोपडमेंमिंदरमजीश्रीनहाणीजीहल्लवधराज

बेकुहवासीजीश्रीसचर्धनतापसंघजीकावणातो

त्पाकैनालोमुवाधिकयाददास्तमेदसयतदीवा

नप्रांतकरारमितीवैसाधसुदिदसालसम्बत

अरजपोहुचीजोगानेगांववासडीवासकालरा

तपाकांकडसगीरहमगतासचर्धनैपुरकात

जोगसगीरहसुधान्तमूनीदुपम (१३५७॥) कामु

जोगनितार्दीगावैमजोतिर

मरणमार्गदिएप्रणित

किं कनकजलसयनी करारमितीविलायपुरिदसाल
 सस्वत २७३७ कांक्षिपादसोहासलगा वृकोसाथ
 व्यावृत्तसस्वत २७३७ तीरे पापेभ्यश्च कलहु वामु
 लं विदलनरायणी चाम्पसैली कांक्षे प्राज्ञाछे
 सीमांतेसे विवरदरो प्ररनाग को प्रज्ञातो सवती
 और करिपां को नाव प्रज्ञाता में विवदने सीरुव
 तदापसा वदना लू सस्वत २७३७ येद सवत क
 प्पे वाह सोद सवत वा महु कलहु ता मुवा पि कलि
 व प्रज्ञातां सवती लिखे मुकसार्गा न वा सडा
 वास डाला न पाकां कड बगैर प्रज्ञाता सवती
 जे पुरत न जे सव गैर ह सुभा व सूलि दुप प्राप्त डमो
 लाका सगता नत

२३५७॥

श्री गणेश कूरतत चखली गांवरामजी पुरावासगो
 रुपडा नैरतपासी हतन वसूलि
 १७२९॥ दुपडा १७२९॥ अथे

मन्त्रां सवती करारमिती जे ६ पु १३३६॥ श्री गणेशाय नमः
 श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः
 श्री गणेशाय नमः श्री गणेशाय नमः

हनुमन् श्रीगणेशाय नमः विराजमानः कल्पे

सत्वादेनैषु खोरडीकावागारमंभिंदरही

वानसगहीजीनुराजबण

वाचननेगडाकुरश्रीगणेश वाचननेगडाकुरश्रीगणेश

दनहोनगोविराजमान मदनमदीकुराजमान

कसवासडादेनैषु मंभिंदर तकमवासडादेनैषु

खोरडीकावागारमंभिंदर रहीकावागारमंभिंदर

वाचननेगडाकुराजबण वाचननेगडाकुराजबण

गोत्याकेलात्तेमारफत गोत्याकेलात्तेमारफत

गणेशवचनकीफिनीबेसाध कसुचदामनेरसधन

वुदिरसालसम्बन्धन दीनजगुनकरासिती

अजपहुंचीनोगनेगांध वैसाधवुदिरसालस

महास्पेशपुरावासमोहाण स्वतन्त्र अजपहुंची

तपायोदप्रजामसडादेनैषु गीतसाधग्रीनिंदालम

तनजोमवगैरहसुद्यादुप लीनावसहलीदुप

प्रा ३५० कोइवनरापसी करदीवाकोहुकमहु

खम्बालू सख्त ७८३३५५ वादिन्नामों मूलहास्य
 सोमनाथ मन्त्रानो सख्तो पुरोवास मोहा ॥ ५५ ॥
 दुर्वा नदी प्रहासिलगांव चोह प्राना सख्त जेपुर
 कोसाय ल्याण्ड सख्तो तननी मन्त्र गैर हलु ॥ ५६ ॥
 ७८३३५५ पापो प्रवरव वपा ७८३३५५ नीका वख्त
 तनपलायन मन्त्रालू सख्त दुपला ७८३३५५ को मुला
 त ७८३३५५ प्रवानो सख्त फिक मन्त्रानो सख्तो म्हा
 नी कर रवा को दुबला राना वख्तु टवा सीती श्री
 सोसाय सख्त कर मन्त्रालू सख्त मन्त्रालू मन्त्रालू मन्त्रालू
 हसी दुकम दुसा मुला ॥ ५७ ॥ गरमिती जे वसुधिर मन्त्रालू
 कलिये मन्त्रालू ना सख्तो तन सख्त ७८३३५५ का धेप
 लिये मुकर डागां वमन्त्रालू तनवा को दुला फे सानी ना
 कूरत नो मन्त्र गैर सुधा वख्तु मन्त्रालू ७८३३५५
 दुपला ७८३३५५ को एक मन्त्रालू श्री कितन पुरावा
 सका ल्या डहरा तपा को

९

मन्त्रानों सख्तो करार मन्त्रालू कट मन्त्रालू सख्त जेपुर
 जे वसुधिर मन्त्रालू सख्त ७८३३५५ तन गैर हलु वत रापला

मुक्तमलहादिजिह्व

जठरान्नद्वयान्न १८५६

चेदसवतकराधाचाह

लोदसवतवास्तदुक्त

दुवामुत्रादिकलियेइना

फोसीगेनागेकेद्वीनीकी

जनालोमवतीविधीमुक्त

रराज्ञाद्विसालीनासमृद्धी

दुपप्रा

(४१०)

गोक्षमजकूर गोक्षपरलक्ष

तननीमक्षणे मेवामस्यज

दिसुधादुपप्रा पुरकुरदमा

१८५७कोर्नेली नाम्वाद्वन

तनहात्तणे ननीमक्षणे

समृद्धीदुपप्रा दसुधावम

(४११)

लीदुपप्रा

१८५८

भवानोसवनीकरारमिती

असावतुदिसालमन्त्र

त बरुद सुकामसवति

नेपुर

वाचनमोगसवलीकोलू

एठावुरमीमननदेन

नीबिरातमालकमनम

लाईनेपुर वोरदीकावा

रमेंमिंदरदीवपनमेगरी

मीबरातकेत्वाकेवामे

मुवापिकप्रादरानमेद

यवतदीवानपानकरायि

मीमाहसुरिकरपम्वतू

अरतपुंसीजीगनिसलू

खरिदीलूएरगनासंन

रसंस्तलीनामरा २००

इवन्तनानामाथ नृहोत्तु
 ज्वन्तनदृष्टेकरदेवाके
 दुकमदुल्लससयनक
 रापो न्नादसोदसयनका
 सदुकमदुल्लसमुवृष्टि
 त्वियमोगेनिगाकेदनातो
 कोनृजानेसवतीत्वियो
 मुकरडासत्तुएगीकेनू
 रमरासो

१००)

मन्त्रानां सवती करारमिती
 प्रागाण सुखिउ सम्वन
 वदष्ट मुक्रामसलार्नि
 धुर

श्रीमहर्षिपत्नी तगौरह का भिंदर सरद
 को इयोकी तगौरह के मुन सित्तकल

नमः शिवाय नमः शिवाय

तपोकाजो गकेनात्तम् ॥ श्रीगुरुदेवताविराजमानं ॥
 बाणिकुङ्कुममेदसपतं ॥ दंतवतराभमोताकेनिकु ॥
 दोवानपांजकरारमिती ॥ रमुतमिन्नसरदकीहृष्टि ॥
 पीमसुदिरुसम्बतु ॥ कैत्पाकाजो गते रोमीनात ॥
 अरजपदुचीनोगतही ॥ कोएक बाचरोवावादी ॥
 सोनोगानेरोमीनातका ॥ चोककमवासनईतिपुर ॥
 वापुचर्गनावांदएने ॥ कमसुमुवापिकसनददी ॥
 ककसवासनईतिपुरका ॥ लागीकरारमितीनाहृष्ट ॥
 येसीगेपुत्यकदेवाकी ॥ सुदिरुसालसम्बतु ॥
 त्नामितीबेसापसुदिरु ॥ येपाबेनीकीननमाहोर्ष ॥
 येनीकीलनरखियोधु ॥ सुध्यातामिकेकमवास ॥
 करारोमीनातकाहोष्ट ॥ ताईनेपुरकाममुवापि ॥
 सोदसयतवासदुकमदुही ॥ कसनददीलागीकेवा ॥
 दया ॥

सप्तमराजिनी

की तत्तवाह

सो न सुव्याता

निके कसना

सबई जेपुर

कामे सातीनी

उपपा नारी

मुखाफिकस्त

दरी साणी

के पाई

—

२५)

या लसो मी

एवज गांव

धुसरत पायी

हजगना मस

जेपुर कामे

इचा दाफस

म्वन ७८७५

ये खानसे के

रिजमा बरखे

—

मुद्राविल्लवर्तनाधिप्रमाणवि

मन्त्रालयम्होदयमुद्राविल्ले

कीर्त्ति

चिनीकर

मिनीकाली

सुदिरसम्ब

न ७७७५

दायुरद्रीमुखीमनेहमीबिराजमानगोबरी
 मतीपुरावासनांयरोरातपाहबेली भगना
 सन्नामिनेपुरकांमघनीस्यामणमिनेहबाल
 सोनीठैपंगैनास्तैसुजापिकपादद्वस्त
 मेन्दसयतबीजानप्रांतकरमिनीकाली
 सुदिरसम्बन ७७७७ अरापटुचीजिना
 मेरीतीलाबीकोकराफकोबाराहपारी
 कसवासनपुर्जिपुरकासुंइबतनापमिती
 नादज्ञानुदिरसाल्नसम्बत ७७७७ धेक
 रतेपाकोहुकमहुलीसोदसयतकरासोना
 हसोदसयतमासहुकमहुचासुजापिकमि
 मेदसोसुकररासोनीलाबीकोएक

११

विद्याकरासितीकृपाएवमुदितम् सम्बन्ध २७२३ दोतीना तको
 एकचरीनाराहदारीकसबासकपेतेपुरकामुदिततत्ताह
 सितीनादजायुहिदसान्नसम्बन्ध २७२५ पेसीगेजोगके
 जगणदीक्षावाकीत्या

दापुरश्रीहोन्ननालजीसोसासीश्रीवठनि
 ठारणीसीम्बन्धमहाराजवेकुठवासोतीश्री
 सचाईजगतस्पृष्टजीकाकेमाथाकाठाप्ये
 नमातीश्रीवेदराजनविम्बन्धमहाराजवे
 कुठवासोतीश्रीसचाईनेस्पृष्टतीमिदर
 कसबासचाईनेपुरमुतसिलतिरपोन्ना
 केनशोवएप्रविराजमानकिप्रात्यक्षी
 सिवास्यामीसादूराभनीमाजगतको

माचनमोगबंजरादापुरश्रीहोन्ननालजीमाजीश्रीव
 ठाविद्यापीसीम्बन्धमहाराजवेकुठवासोतीश्रीसचा
 ईजगतस्पृष्टजीका माथाकाठाप्येनेमातोश्रीवेदरा

यत्नतीहृन्महाजायेकुटलासींजीव्यीमवादींस्वयंमोका
 मिदरकसबाभवादींमिपुरमेंसुतमिन्नतिरपोन्पाकैन्नवाव
 एणपविराजमानकिष्ठात्वाकीमेतस्वामीसाधुरामनीमह
 तकरेत्वाकेबावलेमुलापिन्कपावदासमंदसयनहीवान
 म्मानकरारमिनीचैतवुदि७सम्बतवर्द्धिदुग्जरजपहुंची
 न्नातलेरोजीनाबस्वलीरुपप्राप्तुकासालीनाबस्वलीरु
 पप्रा०६५२)मेंगोबद्धसरामपुरावासजाधरोतानपाहवे
 लीपुमौराप्रगनासबार्देजोपुरकाप्रवतदासमात्रनुहा
 न्दूस्वत्वतवर्द्धिदुथेकरदेवाकीदुकमहुलोमोदसव
 तकरापोजाहसोबस्तयतवासहुकमहुलामुलापिन्क
 लिधिसीमोजीगकेद्वेजीकीप्रसन्नोसवर्तीनिधोयुका
 ररिजीनबस्वलीरुपप्राप्तुकासालीनाबस्वलीरुपप्रा
 ०६५२)मेंगोबद्धसरामपुरावासजाधरोतानपाहवेलीपुमो
 प्रगनासबार्देजोपुरकासोनादेपु

गोबद्धमजूररक

गोबद्धसोबुलवाहन्तोनालि

कीनालगहकोरक

अज्ञानोभक्तिकारमितीप्रसादमुदिर्दसाज्जलनन
मुक्तान्नसर्गजैपुर

दाकुरमीमुखीमजोहरलीविराजमातरां
हरीम्यधपुरावासनेचरनपारपगछप्राज्ञ
सज्जैजैपुरकासंमिन्दुस्यासीमसीनमदस
के

जायलनोगरोजीसाहका २। मुसारनअल्लेकेप्राप्तमु
जाफिकप्राददास्तिमैदसयतहीनानप्राप्तकरमितीसाव
एनुदिनसात्वसम्मत १८२३०अरजपोहकीनोगनेबाई
सोदसयतवासहुकंमहुलाकसवासत्राईजपुरकासाप
काच्योवाशेरोजीसाहका २। दोपईनतदाप्रमितीसाव
एनुदिनसात्वसम्मत १८२६०मैदनेतीकीसंनदलीयो
सीगैनोगकेमुकहिररोजीसाहका २। प

चिदीकनारमितीआदनासुदिदसम्मत १८२६

बाकुरदुर्ग की नवनामनी विराजमान कसबास
बाईमाधोपुरमें

बाकुरदुर्ग की नवनामनी विराजमान कसबास बाईमाधोपुर
में न्यां के वास्ते मुलाधिक पारदास में दसवत दीनाना
नकरार मिनी जानसा सुदि ३ सम्बत १८२५ अश्वि पक्ष
जीमते धरती की धा २७ वं अङ्गनाम कजरामत गोत्र इह
जानपाहने नीमगवास बाईमाधोपुर की मुलाधिक पदे
अमिलानकरार मिनी जानसा सुदि ३ सम्बत १८२५ की
थे पारिषोहिल धरती की सम्बत १८३१ तीरि पातो अथ
इवत राप सम्बत १८३५ धे प्रजाती सवनी का दसवत
करापो चह सो दसवत वास दुकम दुता मुलाधिक लिषे
मनानों सवनी की जो मुकरार धरती वं अङ्गनाम कजराम
त की धा पन्चास

(५०)

प्रजाती सवनी करार मिनी जानसा सुदि ३ सम्बत १८३५ अश्वि
कामस बाई जे पुर प्रजाती हस्ते हरनाम पण पुजारी

हीनो

निर्वाकराभिनीतिदसुदिहसम्बतसम्बत १८८९

श्रीमद्देवर्षिविराजमानगोमुखोहरास्यान
 दासकाजपाह्वेलीमगनासवर्षिनेपुरका
 भैरवार्कैवामतेमायकतरापुरतनन्नालकीदि
 तीकतीसुदिहसम्बत १८८९ अरनपदुनी
 जोगिनीपोदारभगनासन्नदिनेपुरका
 यामीनारुपज्ञाहुकीएल्लगंगनमनकूरमे
 धरतीबीधाहुवधीनुकीकयान्नसाकी
 छेतीमद्वनतदग्नसम्बत १८८९ येकुरदे
 वाकीपुनमदुनामोदसमनकरापोवह
 सोदुकमदुनामुनाधिकलियेसान्नीनी
 दुपपाहुसंगीमोगकैदनेतीकीसनदलि
 धैर्दनासोपानेनिषांछंद्वनदग्नसम्ब
 १८८९ येगंगनमनकूरमेधरतीबीधाहु
 वधीनुदिकयान्नसाकीछेतीपरिसाकी

नादुपप्रा^७ कीक वत सी गै नाग के बीपा रदा
 रप्रगना मत कूर नमूं करि दिला बी की ज्वां दु
 कर सा सी नादुपप्रा न्नाह

७

विमीकरण मिनी माग अ सुदि र स म्बत १८७८

श्री गुरुदेव जी विरात सात गो स भो रा स्या म द स का त पा
 ह बि ली प्रगना मत ई तै पुर का में त्पां का नाग में गै सा त दार
 प्रगना मत ई तै पुर का में सा सी नादुपप्रा^७ की क वत
 गंज बी ह रा स्या म द स का त पा ह बि ली प्रगना मत ई तै
 र का में बी घा^७ व घी न दि क धा त्त सा की परि हे सु छे
 ती का दुपप्रा मु न्ना पिक स न द ई द्यार गी न कर मि नी मा
 ग अ सु दि र स म्बत १८७८ का पे पा पे छ सा सी नादु
 पप्रा^७ भर ती का हा सि त्त में खं स म्बत १८७८ ई ना ई म सा
 अ बहु क म दु गो त ह बी न न वी द्यार गूं क वत ही प छे सी ना
 गी कूफ करे धर ती सी गै नाग के करि द ई द्यार गी न्ना मु न्ना पिक
 दु क म अ बी ह र र कै नि सां कां जो त ह बी न न वी द्यार का म
 सा सी नादुपप्रा^७ की क वत हो प छे धर ती का हा सि त्त प

रिसूनी मीनू पूकोनो अरधरती सीने भोग के जगद्वज्र
 दण्ड सम्यक्त ६८८० पैदा सिन्नने लादी को मुकरा द्यती
 गोज खीहरा म्याम दस कात पाहें लेली अगना सनाई ने
 रकी तुदि कवात्त सा की वी प्रा अर

६

चिदी करार मिनी माहनु दि ६८८० सम्यक्त ६८८० अनामी
 घाज दि लात्त राम तुलानी मनोरथ राम धी बुका

राकुरखी मुखनी मनोहरनी विराजमान कस्त
 वास सगरी जे पुरमें मुत सिन्न लां निरका न्याता
 रके भिन्न रह करण येने ज बो नराम पो

आवत जोग दरमहे राकुरखी मुखनी मनोहरनी विराजमान
 नवमचा सगरी जे पुरमें मुत सिन्न लां निरका न्याता रके भि
 दरहर करण येने ज बो नराम पो न्या के वासी मुन पिक
 दान्द दस्त में दस्त बत दी खान पांने करार मिनी जा दही
 मुदि हसमचन ६८८० अरत पहुंची पो नोग जे दरमहे नम
 र्नी गुपता ७० कसवा मलदि जे पुरका माया का न्यो न्या संक

एतत्कर्ममुक्तमनुष्ठेयं नृपतया करणीयं वाहसी नृपतया
 मनुक्तमनुष्ठेयं नृपतया करणीयं वाहसी नृपतया
 दिव्यं सम्पन्नं बलं रथं नृपतया करणीयं वाहसी नृपतया
 करणीयं वाहसी नृपतया करणीयं वाहसी नृपतया

४)

मन्त्रानां सन्तीकरणं निनीयमानं मुनिद्वयसम्पन्नं बलं
 मुक्तमनुष्ठेयं नृपतया करणीयं वाहसी नृपतया

मन्त्रानां सन्तीकरणं निनीयमानं मुनिद्वयसम्पन्नं बलं
 मन्त्रानां सन्तीकरणं निनीयमानं मुनिद्वयसम्पन्नं बलं
 मन्त्रानां सन्तीकरणं निनीयमानं मुनिद्वयसम्पन्नं बलं

मन्त्रानां सन्तीकरणं निनीयमानं मुनिद्वयसम्पन्नं बलं
 मन्त्रानां सन्तीकरणं निनीयमानं मुनिद्वयसम्पन्नं बलं
 मन्त्रानां सन्तीकरणं निनीयमानं मुनिद्वयसम्पन्नं बलं
 मन्त्रानां सन्तीकरणं निनीयमानं मुनिद्वयसम्पन्नं बलं
 मन्त्रानां सन्तीकरणं निनीयमानं मुनिद्वयसम्पन्नं बलं
 मन्त्रानां सन्तीकरणं निनीयमानं मुनिद्वयसम्पन्नं बलं
 मन्त्रानां सन्तीकरणं निनीयमानं मुनिद्वयसम्पन्नं बलं
 मन्त्रानां सन्तीकरणं निनीयमानं मुनिद्वयसम्पन्नं बलं

पुराजगन्नाम्नार्थमाध्वजपुरकीमुत्राधिकपदिग्गामिला
 करारमितीमाहसुदिनसम्बत १८३३ काथे पाई सो हासि
 लघरतीकीसम्बत १८३३ ताई पापौ प्रबडनतदापस
 म्बत १८३६ धिप्रचानोंसम्बतीकम्बसमतकराप्रान्वाह
 सिद्धसमनवासहुकमहुकामुलाधिकविधिप्रधानोंस
 खतीनीनोमुकरराधरतीवेतडलाप्रकतराप्रान्वा
 धा

(२५)

मन्त्रजोंसम्बतीकरारमितीकातीसुदिनसम्बत १८३६
 मुकामसत्ताजिपुरमन्त्रानीहन्त्रालेहरनारायणब्राह्म
 मण

छकुरछीमदनहोवनगीबिराजमानकसबासत्ताई
 सत्ताईमिप्रपुरमेंमिंदरबागस्यामीनिष्ठ
 मणदासकरापो

छकुरछीमदनहोवनगीबिराजमानकसबासत्ताई
 माध्वजपुरमेंमिंदरबागस्यामीनिष्ठमणदासकरा

कील्लोके लोको मुत्तापिक पारल्लोस्तमेंद सयत दीना
 नमो न करार मिती जादना सुदिन सम्बत १८८८ अर
 जयकुंची गोमो गनै धरती बीधा १९०५ बंजठ लापक जरा
 त कसनाम ज कूरकी ल गौरु लगना सजाई माघ वपुरकी
 मुत्तापिक पट्टे आ मिल्लो करार लफ सील जेन न जाये प
 ई सी हा मि र धरती को सम्बत १८८८ नं ई पा मो ज ख
 इ लत दा प सम्बत १८८८ ये अ नानों सवती करा पो न्वा
 सो दस्त यत नाम दु क म दू रा मु त्तापिक निवे अ नानों स
 वती की गो नु करार धरती बंजठ लापक जरा पुत बी धा
 र क सो न स

१९०५

कसनाम ज कूरकी मुत्तापि गोम कुटुम्ब रात पान दला
 क पट्टे करार मिती नित सुदि त की मुत्तापिक पट्टे करार
 स सम्बत १८८८ का धि वी मिती फगण सुदि वर स
 धा सबत १८८८ की बीधा

३५)

३५)

हरा नार ली बागनें सह
 भू ल दान ली भांहीं स्वाप्र

इसकी नीचातीकी कुं गरीकी

सुतसिलकी

३०५ वीधा

५)

गोतनवाइतपासपुराकी

मुवाधिकपहेंकरामिते

ठबुदिदसम्मत ६०३२५

येवीधा

२०५

मवाजीसवतीकरामिनीकानीमुदिठसम्मत ६०३२५

कामसवाइतेपुर

ठाकुरश्रीमदनमहीचनगीविराजमानकस

वासवाइमाघसपुरमेंन्यांकेपूजास्थानीलि

ठमएरासकरे

ठाकुरश्रीमदनमहीचनगीविराजमानकसवासवाइमाघ

सपुरमेंन्यांकेपूजास्थानीलिठमएरासकरेतीकेवासे

मुवापिकुवा नदस्य मेरुसमन्तदीपजगन्तकारमिति
 नाम्ना सुदि ३ सम्बत २८३६ अरतपुं चो ज्यो नो रानेध
 रती वीष्ठा २०५ नदुला प्रकतरा फलगीध क मो यो प्रम
 ना मेरु प की मुवापिक पठे आ मिलां करार मिनी भस
 उ सुदि ३ सम्बत २८३६ का धे प धे लो हा सि ब धर ती को म
 म्बत २८३६ तां दी पा धो अ नदु वत र ग स सम्बत २८३६ धे
 प्र वानो सवती कार सयन कर धो वा ह सी द सयन धा
 स दु न्त म दु ना सु ता धि क न्नि ये प्र न नो सवती की ज्यो मु क
 रा धर ती वं त द ला प्र क ज रा पु न बो धा प न वा स

(२०)

प्रवृत्तौ सवती करार मिनी का ती सुदि ३ सम्बत २८३६
 मुका भ स त्वा दि जे पुर न पु नी रु बाले हर ना रा रा ग वि रा
 म रा

ह कु र धी मु र ली भ नो र जी को भि र क स वा
 स वा दि जे पुर न मु त मि ल लो म्प ट्ठ न का वा ना र की
 म्प र नो त ब ड म रा स र का र ह रा ना वि कुं

द्वयस्योन्नीयस्यनदेजंस्वयमीकीनकीकरा

प्रचिरातमानकिप्रा

वाचतजोगहिसागांतुमाकुरमी जीकेवासोमु
 लाधिकप्राप्तदासमिंदसयनहीनप्रांतकरामिती
 कातीमुदिनसम्बत०८८८अरजपहुंचीजोगनेदरम
 हेदुपता०७कासात्तीनातुपता०८८८करनेवाकोहुकत
 दुजोतीमेंगांवकेज्याकोवासतपापादणप्रगजपता
 ईजेप्रातसमीमिचुगैरहदुपता०८८८तीमेंमापुदुपता
 ०७वाकीदुपता०८८८तीकावसूनी०८८८मपेदुक्त
 बापसाथस्यालूसम्बत०८८८येदसयतकरामोचारे
 स्तीरस्तयतवासदुक्रमहुनामुनाधिकलियेहोतीसे
 प्रज्ञानोभवतीलियेमुकरागांनमतकूरतनमिजाप
 जोमिसगैरहदुपता०८८८तीमेंमापुदुपता०७वाकीदुप
 ता०८८८तीकावसूनीदुपता०८८८मपेहिमोदुपता
 राकसेबीस

५२५

२५

प्रजापतिं सखी करगमिनी प्रसीदतु बुद्धिः समस्त वरपदेषु
कामसंपादनेषु

मकुटश्रीमुरलीमनीहरतीम्हादिसतीवि
रत्नमालकसतासतादिनेषु रमेसिंहरत्न
रामत्रिभुवनारगोमलाकेत्यांकेत्यां
मुच्यन्ति फलादनास्तमेव सयतवीक्षण
संपन्नकरगमिनीप्रथमसाकण्यमुदिह
सातसम्बत २२५२ अरजपदुन्वीनोमनें
तीनपेतासालीनादुपपादन्ती कीर्तिवति
नलीप्रगतामालपुराकीर्तिवती २२५३
इत्यतश्च साधव्यान्वसम्बत २२५३ पंच
रहिकाकेतुकमदुनोसीदसम्बतकराप्रोचि
सीदसम्बतपद्मदुनोसीदसम्बतकराप्रोचि
दीनाप्रजापतिं सखी विधेः सुकरराधरतीति
जासालीनादुपपादन्ती कीर्तिवती २२५३
सत्ताम्यरा

१३३१

कृष्णजीवकीकन्यापुत्रेण त्वाप्तकलराजपुत्रेणायुषः
 पुत्रा १३३१ कीर्तिभायुता १३३१ कीर्तिभायुता इति विम
 लीसविस्त्राज्याह ————— श्रातीत

३३३३

२३३३

श्रीमतीमोराभारोमीनाटकाद्रा चनेना
 कसवासबाईजैपुरकासंगुलद्विज
 सेनेसबनीकैपासितीकीतनयाहगांव
 धरारामपुरातानिकैकसवासजगुर्न
 मेंसानीनापुत्राहुकुकीछेयोसावस्यल
 सम्बत १३३३ धेयालसेहुई

महाजोसनीकरारमिनीनारवापुदिवसालसम्बत १३३३
 मुकाससबाईजैपुरधेयालसे

शंभरतीम्मीलालजददरामकाविरामएबारागांवांके
 दिकसम्बत १३३३ धेहुईअएखजनीमंभरतीगांवत्री
 गोबिंदपुरावासबेवालातानिकैकसवासबाईजैपुरकी
 मुकाससबाईजैपुरकी
 अएखजनीमंभरती

स्योत्पल के इनाम श्रीसोमोमं दुइ

बानन नोग भरती ठाकुर श्री मुरली सताइ
 रही कहा देखी विराज मानक सजा सता
 इजै पुरै मंमिहर उदैर मंमिहर एवारागो
 कांका के न्यां केला स्तै मुषा पिक सान्ना
 समेंद सयत बीजान मान करार मिती
 चैत मुदि रस साल सम्वत १५६६ अश्विन
 द्वे नो नो नोग भरती उपेता सान्नी नारुप
 पावुल की गोच कि काल नी प्रगनामा
 लपुरा की नीया दशा मुद्रा पिक प्रता
 नें सन नो करार मिती जावला मुदि रसाल
 सम्वत १५६६ काषे पावे सोह सिल भरती
 की सम्वत १५६६ तार्द पाषो अलई धली
 की एवज भरती गांव श्री गेबि रपुरा वास
 खंवाला तालि के कसबा सजाइते पुरी
 कोही चैता त्रिहरा हर परणा की नीके
 बीघा ६० इनाम स्योत्पल उदैर मकावि

राज्य वाराणसी के मुन्शी प्रकसन दहीवाल
 खी करार मिती कानी बुद्धि ससम्बत
 के छी सोइ वत वापसाय स्यालू ससम्बत
 ये नो गमै कर देवा को हुकम हुकम सोइ
 वत वराणसी स्यालू ससम्बत वास हुकम हुकम
 मुन्शी प्रकनि ये दहीवाल को मजानो सबकी
 निये मुन्शी प्रकनी वी घासाहि

(६५)

कोठी नीचे उहालू को वी स्यालू की वत वराणसी
 घासाहि वराणसी वी घापाय वाराणसी

(६६)

(६७)

प्रधानों सबकी करार मिती वी स्यालू ससम्बत
 वराणसी मुन्शी प्रकनी वी घासाहि

महादेवाजी श्री माधव जी श्री ज्ञान दहलू
 जी निराजमान कसना स्यालू वी घासाहि
 दिव्यापुर मिश्र जी श्री राजा माधव
 जी हजेजी के सुत सित्त बराणसी

बाबत नोम धरती म्हादिनी श्री जीविराज मन्त्र कसबा
 सत्पुर्ण नैत्रु मेमिन्दर दिव्या गुरिभिन्नी श्रीराजा माधोराय
 जीहलेनी के सुत सिन्धु वरणा पोत्यांके बापने मुनापे कप
 दन्त म्हादेव सयत दोनात पंत करार मिनी प्रमाण मुदि
 ब्रह्मन्त्र नरुद्वारत पदवी ज्यो नो गनैरो नीता समुनी
 आना अकरी देवा को हुकम दुलो

श्री	जीरोमीनाम्हा	श्री	जीरोमीना
नाम्हार		नाम्हार	

तीका सलीना दुपप्रा ६३५ की धरती गंल सिनेना तपाये
 ह प्रगना सत्पुर्ण नैत्रु की बीधा ब्रह्मन्त्र नैत्रु वत दाप माय नरु
 लू सम्भत ब्रह्मन्त्र नैत्रु सयत करपो बाह्मो दस यत वास
 हुकम दुला मुनापि कलि ये सीगे नो ग के दवा ती की म्हा
 नो सकी लियो मुकरा धरती सालीना दुपप्रा ६३५
 की बीधा यक सो प बीस विस्ता छे

१२५१

कनारा की कोठीनीबेनीकी बंजड़नायकतराप्रतबी

घावद्वविस्त्राये धातरपन

१२५२

५३

मजानेसबनीकरारमिलीसावणबुदि३ सालसम्बत

१८६४ सुकामसवाईजैपुर

हाकुरजीमाधोविहारीजीकोमिंदरकस

वानसईजैपुरमेंदिष्यागुरमित्रजीश्री

राजाभाधोराप्रजीननौबरागणविराज

मानकिप्रा

वावतप्रोगांश हाकुरजीश्रीमाधोविहारीजीकोमिंद

रकसवासवाईजैपुरमेंदिष्यागुरमित्रजीश्रीराजाभा

धोराप्रजीननौबरागणविराजमानकिप्रात्वांकेप्रासीशु

वाधिकप्राददप्रातमेंदसवनहीवानप्रांनकरारमिली

जबतबुदि६८ सालसम्बत१८६४ प्रतपहुंजीजी

नैरीनीना प्रसूनी दुपप्रा नृतीका सार्वल्लि दुपप्रा १३३७ मे
 तस्यैरामपुरावासत्वावधानतयायोहमगतासन्नाईते
 रत्नगिरहकावतदापसायस्याल्लुसम्बत ७७५५ येक
 रदेवाकीहुकमहु सोसोहसयनकरासोचाहसोरसव
 तमासहुकमहु कामुवाप्रिक लिखेसीगिनोगके रनेती
 कीप्रनातोसन्तीलियो मुकररागोबमनपूर नगिरह
 तजामि नगोह सुधाव सल्ली दुपप्रा सतरासे सतर

१३३७

गोपस्यैरामपुरावासत्वा गोवलिखमोहप्रोहारप
 खणतपायोहप्रगतासत्ता रानालिकेकसवासवार्
 तेपुरतन सितापन्निमिने तेपुरतन नल्ली दुपप्रा
 सल्ली दुपप्रा ७७७७ तीकीजे २००७ तीकीहालधेमु
 मिन्नगिरहसुधाव सुप्रा

१९१७

द्विकफरदहकीकतिके
 सचनकमहासिलीकेमी
 मिन्नगिरहसुधाव सल्ली
 दुपप्रा

१९१८१७

अत्रानेकसन्ती करारमिति नान्वासुविदसम्भवत् ५२६१
मुक्तानसन्तीनेपुर

पञ्चुरद्वीष्टावीरगीविराजमन्त्रांगवन्त
एतां प्रमानाहिंताएकामेत्प्यंकेनाते
मुक्तानसन्तीनेपुरासमेदसयतदीनात
मोनकरमितीफाएवुदियसम्भवत् ५२६२
अत्रपहुंची पूतासामग्रीनातेहलना
सदन्वातबोटेनीमैगाप्रसन्नदिनेत्ये
पुरात्तरफप्रान्नमगीरपूरप्रमानासा
कूरकोरसम्भवत् ५२६३ येसीगीपुन्मके
भुगलेतीकीहातिलसम्भवत् ५२६४ तो
दुफप्रीन्प्रबहुकमदुबोप्रवतराप्रस
म्भवत् ५२६५ येप्रवानासवलीकरिहनेसो
दसयनकराप्रोवाहसोदसयनवास
हुकमदुबामुलद्विकनिधेप्रवानास
बनीलिमेषुकररागाप्रमत्तकूरमौतो
एक

९

अनामसवनी करार मिनी आसोन बुदि ई सम्वत १८८८
मुक्तमसवनी जेपुर

महारेज जी श्री वैजनाथ जी विराजमान क
सवासांगानेर में मिंदर से नगराम बि
राम ए बैद के

आगत जोगधरती महारेज जी श्री वैजनाथ जी विराजमा
नक सवासांगानेर में मिंदर से नगराम बिह्वल बिद कर
धो ट्या के नाली मुना प्रिक पाद दास्त मैद सयन बीजान
पात करार मिनी फगण बुदि ई सम्वत १८८८ अराजपहु
ची जोगने धरती नीपा २४७७५१ गोत्र मि कसपुरा कस
ना मत कूर की रुचत दास साधन हानू सम्वत १८८८
पे कर देवा कै हु कस हु तो सोद सयन करा पो आहो
दसयन दास हु कस हु ना मुना प्रिक त्वि धे सी गो जोग के
दत्रो नी के मजानो सवनी निधो मुकरा धरती वीधा

२४७७५१

कुल बिल्व द्वीपादी प्रमाण

नगराम ए धिरि प्रकाशित

कन्यायाध्या

वज्रहस्तिका जराप्रतपी

१२५८

पा

१३५२

मन्त्रानां श्रवणी करारमिती चैत सुदि उ सा ज्ञ स म्भत

१२५३

मुक्तमसत्रादि तेषु

श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीगणेशाय नमः
 चिरात्मातकसत्ताग्नयेति ताके पुन्यवर
 सासण्यत्रैवरात्रिगिरिहोत्रन्यासीततया
 हंगुप्तचक्रसरद्वारनपापीह नगता सार्गा
 जेपुरकासेद्वारद्वारात्पुन्यवतवत्पुन्य
 येनरीते सुवर्षिक पुन्यनिधे पुन्यदेस
 कर्त्तुं देवतां चैतन्निध्यां देवतां देवतां
 यमजकूरपेदमिन्ननिवादी गेहहस्तादि
 सतततन्त्रममलिकीपोगोपमजकूरन्ति
 सन्वतवृद्धिर्देवे

११९५११

मुक्तमसत्रादि तेषु

सासण्यत्रैवरात्रिगिरिहोत्रन्यासीततया

प्रतिनिधिराजाएकीवीनाथ सरोरानरीका

रकोवेटीअंतरामदरु

१५)

मुकरा

जीम्वन्तपन सामग्रीका

३६)

नरेष्टवन्तविरा

५)

मणमोजनहो

५

५॥)

सर्वसंशयका

५)

नैर

पेदन्तमा

९)

३)

सामग्री

पाणीनरे

९)

९)

ठाकुरश्रीलिखमोनाएमुएलीरावतां

स्वकींजातरेनीनाडुका मुकरामण

बहुदरमण ५५कोदुपपा ५५मुकर

राहुपुत्रा १३७) बहिरकसूर ॥ श्रीकीर्तुपु

मा

(५३१)

दुर्वैगीरासंकरबेहनुके सविमुक्तसि

रमण्यकड्डगबुडनेनबेहपकावेनीका

श्रीतीनाअनाम्बर ७) मुकरासमासद

कादिन ३२४ का ६६१) बहिरक

सूर १३७) बहिरक ॥ श्रीकीर्तुपु मधे

(५३१)

मुसारनअलकालनमिदुतीयकृत

स्वीसंकरगीरिभाषकाद्विहृत्यार्ज

गुतरतीनिवाडीमिवाडनिब्रित्तार्ज

काडगबुडनेनबेहपकाअपरराव्यो

रुबलनपुमितीपोसमुदिरसम्ब

तच्छरधेनपाहृआचिरपरिसाविक

एवमोतोबह्वीकीसनददुर्दुसो

विताअनादिअत्पीछे

चिन्तिकागमिनी साक्षर सुदिन सम्बन्ध १८९३

बालसाक्षर एव तनवाह चैव मापराह दरीकसकात्रा

वैरकास दूवत वापनात्रा सुदिन सम्बन्ध १८९३

वैरकास दूवत वापनात्रा सुदिन सम्बन्ध १८९३

वैरकास दूवत वापनात्रा सुदिन सम्बन्ध १८९३

वैरकास दूवत वापनात्रा सुदिन सम्बन्ध १८९३

(१४५)

चिन्तिकागमिनी साक्षर सुदिन सम्बन्ध १८९३

बालसाक्षर एव तनवाह चैव मापराह दरीकसकात्रा

वैरकास दूवत वापनात्रा सुदिन सम्बन्ध १८९३

वैरकास दूवत वापनात्रा सुदिन सम्बन्ध १८९३

वैरकास दूवत वापनात्रा सुदिन सम्बन्ध १८९३

वैरकास दूवत वापनात्रा सुदिन सम्बन्ध १८९३

वैरकास दूवत वापनात्रा सुदिन सम्बन्ध १८९३

वैरकास दूवत वापनात्रा सुदिन सम्बन्ध १८९३

वैरकास दूवत वापनात्रा सुदिन सम्बन्ध १८९३

वैरकास दूवत वापनात्रा सुदिन सम्बन्ध १८९३

वैरकास दूवत वापनात्रा सुदिन सम्बन्ध १८९३

कमलाया निष्कारं इत्यनरापुमिनीनां दृष्टा मुदिहस
 म्वत १८२० विरोजीना दुपपी एक नु मूली दिवा बोकी
 मी हर सायन सन रत लल मति की पो मुकर र रा मी
 रा वीर ह पूरा हो प नीका सा ली ना व मूली दुपपा ५८०
 कारी जीना दुपपी एक नु मूली प्र दानगी में नम

५)

मफमीन सरह महरमु

तादिक ५८

विही कर र मिती सा व ए बु दि स म्वत १८२०

पपुर श्री मुरली मनी ह ए नी विरात मान वस
 वास वी ई जी पुर में मिंदर सनी पुराम धो जा
 के

मावत जेता ऐ तीला ल को बाय मावत जेता हा कुर श्री मुरली
 कुर श्री मुरली मनी ह ए नी विरात मान वस
 तमान क स बा स वी ई जी पुर में वास वी ई जी पुर में मिंदर स
 मंदिर सनी पुराम धो जा के नी पुराम धो जा के त्यां के ल
 मुकाम पीता पीता दिवा नी वि
 ता ए म्हा ली म्हा ली म्हा ली

न्यासिनामोमुत्तमिकप्रादरा एनेमुत्तमिकप्रादरायनमेद
 सनमंदसयतरीप्राप्तक सयनदीनप्राप्तकरारमि
 रारमिनीप्राप्तमुदिदुसम्बत नीफगणमुदिदुसम्बत
 म्वन ७८३० अरजपहुंची अरजपहुंची जीगने रोजीना
 जीगने रोजीना टकीदाएक टकीदाएक वाकसवासत्री
 न्यासकसक सयारीजेपु रूजेपुरकासं इवतदाप्रल्लो
 कसं इवतदाप्रकागल्लु फगणमुदिदुसम्बत
 दिदुसम्बत ७८३० चेक दीकरपीम्बाह सीदसयन
 राप्रीचाह सीदसयतया मासतुनमहुतामुतापुनलि
 सहुकमहुतामुतापुनिक वेदजते कीसनदलिगोमु
 लिबेनते नीकीसनदलि करारोजीना टकीएक
 योमुचरसेतीना टकीए

क

९१

सनदकरारमिनीचेतपु

दिदुसम्बत ७८३०

एवतरोजीना कीतनयह

दिदुसम्बत ७८३० चेसीजे

९१

९१

९१

९१

विहीकरारमिनीचेतपुदिदु

सम्बत ७८३० सीरोजीनाटकी

नीजाकसवास सयारीजेपुरकी

सं इवतदाप्रमिनीप्राप्तमु

दिदुसम्बत ७८३० चेसीजे

९१

९१

९१

९१

भीमसुधातामैकैकसेनास नैगकेनाएरिनाकीकीपो
 लाईगेधुरकामेंइबनदणसा टकोबासुधापिकपारदास
 यस्मात् स्वयंन ६६५३ तमैरसयजयासवरीवान
 विद्यानीनागदुपसाजसुकी मानदरभिलखाहेहजर
 पाई मिनीचैतपुरि ७ सम्यत् ६६५४
 विदीहडाविमोतीरामप
 चिदीकरारमिनीपीतसुदि पादा इतीठीका
 ६६५५

श्रीमहारेजजीविराजमागंगान् श्रीमहो
 राजपुराप्रगनावाटसू कामेंस्वयं स्पृष्ट
 हरीदि केअएगणेन्याकागेगनिरोजीजी
 आजातुअगह गोलदिरणप्रगनाके
 लम्कीराहदारीमैमं सुचपिकदुकन
 श्रीहजरकेप्यनि लिखोअरीजीनाअ
 जान्नादहिनीकीजपोमुकरहेनीनोअ
 जान्नाह

विभीकरारमितीतिरुबुदिरुमान्नमन्वत २८७३ प्रधानगी
दीवानसंगहेलीवरातमिप्रांसनद प्रधानगीदीवानसे
महिजीवरतकीमृदुईजीजीरुदूरलीसन्नाईजेपुरन्ध
दीवानतीवरातलमन्कमिहुकसजीरुदूरकोमांजि
कर

श्रीमद्देवदूकलंगनी

वसतनागंगावरातपुरजी वावतमन्वलीमकुदूकलंग
दाएलीतपायोप्रगनासन्नाई गगीमिराजमानमेवदूकलंगमु
जिपूरकोसुवर्णपिकप्रवजित तमिलजबेपुरकेन्याकेव
कपिद्वारातविहुतवासीती स्त्रीश्रीरुदूरदूकलंगमन्व
यसन्नाईजेसंगनीकरारमि एरीजीनादुपपाकीइ
तीप्रपाएसुदिरुदूरसम्बत वनदायमितीफपाएसुदि
२८६८ कायेगां लयक दुसम्बत २८६८ येकरदिता

९

ईगांवेमेगांनसजतपुरी ईवासीयानेनिवांजसन्
सम्बत २८७२ येननोनसे एरीजीनादुपपायककीकि
मृदुएदुबतदायमितीसदर

गुलागितश्रीगोपीप्रगोपि

गणमण्डिरिगुलंगहे

इति श्री श्रीगणेशाय नमः

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

शिवजी की सेवा में सदा सदा

उवाच काहामिन्नश्रीकासीजीकाधेमुकु
 त्रिकजलनिम्बनीम्हाराजनिमुकुतबासीजी
 सङ्गतिसेपयजीकरपत्रसकसुदिदुसम्भ
 तवद्वन्द्वसम्भनवद्वन्द्वकाधेपाव
 प्रप्रभानीकेसहीहूर्दुनहींअसितग
 वकरजीकाताहकरैकेज्योम्हनेगान
 गैरहनेसम्भनवद्वन्द्वतीर्थाबाबि
 अनरातमिन्नश्रीकासीजीकामें
 कारकोअमजनहींतीसूअवजोगि
 तामेंज्योराजगंगपरिप्रकृतांसबनी
 हानकोकरापोचाहसोइसवनयासह
 ज्ञान्प्रत्योध्यकापुराकाहमिलमैरु
 ७ अंग साही रोगीनानोगके
 तामेंदुबतराप्रमितीमाहपुदिदुसम्भ
 तवद्वन्द्वद्वितीकीप्रभुजोसबनीकी
 मुकरारोगीनातुसूनीअंगसाही
 दुपप्रोचक

७)

नितभोगनेवावलदाज नितपूतानेचंरजवांवल
जालेघीपखांरुतरकरी फूलभूपदीपनईनदमांर
नकडीकगौरहनेरोजीना इमरजअवसेसनेदूध
आनाछर बीलपतररोजीनाआज

७)

शेप

७)

वसनछेरोजीना बिलएअवसेसजूता
नितदुबरीसांकरेतीने
रोजीना

७)

मननीसबनीकरारमितीवैसायबुदिहसम्बत
मुकामसलाईजेपुर

ज्योमुकररातनबाहमोगलगौरहइबतदापमितीमाह
बुदिहसम्बत दहजसांनहालजाएअज्योअजी
कापुराकाहासिजमेंसंदेवोकीज्योरोजीनावसूरी

ज्योतिरंगलाह दुपप्री

१)

ठाकुरजीमुखीमनीहरीजीविराजमान
मोक्षप्रदोपपुराबासकृष्णपावोह
मनासनाईजैपुरकामेंमूंअलीबीधा
२५) गोबमतकूरकीमुखाधिकसनह
दीनाएगीकरारमिनीचैतसुदिनस
भवतकृष्णकाधेपावडासुकरापी
घा

२५)

हालाचिहीकरारमिनीमांगझबुदिवस सरवत

१७९९

ठाकुरजीमुखीमनीहरीजीविराजमान
कसबासनाईजैपुरमेंनुदैरामवाराण
काचणपोतींईत्यांकाजोगकेलाले
मारचुतराजाहरसाहपकीमिनीअसी

मुंकाविलानिप्राणवैर
मलदेवदमलप्रोसिद्ध

हनुदि ५० साल सम्वत् १८५१ रजपक्षे श्री
 जोगनराज्ञे चाहसो कस्तुनारे जीनाह
 कदाच्योंतरा कसना सत्राई जेपुर कावंध
 जतदा प्रमिती प्रसाधनुदिर सालगमने
 तबत्तरथे नोतीको मुनानीं सबतोति
 सोमुकरारो जीनाह कदाप

२१

हाज प्रमोसवती करारमिती सावण नुदिर साल
 सम्वत् १८५१ मुकास सत्राई जेपुर

चिठी करारमिती कानी सुदिर सम्वत् १८५३ हाकु
 रथी मुनानीं सनोहर जीनाह देवजी विरात मजक सवा
 सत्राई जेपुर में मिचरु देर मविराम एवारा गोवा ल
 एगोत्पो काने गानेरी नीनाह का रचने जा कसवा
 सत्राई जेपुर का सुसुताष्टिक प्रमोसवती म्हा राता
 ले कुटवा मीजी श्रीस्त्राई माधव स्पेधनी करारमिती
 सावण नुदिर ५० सम्वत् १८५१ साल सम्वत् १८५१
 काये माले सो पुनारे जाह करीरो जीनीं नोवाह

वरवकनह गिये अलिनेही ई बानैयों नैलि बां छुरो
 तीनों हानताई पापता हो प्रतोन्प्रचगां न प्रसराम
 रोतालि के कसबा मज नूर का नोगा कुरदुवा रं
 छे तीमें हिंसा बालसा को छे तीं मधे घाती ठ पेनाई
 पपा ८८ की नाग की नया हमें इवत दाप साध
 स्यान्सु सम्बत १८८३ ले न्यारी हिंसे पद माप दे जमा
 बाधि हसिल लेबा हो को अरजगला रो जमा ठ की
 की बिडी क सना मज पूर मे हो प्र छे तीं में तमा की
 असूल कर लो की पो मुषा वि क रु की ही वाणी के

बाल सो न्यो घरी गो ब कि डा बुली जगना माल ड
 की न्ये जमा ली ना गु पपा ८८ की पपे तीं स बाल से
 करि हासिल जमा कर जो की न्यो बिडी कतर मिती ना
 रवा बुदि ३३ साल सम्बत १८९२

मकुय श्री मुरे ल जे नाग से सती कुरु
 मानती बिराजमान क सभा सनाई जे ३

रमैतारीपुर रत कंमिंदर गंगाराम मुजकन्वी
 कानागवैनामैमारपुनमनरदस्पेयन्तीमि
 तीन्नामोजमुदिउसम्बतव८९९नरजपु
 वीहुकमहुलादरमाहेलसुलीदुपप्रा
 केष्टवतदापुमिनीनादनामुदिउसम्बत
 व८९९धेदोतीवीकोप्रजनोंसवतीकं
 मुकरराचवूवाकसजासवार्जिजपुरकी
 दरमाहेलसुलीदुपप्रा

(३)

मनजोंसवतीकरामितीकातीमुदिउसम्बतव८९९मुक
 मसजार्जिपुर

गनुरजीमुरलीमनोहरतीमिरातमानकस
 वासजार्जिजपुरमिंदरपेचकुम्हारवंडेला
 कीकैत्याकाजागवैनामैमारपुनमनर
 दस्पेयन्तीमितीन्नामोजमुदिउसम्बत
 व८९९नरजपुवीहुकमहुलादरमाहे
 लसुलीदुपप्रातीनद्वतदापुमितीनाद

मुकाबिलाकिनाहीवदे

बलदेवमसजार्जिपुर

सो सुखे ससम्बत बह्म धेदोती को प्रहारी
सर्वान्निधो मुकरा च ब्रह्म कसबा मज्जा
जैपुर का धेदर माहे ब्रह्म स्त्री पुत्रा

३)

प्रभु नो कब नो करार मिती माया बुद्धि ससम्बत बह्म
मुकाम

एवम्बत माहे तन मग गां बने हरी तानि कै कसबा म
जैपुर से मुबत दा प्रसाध स्यात् ससम्बत बह्म ८५३३
साल्म भा पुत्रा च्छु की पाई

चिठी करार मिती कानी बुद्धि ससम्बत बह्म ८५३३

हा कुली मुरली मने हली बिरान मानक
सबास जैपुर में मिंदर स्यामी स्यात दास
कित्यां का जोग के बासों मर पुत अतार
स्वप्न की मिती आसोत बुद्धि ससम्बत बह्म
अतपहु नीहु कसहु ज्ञाहर माहे ब्रह्म स्त्री पु
त्रा ३३ बत दा प्र मिती जाद दा सुदिनुत

मुकाबिला किताबी नई
मल देव प्रसाद गीता प्रसाद

स्वतः स्वतः धेदोतीकी अज्ञानों सबती करो
मुकरराचबूलाकसबासबाईजेपुरकाधिर
रमाहेबसूलीदुपप्रा

३)

अज्ञानों सबती करारमितीमासाअसुदिर सम्वत १८५५
मुकरराचबूलाकसबासबाईजेपुर

हाकुरकीमुलीसनीहरीनिराजमन्त्रकस
बासबाईजेपुरमेंमिंदरनीजराजजोसीकैल्यो
कानेगकेलासेमारपुतअनारदसंपन्नकी
मितीकानीसुदिर १८ सम्वत १८५५अर
तपहुंवीहुकमहुवावरमाहेबसूलीदुपप्रा
दोपकीउवतबापमितीनादसमुदिरस
स्वतः स्वतः धेदोतीकी अज्ञानों सबती करो
हीमुकरराचबूलाकसबासबाईजेपुरका
सुंदरमाहेबसूलीदुपप्रादोप

३)

अज्ञानों सबती करारमितीपोससुदिर सम्वत १८५५ सु
करासबाईजेपुर

मुकरराचबूलाकसबासबाईजेपुर
सुंदरमाहेबसूलीदुपप्रादोप

ठाकुरश्रीमद्देवजी अमरकान्तजीविराज
 मानगोत्रपापद की बोली मिंदरला
 अस्पृश्यतुल्य के त्यों के जोग के ला स्तेमी
 रफत अमरकान्त की मिनी साह बुद्धि वरस
 मन्वत बटव अमरकान्त की बुद्धि वरस
 माहे कसूली दुपडा दोप को उवत नरपति
 तीनादसा सुदि उमरवत बटव अपे दोली
 कोन जाने सवनी लियो नु करान बबूनी
 वसन्त सासवारिने पुर कापे दर माहे कसूली
 दुपडा दोप

३)

अज्ञानों सचनी करार मिनी प्रगाण बुद्धि वर सवत बटव
 मुकाम सवारिने पुर

ठाकुरश्रीमद्देवजी अमरकान्तजीविराज मानगोत्र
 वासवारिने पुर में मिंदर नवतराम वगीरहाल
 के त्यों का जोग के ला स्तेमी साह बुद्धि वरस

संप्रकीर्तिनामोकागणपुरिद्विस्सम्बत १८५६
अप्रतपहुंचीठु कमहु तादरमहिचुसालीठु
यपा ३) कौडवतदणमितीकागणपुरिद्वि
सम्बत १८५६ धेवनी तांकोप्रज्ञानोंसब
तोनिषोमुकरराचबूजाकसबासर्गई
जैपुरकाधेदरमाहूबमूनीमुपमा

(३)

अज्ञातोंसबकीकरारमितीचैतमुदिद्वि सम्बत १८५६
मुकषासर्गईजैपुर

एकजदरमाहि कीतनसाहगौसमुष्मातालिकैकसबा
सर्गईजैपुरकांमिंदररापसायस्यालूसम्बत १८५६
खालीममुपमा ३) दुहुकीपाई

चिंकीकरारमितीपोसमुदिद्वि सम्बत १८५६

गानुस्त्रीमुरलीमनोहरजीबिराजमात क
मवासर्गईजैपुरमेंमिंदरदोलासुताएकै
तेपांकाजोगकैबाग्लैमारपुतरातहरसापै

कोमिलीनेसाधसुदिदसालसम्बत १८९८
 राजपुत्रीजीनोगकरापीन्वाहसोदुक्रमदुवाह
 खाहेनसूलीमुपप्राप्तवद्वलनद्वामितोवि
 साधसुदिदसालसम्बत १८९८प्रेचनोका
 कसनासन्निर्दिष्टपुरकापेद्वोतोकोननाजिस
 वतोलीपोसुकराद्वरमहसूलीनवकाजक
 सनासन्निर्दिष्टपुरकापेद्वोप्राप्तव

(२५)

प्रजाजोसबतीकरामितोनादनासुदिदसम्बत १८९८
 लसम्बत १८९८मुकापसन्निर्दिष्टपुर

दशरथजीसुरलीमनोहरजीविराजमानका
 वासनादिष्टपुरमेमिंदरप्रेहतअनोपरति
 कीनहकीत्यांकाजोमाकेनामतेमपूतरा
 हरसाहसकीमितीजादवाबुदिदसाल
 सम्बत १८९८अरापहुंचीजेनोमाजेनो
 ठसोदुक्रमदुवाहखाहेनसूलीमुपप्राप्त
 रचनोकाकसनासन्निर्दिष्टपुरकापेद्वोवतद
 पमिलीनादनासुदिदसम्बत १८९८प्रेचनो

तीको प्रज्ञा जो सबकी निमो मुकरा हरमा हनु
 हनी दुष प्रत्यार ननों चाक सवास का ईजे पुरका
 व

६)

प्रज्ञा जो सबको करार मितो आगे ज बुदि ६० सम्बत ६०५९
 सुकाम सजाई जे पुर

गुर श्री भो नलाल जी विराजमान कसबा
 सदा ईजे पुरमें देहर पंचमो व्याकै त्यां कानी
 गकै नपत्ते मुवा प्रिक प्रादरा स्तमे दसव
 तरी ज्ञान प्राप्त करार मितो जे बुदि ६० सम्ब
 त ६०५९ अरत पुरुंची पुन्य जोग में बाह सो
 दसवत वस दु कहु बाइ स्ता मितो जे बुदि
 ६० सम्बत ६०५९ चैरो जीना आता दोष जो
 गका कसबा सदा ईजे पुरका च नूला जे दे
 तीको प्रज्ञा जो सबकी करो मुकरा रो जीना
 आता दोष

७)

प्रज्ञा जो सबकी करार मितो आगे ज बुदि ६० सम्बत ६०५९

मुवा मिलि जे मारी करे
 बल दे प्रपक्ष मारी मुवा

मुकन्दरिज्ञाते

ज्यो नो गइस्त्या मितो जा बुदि रउ सम्बत १८९० ये बहा
ल ज्ञाए नवूरा कसवासबाई जे पुरका संदे को कीज्यो
रोजो जा अजा दोष

३

मानुर श्रीमुरलीमनोहर जे विरातमानक
सवासबाई जे पुरमे जे हर की मानवारी को ज्यो
काजो मके व को मुवाफिक सा दहा लो मंदस
धन ही खान सन करार मितो प्रपन अलाह
मुदि रउ सम्बत १८९० यरा पतुं चीने जे जे
ह सो रस मय या सहु कन पु ता इ वत रात्रि
ती प्रधन असाध मुदि रउ साल सम्बत
१८९० ये जोगे रोती ला आना ती नव
सूजी मने ती की नन या हव बूबारा हहा
री कसवासबाई जे पुरका परती को प्रवांति
मयनी करो मुकरारी जीबा आना ती नव
सूजी

ॐ

अज्ञानों सब तीव्र करि लिये दुती कजसा जगुदि २२ सम्बत
 १२२२ साल सम्बत २२२२ इवत राप्रमिती प्रथम अज्ञा
 मुदि २२ साल सम्बत २२२२ ये नदाल जाणव बूझा रहारी
 कसना सनाई जे पुरका संतुने को जे रोती नाव सूली ज
 ना तीत

ॐ

ठाकुर श्रीमहादेव तो विराजमान गो रूप ली
 साना अगता पाती का धारण में मि रली
 गता प्रकै

॥

बाबत ना धरती वीधान् ठाकुर श्रीजी का योग के बासेन
 रक्त अजर रसंघर्ष मिती नै तपुदि ३३ सम्बत २२२२ अ
 तप दुती जोगने नद सो कस दु जा धरती वीधान् जुज
 उला प्रक जग तद्वत राप्रमिती प्रथम मुदि ३३ सम्ब
 त २२२२ ये नद गंग नदी का पगाना गजी का धारण कीती
 के अज्ञानों सब तीव्र लिये मुकर रा वीधान्

ॐ

मुन्य विलकि जड़ी कहे
 अल देव प्रसादी प्रसादी

प्रधानीं सवती करारमिनी जादवा बुद्धि रसम्बत बरख बरसा
लसम्बत बरख सु काम सज्जि जेपुर

ज्यो मुकररात तया हृदय तीगो बरो जाम सभाती कायादी
कोटु बत दग्ग मिनी प्रगण सुदि सम्बत बरख येसी मेना
के बहल जग एवै गे कल गप क जरा पल माप हवा ले कीये

मकु रानी म्हा देस ती विराजमान कसबास
कुदि जेपुर तें मिंदर पंच विराम ए दाहिवा
जगो प्रमत्तना कोयां का जोग के बासोमी
एकत अनरद संप्रकी मिनी कानी बुद्धि
सम्बत बरख प्रस पंडु की कु नम दु नादि
रसा हिव सुली पुप प्राती त कोटु ना हापति
तीना दवा बुद्धि सम्बत बरख ये दो
मी को प्रसनीं सवती करो मुकररा बरख
कसबा सज्जि जेपुर कजं दर माहिल मनी
पुप प्राती न

३)

प्रधानीं सवती करारमिनी मोगा बुद्धि रसम्बत बरख

मुन्या मिलव कि मुनां बरख

मला देव मल्लिकार्जुनसुता

मुकामसत्रार्थजैपुर

मकुरश्रीमहादेव उपेस्तरतीविराजमानक
 सत्वासत्रार्थजैपुरमिन्दरमेवसोष्णापेष्णा
 कानोगकेसासोमारपूतप्रवरदस्वेषकीमि
 तीकतीसुदिउसम्बतव८९९अरतपदुची
 हुकमहुलावरमहेलसूलीपुपडादेपको
 इवतराष्ट्रमितीजादलासुदिउसम्बत८९९
 धरतीतोंकोमन्त्राणिस्मन्तीलियोमुक
 रान्वन्त्राकसवासत्रार्थजैपुरकाम्हर
 माहेलसूलीपुपडा

२)

मन्त्राणिस्मन्तीकरारमितीभागाश्रमुदि१० सम्बत ८९९
 मुकामसत्रार्थजैपुर

मकुरश्रीमहादेव गठकरणेश्वरतीवि
 जमानकसत्वासत्रार्थजैपुरमेंसंतोषसा
 मरमेंबिरमपुरीकनेदेहरोकदीममर
 मन्त्रिकार्थचंद्रेश्वरगुजरातीत्याकाजोग

निधौ मुकरा न च नृनां कस्यचन कश्चिज्जैपुरका

येन रमाहे लसूनीयुपपन्नोऽप

३)

प्रधानोऽसक्ती कर्माण्यस्तु निरसम्बत १०९९ मुका

मसाफाई जैपुर

हातुरात्री मृदिव्रजगोश्वर्जो विरागमा
नकसबासत्राई जैपुरे कैली मिहरघासी
रामाजगरनालकिट्पीकाजोगकैलासे
मागपुतजतयदसंघकी मितो कालीधु
दिदसम्बत १०९९ अजपुंभी दुवमहु
वानरमहे नृसूनीयुपपत्तीनद्रवतहाण
मितो जारसासुदिदसम्बत १०९९ येदो
तीको प्रधानोऽसक्ती लियो मुकरा न च नृ
नां कस्यचन कश्चिज्जैपुरका येन रमाहे ल
सूनीयुपपत्ता

३)

प्रधानोऽसक्ती करर मितो मांगज सुदिदसम्बत १०९९

हृदयमिलानिमित्तवै

सुन्दर लक्षणमयै

मुकामसप्तर्षिजैपुर

हाकुरखीमुरलीमनोहरजीविराजमानक
 सन्यासवर्षाईजैपुरमेंमिंदरजीसीराधाप्रे
 सनविष्णुएगोष्टकैत्वाकानोगकैवासी
 साधुतपनरन्दस्यकीमितोआसेगर्त,
 दिवससम्बत१८२५अरजपुंवीष्टकम
 दुवाहरमहिबमहलीपुपजातीनकोइला
 रायमितीजादवासुदिउसम्बत १८२५
 रजोतीकोअचमोशबतीनिधोमुकरराख
 कृष्णकसबासनाईजैपुरकाधेहरमहि
 बमहलीपुपजा

३)

अज्ञानोंसकताकरमितीमगअसुदिउसम्बत १८२५

मुकामसप्तर्षिजैपुर

हाकुरखीमाहविजनीअरतीविराज
 मानगोष्टकिसनपुरातमाहलेलीअग्या

सचरि जेपुर कामे लोका जेमाने मुखाष्टिक प्रान्त
 जे सचरी करार मिनी तारिषि हरे सफरसन ॥ १॥
 काथेरी जीना पीस दाहर नूता पत जगना सचा
 ई जे पुरा जे पाने छा अर हल हर से जग नव
 हल की व्रत स राम करे खा सो काल बसिहु
 या अर वहुं हल की विसन तान गही सो न
 बहल हल पराम हल से जग का वसा हि
 राम प्रसाध की करे सो रोती तो सम्वत ॥ २॥
 ताई पाये सो प्रान्त जे मुखाष्टिक करार जीनी
 पीसानीन

॥ १॥

हम प्रान्त जे सचरी करार मिनी प्रान्त जे सो हल ॥ ३॥
 म्वत ॥ ४॥ सान सम्वत ॥ ५॥

॥ ६॥

राज्य श्रीमाहि वसिष्ठ जे जीविराजमान
 बसवा सचा ई जे पुर में देहर सीन राम मनी के
 त्या का जे मा के लोमाने मा प्रान्त अनरद स्पे
 की धिनी माह सुदि ॥ ७॥ सम्वत ॥ ८॥ ॥ ९॥

अपुन्यं च कुरुष्व दुराहं सूर्यादिपुत्राणां
न केनचित्कृतं न कर्मिणीमाह मुनिदत्त सम्बन्ध
ये ह्येतेषां को प्रजापतिं सक्तीनिषो मुकरता
अबूजा कस चासन्नं जे पुराणे दुराह
सूर्यादिपुत्राणां

३)

प्रजापतिं सक्तीनिषो मुकरता तस्मिन् वत् सम्बन्ध वत् ५२ सा
तस्मिन् वत् ५२ मुक्ता सत्तर्पणं पुर

अपुन्यं च कुरुष्व दुराहं सूर्यादिपुत्राणां
सनासन्नं जे पुराणे मिंदरव्यासत्वात्प्राप्तं
त्पांका जोगके प्राप्ते भारपुत्रजन्यद्वयं
मिनीचन बुद्धि वत् सम्बन्ध वत् ५२ पुराणे
अपुन्यं च कुरुष्व दुराहं सूर्यादिपुत्राणां इव
तत्प्राप्तिं प्रगाणमुद्धि वत् सम्बन्ध वत् ५२
देवोती को प्रजापतिं सक्तीनिषो मुकरता
अबूजा कस चासन्नं जे पुराणे दुराह
सूर्यादिपुत्राणां

३)

अज्ञानोसवती करारमिनी नैसाय बुद्धि सस्वत वल्लभ
कामसुखाई जेपुर

ठाकुरश्रीमाहदेव चवधुषणी विराजमानक
सबासनाई जेपुर विरमपुरी में मिंदरसिद्ध
करगुजरानी कान्हा कान्हा की चालीमारु
तज्जगरदम्पती मिनी काली बुद्धि सस्वत
तज्जगरदम्पती कान्हा कान्हा की चालीमारु
सुखी दुषकाती नको प्रबत दसमिनी जा
दबासु रिक्त समस्त वल्लभ नो नो को प्र
समिपवती निषी मुक्तरा चवधुषणी
वासनाई जेपुर काये दरमहि चकली
दुषपा

३)

अज्ञानोसवती करारमिनी नैसाय बुद्धि सस्वत वल्लभ
कामसुखाई जेपुर

ठाकुरश्रीमाहदेव चवधुषणी विराजमानक
नकसबासनाई जेपुर में मिंदरसिद्ध

मुक्तामिला मिताही वल्लभ
मलदेसनाई जेपुर

लेन फलपीकानो गये लासी मार पुत न्य नर नर
 अकी मिनी कानी सुदिन सम्बत १९९९
 पदुंची दुकम दुकादर माहि न सली दुपडा
 कोश्वत दाप मिनी नाद ला सुदिन सम्बत
 १९९९ धेदोती की अत्तनी सवती तिवो
 करार वरुन कस बास ला जे पुर का
 र माहि न सली दुपडा

३)

अत्तनी सवती करार मिनी काग ए सुदिन सम्बत १९९९
 मुकाम सत्त जे पुर

राकुरा श्री महादेव नवमुखी पगणे सनी
 हण मातनी विरात मलक सबास ला जे पुर
 मेन ला का बाग मे मिंदर पंच विराम ला
 महाजन जे सल मार का के नो का मोर ला
 लेन मार पुत न्य नर नर स्पेक्ष की मिनी कानी
 सुदिन सम्बत १९९९ अत्त पदुंची दुकम
 लादर माहि दुपडा ३ की पुनत दाप मिनी

जाद रासुदिपु सम्वत बज्ज चैव सूनीदने
 तीकोअन्नोसबनी निधो मुकररान्वबू
 कसबासवईजेपुरकासुंदरमाहे वसूनीपु
 यप्रा

२)

अन्नोसबनी करारिणी पोस सुदिपु सम्वत बज्ज मु
 कासवईजेपुर

हावुय्योसुंदर नमिश्चजी सहृमाती
 विराजमान कसबासवईजेपुरमें मिंदर
 क्षणीपालकसथके त्यांका जोत केजास्तेम
 रफत ननरदखेअकी सिनी काती सुदिपुस
 म्वत बज्ज अरजपुंभीपु कामपुसादर
 वसूनीपुप्रादोस केदुवतदासमिती
 जाद रासुदिपु सम्वत बज्ज चैव सूनी
 कीअन्नोसबनी निधो मुकररान्वबू
 आ कसबासवईजेपुरकासुंदरमाहे
 वसूनीपुप्रा

२)

मङ्गलानां सवती करप पितो पोस मुदि बसम्बत १८५९ मुकु
मस नरि जे पुर

हा कुरधीम्हा दि सचत्र मुसती वहुणा मासे
जीविराजमान कणवास नरि जे पुर मे मिह
न सत्तरा पुकायथ के त्या का ने मा के वासै
माखुल जगर स्पंथ की मिनी आ सो जह
दि ससम्बत १८५९ अरज पदु की हु कम हुना
बरमा हेत सूली दुप प्रातीन के देवत हा
पुसितो जाद जा मुदि पुसम्बत १८५९
रती नीको प्रलाने सवती लियो मुकरा
चवू जाक सवा सन रि जे पुर का से नर
हेत सूली दुप प्रातीन

३)

मङ्गलानां सवती करार पितो पोस मुदि १९२ सम्बत १८५९ मु
काम सन रि जे पुर

हा कुरजी मुखी मंगल जीविराजमान

कसबासनाईजीपुर बेहरेनिरमपुरीमेंनहरके
पलीप्रभूमिंदरमाजीचाकडोकोकैत्यांका
जोगकोलासनेमारपुतजनवरस्येशकीसिती
कातीबुदि८सम्बत १८५५अरनपहुर्षेपुनरी
हुतावरमहेलसूजीहुपडाहकोडननरी
षमितीजादजासुदि३सम्बत १८५५थे
दोतीकीप्रधानोंसनतीकोमुकराबू
जाकसबासनाईजीपुरबागसंदरमाहलसूली
हुपडा

५

प्रधानोंस्वतीकरारमितीपोसबुदि८सम्बत १८५५मुका
मसनाईजीपुर

रजतनकर कीजागीरपाईगंगुवेडितपुरप्रधानान्वहल
तपाहलेलीकोपात्रोतींथेआलसे

चिरीकरारमितीजादजाबुदि३सम्बत १८५२
आलसे

६

मुनागविलजिवरीवरीद-
मलदेवमलदेवमलदेव

ठा कुर श्रीमद्दिज्ञनचमुपजीनिराजमानक
 सना सनाई जेपुरमें मिंदरूपराजहानू का
 जगत कैत्यां की जोग के बास्ते भारपुनछ
 नरदस्य की गिनी मितो न्य प्रोज सुदिज्ञस
 म्यत दत्तद श्रजपुं बोलु कामदुता हरमाहे
 बसन्ती रूपडा नोषको इवन दप नारनामु
 दिदुसम्बन दत्तद सेवती की प्रजा जोग
 बती जोगो मु करार द्दमाहे न बूला कस
 नासनाई जेपुर का संद द्दमाहे चमत्ती ७५
 प्रादोप

३)

प्रजा जोगी करार मितो भाग स सुदि द्दमाहे न
 मु काम सनाई जेपुर

ठा कुर श्रीमद्दिज्ञां गोश्रवणी करमि
 श्रवणी जोगो श्रवणी बिराता मानक सनी
 सनाई जेपुरमें मिंदरूपामी जान की द
 स कैत्यां कलोग के बास्ते भारपुनछ

सदसिनी की सितली नभासीन सुविदल सस्वन १०९९ अक्षु
 पंगुं बीहु नम दुःखान्तर माहेतु सस्नीदुप प्रहो प्रको
 द्रवन नराप मिनी नादना सुदिदु सस्वन १०९९ पे
 द्रोती की प्रज्ञा निमवती करो मुकर राचबूनी
 कसभा सभाई जै पुरका संहर माहेतु सस्नीदुप
 ३१

३)

प्रज्ञा नों सचनो करग मिनी भाग्य सुविदल सुवन १०९९ सु
 कर्म सचाई पुर

ठाकुर श्रीमद्वेद सचोले सूरजी बिराज सागव
 सचास चरि जै पुर जै मिदर ही डाह्ण जना
 मोटना सानर का कैल्यं का जोग कैल्यं सै
 रण जजनरद संध की मिनी भासीन सुदि-
 सस्वन १०९९ अक्षु बीहु नम दुःखान्तर माहेतु
 सस्नीदुप प्रहो प्रको द्रवन नराप मिनी
 नादना सुदिदु सस्वन १०९९ पेद्रोती की
 प्रज्ञा नों सचनो लिखो मुकर राचबूनी

सवाप्तसर्पेनेपुरकाचिदरमाहेलमूलीरुप

५।

३)

प्रवाप्तोमन्वतोकरनिनीमहसुदि१८ सम्बत १८९९सुक
मसवाहेनेपुर

राकुएलीमुरलीमनीहरतीबिराजमानकसवा
कुटेरामेनीकेपुतगीजहरकरीजीजी
नेरोनीजाहकोएकचरोत्रामापारकदारी
वसचाकुटेहराजगनाजदत्तासनासुं
घरनीबीघापंदरानकसनाजदत्तासकी
मुक्तदिकसतद्वामनसवदारांकीस
सदामदसंजासांसीसतदरिजए
कावदमिषोईगईधरकागहमिश्रद्री
त्रिसनकोकरारमिनीमालासुदिईस
म्बतवदरकीकामनाओंआगित्ताके
हगधिराजी

प्रधानों सब तीक्ष्ण रमिनी काती बुद्धि सम्बत १८१९

मुकादम सत्ता ईजेपुर

पूरखों मुल्मीमनौत रूनी विरातमान कसबास
ईजेपुर रैमिंदर माहल देव प्रिसन के न्यां का
गके ब्राह्मण माफत अगलह संघ की मिती
प्राप्ति ज बुद्धि सम्बत १८१९ अरु पृथु
दुकम दुखान्तर माहे न सुलोप पृथु अगलको
इवन दा प्रमिती जादजा बुद्धि सम्बत १८१९
पेहवाती नो प्रसन्नो सब तीक्ष्ण मुकरण
बूझा कसबा सत्ता ईजेपुर कंधे दूर माहे
सूली दुपड़ा

(६)

प्रधानों सब तीक्ष्ण रमिनी काती बुद्धि सम्बत १८१९ मुका
दम सत्ता सत्ता ईजेपुर

यान्न सो बिठो कर मिनी काती बुद्धि सम्बत १८३२ ए
पुजान नखा दूर रूनी गंगल नाहि कात पायो ह गंगला सत्ता ई

मुकादम सत्ता ईजेपुर
अल देव अल देव अल देव

जिपुर कमिबधे धरती का रुमिलने पाईती से स्वास्व सो करो
हरमाहे सुस्ली रुपपा

(५)

एन जन्म हरमाहे की धरती गंगा वसातिका तपायी हम गंगा साइ
इते पुर कमिबधे की बधे धरती बीधा पुत्रु इवत हाए
जावडा मुदिह सम्वत १८३२ धे पाई बीधा

१९१३

जिहो करार मिती असाठ मुदिह साल सम्वत १८९२

जिहो करार मिती असाठ मुदिह साल सम्वत १८९२ इवत हाए
साध स्याल साल सम्वत १८९२ धे लोग की लन माह में धरती छी
सी अन्वष्टा धरती लोग जुगानी हरमाहे बसली रुपपा दुती
कासानी ना रुपपा १८९२ में मुरा नुवेता रुपपा अजताली स
कामें धरती बीधा बहू विस्तरा तीस

१९१३

जावत लोग धरती मा कुली सुखो मनी हरजी विराजमान क
सन्वास जार्ड ते पुर में मिंदर प्रोह लहे प्रकि सन के ना के ताते
मार फतरा प्रकल लाल को मिती कागा ए मुदिह सम्वत

नविरामरगगोदकेन्यां कन्या के वासो मय
 फलभरतस्यंमकीमितीकतीबुदिदुसम्ब
 लद्वन्द्वनरजपहुंभीहुकमहुनादरमाहेव
 सून्यीरुपप्रादोपकीइवतद्वामितीनाद
 न्नामुदिदुसम्बतद्वन्द्वपेदनेनीकोमन्त्रा
 नोसबतीलिघोमुकररान्नन्नाकम्बास
 न्नाईजेपुरकापेदरमाहेलसून्यीरुपप्रादो
 ५

२)

प्रचानोसबतीकररमितीमगम्बुदिउ सम्बत ५८५
 मुक्तामसन्नार्जैपुर

माकुरद्वीम्हदेनवजमुयतीविरगमानन
 सचासन्नार्जैपुरमेंचादपोलकनेकोदि
 नोचैमिंदरजगरामहजलम्बहारवली
 केन्यांकानेगकेसासोमारफलभरत
 स्यंमकीमितीकतीबुदिदु सम्बत ५८५
 भरजपहुंभीहुकमहुनादरमाहेरुपप्रादो

मुक्तामिलाविप्रादीजर्द

मन्त्रदेवगम्बतकीपुस्तक

पुनोऽवततदाममितीनादनामुनिदुसम्बत
 धिसमूनीदरेतीकोत्रनप्रोसवतीकरामु
 करराचचूजाकसवामाभूरकाधिरमा
 हेचमूनीदुपप्रावेण

३)

प्रज्ञानोसवतीकरामितीनामाश्रमुनिदुसम्बत
 मुकामकसवासननिर्दिष्टपुर

श्रीमहादेवगीश्वरमन्त्रसर्वांगमाभ्यधका
 जतीजातारामकास्थामाकापोताविश्व
 एनावतजोगवपुन्यघरतीगोत्रकैमरी
 छादीनगिरहप्रगतानुदेहीकीमुलाष्टिक
 अशक्तिं सवतीकरामितीपोसमुदिदुस
 म्बत१७८२ काथेजोगश्रीतीकामेदे
 पुन्यजगरामन्त्रसंघनेटास्वामाकलि
 रामएपावेकासोजगरामन्त्रसंघकलि
 वसिष्ठोकाजगरामन्त्रसनतानतहीअ
 रहासिलाघरतीकोसम्बत१७८३ पुनाई

योगसेवपुन्यधरमहासवेताम्हस्येधकाजती
जगन्नाथसकास्यामाकापोताविरामराण्डो
मुक्तादिकतकसीलजेल

जोगश्री श्रीकेशवपुन्यधरमहासवेताम्हस्ये
केशरीकोटीकाजीधान्याधकाजतीजगन्नाथसका
स्यामाकापोताविरामराण्डो
गंगकमनीशात्मकीवीर्य

३५

वीचमेप्रज्ञांगहाराजश्रीसवाईदुध
रस्येधजीकोकरामितीनितनुदि५
सम्बत५८७३कीदुलोकोसोषाससे
रसहीदुईतही

हालप्रज्ञांगेस्वतीकरामितीकातोनुदि५ सम्बत५८७३
मुक्तामसवाईजेल

हाकुरश्रीमदनमोहनजीविराजमानकसबात

मुक्तामसवाईजेल
कलशेदुर्गासवाईजेल

चाईजेपुरमेंभीष्टपोस्तमहुं नैहरोपेचमंदरा
 हां कैंत्पांकाजीगकेजायतेमारपूजअनरह्ये
 यकीमितीपोस्तमुनिद्वयसम्बत १८०५अर्ग
 पदुपीदुन्ममहुवावरमोहेतुसूनीदुपप्रा
 न्यारकीद्वतदगममितीपोस्तमुनिद्वय
 म्बत १८०५येदोतीकीजनातेसवतीलि
 योमुकराचनूनाकसवासवईतैपुरकी
 येवरमोहेदुपप्राभ्यार

६)

प्रज्ञासिं सवती करार मिती येत मुनि १९ सम्बत १८५२
 सातसम्बत १८०५ मु कामसचाईजेपुर

ए बजवरमोहेकीतलमागो बदेहीतालिकैकसवासि
 चाईजेपुरकासेद्वतदगमस्यानूसम्बत १८०३
 येचाईसाबीनादुपप्रा ८० की

विहीकरारमितीकालीमुदिह सम्बत १८०३

राजपुरस्थित नतीनके हतीर नदी नदी
 बिराजमान कसबा सवाई जैपुर में मिनर कम्प
 मोहत के सोटा के त्वां का नो ग के त्वां नो मार
 तन प्रतर द स्पंध की मिती फाग ए बुदि हस
 म्वन बल्लभ अरत पटुं ची दुक्त महुना दाम्नी
 हेतु सूर्वा दुप प्रादो न इवत दा प्र मिती माह
 सुदि ३ समनत बल्लभे द नो नी कि प्र नो
 सवती लिषो मुकर रा च न्या क सबा स
 लाई जैपुर का थें बर माहि न सूर्वा दुप प्रा

३)

प्रज्ञानो करार मिती फाग ए बुदि बनु सस्का १८५९
 मुका प्र स्नान जैपुर

राजपुरस्थित नतीनके हतीर नदी नदी बिराजमान
 कसबा सवाई जैपुर में मिनर नपा हर न्दे
 न के त्वां का नो ग के त्वां नो मार पत प्र
 नर न स्पंध की मिती फाग ए बुदि हस

मुका प्र स्नान जैपुर
 बल्लभे द नो नी कि प्र नो

ने १८९९ अजयपुत्री कुकमकुत्रा नरमाहे सुखी
 दुपडा २३ इततदाष्ट मिती जागए सुदिउस
 म्वन २८९९ येद नोती कोप्रनुलो सबतीति
 धो मुकरा चबूठा कसबासगार जेपुरका
 येदर महि सुखी दुपडा लेख

३)

प्रज्ञानो सबती कर मिती बिसाध सुदिउस म्वन १८९९
 साल सन्वत १८९९ मुकाम सत्रा जेपुर

श्रीमद्देवचन्द्रमुखजी विराजमान कसवी
 सत्रा जेपुर जे मिहरदेवला सोदी रात्राणी
 जीका के त्यांका जोग के शास्त्री मारफत
 अतरदस्यं प्रकी मिती आसोज सुदिउस
 सन्वत २८९९ अजयपुत्री कुकमकुत्रा
 नरमाहे सुखी दुपडा लेख २३ इततदाष्ट
 मिती जादवा सुदिउस म्वन २८९९
 येद नोती को प्रज्ञानो सबती लिखो मुक

प्रधानोसन्नीकरारमिनीसाहसुदिदसम्बत १८९३ सु
कामसुदिनेपुर

मुकरराननखारहरमाहिदुवत बापमिनीप्रागणसुदि
उसम्बत १८९३ धिसो गौजोगकेवहल्लजगिचनूजाव
सवासुदिनेपुरकामुदे बीकीजोत्तरमाहेरुपद

(१२)

ठाकुरश्रीमुरलीमनैहरजीनिराजसम्बत
ससनेदेइजाप्रगताटोककामकेसोविराज
एकीनूजएगोत्यांकाजीगोतेधरतीगो
समतकूरकीमुवापिकहुकमश्रीहजरकेवी
भापचीसक्रिणाकागोराकीभापरी
जोमुकरावीभापचीस

(१३)

चिदीकरारमिनीनेठसुदिदसम्बत १८९८

प्रधानोसन्नीकरारमिनीसाहसुदिदसम्बत १८९८

मुकरराननखारहरमाहिदुवत बापमिनीप्रागणसुदि
उसम्बत १८९८ धिसो गौजोगकेवहल्लजगिचनूजाव

आमदित्तवृत्तेश्वरजीविराजमानजुहोराज
 केसुसिलदेहरावेरमेंत्याफीसेनाया
 चारित्तइमरतरामकरेत्पाकाभोगकेवाहि
 मारफतराजाहरसाहपुकीमितीअसाहबुदि
 ६६ सालसम्मत ६६५५ अरजपहुंकीपेगो
 गनेंवाहसीदुकमदुनावरमाहेदुपप्रा
 सीगेभोगकेइवतदासमितीअसाहबुदि
 ६६ सालसम्मत ६६५५ एकसबासुत्रादिजैपुरकी
 चोराभाहदुतोतीकोमलानीसबनीलि
 योमुकररावरनरमाहेदुपप्रापाव

५)

मन्त्राजेंसबतीकरारमितीनादकासुदिदसम्मत ६६
 सालसम्मत ६६५५ मुकामनुराप्रा

विहीकरारमितीनादकासुदि६३ सम्मत ६६५६
 ज्योदरमाहेदुपप्रा५ भोगकेचासठेतीनेंनमसाहकस
 वायावेरकाज्योआसरोजीना ६६६ दिवाकीकोपो

अथ हस्तमण्डपविधिः कलत्रकराप्रदेशो कीर्त्यो

हाकुरक्षिमुर्जीमनीहर्मीविराजमान
मातृप्रायपुरतपाश्रितलानाश्रय
गनाप्रागपुरस्कर्मैत्याकाशो गतिं धर्मी
नकदगं नमजकूरकीमुखादिकप्रवृत्ति
सबतीकेपाशे मुकरा

धरतीवीक्षावाचनगोचरा नकदरोजीनाश्रयानामग
स्तपुरगनाप्रागपुरा रसूदामचंचालीम

५३)

१४६

विहीकराभितोनाहस्तासुनिजसम्बन्धन ५८५८

श्रीमहादेवकीकेरिभिरगंगद्वयोहस्तपात
मातृप्रायपुरतपाश्रितलानाश्रय
विदामबराश्रोत्थाकाशो गतिं धर्मी
मुखादिकप्राददास्तमेंदमस्तदीनान
प्रातकराभितोभैतमुदिहसम्बन्धन ५८५८

अजकुं चीजो दरबारसं नोगके कुसो हुक
महुचो हरमल दुपपा चुचो नाराह हारीक
सवासनार्ने पुर पर इवत दाप मिनी नै
तमु रिउ सम्वत १८१८ पे सोरसायत क
रापो बाह सोरसायत यास हुक महुडा
प्रज्ञानो सबनी मिथो मुकारान्तरमा
हे दुपपातीन

३)

अज्ञानो सबनी करार मिनी नै साप मुदि र साल सम्वत
१८१८ मुकाम धे डार

मुकारानन माह्वरमाहे इवत दाप मिनी नै तमु रिउ
सम्वत १८१८ पे सोर नोगके नहाल जालि चने नारा
हदारी कसना सत दे जे पुरकासं दे बोकी न्यो मुक
एवरमाहे दुपपातीन

३)

माहिब श्रीगणेशजी विराजमानसी
गानेरकादरना जो आगे स्वांका जोगके

शान्तिमारफतराजाहरसापकी मिनीफागण
 सुदिहसम्बत १८५८ अरतपहुंचीजोने
 गन्दासैतुनकामहुयारोनीताहकरसीने
 नोमकेइवनदाप्रमितीफागणसुदिह
 सम्बत १८५८ धेदनेतीकोप्रबुद्धीसबती
 कसबासबाईजैपुरकाअशिलाकेजाप्र
 लियोमुकररायेतीताहकरोप

२१

प्रबुद्धीसबतीकारमितीबैसापसुदिहसम्बत १८५८
 सालसम्बत १८५८ मुकामकोटकाडिके

मुकररातनमारोनीताइवनदाप्रमितीफागणसुदिह
 सम्बत १८५८ धेसौगोपुत्तकेबहालजाएचबोआवरी
 वासबाईजैपुरकासूरेचोकीयोमुकररायेतीताह
 करोप

२१

श्रीमद्देवजीविराजमानगंगारामपुरा
 प्रभुनामद्वयकर्मिण्यांकीसिंहागुलाब

मुम्बईलियाडीकर
 असेदमामामासी

पुरीसिद्धासीकरेन्यांकानेगकेचासौमर
 फजरजाहूरगाहपुकीमितीतहवुरिड
 समन्त वरदरैअरतपहुंचीन्यानेमनेरोती
 नानानसेर उपासवतनरतकसबाब
 सत्ताप्रगतावहावकामेंमुनशिक्प्रभ
 नेंगाभिलंकरमितीवेसाप्रसुदिहस
 मन्त वरदरैकाथेपावेसोनाजरीजीना
 समन्त वरदरैतांईपाप्रोअनप्रसजो
 सखतीनुननरतसंनत वरदरैथेकारा
 सोन्वाहसोदुकमहुनाइवतनरतसमन्त
 तवरदरैप्रसजोसखतीलिखीमुकर
 तारोजीनासेर उपाठ

— ५॥ —

प्रसजोसखतीकरारमितीवेतसुदिहसालसमन्त
 मुकामसजईनेपुर

मुकरज्ञाननभाएनातइवतनरतसमन्त वरदरैथेसोमिजे
 गकेज्ञाणसन्तनरतकसबाबसत्ताप्रगतावहावकासुदे
 मुनशिक्प्रभमितीवेसाप्रसुदिहस
 मन्त वरदरैकाथेपावेसोनाजरीजीना

जीके जे रोजीना सेर डूना

५११

वाल्वाबिनी करारमिलीकती बुदि हसम्बत वल्वाबिनी
 यज्जधरतीक सन्वाबसनामें मानचंद दफनबेधकी
 वालसे छी बीघा वल्वाबिनी सौसम्बत वल्वाबिनी पार्थीव
 जसे जसकी जे रोजीना सेर डूना

५१२

श्रीबेजनाथजी विराजमान गोवरा मपुरा
 अगनाबहावकमें नज्जधरपेधयलपुरी
 गुसाईकी से जीमाराज राजाहरसाहकी
 मिनी माह बुदि हसम्बत वल्वाबिनी
 हुंवीजी सहाजवरत कसवानसना प्रमि
 नहावकमें मुसाष्टिक प्रमिने जामिनी
 साकगाद बीकाए देस करारत फसील
 जेसकधि पुन्यनात रोजीना सेर डूना

मे

श्रीबेजनाथजी कोटहलये भानपुरी सिंहप्रमि मुनार्थ
 मुसाष्टिक प्रमिने जामिनी कनगाद बीकाए देस करार
 मुकाबिलकिलील

बलदेवप्रसादजी

करारमितीसामान्यसुखिद रमितीपोसनुदिदसम्ब
सम्बत १८९१ कापेनाजरो त १८९३ कापेनाजरोजी
जीनासेररोप नासेरतीन

५२

५३

सोसम्बत १८९२ त्रिपापौ अवत्रना नोसवतीकराबाका
नुदिदहारसोमुकामदुनदुबतदपसम्बत १८९२ पे
त्रवानोसवतीलिमोमुकरारोतीनाजनाजसेरपां

५४

श्रीनयेज्जापतीकोटहलवो ध्यानपुरीसिंङ्गामीना
नाजसेररोप सेरतीन

५२

५३

प्रधानोसवतीकरारमितीथितसुखिदसम्बत १८२० सा
लसम्बत १८२१ मुकामसनाईजेपुर

धालसाचिठीकरारमितीवजतीसुखिदसम्बत १८२२ पो
एकतयतीमानचददफलवधकीधालसेठोबी
२२ सोपाईसम्बत १८२३ पे मालसेकोन्वे

५५

मन्त्रालोसांमिलनध्यानपुरिषुसंदिग्धेदुःखे

श्रीगुरुदेवस्वयमुपनीविरजमानकस्मृती
 ग्रावेरमेष्टित्वाकाशटीपरिमित्प्रधुम्बाल
 धातीकेत्तांकाभोगकेत्तास्तेभारपूतज्य
 तरस्मैयकीमितीअसाहसुदित्स्म
 म्वतस्मैयअरतपसुंवीदुकमदुलाह
 रमाहेस्मैयपुपप्राकुकोद्वतनाह
 मितीअसाहसुदित्स्मालसम्बत १०५९
 वैश्यातीकोमन्त्रालोसबनीजिह्वाभुके
 रराचपूजाकस्मकासकाईतिपुरकापे
 हरमाहेस्मैयपुपप्रा

३)

मन्त्रालोसबनीकरारमितीअसाहसुदित्स्मालसम्बत १०५९
 मुकामसन्निधिपुर

श्रीगुरुदेवस्वयमुपनीविरजमानके

श्रीगुरुदेवस्वयमुपनीविरजमानके
 कालेदेवस्वयमुपनीविरजमानके

सनात्राविधिमें मिंदर सुवरामनाग का
 त्यागजोगके साथैमारपूत अनरदस्वप्न
 कीमितीअसाजसुदिन २२ सम्बत १८१२
 अरजपहुंची मुकागमुकागदरमहिज
 लीपुषा ३० इवनराशमितीअसाज
 सुदि ३ साल सम्बत १८१२ चैदशे तीथे
 अनाजोसबतीनिधो मुकरराचबूक
 सनासनाई जेपुर काधेदरमहिजसूरी
 पुषपातीज

३)

अनाजोसबतीकरारमितीअसाजसुदिन २२ सम्बत १८१२
 मुकागसनाई जेपुर

श्रीमन्निजमंगलेश्वरजीविराजमान
 कसनासनाई जेपुरमेबगीचीमुतमि
 लजीहरागोजिंदरामकीमेंमिधराज
 यलीचाल मिंदरबनएगोत्वांकेबासै

मुद्राधिकपादरास्तमें दसयत्तरी जलपान
करारमिती जलानुदित सम्बत १८५३
आज पहुंची जामनेबाहू सोरस फायाम
हुकम हुसारी जीत लुसी गि पुन्य के उबरी
राष्ट्रमिती सावण पुदित साल सम्बत
१८५८ जेह नो तालिके नो जाक सवासन
ई जेपुर धी प्रज्ञा नो सबती लियो मुकराणे
जीता आता रोप

३

प्रज्ञा नो सबती करारमिती काती बुदित सम्बत १८५३
हुकम सवासन ई जेपुर

मुकरात नबाहू रोजी भादवत राष्ट्रमिती सावण पुदित
साल सम्बत १८५८ जेसी गि पुन्य के ताण नबू जाक स
वासन ई जेपुर कासूं रेवो की नो आता रोप

३

श्री माहरे जनील कंठती विरज मातक

सत्तारामगछमगनासहाईजीपुरकासिंकुंदा
परत्पांकाजोगकेनुअसेसुजगिदिकहुकमग्री
हत्तरकेलिखांछंरीजीताहकोएकचबोंची
भाषायकसवारामगछमगनामतकूरका
खंडुवतदाप्रमितीआमोगसुदिवस
म्वत १८२३ काछेदिलावोकीओमुकी
गरीजीताहकोएक

११

पत्तानगीकेसोरामसहजुबानीओ
दासजहा

चिठीकरारमितेआसोमसुदिवस म्वत १८२३

महादेवजीएकादसदुहुजीचिराजम
नकसबाआबेरमेंगुतसिखलालब
जगकेनचासिरंधेकीप्रात्यांकेनुअसे
मारफूतराताहएसाहसकीमितीकाली
मुशिजसम्वत १८२३ केअरतंपहुचीजो

मुत्ता नोनवुगेरु नै-वार

पूजा पांचादशत कोदुले मीम

उत्तिमराम करे

३)

४)

वहल जा पण हरी

५)

सोदु कमहुताद्वीरुपपाहु इवतदापमिनीमिसापसु
दिउ साल सम्वत १८५५ थे कोद्वार प्रगता सब दिनेपुर
कासुं देवो तीको प्रज्ञा नों सवती तिथो मुकरराद्वीर
रुपपानो

६)

प्रवज्ञो सवती कर मिनी मया अनुदि सम्वत १८५५
मुकपम तादि जेपुर

मुकररा तत प्राह्वर माहि इवतदापमिनीमिसापसु दि
साल सम्वत १८५५ थे वहल जाणि कोद्वार प्रगता स
वादि जेपुर कासुं देवो तीको प्रज्ञा नों सवती तिथो मुकरराद्वीर
रुपपानो

मुकपम तादि जेपुर

मलेरु मप्रलानो रपुपानो

(५)

महदेव श्रीपंचनक श्रीजीविराजसागरक
सनाथांवेरमैननामिरंषकिप्रान्तांके
वास्तैमारफतराजाहरमहपुकीमिती
कातीनुदिनसम्बतवर्षेनश्रजपहुंची
ज्योपूजायोगनगैरुनेचाह

पूजापांचादमृतकीमुक्त भोग

मगुजरतीकरे

(३)

(५)

वहन्नात्रपणहारी

(५)

सोष्टुकमहुवावरमोहेरुमप्राहुइवतदाप्रमितीजिशाथ
मुदिउसावसम्बतवर्षेधेकीरठवारअगनासव्हाई
जैपुरधूसोतीकोमत्राणोंसवतीलिखोमुकररावला
हदुमप्राणों

(५)

मुकाविलानिमाहीकरे
महदेव मगुजरतीमुकावले

प्रजापतिस्वामी करारमितीमागपशुद्धि व समस्त
मुक्तपसकारि जे पुर

मुकराननग्रहदरमाहेदुबतद्वारा मितीचे साक्षसुरि
उसालसम्बत १८८८ पेचहालनापिकीठकारमगना
सजाईजे पुरकासुं ने नो की नो दुपफा नो

(६)

माहद्वेजश्रीरामेश्वरजीविराजमानक
सनाग्रोबिसिंमुनीसिजमाणिकचोवतें
ननासिरधिकिपान्याकेनास्तोमारकत
राजाहरसहपुकीमितीकातीबुद्धिरस
स्वत कपरेग्रहपुंजीओपुतानीगव
गेहनेबाह

पूजापान्याउमरतकीकुस जोग

जिश्नर गुजराती करे

३)

२)

वहन्ना बपरादरी

मुक्तपसकारि जे पुर
कलदेवनासहपुकीमितीकातीबुद्धिरस

७)

सोचुकमकुलादरमाहेदुपप्रा ७) इवतद्वरमितीवैसाय
सुदिदुसालसम्बत बलधैकोद्वारमगनासकाईजेपु
सूदनेतीकोप्रवानोंसबतीलिबोमुकररावरमाहेदु
पानों

८)

प्रपणोंसबतीवरमितीमागअसुदिदुसम्बत बलधै
मुकाससकाईजेपु

मुकररातनबाहदरमाहेदुवतद्वरमितीवैसायसुदि
सालसम्बत बलधैबहालजाणकोद्वारमगनासका
ईजेपुसकासूदेबोकीपोदुपपानों

९)

ठाकुरासीमुएनीसनोहाजीविराजमाजक
सनासकाईजेपुमेंमिंदरनिरनैरामचिरा
मणजीसीमुतसिलघरमनारापरागव
सीकीहनेलीकेवणपोत्यांकेदासैमा
फनराजगहरसाहमकीमितीमागअसुदि

गुनगवेलगणिप्राणीकहेदु
बलदेवबलसागोईपु

सम्बत १८२१ अरुणपर्वी जोगकरा प्रोन्वाह
 शीतु नमः दुःखारो जीता १८२१ सींगे जोग केड
 वत वरप्रमितीकाती सुदि १८२१ सम्बत १८२१
 वेच्यो नाराहदारी कसबा सनई जे पुणे
 हजे तीकी सत वजिये मुकरारो तीकी
 पीसा तीन

१८२१

चिन्तितार मिनी जेठ सुदि १८२१ सम्बत १८२१ रो जीता पी
 सा तीन वेच्यो नाराहदारी कसबा सनई जे पुणे
 वत वरप्रमितीकाती सुदि १८२१ सम्बत १८२१ वेसींगे
 जोग के बहाल जारण बिना बो की गो

श्री सदासिबजी विराजमान गच्छरात
 नदर मे सत पील न्यां कै पुतारी जाह
 रकरी ज्यो जोग ते रो जीता टको एक
 चत्रां नामा पाणहदारी कसबा सिरपु
 की सं मुक्त शिब प्रवृत्ति मिश्र श्री किरत

मर्किसन्वत् २८९५ तर्हि पाठाङ्कुरद्वारा अभिप्रेत

मन्त्रसन्वत् २८९५ तर्हि पाठाङ्कुरद्वारा अभिप्रेत

मन्त्रीहस्तकी लिखांछांज्योरोमीनाटकोए

कन्त्रीज्योपापाराहारीकासं सम्बन्ध

तर्हि पाठाङ्कुरद्वारा अभिप्रेत

मुकरारो जितानकोएक

११

मन्त्राङ्गीसेनापतिद्वारा अभिप्रेत

विश्वकर्माङ्गीसेनापतिद्वारा अभिप्रेत २८९५

श्रीसन्वत् २८९५ तर्हि पाठाङ्कुरद्वारा अभिप्रेत

मन्त्राङ्गीसेनापतिद्वारा अभिप्रेत

हस्तकी लिखांछांज्योरोमीनाटकोए

चन्द्राङ्गीसेनापतिद्वारा अभिप्रेत

वैकीज्योमुकरारोमीनाटकोएक

११

मन्त्राङ्गीसेनापतिद्वारा अभिप्रेत

मुक्ताङ्गीसेनापतिद्वारा अभिप्रेत

कन्दर्पद्वारा अभिप्रेत

विहीन कर पीस बुद्धि दसम्बत १८९६ इ. स. त. १९१३ मिति
सन १८९६

महादेव जी श्रीगो कर्जेश्वर जी नृपति नृप
जी श्री ब्रह्मदेवों को आपो लिखी श्रीगो
हृदय श्रीगो कर्जेश्वर जी नृपति नृप
कै जी लपट बढे छे सो सालो ना दुपट
३९) लागी मुवापिक जेल

श्रीगो कर्जेश्वर जी महादेव जी श्री नृपति नृप जी को

३९)

४०)

सो सम्बत १८९६ नाई तो मुन सहरां का कगारों सुखर
दुपट पचास साल गाए साली ना साक्षर कामहिना में
बढा जो शिक्षा अर मुकररी सत दछे त ही नी सूरु अब लि
खी अक्षे सी की ज्ये डे शास्त्री मुवापिक हुकम द गुरु कै
पानें लिखा छे ज्यो महादेव जी कै दो ज्यो जामगं जी लपट
साक्षर कामहिना में बिराम एक नी मार फत मुजरत
जोत सी की बढा वो की ज्यो जर सामग्री लाया मानव
गैह्क कात्रिह्यण में दुपट २० अं के पचास साली ना

मुवापिक लिखी नई
महादेव दाम फतेह गुरु

वतदाप्त सम्बत वत्तपे लगानों की ग्योअरसी गिपुक्त
 के खरवमेदाधिलक खोंकी ग्योअर दुँवात की न्यो कसरा
 खती काजील पन्न चढावों की ग्यो मुकर रा साली नारुप
 मुा वन्वास

(५०)

महादेव गोकनेरुजी श्रीननेरुजी

३१)

५६)

बिहीकरार गिती सावरा बुद्धि सम्बत ५५२२

हान्न बिहीकरार गिती सावरा बुद्धि सम्बत ५५२० ग्यो
 सम्बत ५५२६ नांई पाप न्ना प्रा हो प्रनो अब नीधी ज्ञानो
 की न्यो

आकु एही सदा स्वामी विराजमान किलाहं
 आर्ये तपो का योग के सा खेपानें मुद्राणि
 क दुक्तम श्रीहर के लिसांछां ग्यो योगने
 रीतीना वकीण्ड न्व बूआभा पाहाहदरी
 कसना मज्ज कूर कासं डुवत न्ना गमिती

एला मिलालिना ही नहिद
 अलदेव गम ग्यो गी पन्न अने

आसोन मुदि ३ सम्बत १८९६ धे दी पाजातो

मुकरराजको एक

११

प्रधानमीसे नारामहरोमा

चिठी कछर मिती आसोन मुदि ३ सम्बत १८९६

असिदा रजजीको मिंदर मुत सिलक

सबायोह के रूप नूराम प्रोहन करा पोती

हिरागे त्यांका जोग के नासै भारप

तराजहर स्नपु की मिती जे साय मुदि

८ सम्बत १८९६ अरजपहुंची ज्यो

धरणी बीद्या कसु कस जाये न पामत

कूर प्रगना सताई जे पुरकी मुनापिक कल

ने जागिर तार राबत नाथू संध कुंजोली

करार मिती जे ८ मुदि ८ सम्बत १८९६ की

ये पासे के सैरामिल शरती को सम्बत

१८९६ ताई पापोती को प्रजा नों सबती

मुजा मिलि पाई जे र
बलदेव जयलाली प्रो

सरकार की करारों का हस्तक्षेप न करने का
 धर्माती की शास्त्रों के अनुसार व्यवहार करना
 लोगों की जगहों से बर्ती लिये मुकररा की
 पक्षीस

२१५

प्रजापति की करारमिती असा सुदिन सम्बन्धित
 सम्बन्धित २२२५ मुकररा सजाई जेपुर

मुकररा तनवाधली कसबा की हत पाभगकर मगना
 सजाई जेपुर की हुनत रास साध उन्हालू सम्बन्धित २२२५
 चेरीगी जोग की बहाल जाणि माप हवाली की जोगी
 धा

२१६

श्रीसन्त स्वर्गी विराजमान कसबा सजा
 जेपुर में पंचलुहार की प्रांजों की
 स्त्री मुवाष्टिक सादर सन्त में सजयत दी
 नवान करारमिती विसावें बुदि २० सम्ब
 त २२२५ मरज पहुँची जोगी जोगी हुकम हु

उक्त कृतकृत्यवारा
 कृतकृत्यवारा की कृतकृत्यवारा

जो दरमाहे दुपप्रादी न देइवन दापमिनीजे
साय बुदिउ साल सम्वत दछर पेच बूना
पाकसबा सत्राई जे पुरका ये नोती कोत्र
वानी सचती करारो नोहे सो दसयतया
स दुकम दुना मुसापिक निमेत्र वानीस
वनी लिखी मुकररा दरमाहे दुपप्रादी १५

३)

प्रवानी सचती करार मिनी जसा द बुदि र साल सम्वत
दछर मुकाम सत्राई जे पुर

मुकररा तनयाह दरमाहे दुवन दापमिनीजे साय बुदिउ
साल सम्वत दछर पेची गी गी गी वहाल गाल गाल
पाकसबा सत्राई जे पुरका सूं दे सो की सो दरमाहे दुप
प्रादी १५

३)

दानु रदुआरा गुरली मनी रदुआरा को देइरो सि
दरमाहे गी गी गी रदुआरा गी गी गी
कामे जे रदुआरा गी गी गी गी गी गी

सौभाग्यपुत्र राजा हरसाहसकी मिनी काती बुद्धि है
 सम्बत १८२३ अरत पदुं वी जोग को निरन्धह
 नहीं सी जोगा पुरा प्रो न्दह सी दुक मरु जा धरती
 वी घा २ मु बंजर स्थापक जगपत मीत जड़े
 ही जग नाना रत्न की रत्न नग पसा धरती
 लू सम्बत १८२३ पेर नोती की स्मर हति
 मोरी गी जोग में मुकर रा धरती वी घा पचीस
 वंजर स्थापक जगपत

२१)

चिरी कर मिनी काती बुद्धि सम्बत १८२३

श्री माह देव जी नल सत्वा न्दह म् में मुत सि
 लम्पो डू गरी उपरि देहो सिख न्दहना
 पक नल सत्वा देव न्दहना प्रो

कसवा न्दह म् में मुत सि लम्पो डू गरी उपरि देहो सिख न्दहना
 पक नल सत्वा देव न्दहना प्रो श्री माह देव जी
 सत्वा पना मि प्राण सो वी न का कर सं में श्री जी नि

राजमानहु सजहीतीसूं अचमुचाधिकहु वमझीहजूरमजा
मगीचननुजपलीबालकोसूं बिघपूरचओहीसखापते
विप्राहेंचापतेमुचाधिकहु कमझीहजूरद्विजियांछाजीम
गेहनेंदरमाहीदुपप्रासा नचनेंकाराहदारीमगनामाज
कूरकासूंवतहापुनितीमगाअनुदिपसम्बत १८२२
खेहिचाबीकींफेमुकररादरमाहेदुपप्रासात

७)

अचानगीचननुजपलीबाल

जीगफादरमाहेदुपसा नो पूनाकरितीनेंदरमाहेदुप
प्रापांच

३)

४)

कन्हीराममुषवैतकावि
राममोडपूनाइरे

चिठीकरमितीप्रथमवैतनुदिपसम्बत १८२२ मुषी
नीमनोरपरामआन्वारिज

चिठीकरमितीदुतीकसाजएनुदिपसम्बत १८२२ मुषी
छाविहलालिजाहीनारे
मलहिसप्रसंगेहिकामने

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सुप्रसन्नचित्तोऽस्मिन् सुप्रसन्नचित्तोऽस्मिन् सुप्रसन्नचित्तोऽस्मिन्
कैवल्यलताई पापशामाहो सुप्रसन्नचित्तोऽस्मिन् सुप्रसन्नचित्तोऽस्मिन् सुप्रसन्नचित्तोऽस्मिन्
दरमहे दुपुत्र

(७)

श्रीमन्मन्त्र सोमेश्वरजी कसनासनाई
माधवपुत्रेन नत्तामिधर्मिंदरवणापुत्रि
राजमानप्रिया

त्वांफाजोगनेरीनीनाटकादो सुबालादस्ती चरने
राहदारी कसनासना कूरकासं मुत्ताष्टिक प्रत्तानेज्जति
नोकरारमितीकाती सुदिन सस्वत बृद्धरकाधे मायेमु
करारीनीनाटकादोपु

२१

विधीकनमितीने साध सुदिन सस्वत बृद्धर मु
त्ताष्टिक दुक्कमयीहूर कीज्यो बालादस्ती की एवजमु
जगई चरिन्नाराहदारी काधोधादरां सुदिनलोकी
ज्योप्रबानगी बोहरा सुस्याली राम कुवानी नत्तानी रा
म बोहरा

श्रीसहस्रनामो विराजमानात्मा मे निद
रजोत्तरे नृपानी रामबाणप्रो

१

वाक्यनोमाधरती श्रीसहस्रनामो विराजमानात्मा मे निद
रजोत्तरे नृपानी रामबाणप्रोत्तां के वासो मे मारुतपह
उत्प्रेषकी मिति पीस सुदिन सम्बत १८८७ अजपदुयी
नीगने रीजोनाथाना जगन्नाथकी रहस्यी सुवर्ण
कागदरी बाणी के पात्रे सो एव नरीतीना की धरतीमां
व रामपुर पातालिके कसबा सचरि जेपुर की उपेतादुप
पा १८७ कीमापरे बाको कमादरी नानी करार मिति
असोत सुदिन सम्बत १८८७ को दुबो सो मुनाधिक प्रस
ने अमिता के कतारी नीमाद दुर्ग मपीती के हासिल
सासुस्यान् सम्बत १८८७ तांई पात्रो प्रबद्ध धरती नरी
उपेतासाली नारुपता १८७ की बीमा दण्डपुर कजरी
इजतहा पुसासुस्यान् सम्बत १८८७ पे प्रबाना सब
तीकादसवत कराप्रो न्यह सो दु क म दू ला मुनाधिक
लिखे प्रबानों सबती लिखे मुकररा धरती उपेतासाली

नोपुपडा बडुकीबीधाबीध ४ बिस्त्रा सतरा नका
१

१२५५२

धरतीबीधादुधमधेउपेजादुपपडा कुकीबीधा ५१
कजारीसिन्हाप्रमपीछेसोखालसेकरिहासिलजमाई
रबीकीत्यो

मन्त्रानोंमन्त्रों करारमितीसावणबुदिह सावणसम्बत
५०२२ मुकामसत्तारजेंपुर

श्रीसदास्वजी

श्रीसदास्वजीपुन्यरीतीना १२५ कसवामाधोपुरमेंमु
लाधिकमन्त्रानेंजोहराबुस्थालीरामकैपावेछेसोदराबे
कीज्योमाधिककुनकमश्रीहूर जज्ञानगोमिश्रगोवर
जमुकररारोजीनाथीसौएक

१२५

बिडिकरारमितीयोससुदिह सम्बत ५०२३

मुलाजिलाकिगाईअद्वैत
मलदेवमसाधोमिहसुख

शुद्धाग्नीहोतृसंस्थितिः

महर्षिः श्रीश्रीसंज्ञकः गङ्गाजीकोटिः
 एकमबासतर्हि जैपुरमें मुनिसिलतिर
 मोक्षपाकैः स्पृष्टमपर्वीशालनक्षत्र
 रागपुबिराममानकिप्रात्पाकैः शक्ति
 मुनार्थिकपादद्वयसंज्ञकसंज्ञनरीश्वर
 नक्षत्राकरारमितीकालीसुदिनसंज्ञ
 नक्षत्राकरारमितीकालीसुदिनसंज्ञ
 धान्दुर्गागौरामननपुरावासली
 पात्रासंज्ञकैरहत्पायोः श्रान्तमज्ञ
 द्वैतपुरकीजनारजनकावहकी
 सुदिककीमालसिद्धिद्वितीयसुदिक
 द्वापसाधस्याज्जसंभवतः ६२५ ये
 नोतनेंफरिदेवायोदुकमदुखोसोद
 सवतकराग्नोच्चहसोदसवतर्पा
 सदुखमदुखामुनार्थिकलिधैसोमे

शुद्धविलसतिप्रादीनरिः

अनदेवमपसमोमीरुषा

गाम के दती ती की प्रज्ञा नों सब ती लियो मु

करा घर ती बीधा

(३५)

गोबिंद सन कूर की बीधा

गोबिंद खनै राजपुरावास की

१००)

लडी की बीधा

१००)

गोबिंद लखन्यास की बी
धा

गोबिंद रामपुरावास की बी
धा

१००)

१००)

गाम के दती ती की प्रज्ञा नों सब ती लियो मु
मुक्तान सन सारि जै पुर

हाल प्रज्ञा नों सब ती करारि ती सासण सुदिद सान्ध
सन्ध १००० मुक्तान सन सारि जै पुर

माह दिवस जी श्री जगत्पुत्री जी विराज मातक
सन्ध सन्ध १००० मुक्तान सन सारि जै पुर

जीवन्मुक्तमिल मित्र का है रा के तीरे

मिनीमाह पुरिप सम्यत वद्ध नैकिया
 न्यावेलासने मुचापिकता ददा स्तनेहम
 अतदीनानमान करारमिनीफगाएनु
 दिवससम्यत वद्ध अरतपहुचीनोग
 मेंबरमाहिदुपप्रा (२६) हाठनांगीरहबी
 नाडामेंतफसीलनेलकरदेबाकीपु
 कमठुलो

मिंदरनीचेहाठकाजाग मिंदरकेपिछाही बाजा
 काबरमाहिदुपपा कीहाठनांगीरहबी
 मेंकाहरमाहिदुपपा

(२७)

(२८)

गुमानीछापांकीतातगांनी स्तोत्राकीजातगांनीचेह
 चेहाठकाबरमाहिदुपदि वकाबरमाहिदुपपा
 पा

(२९)

(३०)

खोष्टचतदाप्र मिनीविरातमानदुत्राकीयेदसवनका
 (३१) गुमानीछापांकीतातगांनी स्तोत्राकीजातगांनीचेह
 वकाबरमाहिदुपपा

मोन्नाहसौरस्यनयासहुक्तहुला मुज्राधिकलिखेन
ज्ञानोसबतीलियो मुकररा दरमाहे दुपप्रा

२४)

नोगासासगी कादरमाह पुजारी दहल ज्ञानरसामो
दुपप्रा दरमाहे दुपप्रा

१३)

१४)

पुजारी दहल ज्ञानरसामो
दुपप्रा दरमाहे दुपप्रा

१५)

१६)

तमना न्यास ज्ञानन्यपोह्यो
दासनि ज्ञाने वाचर वुराणे
रामप रमाह आता आता
पादपूज ५) मीरद मीरद
नकरिणी रमाहे माहे
मेहरमा ३) ३)
दुपप्रा ३) ३)

५)

मसानी सन्ती करारमिती फागए मुदिर सम्बत १९९८
मुकामस जर्जिनपुर
मुकामिलानि प्राहीरहे
मलदेन प्रमस्य मोहिलाना

माह देवती श्रीरामेन्द्रजी के पुत्रों का हक
 रीति रीति का हक एक पदों का हक
 सब हो कर प्रसंग का संगति पद
 दूसरे प्रजा का हक नहीं अरु
 मीलों का तीसु दिवस सब न
 पाओ प्रजा का हक मन की वचन
 करे सो माना मेव सब तरा हक
 मुका मुका प्रजा मेव हो प्रजा प्रजा
 पावता हो प्रजा प्रजा में सब हक
 हावता हो प्रजा प्रजा हो प्रजा प्रजा
 दिवस की प्रजा प्रजा पावता हो प्रजा
 ही प्रजा दिवस की प्रजा प्रजा प्रजा
 हक एक

११

प्रजा प्रजा प्रजा प्रजा प्रजा प्रजा

द्वितीय प्रजा प्रजा प्रजा

प्रजा प्रजा प्रजा प्रजा प्रजा प्रजा

मोकूफकी ज्यो

विहीकरासिनी बेंसाय सुदि व समन्त वरु

महादेव जी श्री भूलेख गुरजी विराजमान

कसबा लोडगरा सुसंभक में देहरेति

परन प्रत्यां के पुनारिजिद करी ज्योने

ग के जाली रो जीना ब को एक वाच्यो

राहदारी कसबा लोडगरा सुसंभक

सुजा बाछां सचम वसुं मुजादिक

मन्त्रिं पुनारद्वार लगी रहना सुं सो दो

लागता खररी जीनों काती सुदि वर

समन्त वरु ताई पा प्रो मन्त्रो

दादर सनद की बिचल वने छे सो दो

नाम देस यत राजा हर साह क मुजा

जोगिदर हो प्रभु श्री र कपोन पांचनो

हो प्रतो नद नगर पोसो मुजादिक हुक

मन्त्री रहत के लिखो छे मन्त्री महि

मुजबिलानि गरी नई

अलदेख जय मन्त्री सिपाय

सर्गोपनिषद् हस्तपत्ररोगीनोपनिषद्
 लतां देवाय छेनोपनिषद् दीनालोकी
 आगे पावे छे जीर्णोपनिषद् नारायण
 कोपनिषद् मुकरारोगीनोपनिषद्

११

प्रज्ञानगीर्णोपनिषद् पत्नीनाम्

द्विसिद्धाष्टकम्

गीर्णोपाय छे तेने

कूपकीपे

चिन्ताकारमितीबेसायमुदिन सम्बत १८८८

हाकुरश्रीमद्देववाणीकरवैजनाथी
 लुगिरुविराजमानकननायकान्द्रेषु
 मेंसिद्धरासगणपतिपूजाकाविर
 मणपत्नीबालके

न्याकेनलीमुनष्टिकसादबास्तमेंदसयनदीवातप्रप्त
करारमिनी न्यासीजबुदिकि सम्बत १८२५ न्याजपहुंकी
पुन्यठरि कहि सागां लतागलतेजसंभतपारामगणप्रग
नासबार्द नैपुरकामेपटी तुदी नतसाविकनोमन्नगैहसुमा
दुपप्रा १३६७) कीगदा घरसगणपत पूताकाविरामणप
लीवातमुनष्टिक मन्त्रमें सबनी म्भाराजावैकुंठबासीजी
श्रीसर्वाश्रीमोक्षस्वप्नजी करारमिनी न्यासाजबुदिकि
लसम्बत १८२५ फलपत्रे सोहा सिजहि सागां ड कोसम्ब
त १८२५ तई पापों प्रवदुवत दाप सधवत १८२५ येहि सत
त सान्नीना दुपप्रा २५७) को नोमने चढ़ासो नी संह मन्त्रमें
सबनी दरवारको करारका दसयत करपो चाहसो
दसयत वासपुकन दुला मुजाडिक लिखे मन्त्रमें
सबनी लियो मुनरका गोत्र मन्त्र कूरतन साविक
नोमन्नगैहसुमा २५६७) मये पटी तुदी दुपप्रा १३६७
की मये तन सान्नीना दुपप्रा दो दसै

१५५)

श्रीमहादेव न्यापे मन्त्रवैतना श्रीमहादेव वाय लंगतीन
मुनष्टिकलिनी न्यापे नैद
मलदेव न्यापे न्यापे नैद

पत्नी तनसाली नादुपपा तनसाली नादुपपा पिते
पिते हन्

६९

७५)

७५)

प्रधानी सवती करार मिनी आसी जनुदि नसा
न वरुन मुनाम सवती जे पुर

हा प्रधानी सवती करार मिनी फगल बुदि नसा
न वरुन मुनाम सवती जे पुर

मुकरान नसा हिसा गंग नजाल तेन स्पंभन पाराम
मगना सवती जे पुर नन सवती जे मगल गेरु सुभादुपपा

२०५७) मध्ये पदी तुरी युवता वरुन की मध्ये वत हा
प्रसन्न वरुन सवती वरुन वरुन वरुन वरुन वरुन

व्राले कर जो की ज्योतन सवती नादुपपा इतो हसे

७५)

श्रीमद्देव बाणेश्वर जे श्रीमद्देव बाणेश्वर जे
नाथ ती तनसाली नादुपपा तनसाली नादुपपा

प्रा

७५)

मुनामिलानि मुनामिलानि

मल देव नमस्ते नमस्ते

(५)

महादेवजीजीस्वरूपरतीविराजमानकरे
वाक्प्राचेरमेंमुतमिलमनसाहेबोकीये
लकीमिंदरनदोबलापोत्पांकामोमादेवी
स्त्रीमुत्राधिकदुकमय्रीहृदयकेपानेंलिम
छंदरीजीसाहकोएकदुखीआमापा
कमजाआंचेरकासंइबतदण्डमिनी
बेसायबुद्धिउसालसम्बत १८३५
दिनाबोकीपोमुकररा रोतीनाह
की

११

बिहीकरारमितीबेसायबुद्धिउसालसम्बत १८३५
ज्ञानगीबोहरागुलाव मुबानीमतोरथराममिंदूकती
परतुबानीदूरमहमद ठलेत

महादेवजीजीस्वरूपरतीविराजमानका
बीजीमेंत्याबीसेसागोपात्तश्रीलाल
विरामणकरेत्पांकेजासेमुत्राधिकप्रा

दरगस्तमिंदसयतरी ज्ञानप्राप्तकररजिरी

चैतनुदिबुद्धसम्मानबद्धद्वयजपहुन्वी
जोगिंदरीजीना आना गुमाननिबद्धकासी
जीकाकीआमदनीमिसंज्ञकदाप्रति
नोप्राप्तगुदिबुद्धसम्मानबद्धद्वयकरी
वाकोदुक्कमहुयोसोनिदसयतकराप्रोची
देखीदसयतधम्मदुक्कमहुयोमुक्करी
कलिधित्तानोसवतीलियोमुकरा
रोजीनाआनाच्या

७

प्रगैगोपालजीना
नविरामराजैना
संगिपुन्यकैरोजीना
नानाचमारजैस्य
पुराचमैरद्वयद्वयी
जीप्रज्ञागजीना
मिंदरकीप्रज्ञाद्वयी
मैसंज्ञकनस्योरास
विराजणसारसुतको

मुखाधिकसनदरी
 साणीकरारमिनी
 तीबुद्धिसम्बन्ध
 केनिष्ठापहुंनो
 सोमोक्तकौशो

अज्ञानोसन्वतीकरारमिनीबैतसुद्धि... सम्बन्ध
 मुन्नामसर्ग... पुनः

महादेवजीश्रीधूलेश्वरजीविराजमानगोह
 अष्टोत्तराशिकैकसनासर्ग... पुनः
 सुतसिलत्वाकीसेनाविरभीनेद्विराम
 एगूसरगोहकरे

वावतजोगपलीमहादेवजीश्रीधूलेश्वरजीविराजमानगोह
 अष्टोत्तराशिकैकसनासर्ग... पुनः
 कीसेनाविरभीनेद्विरामएगूसरगोहकरेत्वाकेना
 स्तेमुखाधिकसादरास्तमेंदसषतकीसुजापानकरारमि
 तोअद्वैताबुद्धिसम्बन्ध... अज्ञानपहुंनो

मुन्नामसर्ग... पुनः

बलदेवदामसर्ग... पुनः

गनेधरतीनीन २५ फनाखोकी गो सनतकूर की मुतासिल
परखण कीनलाई के दुबतदा पुसावगुहा लूसवतु २५
के करे बाके महुकमहु सोहसमन कराछो चाहे सोहस
मतमास दुकमहुचा मुचाधिक लिये खीगे नैगके रनेनी
कोअनुलो सवती लिये मुकरा धरती कपारा की बीध
इकईस

२५

अधानी सवती करारमिने प्रासी जमुदि सवत २५
मुकाम सवति जेपुर

५

श्रीमहेश्वरी विराजमान स्यामी विजाने रनीस
वामा मोहका कति देह मेह तम्भ पूराम के न्याके
नीग के प्रासी च नूला नसना सत्राई जेपुरकी
संमुन प्रिक प्रचाने सवती माराना श्रीसा
ई दुकवरमं यगी करारमिती माह सुदिद
सवत २५ कायेर माहि स सही दुपत्रा
साइमात

७५

मुवालिता निपाटी करे
बलदेव यमसामो गी कर्ष

मन्त्रां सवती करारमिती माह सुदि रं सम्बन्ध

सावित्र्यद्वयदाल

श्रीगुरुदेवकी विराजमान कसना सलाई
जो पुरमें मुनिसिल खनासपुर के पीपल
केरसे लोका का जोग के नामे मारद्वयदाल
हर साई की मिती जसा उबुदि रं सम्बन्ध
कराई मरज पदुं बी जोग करारमिती
हे सो दु कस दुआ दरमहे दु पत्रा इ
वतद्वयमिती नाधसा सुदि रं सम्बन्ध
कराई जोग के नामे मारद्वयदाल
सब पै जे पुरका संदु नो नी को मन्त्रां
मन्त्री लिखो मुकरार दरमहे दु पत्रा
व्यार

७)

मन्त्रां सवती करारमिती माह सुदि रं सम्बन्ध
काम सनारि जे पुर

मुकररातनयाद्वरमाह इवनराप्रमिनीजावतासुदिन
 सम्भवत बृहस्पति सीगोभोग कैवल्यजाणिनीजाकसर्व
 सप्तार्द्धिनेपुरकासुंदीकोकीन्धोपुप्राच्यार

(४)

श्रीमाहदेवतीकीमिंदरकसबासजादे
 जेपुरमेंजावेरकीन्धोपट्टकीन्धोचसहि
 वरामगंदोडीनवीनएम्पोत्ताकीन्धो
 स्त्रीमारफतराताहस्ताहकीमिनीका
 गणसुदिन सम्भवत बृहस्पतिराजपट्टकीन्धो
 नेगकरनेवाकोठुकमहुतोसीदयध
 तकरामोचहिसीहुकमहुतारोजिना
 कोणकदासीगोभोगकैवल्यनराप्रमिनी
 माहसुदिन सम्भवत बृहस्पतिराजपट्टकीन्धो
 जेत्तोंजाकसबासप्तार्द्धिनेपुरसुंदीकीन्धो
 कोप्रवागोंसबनीनियोमुकररातेनी
 नाचकोयक

११

प्रधानोंसबतीकरारमिनीसाग्रणसुदिन सम्भवत
 बृहस्पतिमुकामसप्तार्द्धिनेपुर

सप्तार्द्धिनेपुरादि
 बृहस्पतिराजपट्टकीन्धो

मुकरात नमो हरो जीनि गुरुवत दाप्र सिनीमाह सुदि
सम्बत १८२९ धे सी गै जोग के जणि ग्राम चनी चनी
कस बास नई जै पुरका सुंदी बो की पोद को एक

११

हाकुर श्रीमद नमो हनी विराजमान गंगु
चोमूत पाह लेनी जगना सत्राई जै पुरका
मिंमिं चरन्को हू लाव राप नं चकावडी
सुप के त्यां के

बाबत जोग हाकुर श्रीमद नमो हनी विराजमान गंगु
मोहन जी विराजमान गंगु मदन मोहन जी विराजमान
मूत पाह लेनी जगना सत्राई गोप चोमूत पाह लेनी जगना
जै पुरका मिंमिं चरन्को हू लाव सत्राई जै पुरका मिंमिं चरन्को
हू लाव राप नं चकावडी सुप के त्यां के
कैलासो मुन गेक पाद दासि यकै त्यां कैलासो मुन गेक
मंदसमत ही छप साज का साहसा मंदसमत ही
रमिनी जे हनुदि साज स नमन करार मिनी जे हनुदि
सम्बत १८२९ अरज पंहु ची जे हू साल सम्बत १८२९ अरज

सुभाषित की जाही है

कलरे अरज पंहु ची जे हू

नीमनें धरती गां नमो शिवाय	हुं चीन्धो नीमनें धरती गां
पाहने ली नगीर हजगनामा	कशीरामपुरावास आनी
कूर डोंगैरु नगीर धा ३९७)	सरत पाहने डा अगनास
मुताफिक पड़े नागीर नार	बाईनें पुरकी बीधा बहू
कैजुगनें तफ सोन जैल	इबत हाप सावत नहान्द
अगनास बाईनें श्रीर अगनास	म्वत बहू ऐं ऐं करे नाके
पुरकी बीधा ली बीधा दो मुसे	हुकम हुडो सोन सपन क
त्यासी — तीस —	रापो न्वाह सो दस मत घास
८७) — २३०)	हुकम हुडो मुताफिक ली
गां अम गां कुनीं गां अम गां अम	बेसी गै जोगा के नोतीं को
अकूली इदत मऊरा बरवा	अगनास सवती लियो मुकर
मुताफिक पाहने अगना डा अ	राघरनी बीधा एक सोइ
कपड़े ली की न्वाह गत ली	कसहि
असं अ मुताफिक की मुताफिक	
नाधान कपड़े फिकप मुताफिक	१६१)
तकार राबत वैअर कपड़े	अगनास की नंग डलाप
मिलीका दूसरी जनसा अनामे	बीधा साहि अगनास बी
नीसु रि स्पेष्टि लारा ली स्पेष्टि	६०) अगनास सो
हुसब निरमल वनक सेबा	एक
	१०१)

नन्ददेव ताकरीरारामि नकरा प्रज्ञानीसचतीकरारामिनी
 येकरा रमिनी तीकरा रमिनी स्वाध्यायमुदिद्विमानस
 रांकी फाराण मुदिद्वि फाराण म्वन २२२ मु काम सहाई
 बीघा मुदिद्वि सम्बत मुदिद्वि जेपुर

५७ सम्बत २२०० सम्बत
 २२२ येकरा २२२
 येकरा रांकी येकरा
 रांकी बीघा रांकी
 बीघा ६७ बीघा
 ७७ ७७

गोचरमु	गोचरमु गोचर
काचरमु	काचरमु बीघा
रामेखा	गजारा जगज
ससीता	मगछी लाल
रामपुरा	मुदिद्वि गोचर
बामूछे	कपचै बीघा
तातपा	वलजं प्रिकप
कोकड	स्वयंसे जेचि
कीमुक	बाउतरे रमाही

पिछपेट	तीषाण्ड नहमीर
जोहदार	हारमिरी दहका
संघर्ष	असाधनु करारधि
लनसं	दिदसा तीगमा
पनाथ	नसाधन ठुदिर
लोचन	तदुदक सलस
रमिनी	वैनीधाम्नत
फमाण	रकसी रुदक
सुदिर	पथीस धेनी
सम्बत	२५ पा
कुरु	मजानत २५
चिकरा	रीकी उ. कजानत
कीची	बीधाना रीकी उ.
धा	२५ पक धा ला
२५	०५ रु पक
	नवी नरा
	पा पुन
	२५ बी
	पा
	७

सोदसिन्धु क्षत्रिय कोस
 सस्यस्य सस्यस्य सस्यस्य
 ईषाप्रोन्प्रचदु कामदुचो
 हरचारसंयन्तानोसवती
 इवतदाप्रसायउन्हात्
 सम्यत बह्वर्धेकरदो
 सोदस्यत कषप्रोन्चा
 सोदस्यत कषप्रोन्चा
 दुष्मागुप्तापिकलियेप्र
 क्षानोसवतीलियोमुक
 रराघरतीवीघातीनसे
 नरा

(३५३)

प्रचक्षोसकीकरामिनी
 साधुरा बुद्धिदसाजसास्य
 नक्षत्रमुकामसवर्जिषु

इत्यमननेरीनान्ननकत्वमिषा

उन्हात्सिन्धुक्षत्रियकोस
 सस्यस्य सस्यस्य सस्यस्य

सस्यस्य सस्यस्य सस्यस्य
 सस्यस्य सस्यस्य सस्यस्य
 सस्यस्य सस्यस्य सस्यस्य

